जेम्स हेडली चेइज़
हीरों की चोरी

जेम्स
हेडली
चेइज़
हीरों की
चोरी
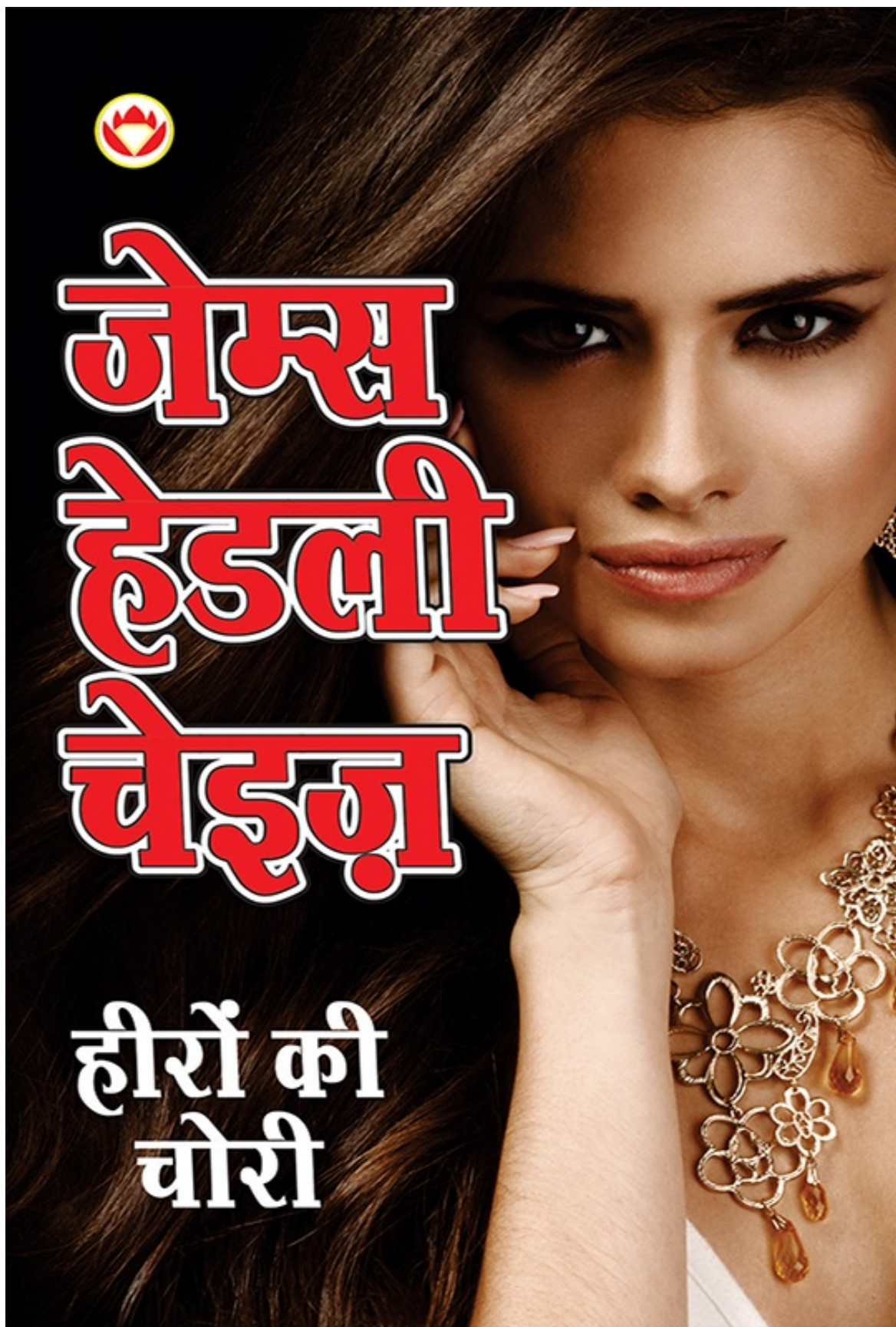
हीरों की चोरी

eISBN: 978-93-5261-511-7

प्रकाशक डायमंड पॉकेट बुक्स (प्रा.) लि.
X-30 ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-II
नई दिल्ली- 110020
फोन : 011-40712100
ई-मेल : ebooks@dpb.in
वेबसाइट : www.diamondbook.in
संस्करण : 2015

Heeron Kee Choree

By - James Hadley Chase

हीरों की चोरी

बाहर गहरा अंधेरा फैल चुका था।

क्लब में बने रेस्तरां के डायनिंग हाल में गहरी खामोशी थी। मेज-कुर्सियों को करीने से सजा दिया गया था। उन पर फूल सजे हुए थे। एक कोने में आर्केस्ट्रा पड□ा हुआ था। थोड□ी देर बाद लोगों के आने का सिलसिला शुरू होने वाला था। सारे हॉल में हल्की रोशनी फैली हुई थी।

क्लब के मालिक रिको ने अपने दफ्तरनुमा कमरे का दरवाजा खोलकर बाहर झांका। वहां गहरी खामोशी थी। उसने कान लगाकर सुना, मगर वहां किसी का स्वर नहीं था। वह वापस घूमा और उसने दरवाजा बंद कर लिया।

कमरे में पड□ी कुर्सी पर एक आदमी बैठा था। उसने कहा, 'रिको, मैं यहां सिर्फ आधा घंटा और हूं, मगर तुम परेशान क्यों हो ?'

प्रश्न करने वाले का नाम बेयर्ड था। उसका कद लम्बा, चेहरा कठोर, कपड□ मैले और आंखें हल्की नीली थीं। उसने जो हैट पहन रखी थी, उस पर तेल के धब्बे थे। वह सूरत से एक भयानक आदमी लग रहा था।

बेयर्ड की मौजूदगी रिको को बेहद परेशान कर रही थी। ऐसा पहली बार नहीं हुआ था। जब-तब वह बेर्यड के साथ होता, उसका दिमाग परेशान हो उठता था। बेयर्ड कुछ भी कर सकता था। वह जानता था कि बेयर्ड एक खतरनाक आदमी है, लेकिन फिर भी वह उसे पसन्द करता था- बिल्कुल ऐसे ही जैसे कुछ लोग जहरीले सांप को पसंद करते है। रिको विचारों में खोया था, तभी बेयर्ड ने एक मैला-कुचैला रूमाल जेब से निकाला। उसमें उसने कुछ लपेटा हुआ था। बेयर्ड ने उसे मेज पर उछाल दिया।

मेज पर गिरते ही रुमाल खुल गया और उसमें से एक बाजूबंद (हाथ पर बांधने वाली चैन) निकलकर चमकने लगी। चेन पर हीरे-जवाहरात जड□ हुए थे। बिजली की रोशनी में वे चमक उठे।

रिको ने गौर से उन्हें देखा।। उसकी आंखें लालच से चमक उठीं। उसने हीरे-जवाहरात से जड□ी ऐसी सुन्दर चेन पहले कभी नहीं देखी थी। उसका मन मचलने लगा, लेकिन सहसा वह कांप उठा। मन में जो लालच जगा था, उसकी जगह डर और सतर्कता ने ले ली थी।

रिको चोरी की चीजें खरीदता था, मगर वह बाजूबंद इतना कीमती था कि उसे खरीदकर ठिकाने लगाना उसके वश की बात नहीं थी। छोटी-मोटी चीजें को इधर-उधर कर देना तो मामूली बात थी, लेकिन ऐसी कीमत वस्तु का आगे बेचना मौत को दावत देना था।

पुलिस की उस पर पहले ही कड□ी नजर थी। रिको ने बेयर्ड के चेहरे को घूरकर देखा और कहा, 'मैं तुमसे पहले भी कई बार कह चुका हूं कि ऐसी-ऐसी चीजें को ज्यूं-की-त्यूं बेचना खतरे से खाली नहीं है। मैं इसे नहीं खरीद सकता।'

'इसे तोड□ डालो। इसके टुकड□ करके बेच देना।'

‘टुकड□ करने पर इसकी कीमत क्या रहेगी-खाक ?’

‘बको मत। मुझे बेवकूफ बनाने की कोशिश मत करों।’

‘मैं तुम्हें खूब समझता हूं।’ बेयर्ड ने भिंची हुई आवाज में कहा- ‘इसको टुकडों में बेचो तो भी हजारों का माल है।’

रिको ने इंकार में सिर हिलाया। जब वह पहली बार बेयर्ड से मिला था तो उसने अपने बारे में काफी महत्वपूर्ण होने का विश्वास दिलाया था। बेयर्ड को भी भरोसा था कि रिको बड□-से-बड□ कीमती माल को खरीदकर आगे आसानी से बेच सकता है। रिको अपने इस भम्र को तोड□ना नहीं चाहता था। इसलिए उसने सख्ती से कहा- ‘मुझे यह माल नहीं चाहिए। इसमें बहुत खतरा है। तुम कहीं और चले जाओ।’

बेयर्ड ने रिको को तीखी नजर से देखा और बोला, ‘कुछ भी हो, इसे तो तुम्हें लेना ही होगा। मैं बड□ी मुसीबत में हूं। जिसकी यह चेन मैंने छीनी है, हो सकता है कि सिर पर लगी चोट से वह मर जाए।’

रिको का चेहरा सख्त हो गया। उसकी सांस जोर-जोर से चलने लगी। ‘क्या कहा तुमने? वह मर रही है।’

बेयर्ड ने रिको की टेबल पर पड□ सिगरेटकेस में से एक सिगरेट निकालकर सुलगाया। वह व्यंग्य से रिको पर हंसा। रिको के चेहरे पर अचानक उभरे डर के चिन्ह उसको खुश कर गए थे।

‘तुमने ठीक सुना। वह मर रही है। जब मैंने चेन छीनी तो उसने शोर मचाने की कोशिश की। थोड□ी ही दूरी पर पुलिस की गश्ती जीप खड□ी थी। मजबूर होकर मुझे उसके सिर पर वार करना पड□ा।’

सुनकर रिको को लगा मानो वह बेहोश हो जाएगा। उसने टेबल के कोने को पकड□ा, ताकि नीचे गिरने से बच सके। उसका चेहरा डर के मारे सफेद होने लगा था। रिको ने अपने पर काबू पाकर कहा, ‘तुम बिल्कुल गधे हो। खैर, अब तुम यहां से भाग जाओ। पुलिस को उस घटना का पता चलेगा तो वह सीधे यहां ही आएगी। उन्हें मालूम है कि तुम अक्सर यहां आते-जाते हो। अब तुम यहां से दफा हो जाओ और फिर अपनी शक्ल मत दिखाना।’

बेयर्ड ने अपने भरे-भरे बाजुओं को सहलाया। उसे शुरू से ही मालूम था कि रिको एक डरपोक आदमी है। वक्त पड□ने पर वह रिको को दबा सकता है। इसी गुण के कारण उसने रिको को ऐसी चीजें बेचने के लिए चुना था। संकट की ऐसी स्थिति में वह रिको को आसानी से दबा सकता था। उधर रिको भी उसको किसी हद तक पसन्द करता था, क्योंकि वह ऊंचा, तगड□ा, क्रूर व्यक्ति था और समय आने पर चुटकियों में किसी को भी ठिकाने लगा सकता था।

बेयर्ड ने दूसरा सिगरेट जलाया और बोला, ‘मुझे कुछ रुपये चाहिए ?’

‘रुपये ! कितने ?’

‘पांच हजार।’

रिको ने मन-ही-मन ‘नहीं’ कहा। जिसकी चेन थी, वह मर रही थी। यह खून का मामला बनने

वाला था। वह चोरी के माल को तो इधर-उधर कर सकता था, मगर खून के मामले में भागीदारी नहीं बनना चाहता था।

उसने चेन को वापस मेज पर बेयर्ड की तरफ फेंकते हुए कहा, 'मैं तुम्हें एक भी पैसा नहीं दे सकता। तुम इसे उठाओ और यहां से दफा हो जाओ। इस मामले में क्या मैं भी तुम्हारे साथ मरु? तुम पागल हो सकते हो, मगर मैं नहीं।'

बेयर्ड ने गुस्से से अपना ओवरकोट उतारा। उसके कंधे पर पिस्तौल लटक रहा था। उसने ऐसा इसलिए किया था, ताकि रिको इसे अच्छी तरह देख सके। उसने सख्ती के साथ कहा, 'पांच हजार रुपये।' उसकी आंखों में धमकी थी।

'नहीं।' रिको ने भी सख्ती से जवाब दिया, मगर उसका चेहरा पसीने से भीग गया था। तुम मेरे से ऐसी धमकी वाली बात मत करो। जो चीज मैं नहीं चाहता, उसके लिए जोर जबरदस्ती क्यों करते हो? भूलो मत, हम और तुम पुराने दोस्त है।'

'पांच हजार।' बेयर्ड ने उसकी बात को अनसुना करते हुए कहा, फिर बोला, 'और जल्दी करो। इससे पहले कि पुलिस यहां आ धमके, मैं यह शहर छोड□ देना चाहता हूं।'

रिको ने उसकी तरफ गुस्से और बेबसी से देखा। वह क्या करे और क्या न करे? उसका सारा शरीर कांप रहा था और चेहरे से पसीना चूने लगा था, मगर फिर भी उसने हिम्मत करके कहा- 'तुम यहां से चले जाओ। मैं इस चेन को खरीदना तो क्या छूना भी नहीं चाहता,

बेयर्ड ने रिको को कलर से पकड□ लिया। उसने रिको की गर्दन पकड□कर कुर्सी से उठा लिया। मेज पर पड□ी बहुत सी चीजों को उसने जमीन पर दे पटका। बेयर्ड का चेहरा गुस्से से लाल हो गया था। उसने कहा, 'तुम पांच हजार देते हो या नहीं?'

यह कहते हुए बेयर्ड ने जोरदार घूंसा रिको के मुंह पर दे मारा। रिको थर-थर कांपने लगा मगर बेयर्ड ने इसकी परवाह न की। उसने दो-तीन घूंसे और दे मारे। रिको लड□खड□ाकर जमीन पर गिर पड□ा। बेयर्ड ने फिर पूछा, देते हो या एक दो और दूं?'

रिको हांफता हुआ उठ खड□ा हुआ और अपनी कुर्सी पर जा बैठा। उसने अपने दाएं हाथ से चेहरे को सहलाया। बेयर्ड की मार ने उसकी हिम्मत को तोड□ डाला था। रिको ने दराज खोली और कांपते हाथों से पांच हजार का एक बंडल बेयर्ड के सामने फेंक दिया।

बेयर्ड ने झपटकर नोट उठा लिये, उसने चेन को उठाकर रिको की गोद में फेंक दिया। और नोटों के बंडल को जेब में रखते हुए कहा, 'तुम सीधी तरह से क्यों नहीं मान जाते? मैं जो चाहता हूं, उसे हासिल करके रहता हूं। यह बात तो तुम्हें अब तक मालूम हो जानी चाहिए थी।'

रिको ने कोई जवाब नहीं दिया। उसने चेन को उठाकर अपनी जेब में डाला और चेहरे में उठते दर्द को हाथ से सहलाकर कम करने लगा।

बेयर्ड अबकी बार यों सहज भाव से बोला मानो कुछ हुआ ही न हो। मैं जहां जाऊंगा, तुम्हें बता दूंगा। अगर वह न मरी तो मैं एक हफ्ते में वापस आ जाऊंगा। मुझे कुछ और छोटे-मोटे काम भी करने हैं। अगर मेरे बाद तुम्हें किसी खास बात का पता चले तो उसे अपने तक ही रखना। समझे?'

रिको कुछ नहीं बोला। उसने अपने सूखे होंठों पर जुबान फेरी, और अपने गाल को दबाते हुए सिर्फ इतना कहा, 'तुम बेफिक्र रहो।'

बेयर्ड ने उठते हुए कहा, 'जरा बाहर जाकर एक नजर तो डालो, कोई है तो नहीं। ऐसा न हो कि मैं बाहर निकलूं और किसी मुसीबत में जा फसूं।'

रिको ने कमरे से बाहर निकलकर यहां-वहां देखा। चारों तरफ खामोशी थी। उसने वापस आकर कहा, 'सब ठीक है, तुम जा सकते हो, मगर ....।

'मगर क्या?'

'सामने वाले दरवाजे से मत निकलना।'

'फिर ?'

'पिछले दरवाजे से निकल जाओ, किचन से होकर।'

'ठीक है।' बेयर्ड ने जवाब दिया और चला गया।

उसके जाते ही रिको ने अपना चेहरा शीशे में देखा। वह लाल हो रहा था। उसने बोतल में से शराब निकाली और एक गिलास भरकर गटागट पी गया। इसके बाद उसकी हालत कुछ ठीक हुई। अब दर्द भी कुछ कम हो गया था। उसने जेब से चेन को निकाला और रोशनी में देखा। उसने इस तरह की हीरे-जवाहरात से जड□ी चेन पहले कभी नहीं देखी थी। उसकी आंखें चमक उठीं। उसने मन-ही-मन सोचा- यह चालीस-पचास हजार से कम क्या होगी। वह चेन सुन्दर भी थी और खतरनाक भी।

कुछ सोचते हुए रिको अपनी जगह से उठ खड□ा हुआ। उसने दीवार में लगी एक गुप्त सेफ को खोला और चेन को उसमें रख दिया। उसने सोचना शुरू किया कि अगर लड□की नहीं मरती तो यह खून का मामला नहीं बनेगा। पुलिस भी ज्यादा दौड□-धूप नहीं करेगी। कुछ दिनों में बात दब जाएगी और फिर इसे बेचना मुश्किल नहीं होगा। यही ख्याल करते हुए उसने शराब का एक और गिलास उठाया और अपने कमरे से जुड□ बाथरूम में चला गया।

उसने खूब मन लगाकर स्नान किया और ठंडे पानी के छींटे बार-बार आंखों पर मारे। अगरचे बेयर्ड जा चुका था मगर उसके शब्द 'मैं जो चाहता हूं, हासिल करके रहता हूं' रिको के कानों में गूंज रहे थे। कोई शक नहीं कि बेयर्ड ने उसकी मरम्मत की थी, मगर रिको के मन में उसके खतरनाक होने का दबदबा पुख्ता हो गया था।

रिको ने नये कपड□ बदले और अपने दफ्तरनुमा कमरे में आ गया। एकाएक कमरे में दाखिल होते ही उसका दिल धक्क-धक्क करने लगा। एक कुर्सी पर पुलिस इंस्पेक्टर चॉर्ज ओलिन बैठा था। उसका कद लम्बा, चेहरा गंभीर और आंखें तेज थीं। उसने भूरे रंग का सूट पहन रखा था। उसके होंठों में एक बुझा हुआ सिगार था और पर व्यंग्य भरी हंसी थीं।

'हैलो, रिकी।'

'हैलो, इंस्पेक्टर जॉर्ज।'

'यहां थोड़ी देर पहले कौन आया था?'

जॉर्ज का प्रश्न सुनकर रिको का गला खुश्क हो गया, मगर उसने बात बदलकर पूछा, 'आज यहां कैसे आना हुआ? बड़े दिनों से देखा नहीं आपको?'

जॉर्ज ने बुझा हुआ सिगरेट होंठों से निकालकर इधर-उधर देखा और बोला, मैंने सोचा था कि आज तुम रंगे हाथों पकड़े जाओगे?'

रिको ने मुस्कराने की कोशिश की। वह बोला, 'मैं जो कुछ करता हूं, सोच-समझकर करता हूं। जो कदम उठाता हूं, देखकर। मगर आप किस बात के बारे में सोच रहे हैं?'

'क्या तुम बताओगे कि आधा घंटा पहले यहां कौन आया था?'

रिको ने अपने लिए शराब का एक गिलास भरा। उसका दिमाग तेजी से काम कर रहा था। वह सोचने लगा कि जॉर्ज एकाएक कैसे पहुंच गया? क्या बेयर्ड को यहां आते किसी ने देख लिया था? क्या मेरे क्लब की पुलिस निगरानी कर रही है? कहीं वह झूठ बोलते हुए मुफ्त में ही धर न लिया जाए, पर वह सच भी तो नहीं बोल सकता था, इसलिए उसने झूठ का सहारा लेना मुनासिब समझा।

रिको ने कहा, 'आधा घंटा पहले? कोई भी नहीं। क्लब तो आठ बजे खुलता है। अभी यहां कौन आता है?'

उसने दीवार पर लगी घड़ी को देखा। वहां सात बजकर बीस मिनट हुए थे।

रिको बोला, मैंने किसी को यहां आते देखा नहीं, मगर बाहर रेस्तरां में कोई भी आ सकता है। आप भी तो चुपके से आ गए हैं।

जॉर्ज ने दांत किटकिटाए। वह रिको को अच्छी तरह जानता था। वह जानता था कि रिको रातों-रात अमीर बनने के सपने देख रहा था। वह पिछले कई महीने से रिको की निगरानी में लगा था। वह एक मौके की ताक में था कि कब रिको को गिरफ्त में ले।

जॉर्ज ने व्यंग्य से कहा, 'तुम ऐसे समझने वाले नहीं हो क्यों जेल की हवा खाना चाहते हो?'

रिको मन-ही-मन कांप उठा। फिर भी उसने अपने को संभालकर कहा, 'क्या बात है इंस्पेक्टर जॉर्ज! आज आप कुछ नाराज नजर आते हैं। कुछ लाऊं, पीओगे?'

जॉर्ज ने कुर्सी पर पहलू बदला तथा बोला, 'मैं ड्यूटी पर नहीं पीता।' फिर उसने रिको के चेहरे की तरफ देखकर कहा, 'तुम्हें किसने मारा? तुम्हारे चेहरे की क्या हालत हो रही है। क्या बेयर्ड ने मारा है?'

रिको इस तरह के सवाल की उम्मीद कर रहा था। उसने अपने कंधे को झटका देकर कहा, 'मेरी यह हालत एक लड़की ने बनाई है।'

'लड़की ने?'

'हां, मेरा ख्याल था कि वह सीधे ढंग से मान जाएगी, पर वह तो बड़ी शैतान निकली। उसने अपने 'हेयर ब्रुश' से मेरे चेहरे का यह हाल कर दिया।'

'बहुत खूब। कहां है वो? मुझे मिलाओ ताकि मैं उसे तुम्हारे खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट लिखावाने

के बारे में कहूं।'

रिको खिलखिलाकर हंस पड़ा।

'अब तो वह घर चली गई है। यह कोई नई बात नहीं, पर आप बेयर्ड का क्या चक्कर ले बैठे। मेरा उससे क्या रिश्ता है?' रिको ने कहा।

'क्या वह थोड़ी देर पहले यहां नहीं आया था?'

'मैंने किसी को नहीं देखा।'

'झूठ।'

'नहीं सच।'

'अपनी गर्लफ्रैंड को भी नहीं?'

रिको चुप रहा। जॉर्ज ओलिन ने एक पल के लिए उसकी तरफ देखा और दांतों तले सिगरेट दबाकर बोला, कुछ घंटे पहले जीन ब्रुस नाम की एक्ट्रेस अपने घर से बाहर निकली। वह कार में थोड़ी दूर ही गई थी कि उसको रोक लिया गया। उसके बाद उस पर हमला किया गया और उसे लूट लिया गया। उसने एक कीमती चेन पहन रखी थी। जिसकी कीमत पचास हजार डॉलर बताई जाती है। जिस वक्त उसे लूटा गया, थोड़े ही फासले पर पुलिस की एक जीप भी खड़ी थी, मगर किसी ने कुछ नहीं सुना। दिन-दहाड़े लूटमार की ऐसी घटना बेयर्ड के अलावा कौन कर सकता है? वह कई महीनों से तुम्हारे क्लब आता रहा है, इसलिए मैं यहां पर आ गया था कि शायद तुम दोनों लूट का माल आपस में बांटने में लगे होंगे।'

रिको ने शराब का एक घूंट पिया, रूमाल से अपने होंठों को पोंछा और जॉर्ज की तरफ भयभीत नजरों से देखा। उसने मन-ही-मन अपने को कोसा कि उसने बेयर्ड से ऐसा सौदा क्यों किया। उधर जॉर्ज ने उस पर एक गहरी दृष्टि डाली।

जॉर्ज बोला, 'तुम्हें मालूम है कि जीन ब्रूस मर गई है।'

'क्या?' रिको की आवाज डर से भरी हुई थी। उसने कहा, 'आप किस तरह कह सकते हैं कि यह काम बेयर्ड का है? आपके पास क्या प्रमाण है?'

'वह जन्मजात खूनी है। मैं यह जानता हूं कि यह काम बेयर्ड के अलावा और कोई नहीं कर सकता। तुम्हारा वास्ता अभी तक छोटे-मोटे चोरों से ही पड़ा है। तुम नहीं जानते कि बेयर्ड एक खतरनाक खूनी है। मेरी बात मानो, अपने को उससे दूर रखो। चुराई हुई चेन जिसके पास भी मिल गई, उसे फांसी की सजा से कोई नहीं बचा सकता।'

डर की एक तीखी लहर रिको के शरीर में दौड़ गई। उसने जल्दी से शराब का गिलास खाली किया और बोला, 'मैं कभी ऐसे-वैसे चक्कर में नहीं पड़ता, आप इसको जानते हैं। भला मेरा उस जैसे खूनी से क्या वास्ता?'

'गुड! रिको तुम एक समझदार आदमी हो। तुम्हारा क्लब अच्छा चल रहा है। तुम खूब पैसे कमा रहे हो। तुम किसी गलत चक्कर में मत पड़ना। अगर मैं चाहता तो अपने सिपाहियों को भेजकर

तुम्हें थाने बुलवा लेता। वे तुम्हें वहां घसीटते हुए ले आते, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया बल्कि मैं खुद आ गया हूं, ताकि अगर तुम उस चेन के बारे में कुछ जानते हो तो मुझे बता दो। मैं तुमसे वायदा करता हूं कि तुम पर कोई आंच नहीं आयेगी। मुझे तुमसे नहीं, बल्कि बेयर्ड से हिसाब चुकाना है।'

रिको को लगा मानो उसकी पीठ पसीने से भीग गई हो। उसे मालूम था कि वह जॉर्ज पर विश्वास कर सकता है। लेकिन कहीं बेयर्ड को पता चल गया तो वह उसे जिन्दा न छोड□ूगा।

उसके चेहरे के भावों को जॉर्ज ने बड□ी गौर से देखा। उसके मन में जो हलचल मची थी, वह उससे परिचित था। जॉर्ज धीरे से बोला, 'अब तो तुम बताओ कि यह बेयर्ड का काम नहीं है?'

रिको कुछ नहीं बोला। पिछले कुछ सालों से वह चोरी की चीजों का धंधा करता आ रहा था। इससे उसने कुछ माल भी बनाया था। बेयर्ड के मिलने से उसको न सिर्फ ज्यादा आमदनी होने लगी थी, बल्कि दूसरी तरफ खतरा भी बढ□ गया था। अब अगर वह बेयर्ड को पकड□वा भी देता तो सभी दूसरे ठग और बदमाश उसको जिन्दा ही चबा जाते। वे सब बेयर्ड को बहुत मानते थे।

रिको ने धीमे से मुस्कराकर कहा, 'मिस्टर इंस्पेक्टर, मैं बेयर्ड के बारे में कुछ नहीं जानता। मुझे मिल ब्रूस या उसकी चेन के बारे में भी कोई खबर नहीं है।'

जॉर्ज ने एक पल को उसे घूरा। उसका चेहरा गुस्से से तमतमा उठा। बोला-

'क्या तुम सच कहते हो?'

'मैं जिस बात के बारे में कुछ जानता ही नहीं, उसके बारे में मैं आपको क्या बताऊं? यूं भी मैंने कई दिन से बेयर्ड को नहीं देखा है।'

जॉर्ज उठ खड□ा हुआ।

वह बोला, 'मैं बेयर्ड को ढूंढकर रहूंगा। जब वह मिल गया तो साफ-साफ सारी बात बता दूंगा कि चेन किसके पास है। उस वक्त तुम फांसी की कोठरी में बैठे होंगे, सोच लो। मैं तुम्हें एक और मौका देता हूं। बताओ क्या चेन तुम्हारे पास है?'

'मैं आपको बात चुका हूं कि मुझे इसके बारे में कुछ पता नहीं।' रिको ने अपने दांत भींचकर कहा।

जॉर्ज ने हाथ बढ□ाकर रिको को गले से पकड□ लिया और उसको जोर से झिंझोड□ा। रिको के सारे जिस्म में डर की लहर दौड□ गई, मगर वह कच्ची गोलियां नहीं खेला था। वह पत्थर के बुत की तरह चुपचाप रहा। जॉर्ज ने उसको एक ठोकर मारी वह, जमीन पर लुढ□क गया। जॉर्ज ने बाहर जाते हुए कहा-

'अब तो मैं जा रहा हूं, लेकिन जल्दी ही वापस आकर तुम्हारी खबर लूंगा।'

जॉर्ज कमरे से बाहर जा चुका था। रिको का सारा जिस्म पसीने में डूब गया था। उसने खाली-खाली निगाहों से बाहर की ओर देखा।

* * *

लम्बा-चौड़ा एड डैलेस टेलीफोन बूथ में दाखिल हो गया। वह टेलीफोन एक होटल के अंदर लगा हुआ था। उसने बूथ के अंदर से बाहर के दृश्य को निहारा। उसकी दृष्टि एक के बाद दूसरी सुन्दर स्त्रियों के चेहरों से फिसलती हुई वापस आ गई। उसने कान से रिसीवर लगा रखा था। दूसरी तरफ से एक औरत की आवाज आई- 'नमस्कार! मैं इंटरनेशनल डिटेक्टिव एजेंसी से बोल रही हूं।'

'मैं एड डैलेस बोल रहा हूं। जिम्मी से बात करना चाहता हूं।'

दूसरी तरफ बैठी टेलीफोन ऑपरेटर और डैलेस एक दूसरे को जानते थे। उसने मुस्कराकर कहा, 'ठहरो, अभी मिलाती हूं।'

दूसरे ही पल फोन पर एजेंसी के बॉस हरमन की आवाज उभरी- 'डैलेस, क्या बात है, ?'

'मैं होटल से बोल रहा हूं।'

'जहां एक हिन्दू महाराजा ठहरा हुआ है?'

'यस।'

'बात क्या है?'

'अभी-अभी एक लड़की और एक पुरुष उस राजा से मिलने आये हैं। दाल में कुछ काला नजर आता है। क्या मैं उनका पीछा करूं ?'

'हां, और पता लगाओ कि वे कौन हैं। इस बार हमें धोखा नहीं खाना है। क्या ये दोनों महाराज से मिलने वाले पहले आदमी हैं?'

'यस।'

'जरूर उनका पीछा करो।' हरमन ने कहा।

'ठीक है।'

डैलेस ने जवाब दिया- 'मैं दोबारा आपको फोन करूंगा।'

कहकर उसने रिसीवर रख दिया और बूथ से बाहर निकल आया। वह होटल की लॉबी को पार करता हुआ वहां पहुंचा, जहां पर उसका साथी एक कुर्सी पर बैठा अखबार पढ़ने का बहाना कर रहा था, मगर उसकी आंखें रिसेप्शन पर लगी थीं। वह आने-जाने वालों को गौर से देख रहा था।

डैलेस ने उसके पास आकर कहा, 'बॉस चाहता है कि हम मालूम करें कि जो दो लोग हिन्दू महाराजा से मिलने आए हैं, वे कौन हैं?'

डैलेस के साथी का नाम जैक बर्नज था। वह बोला, 'मैं तो इस होटल की लॉबी में बैठा-बैठा उकता गया था। अब तुमने बताया है तो उस खूबसूरत औरत का पीछा करने में कुछ तो मजा आएगा।'

'शीशे में अपनी शक्ल देखी है?'

'उसे क्या हुआ है?'

वह तो सोने की चिड़िया है। तुम जैसे कंगाल से उसे क्या मिलेगा?'

‘दिल तो सोने का है।’

जैक के जवाब पर दोनों हंस पड़े।

डैलेस ने कहा, ‘बॉस ने कहा है कि यह मामला बहुत महत्वपूर्ण है। खुली आंख से काम करना।’

‘खूबसूरत चेहरे के सामने किसकी आंखें बंद रह सकती हैं?’ जैक ने चुटकी ली।

डैलेस वहां से हट गया। वह लॉबी को पार करता हुआ मेनगेट के पास पड़ी एक कुर्सी पर आकर बैठ गया। अब वह ऐसी जगह बैठा था, जहां से हर आने-जाने वाले को आसानी से देख सकता था।

उसे काफी देर तक इंतजार करना पड़ा।

जो लोग महाराजा से मिलने गए थे, वे सामने से आते दिखाई दिए। लड़की पहले निकली। उसने खूबसूरत और कीमती लिबास पहना हुआ था। वह बड़ी शान से चल रही थी। उसके नितम्ब भारी थे और हर एक को अपनी तरफ आकर्षित कर रहे थे।

लड़की के साथ जो आदमी था, उसका कद लम्बा और रंग भूरा था। उसके चेहरे पर आत्मविश्वास की झलक थी। उसके चलने के अंदाज में गर्वीलापन था।

वे दोनों डैलेस को बिना देखे उसके पास से गुजर गए। वह भी अपनी जगह से उठ खड़ा हुआ और उनके पीछे चल दिया।

दोनों होटल से बाहर आए। एक कार का दरवाजा खुला। दोनों अंदर आ बैठे। ड्राइवर ने दरवाजा बंद कर दिया और कार चल दी।

उसने कार का नम्बर नोट किया। उसके बाद पास से गुजरती एक टैक्सी को हाथ का इशारा करके रोका और अंदर बैठते हुए बोला, ‘पुलिस हैडक्वार्टर चलो।’ और फिर टैक्सी ड्राइवर से बोला, समझो कि कहीं आग लगी है और तुम्हें वहां पहुंचना है। बहुत तेज चलो।’

‘ओ० के० सर।’

ड्राइवर ने टैक्सी चला दी। दूसरे ही पल वह हवा से बातें करने लगी।

तीन मिनट के बाद टैक्सी पुलिस हैडक्वाटर्स की ऊंची इमारत के सामने जाकर रुकी। टैक्सी का बिल चुकाकर डैलेस जैसे ही आगे बढ़ा, तो उसने देखा कि जॉर्ज ओलिन एक पुलिस जीप से नीचे उतरकर इमारत की सीढ़ियां चढ़ रहा है।

डैलेस उसके पीछे भागा।

‘हे जॉर्ज! लगता है बहुत व्यस्त हो?’

‘हां, बोलो क्या बात है?’

‘मेरा एक काम करोगे?’

‘जल्दी बताओ? मैं बेहद उलझा हुआ हूं। तुम्हें मालूम है कि जीन ब्रूस की हत्या कर दी गई है? वह केस मेरे पास है। खैर, तुम अन्दर चलो।’

डैलेस ने चकित होकर पूछा- 'क्या उसकी हत्या कर दी गई?'

'हां। मजे की बात यह है कि कुछ ही फासले पर पुलिस की जीप भी खड□ी थी, मगर खूनी फिर भी बचकर निकल गया। जॉर्ज ने चलते-चलते कहा। फिर 'बोला एक कीमती चेन जिस पर हीरे-जवाहरात जड□े थे, जिसकी कीमत पचास हजार के लगभग थी, खूनी ले उड□ा। खूनी ने लड□की के दाएं जबड□े को तोड□ डाला और गर्दन को मरोड□ दिया।'

डैलेस ने आश्चर्य से सीटी बजाकर पूछा, 'कुछ अनुमान है कि किसका काम है?'

अब दोनों जॉर्ज के दफ्तर में पहुंच चुके थे-

'अभी नहीं।' जॉर्ज ने जवाब दिया, 'खैर, तुम बताओ क्या काम है?'

'एक कार जिसका नम्बर ए.ओ. 68 है, उसके बारे में मालूम करना है कि उसका मालिक कौन है?'

डैलेस ने सिगरेटकेस जॉर्ज की तरफ बढ□ाया। उसने एक सिगरेट जलाकर कहा- 'किस केस पर काम कर रहे हो?'

'पन्द्रह साल पुरानी एक चोरी पर। बड□ी दिलचस्प घटना थी। उसकी कहानी सुनना पसन्द करोगे?'

जॉर्ज ने इंकार में सिर हिलाया।

वह बोला, 'पन्द्रह साल पुरानी बातों में किसे दिलचस्पी हो सकती है?'

'यह एक बीमा कम्पनी का केस है। मामला तीन करोड□ से ऊपर का है।'

'तीन करोड□।' जॉर्ज की आंखें चमक उठीं।

'हूं। बीमा कम्पनी को तीन करोड□ से ज्यादा का भुगतान करना पड□ा था, मगर बीमा कम्पनी आज तक चोरी हुए हीरों का पता लगाने में व्यस्त है।'

जॉर्ज ने सिगरेट की राख को उंगली से झाड□ा। वह बोला, 'हां, कुछ याद आया। वह शायद किसी हिन्दुस्तानी महाराज के हीरो को मामला था?'

'तुम ठीक कहते हो। वह चित्तौड□ के महाराजा का मामला था। हीरे उन्हीं के थे। उन्होंने कुछ समय के लिए अपने पुश्तैनी कीमती हीरे पुरब्राइंट संग्रहालय को उधार दिये थे। यह पन्द्रह साल पहले की बात है कि संग्रहालय ने दुनिया भर के कीमती हीरों की प्रदर्शनी का एक आयोजन किया था। महाराजा के हीरे 'न्यूयॉर्क' के लिए रवाना किए गए लेकिन वे न कभी वहां पहुंचे न किसी ने उनकी शक्ल देखी। ठीक एक साल बाद हेटर नाम के एक आदमी ने हालैंड में चोरी का माल खरीदने वाले एक आदमी से संबंध जोड□ा। क्या तुम हेटर के बारे में कुछ नहीं जानते? वह अपने जमाने का माना हुआ हीरों का चोर था। हीरों की कीमत को लेकर हेटर की व्यापारी से बातचीत टूट गई थी। कुछ समय के बाद हेटर पकड□ा गया, मगर वह हीरों के बारे में कुछ बताने को तैयार न था। उसे बीस वर्ष की सजा हुई। वह अब भी जेल में है, कुछ सालों के बाद छूटने वाला है। बीमा कम्पनी का हरमन अब भी चाहता है कि हीरों का कुछ पता चले। हम उसी की तलाश में लगे है। हमारी अब

आखिरी उम्मीद हेटर ही है। वह बाहर निकलते ही उस जगह पहुंचेगा जहां उसने हीरे छिपा रखे हैं। तब हम उसको रंगे हाथों पकड़ लेंगे। अगर हम हीरे बरामद कर लें, तो चार-पांच लाख रुपये हमें भी मिल जाएंगे।'

जॉर्ज ने सिगरेट का धुआं हवा में उड़ाते हुए पूछा, 'क्या हेटर ने हीरे अकेले ही चुराये थे?'

डैलेस ने कंधे हिलाकर कहा, 'इस बात को कोई नहीं जानता। जिस जहाज में हीरे लाये जा रहे थे, उसके कर्मचारी और पायलट का भी कुछ पता नहीं चला। जहाज भी कहां चला गया, कुछ पता न चल सका। हमारा ख्याल है कि वे सब लोग हेटर के इशारे पर काम कर रहे थे। हीरों को कभी भी, कहीं बिकते हुए नहीं देखा गया। इससे जाहिर है कि हीरे अभी भी कहीं-न-कहीं छिपाकर रखे गये हैं। वे कहां हैं? इसे तो केवल हेटर ही जानता है।'

जॉर्ज ने अपनी ठोढ़ी पर हाथ फेरकर कहा, 'अगर मैं होता तो अपने आदमियों से ऐसी मरम्मत करवाता कि हेटर का बाप भी सब कुछ बता देता।'

'तुम बच्चों जैसी बातें करते हो। मार-मारकर हमने उसे अधमरा कर दिया, मगर उसकी जुबान न खुल सकी। हमारी सारी कोशिशें नाकाम हो गई है।'

'अरे लानत भेजो इस मामले पर।' जॉर्ज ने चौंकते हुए कहा- 'मैं तो खून के केस में उलझा हूं। खैर, तुम कार के मालिक का नाम जानना चाहते हो न, मगर किसलिए?'

'कुछ साल पहले हीरों के मालिक महाराजा की मौत हो गई। कुछ समय बाद उसका लड़का अमरीका आया और यहां रहने लगा। वह अपने बाप की दौलत पानी की तरह बहाने लगा, फिर वह चला गया। अब वह अचानक फिर आ गया है। बीमा कंपनी वालों का ख्याल है कि वह हेटर से संबंध जोड़ने आया है, ताकि उन हीरों के बारे में कोई सौदा कर सके।' डैलेस ने अपनी बात कही।

जॉर्ज ने उसे घूरकर देखा।

'कैसा सौदा?'

'ख्याल है कि हेटर बहुत कम कीमत पर उन हीरों को महाराजा को बेचने के लिए तैयार हो जाएगा। हेटर से हीरे खरीदने के बाद महाराजा इनको आसानी से कहीं पर भी बेच सकता है। बीमा कम्पनी ने हमें नियुक्त किया है, ताकि हम महाराज से मिलने वाले हर आदमी पर नजर रख सकें। अभी तक एक लड़का और एक आदमी ही महाराजा से मिले हैं। वे दोनों होटल से निकलकर कार में गये थे। मैं उसी कार के मालिक का नाम जानना चाहता हूं।'

'हां-हां, क्यों नहीं, मैं हरमन को अच्छी तरह से जानता हूं। उसने मेरी कई बार सहायता की है। क्या हाल है उसका?'

'वही, जैसा पहले था, मगर है बड़ा कंजूस।'

'कंजूस होगा तुम्हारे लिए। मुझे तो उसने पिछली क्रिसमस पर एक पूरा सिगार का बॉक्स दिया था।'

'तुम ऐसे मामलों में काफी खुशकिस्मत हो। खैर, तुम मुझे कार के मालिक का नाम बताओ।'

डैलेस न कहा।

जॉर्ज ने रिसीवर उठाकर फोन पर किसी से बातचीत की और थोड□ी देर बाद बोला, 'उस कार के मालिक का नाम प्रिस्टन काईल है। वह रुजवेल्ट कॉलोनी में रहता है। क्या इतनी जानकारी काफी है?'

'नहीं, क्या काईल के बारे में कुछ और भी पता चल सकता है?'

जॉर्ज ने दोबारा किसी विभाग में फोन मिलाया और बात करने लगा। इसी बीच डैलेस उठकर खड□ा हो गया। उसने सड□क पर आते-जाते लोगों को देखा, तभी उसकी नजर शाम का अखबार बेचने वाले एक लड□के पर पड□ी।

डैलेस ने वापस मुड□कर कहा, 'लगता है जीन ब्रूस की हत्या की खबर छप गई।'

जॉर्ज ने डैलेस की ओर से देखते हुए कहा, 'काईल के बारे में कुछ और जानकारी नहीं मिल सकती।'

'खैर, मुझे ही भाग-दौड□ करनी पड□ेगी। मैं तो अब चला, तुम अपने खून के मामले की गुत्थी को सुलझाओ।'

यह कहते हुए डैलेस कमरे से बाहर निकल गया। उसने नीचे आकर एक टैक्सी पकड□ी और हैराल्ड अखबार के ऑफिस में जा पहुंचा।

डैलेस वहां पर एक पत्रकार हंटले फेवल को जानता था। फेवल शहर के सभी बड□े और अमीर आदमियों को जानता था। डैलेस दनदनाता हुआ फेवल के कमरे में आ घुसा। फेवल ने उसे सिर उठाकर देखा और बनावटी गुस्से से कहा- 'बिना बताये कैसे अंदर घुसे आ रहे हो?'

'भविष्य में गोली चलाकर अंदर आऊंगा।'

दोनों हंस पड□े। जेब से रूमाल निकालकर फेवल ने माथे को पोंछा। उसके रूमाल पर लिपस्टिक के निशान थे। डैलेस ने आंख मारी।

'डोंट बी सिली। टाइपिस्ट की आंख में कुछ पड□ गया था। इसे रूमाल से निकालने लगा तो एक किनारा उसके होंठों से छू गया। यह उसी का निशान है।'

'घबराओ नहीं। मैं भी वक्त आने पर ऐसी ही बातें करता हूं।'

फेवल ने डेलेस को सिगरेट पेश किया। सिगरेट जलाकर उसने कहा- 'क्या तुम काईल नाम के किसी आदमी को जानते हो?'

फेवल उसकी बात सुनकर चकित रह गया, 'क्यों, क्या बात है? क्या वह किसी मुश्किल में फंस गया है?'

'नहीं, पर मैंने उसे एक खूबसूरत लड□की के साथ देखा था। मेरी लड□की में ही दिलचस्पी है।'

'वह तो मुश्किल से ही बाहर निकलता है। खैर, मुझे अपना कॉलम लिखना है। मेरे पास तुम्हारे साथ बातें करने का फिजूल वक्त नहीं है।'

डैलेस ने जेब में से पर्स निकाला और सौ का एक नोट निकालकर उसकी तरफ बढ□ाया। फेवल ने खुश होकर नोट झपट लिया और जेब में रखकर कहा- 'अब बात बनी न?'

इसके बाद उसने कहा,

'अब काईल के बारे में सुनो। वह सैन फ्रांसिसको का रहने वाला है। वहीं से यहां आता है। कुछ महीने पहले वह यहां आया था। उसने रुजवेल्ट कॉलोनी में एक बंगला खरीदा है जिसकी रकम अभी तक अदा नहीं की है। शायद वह कभी करेगा भी नहीं। तीन साल पहले वह एक सफल सट्टे का व्यापारी था। लगता है कि अब उसने यह काम छोड□ दिया है। वह अपना ज्यादातर समय रेस के मैदान में गुजारता है। जाहिर है कि वह वहां जीतता होगा, क्योंकि उसकी आमदनी का जरिया तो कोई है नहीं, मगर परेशानी क्या है तुम्हें? बिना जवाब का इंताजार किए फेवल ने उसे दूसरा सिगरेट पेश किया और डैलेस से बोला- 'धोखेबाजी और जालसाजी काईल के जीवन का हिस्सा है। लगता है यह आदमी कभी नहीं समझेगा। इसके जीवन का मकसद औरत और शराब है। यह विवाहित औरत को फरेब देने में माहिर है। कई उत्तेजित पतियों ने तो इसकी जान लेने की भी कोशिश की थी, मगर यह बच गया। एक आदमी ने तो उसे जख्मी तक भी कर दिया था, मगर वह मामला रफा-दफा हो गया। वह बहुत ज्यादा शराब पीता है और शीघ्र ही गुस्से में आ जाता है। मेरा ख्याल है कि वह जिन्दगी में कभी समझेगा नहीं।'

डैलेस ने गंभीरता से पूछा- 'वह खूबसूरत लड□की कौन है, जो उसके साथ घूमती है?'

'उसका नाम ईव गिलिस है। बड□ी तेज लड□की है। वह एक महीने से काईल के साथ है। उसने ईव गिलिस को रोम्सबर्ग एवेन्यू मे एक फ्लैट लेकर दिया है। मेरा ख्याल है कि यह मामला ज्यादा देर तक चल नहीं सकेगा, मगर लड□की भी काफी होशियार है। वह जितना हो सकेगा, अपना उल्लू सीधा कर लगी, इस समय मे।'

'एक घंटा पहले वे दोनों चित्तौड□ के महाराजा से मिलने होटल गये थे। तुम्हारी बातों से तो लगता है कि इतने बड□ महाराजा की उनसे क्या दोस्ती हो सकती है?

फेवल ने उसे देखा।

'क्या मैं गलत कहता हूं?

'क्या तुमने वाकई उन दोनों को महाराजा के कमरे में जाते देखा था?'

'अपनी आंखों से।'

हूं, तो तुम अभी तक हीरों की चोरी की तहकीकात कर रहे हो?'

'हरमन के आदेश पर।'

'हूं।' फेवल ने कहा- 'मैंने सुना है कि फाइल का जालसाजों के एक गिरोह से संबंध है, मगर मेरे पास इसका कोई प्रमाण नहीं है। एक फरु-फरु नाम का क्लब है जिसको रिको नाम का एक आदमी चलाता है। वह भी चोरी का माल खरीदता है। रिको को चोरी का माल खरीदने की प्रेरणा, लगता है कि काईल ही देता है।'

'मगर पुलिस के रिकॉर्ड में तो काईल के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं है।'

'मुझे मालूम है। मैंने तुम्हें बताया न कि कभी वह सट्टे का एक सफल व्यापारी था, इसलिए उस पर शक की ज्यादा गुंजाइश नहीं हो सकती थी। अगरचे उसे कारोबार बंद किए दो माह हो चुके हैं, मगर उसके रहने-सहने का ढंग पहले जैसा ही है। वह अब भी काफी अमीर नजर आता है और ढंग से पैसा खर्च करता है। तुम उस पर और रिको पर नजर रखो। हो सकता है कि दोनों जालसाजी की किसी योजना में लगे हों।'

'ओ० के०! मैं ऐसा ही करूंगा। अगर इस बारे में तुम्हें कोई और जानकारी मिले तो मुझे टेलीफोन पर जरूर सूचित करना।'

'मगर काईल के बारे में प्रमाण कम और अफवाहें ज्यादा हैं।'

'मैं समझता हूं, फिर भी हमारा काम ऐसा है कि हमें अपनी आंखें खुली रखनी पड□ती हैं।'

कहकर डैलेस उठ खड□ा हुआ। उसने सिर पर फैल्ट हैट रखा, फेवल से हाथ मिलाया और उसकी सुन्दर टाइपिस्ट को घूरता हुआ केबिन से बाहर निकल गया।

* * *

'आह! तो वह मर गई।'

बेयर्ड ने उस अखबार को अपने हाथों में मसल डाला जिसमें जीन ब्रूस की मौत की खबर छपी थी। रेस्तरां लोगों से भरा था। चारों तरफ सिगरेट का धुआं फैला था। लोगों का शोर था। उसने अखबार को मेज के नीचे फेंककर ठोकर दे मारी। वह एक कोने में बैठा था। कोई भी उसकी तरफ नहीं देख रहा था।

उसने जीन पर मन-ही-मन लानत भेजी। उसने तो एक ही वार उसके सिर पर और गर्दन पर किया था। उसे गुमान भी नहीं था कि जीन ब्रूस दम तोड□ देगी।

रेस्तरां में ज्यूक बॉक्स का संगीत गूंज रहा था। उसने जल्दी-से-जल्दी शहर छोड□ देने का फैसला कर लिया था। उसे अफसोस हुआ कि क्यों उसने एक घंटा रेस्तरां में बरबाद कर दिया। अब तक तो उसे यहां से चले जाना चाहिए था। रिको से मिलते ही उसे रफू-चक्कर हो जाना चाहिए था। अब पुलिस का हरेक सिपाही उसकी खोज में लगा होगा।

नीगो वेटर को बुलाकर उसने एक बीयर का ऑर्डर दिया। वह चला गया। बेयर्ड ने सिगरेट सुलगाया। उसका मकसद जीन को मारना नहीं था। यह पहला खून नहीं था, जो उसने किया था, पर जीन की मौत ने उसको उलझा दिया था। अब वह शहर के रेस्तरांओं में आजादी से नहीं घूम सकता था।

किसी का भी खून करना बेयर्ड के लिए मामूली बात थी जो भी उसकी राह में आता, उसे हटा देना उसके बायें हाथ का खेल था। वह जानता था कि किसी-न-किसी दिन पुलिस उसकी गर्दन दबोच लेगी और उसे मौत की सजा होगी। उसे न अपनी जिन्दगी से प्यार था और न ही किसी दूसरे का जीवन प्यारा था। अपनी जिन्दगी को बचाने के लिए वह किसी को भी मौत के घाट उतार सकता था। उसे यह भी अब खतरा था कि कहीं बाहर निकलते ही पकड□ न लिया जाये।

वेटर बीयर रख गया था और वह पी रहा था। उसका दिमाग बड□ी तेजी से काम कर रहा था।

सहसा नीग्रो वेटर उसके कान में कुछ फुसफुसा रहा था। उसने कोट के अंदर हाथ डालकर इत्मीनान किया कि पिस्तौल वहां पर मौजूद थी। शाम के अखबार ने जीन ब्रूस की जो हत्या की खबर छापी थी, वह रेस्तरां में फैल गई थी। उस खबर ने नीग्रो वेटर को भी चकित कर दिया था।

लगता था कि नीग्रो वेटर बेयर्ड को जानता है। उसने बेयर्ड के सामने पड□ी टेबल पर बोतल रखने का बहाना करते हुए धीमे स्वर में कहा, 'नीचे गली में कुछ कॉन्स्टेबल आ रहे हैं। वे हर एक रेस्तरां की तलाशी ले रहे हैं।

उसकी बात सुनते ही बेयर्ड ने एक ही घूंट में पूरा गिलास खाली कर दिया और धीमे स्वर में पूछा 'क्या पीछे निकलने का कोई रास्ता है?'

उसने स्वीकृति में सिर हिलाया।

वेटर कुछ उत्तेजित और चौंका-सा लग रहा था। उसने धीमे स्वर में कहा- 'हे! आखिरी दरवाजे के पास से बाहर को एक रास्ता जाता है।'

बेयर्ड ने दस का एक नोट उसके सामने फेंका। उसकी आंखें चमक उठीं।

बेयर्ड उठ खड□ा हुआ। उसने जैसे ही नीग्रो वेटर के बताए रास्ते से जाना चाहा कि किसी की आवाज आई, 'भई, क्या करते हो।' इस रास्ते से नहीं। यह प्राइवेट रास्ता है।'

बेयर्ड का सारा शरीर गुस्से से भर उठा। उसका मन किया कि वापस मुड□ और कहने वाले को मुक्का मारकर नाक तोड□ दे, मगर उसने अपने पर काबू पाया और आगे ही बढ□ता गया।

दरवाजे के समीप पहुंचकर उसने देखा कि हल्का अंधेरा है। उसने तभी देखा कि एक मोटा-सा आदमी उसकी तरफ बढ□ रहा है। उसका आधा जिस्म नंगा था। उसने अपने हाथों में लोहे का एक छोटा सरिया उठा रखा था। उसकी आंखें गोल चपाती की तरह फैली हुई थीं।

वह बोला, 'इधर तुम कैसे आ गये?'

'बाहर जा रहा हूं।'

'यह प्राइवेट रास्ता है।'

'क्या?'

'तुम दूसरी तरफ से जाओ।'

उस आदमी ने हवा में हाथ उठाकर बताया।

बेयर्ड ने उस आदमी को घूरकर देखा तो हैरत से उसका मुंह खुला-का-खुला रह गया व उसका हाथ हवा में ही रुक गया। और वह फटी-फटी नजरों से बेयर्ड को देखने लगा। उसमें जब इतनी हिम्मत नहीं थी कि वह आगे बढ□ सके।

दरवाजा खोलकर बेयर्ड ने बाहर झांका। गली सीलन भरी थी और उसमें हल्का अंधेरा था। गली एक तरफ से बंद थी और जो रास्ता बाहर को जाता था, वह रोशनी से भरी सड□क पर खुलता था।

बेयर्ड को यह अच्छा नहीं लगा। जिधर से गली बंद थी, उधर आठ फुट ऊंची पक्की दीवार बनी थी और उसके पास एक इमारत नजर आ रही थी, जो अंधेरे में डूबी थी।

उसने चमड□े के खोल में पड□े अपने पिस्तौल को एक बार पुनः छुआ और छलांग मारकर गली में आ गया। एक पल को वह वहीं खड□ा मेन रोड पर आती-जाती गाडि□यों के शोर को सुनता रहा, फिर वह वापस मुड□ा। दीवार के पास पहुंचा और कूदकर उसने दीवार के ऊपरी हिस्से को पकड□ लिया।

एक पल तक वह दीवार से लटका रहा, फिर वह एक कीड□े की तरह रेंगता हुआ दीवार पर चढ□ा और पलक झपकते ही दीवार की दूसरी तरफ कूद गया। दूसरी तरफ इमारत में गहरी खामोशी और अंधेरा फैला था।

सामने ही घने पेड□ थे। वह एक पेड□ पर चढ□ गया। दूसरे ही पल वह इमारत की छत पर था। एक के बाद दूसरी छत पर से फलांगता हुआ वह इमारत में बने एक मोटर गैरेज की छत पर जा पहुंचा। उसके साथ ही दूर तक एक अंधेरी गली चली गई थी। वह जल्दी ही उसमें पहुंच गया। चारों तरफ अंधेरा था। उसकी हरकतों को कोई नहीं देख रहा था। गली मेन रोड के समानांतर चल रही थी। बचता-छिपता वह गली के आखिरी किनारे पर पहुंच गया।

जो सड□क सामने थी, उस पर ज्यादा भीड□ नहीं थी। वह गोली की तरह उसे पार करता हुआ सामने बनी एक इमारत के गेट पर जा पहुंचा। इस इमारत में भी उसका एक कमरा था जिसमें उसकी कुछ निजी चीजें थीं। एक फोटो एलबम, कपड□ों का एक सूटकेस और मशीनगन कमरे में थी। यहां आना खतरे से खाली नहीं थी, मगर फिर भी वह अपने आपको यहां आने से रोक नहीं सका था। फोटो एलबम बहुत कीमती था। वह किसी के हाथ पड□ जाता तो उसका बचना नामुमकिन था। उस एलबम में बचपन से लेकर आज तक के उसके फोटो मौजूद थे। यही नहीं, बल्कि उसके मां, भाई और बहन तथा कुत्ते को फोटो भी उसमें था जिससे वह अक्सर खेला करता था।

उस एलबम में उसका अतीत बंद था। इसी एलबम के जरिए उसके गुजरे जीवन से एक रिश्ता जुड□ा था, वरना तो अब तब सब कुछ खत्म हो चुका था।

उसकी मां गोली लगने से तब मर गई थी, जब उसके बाप की एक पुलिस इंस्पेक्टर से टक्कर हो गई थी। वह इंस्पेक्टर की गोली का शिकार हो गई थी। उसकी बहन शिकागो में एक कॉलगर्ल बनकर रह गई थी। उसके भाई को पुलिस ने एक डकैती के आरोप में पकड□ लिया था और उसे बीस साल की कड□ी सजा हुई थी। उसका कुत्ता घर से भाग गया था।

बेयर्ड जब-तब उनको याद करता तो उसका मन भर आता था। वह उनको याद नहीं करना चाहता था, पर अतीत को भुलाना भी तो इतना आसान नहीं होता है। वह अक्सर उन सुखी पलों में खो जाता था, जब उसके बाप का अपना फार्म था और उसकी मां सारा दिन हंसती रहती थी और काम करती रहती थी।

अचानक वह अतीत से निकलकर वर्तमान में आ गया। उसने सोचा कहीं जॉर्ज ओलिन के आदमी इमारत की छिपकर निगरानी न कर रहे हों। हो सकता है दूसरी जगहो की तरह यहां भी जॉर्ज ने अपना जाल फैला रखा हो, पर कुछ भी हो, उसे चाहे अपनी जान पर खेलना पड□े, वह फैमिली

एलबम को जरूर वहां से लेकर जाएगा।

वह कुछ पलों तक अंधेरे में खड□ा कुछ सोचता रहा। जब उसे यकीन हो गया कि इमारत की निगरानी नहीं हो रही है तो उसने कमरे की दोनों खिड□कियों को देखा, जो अंधेरे में डूबी थीं। चारों तरफ से निश्चिंत होकर वह आगे बढ□ा, मगर तभी उसे दूर अंधेरे में कोई साया चलता नजर आया। वह कांपकर रह गया। पुलिस का एक सिपाही अपने को अंधेरे में छिपाए खड□ा था।

उसने सोचा–तो उसका शक ठीक निकला। जॉर्ज ने यहां पर भी अपना जाल फैला रखा है। वह मरते मरते बचा था। निश्चित रूप से इमारत में और भी पुलिस के लोग छिपे होंगे। पांच मिनट तक वह सांस रोके खड□ा रहा।

उसके बाद उसने पिस्तौल पर हाथ रखा और गोली की तेजी के साथ ही दोबारा सड□क को पार करके अंधेरी गली में आ गया। कुछ पल तक वह उसमें चलता रहा। उसके बाद गली के खात्मे पर उसे एक ड्रग-स्टोर (दवाइयां की दुकान) मिली। यह काफी बड□ा था। वह उसमें दाखिल हो गया। उसमें एक पब्लिक टेलीफोन बूथ भी बना था। ड्रग स्टोर में कोई नहीं था। सिर्फ एक सेल्सगर्ल काउंटर पर बैठी अखबार पढ□ रही थी। उसने बेयर्ड पर एक नजर डाली और दोबारा अखबार पढ□ने लगी।

बेयर्ड बूथ में दाखिल हो गया। उसने रिको का नम्बर मिलाया।

'हैलो!'

फोन रिको ने ही उठाया था।

'हैलो! मैं हूं! पहचाना?'

'पहचान गया।'

'क्या वे मुझे तलाश कर रहे हैं? क्या जॉर्ज तुम्हारे पास आया था?'

एकाएक रिको की आवाज भारी हो गई- 'यस! मगर तुम पहले दर्जे के मूर्ख हो। फोन बंद कर दो। हो सकता है वे तुम्हारी आवाज सुन रहे हो। जॉर्ज का कहना है कि जीन की हत्या तुम्हीं ने की है। वे मेरे और तुम्हारे दोनों के पीछे लगे हैं।'

'क्या?'

'हां-हां! तुम मेरे पास मत आना।'

बेयर्ड की कल्पना में रिको का भयभीत चेहरा उभरा।

बेयर्ड ने कहा- 'कायर मत बनो। उनके पास क्या प्रमाण है कि यह काम मैंने किया है? हैलो....।'

मगर रिको ने फोन बंद कर दिया था।

बेयर्ड ने रिसीवर को क्रेडिल पर पटक दिया, तभी उसने ड्रग स्टोर के मेन गेट पर कुछ साये देखे। वह बूथ से निकल गया और उसके पीछे जा छिपा।

दरवाजा खुला।

सामने पुलिस के आदमी खड□े थे।

एक ने पूछा- 'मिस! क्या चंद मिनट पहले तुमने किसी आदमी को अंदर घुसते देखा था?

लड□की ने जवाब दिया- 'दो-तीन मिनट पहले एक लम्बा-तगड□ा आदमी यहां था, पर अब तो वह जा चुका है।'

'क्या उसने भूरे रंग का सूट पहना हुआ था?' इंस्पेक्टर ने पूछा,

'हां, वही। उसने किसी को फोन किया था।'

'आप बता सकती हैं कि वह किधर को गया?'

'मैंने उसे ठीक से जाते नहीं देखा था।'

इसके बाद वहां चुप्पी छा गई। सबकी निगाहें टेलीफोन बूथ की तरफ उठ गईं। बेयर्ड अब उनकी लपेट में था। बेयर्ड ने सोचा और पिस्तौल निकाल ली। उसने बूथ के पीछे से देखा, दो पुलिस वाले थे।

वे दोनों बूथ की तरफ आगे बढ□ना ही चाहते हैं, तभी बेयर्ड ने ताककर निशाना मारा।

गोली पुलिस इंस्पेक्टर के मुंह को छेदती हुई निकल गई। वह चीख मारकर काउंटर पर गिर पड□ा। उसके साथ के सिपाही ने जमीन पर लेटकर गोली चलाई, मगर उसका निशाना खाली गया। इसी बीच लड□की ने उसको देख लिया था। वह नहीं चाहता था कि उसके भाग जाने पर वह लड□की पुलिस को हुलिया बताये।

वह थरथर कांप रही थी।

बेयर्ड ने दूसरी गोली ताककर उस पर मारी। वह चीख मारकर जमीन पर लुढ□क गई। उस लड□की का चेहरा उसकी बहन से मिलता-जुलता था, पर यह समय जान बचाने का था, ममता दर्शाने का नहीं। वह खुद मौत के घेरे में आ फंसा था।

गोलियों की आवाजों से सारा ड्रग स्टोर गूंज उठा, तभी बाहर पुलिस जीप में लगे खतरे के सायरन की आवाज फिजा में गूंज उठी।

सामने ही मेन स्विच था।

बेयर्ड ने गोली मारी।

सारी इमारत में अंधेरा फैल गया।

बेयर्ड ने अपनी पिस्तौल की नली को फूंक मारकर साफ किया, बाहर शायद पुलिस की जीप खड□ी थी। उनकी सीटियों की आवाजें चारों तरफ गूंज रही थीं।

मेन स्विच उड□ाने से पहले बेयर्ड ने देख लिया था कि काउंटर के पीछे एक दरवाजा है। उसके पास ऊपर जाने वाली सीढि□यां हैं। वह उधर को ही बढ□ा।

बाहर शोर मचा था।

‘पकड□ो।’

‘जाने न पाये।’

‘वह हरामी इसी बिल्डिंग में है।’

‘उसने मेन स्विच उड□ा दिया है।’

‘इमरजेंसी लाइट लाओ।’

‘होशियार।’

बेयर्ड इन तमाम आवाजों की परवाह किये बिना दरवाजे की तरफ बढ□ा और ऊपर को जाती सीढि□यों पर तेजी से चढ□ने लगा। उसकी सबसे बड□ी कोशिश यही थी कि कोई उसे भागते हुए देख न सके। ऐसी स्थिति में जो खून-खराबा हुआ था, उसकी जिम्मेदारी या आरोप जॉर्ज ओलिन उस पर नहीं लगा सकता था। वह जल्दी से जल्दी वहां से निकल जाना चाहता था।

सबसे ऊपर पहुंचकर उसे शीशे का दरवाजा दिखाई दिया। उसने उसे खोला तो सामने खुली छत थी।

बेयर्ड छत पर आ गया।

मुंडेर पर पहुंचकर उसने नीचे देखा–पुलिस की जीपें, लोग, भाग-दौड□, सायरन और सर्च लाइट आदि का नीचे जमघट था।

बेयर्ड ने पिस्तौल निकालकर सर्चलाइट पर गोली चलाई। एक धमाके से शीशा टूट गया और सर्चलाइट बुझ गई।

दोबारा अंधेरा फैल गया।

तभी किसी ने नीचे से गोलियां चलानी शुरू कीं, मगर तब तक बेयर्ड वहां से हट चुका था। वह छत के बीचो-बीच आ गया।

उसके बाद उसने साथ जुड□ी छत पर छलांग लगा दी। इतना कुछ होने पर भी वह घबराया नहीं था। छत पर कूदकर उसने देखा कि लोहे की सीढि□यां नीचे की तरफ जा रही हैं। वहीं पर मुंडेर की ओट में खड□े होकर उसने नीचे को झांका। वहां पर जॉर्ज खड□ा था।

सहसा उसका दिल चाहा कि वह गोली चलाकर जॉर्ज का काम तमाम कर दे, मगर इसमें एक खतरा यह था कि पुलिस को उसके दूसरी छत पर होने का पता चल जाता। वह इस बारे में पुलिस को धोखे में रखना चाहता था, इसलिए चाहकर भी वह जॉर्ज पर गोली न चला सका।

वह अंधेरे में डूबी लोहे की सीढि□यां उतरने लगा, तभी उसने सामने वाली छत पर एक पुलिसमैन को चढ□ते देखा। वह बेयर्ड को नहीं देख सका था।

बेयर्ड वहीं पर सांस रोककर खड□ा हो गया। एक पल दो पल, उसने सांस रोक ली।

सहसा सामने की छत से एक गोली चली और कमर के दाएं हिस्से को चीरती हुई निकल गई। नीचे छत थी। बेयर्ड वहीं से कूद पड□ा। एक और गोली चली। अगर वह न कूदता तो गोली उसके

सिर के टुकड□े-टुकड□े कर देती।

वह पागलों की तरह छत पर भागकर मुंडेर की ओट में हो गया।

नीचे से आवाज आई।

'वो रहा।'

'जाने न पाए।'

'पकड□ो-भागो।'

'वह उस छत पर कूद गया है।'

'मैंने उसको गोली मार दी है।'

'मगर वह अभी तक मरा नहीं है।'

'संभलकर, जरूर कहीं छिपा होगा।'

इन तमाम आवाजों को बेयर्ड सुन रहा था। जहां से गोली चीरती हुई निकली थी, वहां बेहद दर्द हो रहा था। उसने दाईं ओर को देखा, वहां नीचे एक छत थी। वह अंधेरे में डूबी थी। उसने घिसटकर दीवार के सहारे अपने को उसके साथ लगाया और छत पर बिना आवाज किए कूद गया। बेयर्ड ने पहली बार अपनी ताकत को कम होते महसूस किया। उस पर थकान और बेहोशी हावी होने लगी थी। खून भी काफी निकल चुका था।

वह घिसटकर आगे बढ□ता तो खून की लकीर पीछे बन जानी थी। उसे लगा मानो उसके जीवन का खात्मा नजदीक है। वह चारों तरफ से घिर गया था। अगर वह इमारत में कहीं छिप भी जाता तो पुलिस वाले उसको ढूंढ निकालते। वह समझ गया कि उन्होंने उसके पंख तो काट डाले हैं और जैसे ही उनकी नजर उस पर पड□ी, वे उसको पागल कुत्ते की तरह मार डालेंगे।

मगर वह यों बेबसी की मौत नहीं मरेगा- उसने फैसला किया, वह आखिरी दम तक मुकाबला करेगा।

मगर खून शरीर से इस तेजी से बह रहा था कि उसका शरीर उसके आत्मविश्वास के सामने कमजोर पड□ने लगा था। वह मुकाबला करके मरना चाहता था। काश! किसी तरह उसका खून बहना बंद हो जाए तो दो-चार को ठिकाने लगा दे और तब दम तोड□े। ऐसे मौके के लिए उसने अपनी पीठ से एक छोटी सी बंदूक भी बांध रखी थी जिसको उसने आखिरी मुकाबले में इस्तेमाल करना था, मगर अब तो उसको वजन भी भारी लगने लगा था।

वह छत से घिसटकर नीचे को झुका। सामने एक बालकनी थी जो अंधेरे में डूबी थी। एक कमरा था जिसका दरवाजा बंद था। उसने पहले अपनी टांगें लटकाईं, फिर शरीर का बाकी हिस्सा और तब उसने हाथ छोड□ दिए। वह 'धम्म' की आवाज करता हुआ नीचे बॉल्कनी में जा गिरा।

उसको किसी ने नहीं देखा।

बेयर्ड का दम फूल चुक था। वह घिसटकर आगे बढ□ा। उसने दरवाजे पर हाथ रखा- वह खुल गया। कमरा काफी बड□ा था। उसके एक कोने में दीवान पड□ा था। बीच में आराम कुर्सी थी। एक

तरफ टेबल और सोफा रखा था। दीवारों का प्लास्टिक उखड□ा नहीं था, पर जो रंग दीवारों पर किया गया था, वह मटमैला हो गया था।

कमरा खाली था।

सामने एक दरवाजा और था। वह बंद था। वह समझ नहीं सका कि वह दूसरे कमरे का दरवाजा था या बाथरूम का। उसके सिर में चक्कर आ रहे थे।

उसे लगा बहुत से सिपाही ऊपर आ गए हैं। उन्होंने उसको घेर लिया। वह बेबस हो चुका है। उसके हाथों में हथकड□ी पहना दी गई है और नीचे भीड□ उसके मुंह पर थूक रही है।

वह खुले दरवाजे के सामने निढाल पड□ा था। वह खिसककर भी आगे नहीं जा सकता था। उसकी आंखों के सामने अंधेरा छाने लगा था। इससे पहले कि वह बेहोश होकर वहां पर गिर पड□े, एक हाथ कमरे से निकला और बेयर्ड को उसने अंदर घसीट लिया, मगर तब तक वह बेहोश हो चुका था। इसी के साथ दरवाजा बंद हो गया।

* * *

गिलास में व्हिस्की डालते हुए जरा-सा हाथ प्रिस्टन काईल का टेढ□ा हुआ और कांपा। उसने मन-ही-मन अपने को ताड□ा-उसे इस ढंग से गिलास में शराब नहीं डालनी चाहिए, थी। वह आजकल बहुत पीने लगा था। शायद इसीलिए उसके हाथों में कंपकंपी आ गई थी, मगर वह इसके अतिरिक्त कर भी क्या सकता था।

उसने सोचा, वह शराब न पिये तो अपने को व्यस्त कैसे रखे? इन दिनों उसकी नींद भी उड□ गई थी। उसके दिमाग में उलझाव सा रहने लगा था। वह अक्सर दिमागी थकावट और कभी-कभी उन्माद की स्थिति में अपने को पाता था।

उसे अक्सर लगता था मानो पिछले कुछ समय से उन्माद की यह स्थिति काफी बढ□ने लगी है। कभी-कभी वह डर भी जाता जैसे वह मौत की तरफ बढ□ रहा हो। एक जमाना था कि वह कोई भी फैसला ठीक समय पर और जल्दी कर लेता था। वह जिन्दगी के खतरों से डरता नहीं था, तब वह निडर, चालक, तीखी बुद्धि वाला इंसान माना जाता था। इसी का परिणाम था कि वह बैंक के एक मामूली क्लर्क से सट्टा मार्किट का एक जबरदस्त बॉस बन गया था।

लेकिन यह दो साल पहले की बात थी, मगर अब तो वह काफी असफलताओं का शिकार हो चुका था। अब वह पहले जैसा नहीं रहा था। उसका आत्मविश्वास भी लुट चुका था। अब उसमें लड□ने की ताकत भी नहीं रही थी। अब वह कोई जोखिम उठाते हुए डरता था। अब उसके फैसले अक्सर गलत हो जाते थे।

अब! महाराजा के मामले ने उसे और भी परेशान कर दिया था। यह बड□ा खतरनाक मामला था।

उसने शराब का गिलास खाली किया। दूसरा भरा और शीशे के सामने जाकर खड□ा हो गया।

उसने शीशे में अपने को निहारा।

वह अब भी खूबसूरत, प्रभावशाली और चेहरे से आत्मविश्वासी नजर आता था, बिल्कुल ऐसे ही जैसे दस वर्ष पहले था। बस इतना परिवर्तन आया था कि कनपटियों पर से बाल थोड□ सफेद हो गए थे और कमर कुछ मोटी हो गई थी। कुल मिलाकर उसका शारीरिक आकर्षण शेष था।

मगर वह उम्र के बारे में क्यों सोचे? अभी वह कोई साठ साल का बूढ□ा थोड□ हुआ था, मगर वह नौजवान भी नहीं था। कभी-कभी उसकी छाती के दाएं ओर हल्का- सा दर्द उठता था। क्या वह दिल का मरीज हो गया है? वह डॉक्टर से परीक्षण करवाता हुआ डरता था। अगर उसने कोई ऐसी वैसी बात कह दी तो उसका आत्मविश्वास टूट जाएगा। हो सकता है, वह गैस की बीमारी हो। वह अपने को समझाता।

काईल ने एक नया सिगार सुलगाया।

ईव गिलिस बाथरूम में थी। उसका इंतजार काईल को खलने लगा था।

ईव के कपड□ कमरे में बिखरे पड□ थे। वह उन्हें फेंककर बाथरूम में घुस गई थी कि उसे कुछ सोचना है। वह खूबसूरत औरतों को सोचने की आजादी देने के पक्ष में नहीं था। ईव भी एक खूबसूरत लड□की थी। उसे सोचने का कोई अधिकार नहीं था।

वह ईव को पिछले दो सालों से जानता था। ईव ने उसके जीवन में सुख के कई पल उपजाये थे। उससे मिलने से पहले एक काली सी कोरा हनेसी उसके साथ सोती-जागती थी।

जब उसने कोरा हनेसी से पीछा छुड□ाया तो पांच दिन के बाद ही ईव उसके फ्लैट में आकर रहने लगी थी। ईव काफी जवान थी और यौन की दृष्टि से काफी उबलती रहती थी। वह हर रात उससे चिपटकर आंखों में गुजार देना चाहती थी। उसको पूर्ण तृप्ति देना काईल के वश के बाहर हो गया था।

ईव से पीछा छुड□ाना इतना आसान भी नहीं थी। एक दिन वह गई तो उसकी कई कीमती चीजें साथ ले गई जिनमें सोने और हीरे के कफ-लिंक्स (कमीज पर लगाने वाले) स्टैंड थे, कीमती सिगार कटर था और एक कीमती तस्वीर थी। वह एक लड□के की थी। उसमें वह बिल्कुल नंगा खड□ा था। यह चित्र उसने सौन फ्रांसिसको के एक वेश्यालय से खरीदा था।

वह चाहता तो इस चोरी की रिपोर्ट पुलिस में कर देता और ईव को सब चीजें वापस करनी पड□ती, मगर वह अब पुलिस के चक्करों से कुछ डरने लगा था।

जब पहली बार वह ईव से मिला था तो काईल ने उसे सिर्फ एक सीधी-सादी खूबसूरत लड□की समझा था, मगर यह उसकी भूल थी। वह बहुत तेज-तर्रार और चालाक थी। उसने धीरे-धीरे उसके अतीत के बारे सब कुछ जान लिया था। उसकी आर्थिक स्थिति के बारे में भी वह सब कुछ मालूम कर चुकी थी।

काईल का बैंक में कितना पैसा और कितनी सम्पत्ति है, इसका भी उसको ज्ञान था। एक-एक करके वह उसके बारे में सभी जरूरी जानकारी हासिल कर चुकी थी। इस तरह उसने ईव को जितनी भोली समझा था, वह उतनी नहीं थी।

उसकी आंखें मानो एक्सरे की एक मशीन थी। जिसके सामने काईल का अंजर-पिंजर साफ

नजर आने लगता था।

वह गहरी सोच में डूबा था।

एक रात तो ईव ने उसे चौंका देने की हद तक यह कहकर डरा दिया था- 'काईल, तुम्हारे साथ परेशानी क्या है? तुम इस तरह खोये-खोये क्यों रहते हो? तुम चाहो तो मेरे साथ यों समय बरबाद करने के बजाय ढेरों रुपये बना सकते हो। तुम तो शुरू से महत्त्वाकांक्षी रहे हो। तुम्हें हो क्या गया है?'

उसने चकित होकर उसकी तरफ देखा था और सहज भाव से टालते हुए कहा था। मुझे अब काम करने की कोई जरूरत नहीं है।

'क्यों?'

'मैं जितनी दौलत चाहता था, वह मेरे पास है।'

'और बिजनेस?'

'उससे मैं रिटायर्ड हो चुका हूं।'

'इतनी जल्दी ?'

'तुम इतनी दिलचस्पी क्यों ले रही हो? तुम्हें तुम्हारी कीमत मिल जाती है।'

'हूं।'

'तुम्हें इस बात की परवाह नहीं करनी चाहिए कि मैं क्या करता हूं और क्या नहीं।'

मगर वह उसके तर्कों से प्रभावित हुए बिना बोली - 'तुम झूठ क्यों बोलते हो ?'

'...... ।'

ईव ने अपनी नीली आंखें घुमाकर कहा-

'मेरे साथ तुम्हें बहानेबाजी करने की जरूरत नहीं।'

'क्या बकती हो?'

'मैं ठीक कहती हूं।'

'मतलब ?'

'मैं तुम्हारी सहायता करना चाहती हूं।'

'तुम कहना क्या चाहती हो ?'

'....'

'मुझे किसी की सहायता की जरूरत नहीं है।'

ईव ने शांत भाव से कहा- 'लोगों का कहना है कि पैसे की दृष्टि से तुम कंगाल हो चुके हो।'

काईल ने उसे हैरत से देखा।

वह बोली-

'लोग कहते हैं, तुम पर हजारों का कर्ज चढ□ चुका है। जो रुपया-पैसा तुम्हारे पास था, वह सब खर्च हो चुका है।

'....'

'तुम कुछ करते क्यों नहीं ?'

काईल को उसकी बातें सुनकर धक्का लगा। वह कुछ पल तक खामोश रहा, मगर उसका सारा शरीर गुस्से से कांप उठा। वह फट पड□ना चाहता था। उधर ईव की आंखें में दृढ□ निश्चय था।

काईल ने अपने को संभाला।

उसने सोचा, वह अपने को इतना क्यों गिराये। आखिर वह कौन होती है, जो उसकी निजी बातों में यों दखल दे रही है? एक पल को उसका मन चाहा कि वह उसे कहे कि वह अपना बोरिया-बिस्तर बांधकर वहां से दफा हो जाए, मगर यह सोचकर चुप रहा कि इससे स्थिति बदलेगी तो नहीं।

यह ठीक था, जो ईव ने कहा था। आर्थिक दृष्टि से वह काफी टूट चुका था। कोई करिश्मा ही उसे बचा सकता था। वह कर्ज में गहरा फंस गया था। एक स्थिति ऐसी आ सकती थी कि मजबूर होकर उसे आत्महत्या करनी पड□ती।

ईव की आयु पच्चीस के लगभग थी। वह सुन्दर और दृढ□ निश्चय वाली लड□की थी। उसके स्वर में गंभीरता थी। क्या वह उस पर विश्वास कर सकता था?

उसने सिर्फ इतना कहा कि उसकी तबियत ठीक नहीं है।

उसने धीमे से कहा-

'तुम जानती हो कि मैं युवक नहीं हूं। मैंने जीवन में बहुत मेहनत की है। अब मैं काफी थक चुका हूं। मैं अब कुछ उदास और जीवन से निराश हो गया हूं। खैर, मैं इस वक्त थका हुआ हूं। मैं इस समय आराम करना चाहता हूं।'

ईव ने उसकी बातें का विश्वास नहीं किया। उसने काईल की तरफ हमदर्दी से देखा।

मेरा ख्याल है कि मैं इस मुश्किल में तुम्हारी सहायता कर सकती हूं। मैंने सुना है कि....।'

'किया सुना हे ?'

और उसने महाराज जी बात उसको बताई। पहले तो काईल समझा कि वह उससे मजाक कर रही है, मगर फिर उसकी पतली गर्दन पर हाथ फेरकर बोला।

'डियर ईव! मैंने कभी इस घटना के बारे में कुछ भी सुना नहीं है। यह बात तो बड□ी चौंका देने वाली लगती है। इसके अलावा मैं नहीं समझता कि इस मामले में मैं कुछ कर सकता हूं। अगर मैं कुछ कर भी सकता तो भी इस मामले में अपनी टांग न फंसाता। अलावा इसके राजा नहीं चाहेगा कि इस मामले में मैं दखल दूं।'

'वह जरूर चाहेगा।'

‘कैसे -क्यों ?’

‘मैं उससे बात करूंगी?’

एक पल को काईल को विश्वास न आया कि वह महाराजा से बात करेगी। उसने सारी बात को अपने दिमाग से झटक दिया था।

कुछ दिनों के बाद काईल को उसने बताया कि महाराजा उससे अपने होटल में मिलना चाहता है। वह जानकर काईल को घोर आश्चर्य हुआ था।

पहले उसने होटल जाने से इंकार कर दिया, पर ईव के बहुत जोर देने पर उसने राजा से मिलना स्वीकार कर लिया और कहा- ‘तुम्हारी क्या राय है, ईव?’

‘कम-से-कम हम उससे मिल तो ले। देखें वह क्या कहता है। उसने अपने बालों को छूकर कहा- ‘हो सकता है, वह हमारी बात न माने।’

‘मतलब?’

‘हम जो मांग करें, वह न देना चाहें। अगर वह देने को राजी हो भी गया तो हम यह कहकर इंकार भी कर सकते हैं कि ऐसा करना मुमकिन नहीं हो सकेगा। आखिर मिलने में हर्ज ही क्या है?’

ईव की बात में दम था।

एक तो ईव का यह तर्क और दूसरे एक महाराज से मिलने की उत्सुकता ने काईल को ‘हां’ कहने के लिए मजबूर कर दिया था।

काईल ने जो सोचा था, वैसा नहीं हुआ। महाराजा से उसकी भेंट बड़ी मनहर और सहज रही। महाराजा से बातचीत के बाद पता चला कि ईव ने पहले ही इंटरव्यू का प्रोग्राम खूब अच्छे ढंग से तय कर लिया था।

महाराजा ने कहा कि अगर वह खोये हीरों को तलाश करके उन्हें वापस दिला दे तो उसे बड़ी खुशी होगी। वे हीरे उनके खानदानी इज्जत के प्रतीक हैं और उनका वापस राज्य में आना बेहद जरूरी है। अगर वह हीरों को उसे वापस दिला दे तो वह काईल को चालीस लाख रुपये देने को तैयार है। इस धंधे या सौदे के बारे में महाराजा की एक ही शर्त थी कि कानो-कान किसी को खबर न हो।

काईल को सहज में अहसास हो गया कि महाराज बीमा कम्पनी को सबक सिखाना चाहता है। उस सबक में सजा और धोखा दोनों शामिल थे। इसकी काईल को परवाह नहीं थी। अगर वह स्वयं महाराजा की जगह होता तो यही करता।

‘चालीस लाख।’

काईल मुंह-ही-मुंह में बुदबुदाया। इतनी बड़ी रकम से वह एक नई जिन्दगी शुरू कर सकता है। सट्टा मार्केट में अपनी खोई साख को दोबारा हासिल कर सकता है।

ये विचार उसके दिमाग में तुरंत उभरे थे, जब महाराजा ने इतने सारे रुपये देने की बात कही थी। महाराजा बातें करता रहा था और काईल का तेज दिमाग समझ गया था कि इस बात की क्या गारंटी है कि महाराजा अपने वायदे पर कायम भी रहेगी या नहीं। रुपयों के मामले में तो बड़े-बड़ों के

दिमाग घूम जाते है। उसे पहली नजर में ये सब बातें एक सपना नजर आती थीं।

उधर ईव ने महाराजा को पूरा विश्वास दिला दिया था कि दुनिया में अगर कोई आदमी उसके हीरों को वापस दिला सकता है तो काईल है। इसके लिए ईव ने कौन से तर्क दिये थे, इनका पता काईल को भी नहीं था, पर भेंट से पहले महाराजा काईल से काफी प्रभावित नजर आता था।

जब काईल जाने लगा तो महाराजा उसे दरवाजे तक छोड़ने आया और बोला- 'मैं करिश्मों में विश्वास नहीं रखता, मगर यह जरूर समझता हूं कि आप एक मुश्किल काम अपने हाथों में ले रहे हैं, लेकिन मैं इस मामले में रिस्क लेने को तैयार हूं। अपना मकसद हासिल करने के लिए, मेरा मतलब है हीरे वापस आने तक जो खर्चा होगा, मैं देने को तैयार हूं।'

'खर्चा?'

'हां, पांच हजार।'

'हूं।'

'जाहिर है कि आपको सहायता की जरूरत होगी। जो लोग आपके लिए काम करेंगे, उनको तो पैसा देना ही पड़ेगा। यह रकम कल आपको बैंक एकाउंट में जमा कर दी जाएगी।'

काईल जानता था कि महाराजा इतना बेवकूफ नहीं कि बिना जाने-बूझे रुपया यों पानी की तरह बहाये। आखिरकार काईल को अपने कस-बल खोलने पड़े और उसने महाराजा के हीरे वापस दिलाने के लिए प्रयास करने का वायदा कर लिया।

इस काम की सफलता का श्रेय ईव को जाता था। इससे पहले कि महाराजा से ना-नुकर करने की कोई गुंजाइश काईल के पास रह भी जाती- ईव ने उस बैंक का नाम महाराजा को बता दिया जिसमें काईल का एकाउंट था।

होटल की लॉबी में चलते हुए एक बार प्रिस्टन काईल ने एकाएक रुपये लेने का विरोध भी किया था। वह बोला था, 'इन रुपयों की क्या जरूरत है? हमें कहां खर्च करने होंगे?' फिर रुककर बोला था- 'मान लो हम हीरों की खोज की कई योजना न बना सके तो क्या होगा ?'

'हम रुपया लौटा देंगे।

'मगर ...।'

'इसमें नुकसान की क्या बात है?'

जब वे दोनों वापस फ्लैट पर आए तो काईल ने योजना को असंभव बताया।

वह बोला, 'हीरे पन्द्रह साल पहले चोरी हुए थे। अब तक चोर जिस रास्ते से गया था, उसके कदमों के निशान तो क्या- वह रास्ता भी बदल चुका होगा। देश का प्रत्येक जासूस, इंस्पेक्टर और गुप्तचर विभाग का हर एक व्यक्ति इस मामले में किस्मत आजमा चुका है। समझ में नहीं आता कि हमारी सफलता की कितनी संभावना है?'

'इसके बारे में हमें गौर करना होगा।'

'कब ?'

‘थोड□ी देर बाद।’

‘अब तुम कहां जा रही हो ?’

‘बाथ लेने।’

‘उससे क्या होगा ?’

‘गरम पानी के टब में बैठकर सोचना अच्छा होता है।’

ईव ने कहा था।

‘मजाक छोड□ो।’

‘मजाक तो तुम कर हो, जो चालीस लाख के सौदे को हिकारत से देख रहे हो।’

शक नहीं कि इनाम बहुत बड□ा था, मगर क्या वह सारा देश उसके लिए छान मारता ? जो पंद्रह साल से प्रयत्न करते आये थे। वे भी कौन से सफल हुए थे। काईल शराब पीता रहा और सोचता रहा।

ईव नहाकर बाहर निकली। वह काफी सुन्दर लग रही थी। उसने मुस्कराकर पूछा- ‘यह तुम्हारा तीसरा पैग है या चौथा ?’

काईल को उसका पूछना अच्छा नहीं लगा, जैसे वह उसका गुलाम हो। क्या उसे हर काम ईव से पूछकर करना चाहिए ?

उसने भारी स्वर में कहा- ‘तुम चुप रहो। मैं जितनी चाहे पीऊं, तुम्हें इससे क्या सरोकार ?’

‘सरोकार है।’

‘मतलब ?’

‘तुम्हें नॉर्मल रहना चाहिए।’

‘क्या मैं तुम्हें बेहोश नजर आता हूं ?’

ईव ने अपने बालों में ब्रुश करते हुए कहा- ‘ज्यादा मत पियो।’

‘क्यों ?’

‘आज रात हम रिको से मिलने जा रहे है, तुम्हें नॉर्मल रहना चाहिए।

‘मैं यहां का मालिक हूं। तुम्हें यह नहीं भूलना चाहिए। यों भी मैं आज रिको से मिलने के मूड में नहीं हूं।

‘प्रिस्टन ! ऐसी बातें करके तुम मेरे दिल को क्यों चोट पहुंचाते हो ?’

काईल चुप रहा।

‘तुम जिद छोड□ो। मैं तो इस मुश्किल काम में तुम्हारी मदद करना चाहती हूं। अगर तुमने यह मौका छोड□ दिया तो फिर कभी न मिल सकेगा। जरा सोचो तो सही। चालीस लाख से तुम क्या कुछ नहीं कर सकते।

‘ऐसी बातों के बारे में सोचने का क्या फायदा, जो नामुमकिन हों।’

‘नामुमकिन ?’

‘यस ! महाराजा भी जानता है कि हीरों का मिलना बच्चों का खेल नहीं है।’

‘और ?’

‘और अगर हीरे मिल भी गए तो इस बात का क्या विश्वास कि वह अपने वायदे से नहीं मुकरेगा ?’

ईव ने उसकी बात का कोई जवाब नहीं दिया। वह कपड□ बदलने लगी।

थोड□ी देर बाद वह उसके सामने कुर्सी पर आकर बैठ गई और बोली- ‘हमें रिको से जरूर मिलना चाहिए। हो सकता है कि वह किसी को जानता हो जो यह खतरनाक काम कर सके।’

‘खतरनाक काम। कैसा खतरनाक काम ?’

ईव ने उठते हुए कहा, ‘अब तुम रिको के पास क्लब में जाने के लिए तैयार हो जाओ। मैं रास्ते में तुम्हें सब कुछ बता दूंगी। अब देर मत करो।’

काईल ने सिगरेट का धुआं हवा में उड□ाते हुए कहा- ‘तुम जैसी खूबसूरत लड□की को ऐसी बातों में नहीं उलझना चाहिए। आज रात हम कहीं बाहर नहीं जाएंगे।’

‘मैं जा सकती हूं ?’

‘नहीं- तुम भी नहीं।’ कहकर काईल ने उसको अपनी मजबूत बांहों में दबोचा और उसे पकड□कर बिस्तर पर गिरा दिया। धीरे-धीरे काईल की उंगलियां उसके शरीर के प्रत्येक भाग से खेलने लगीं।

ईव ने कोई विरोध नहीं किया, मगर उसकी आंखों में सख्त नफरत उभर आई थी। उसे रह-रहकर काईल की हिमाकत और वासना से भरे मस्तिष्क पर दु:ख और अफसोस हो रहा था, जो काम की बजाय अपने को काम-वासना में डुबोए दे रहा था। ईव नहीं चाहती थी कि इस मामले में देर की जाए, मगर काईल की जिद के सामने उसे झुकना पड□ा था।

* * *

रात के नौ बज चुके थे।

इंटरनेशनल पुलिस विभाग के बॉस हरमन अपने दफ्तर में बैठे काम कर रहे थे। सारे कमरे में खामोशी थी। शीशे की खिड□कियों से रोशनी छनकर बाहर आ रही थी।

डैलेस ने दरवाजा खोला और अंदर झांका।

हरमन अपनी कुर्सी पर बैठा था। कागज उसके सामने की टेबल पर बिखरे पड□ थे। उसने पेंसिल का एक सिरा दांतों के बीच दबा रखा था। वह किसी गहरी सोच में खोया था। उसने डैलेस को अंदर झांकते देखा।

'आओ-आओ।' हरमन बोला, 'मेरा ख्याल था कि तुम जरूर आओगे। सो मैं अब तक बैठा हूं।'

डैलेस कुर्सी पर बैठ गया।

हरमन ने पूछा - 'क्या बात है?'

'मैं कुछ जानना चाहता हूं।'

'किसके बारे में?'

'प्रिस्टन काईल के बारे में। आपको क्या जानकारी है?'

एक पल को हरमन ने सोचकर कहा- 'वह सेन फ्रांसिसको से सट्टा बाजार का एक पुराना खिलाड□ी है।'

'और इसके अलावा ?'

'दो साल पहले उसने मार्केट में कुछ हेराफेरी की थी। वहां के एजेंटों ने कुछ ले-देकर उसको वहां से चलता किया। काफी चलता-पुर्जा है। परिस्थितियों ने उसे सेन फ्रांसिसको छोड□ने के लिए मजबूर किया और वह यहां आ गया।'

'यह सब जानकारी तो मैं फेवल से हासिल कर चुका हूं सर।'

'फेवल! वह बड□ा शैतान है। तुमने यह जानकारी हासिल करने के लिए उसे क्या दिया?'

'इसके बिना वह क्या कभी किसी को कुछ बताता है? सौ का एक पत्ता भेंट करना पड□ा है।'

'शैतान! मेरा पैसा हड□प रहा है।'

हरमन ने मुस्कराकर आंखें झपकीं।

'इसके अलावा वह जो लड□की है- क्या नाम है उसका? मैं भूल ही गया।'

'ईव गिलिस।'

'यस! उसके बारे में कुछ बताइए।'

'कई साल पहले उसने मिस सिटी (नगर सुन्दरी) की प्रतियोगिता में चालीस हजार का पहला इनाम जीता था। उसका एक भाई भी है, जो पिछले तीन साल से भारत में है। बड□ी तेज है। कुछ महीनों से काईल के साथ उसका प्रेम संबंध चल रहा है। न जाने वह उसके पीछे क्यों पड□ी है!

काईल तो खुद आर्थिक उलझनों का शिकार है। वह उसके लिए क्या कर सकता है? इसका पता जल्दी ही चल जाएगा।

'क्या पहले वह कहीं काम भी करती थी?'

'हां, फोनीज की फर्म से उसका नाता था। पैसा भी उसे वहां से अच्छा मिलता था।'

'छोड□ क्यों दिया?'

'कुछ पता नहीं चला। एक दिन उसे पछताना पड□गा।'

अब की बार गंभीर स्वर में डैलेस ने कहा- 'जब आप उन लोगों के बारे में इतना कुछ जानते हैं तो फिर मुझे आपने किसलिए इस काम पर नियुक्त किया है?'

हरमन चुप रहा।

'जो आप जानते हैं, उतनी जानकारी हासिल करने के लिए तो मेरी टांगें टूट गई हैं।'

हरमन ने डैलेस को एक बच्चे की तरह देखा, जो एक नौसिखिए की तरह बात कर रहा था। वह कुर्सी पर पहलू बदलकर बोला- 'मैंने तुम्हें उसके गुजरे जीवन के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए नहीं, बल्कि उसकी आज की गतिविधियों के बारे में जानकारी हासिल करने और उस पर कड□ी नजर रखने के लिए नियुक्त किया है।'

डैलेस चुप रहा।

'हां, तो दोनों राजा से मिले थे?'

'हां।'

'कितनी देर तक उसके साथ रहे ?'

'आधा घंटा तक।'

हरमन अपनी उंगलियां चटखाने लगा। डैलेस को उसकी यह हरकत पसंद नहीं आई, मगर हरमन उसका बॉस था, सो वह चुप रहा।

हरमन कुछ देर तक सोचता रहा। उसका दिमाग बड□ी तेजी से काम कर रहा था। वह गुप्तचर विभाग का एक निपुण, तेज और पहुंचा हुआ अफसर था। उसने खिड□की की तरफ देखा और एक सिगरेट जलाकर बोला- 'मुझे लगता है कि...।

'क्या लगता है आपको?'

'कि अब हम हीरों के नजदीक पहुंच रहे हैं।'

'मतलब?'

'हमें खुली आंख से काम करना चाहिए। हीरे हमारी पकड□ से अब दूर नहीं हैं।'

'यह बात है।'

'हां, मैं शुरू से इस ख्याल का रहा हूं कि हमें सबसे जल्दी उन हीरों को अगर कोई तलाश

करवा सकता है तो राजा ही वह आदमी है। हैरत तो यही है कि आज से पहले उसने इसके लिए कोशिश क्यों नहीं की?'

डैलेस ने पूछा- 'आपके पास क्या प्रमाण है कि वह हीरों की तलाश में यहां आया है? चूंकि बीमा कम्पनी ऐसा समझती है और महाराजा को शक की दृष्टि से देखती है, क्या हमारे लिए भी यह मुनासिब होगा कि हम भी उसी ढंग से सोचें और महाराजा को शक की दृष्टि से देखे?'

'महाराजा को शक की दृष्टि से देखने के लिए तो बीमा कम्पनी वालों से मैंने कहा है, चूंकि महाराजा पैसा पानी की तरह बहाता है। उधर हीरों की कीमत पन्द्रह सालों में बहुत बढ□ गई है। फिर अब इन हीरों पर राजा का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। ये हीरे बीमा कम्पनी वालों के हैं। वे बीमा का सारा रुपया राजा को दे चुके हैं, इसलिए अब उन्हीं हीरों की कीमत लगभग दस करोड□ हैं। अगर ये हीरे मिल जाते है तो राजा इनको भारत में ले जाकर कहीं भी बड□ी आसानी से बेच सकता है। इसके अलावा मैंने यह भी सुना है कि राजाओं की हालात भारत में रियासतें खत्म होने के बाद खराब हो रही है। इस राजा की यही स्थिति है। वह इसलिए भी चाहता है कि हीरे उसे मिल जाएं तो भी कई करोड□ का फायदा हो जाये।'

डैलेस ने उसकी बात को गैर से सुना और कहा- 'बात में तो आपकी दम है। अब आगे क्या किया जाये।'

'अगर हम इस केस को ठीक ढंग से हैंडिल करें, तो हमें लाखों का लाभ हो सकता है। एक-न-एक दिन हम राजा के माध्यम से हीरो तक जरूर पहुंच जाएंगे। मैंने मैकादम और ऐसबर्थ को भी राजा के पीछे लगा दिया है। वे दोनों रात की ड्यूटी पर हैं। बर्नज दिन की ड्यूटी पर लगा है। तुम काईल पर नजर रखो। राजा खुद हीरों की तलाश में नहीं जाएगा। वह किसी-न-किसी को पकड□गा, ताकि यह काम पूरा किया जा सके। हो सकता है कि वह यह काम काईल के जरिये ही करवाना चाहें। एक हफ्ता काईल को और देख लो। अगर समझो कि उसकी इस मामले में दिलचस्पी नहीं है, तो काईल का पीछा करना छोड□ दो, मगर जरा ध्यान से उसका पीछा करना। उसे बिल्कुल पता न चले कि तुम उसकी निगरानी कर रहे हो।'

'जी समझा।' मगर डैलेस के चेहरे पर उत्साह का भाव नहीं था। वह धीमी आवाज में बोला'

'कहीं हम गलत आदमी का पीछा करके अपना समय न बरबाद कर रहे हों। मुनासिब यही है कि हमें कुछ दिन और इंतजार करना चाहिए।'

'किसका?'

'हेटर का।'

'क्यों ?'

'वह जेल में है।'

'तब ?'

'वह एक आदमी है, जो जानता है कि हीरे कहां हैं। उसे बाहर आने दो।'

'तब ?'

'जेल से बाहर आते ही वह वहां जाएगा, जहां हीरे रखे हुए हैं, तब हम उसको पकड□ लेंगे।

हरमन ने आंखें झपककर कहा- 'उसकी सजा के अभी दो साल बाकी हैं।'

'हां।'

'मगर मैं इतने लम्बे अर्से तक इंतजार नहीं कर सकता। मैं फौरन चाहता हूं।'

'जल्दी क्या है, बॉस। हम पन्द्रह साल से इंतजार करते चले आ रहे हैं। दो साल और सही, तब तक हम दूसरे कामों की तरफ अपना ध्यान लगा सकते हैं।

हरमन ने कहा- 'तुम्हें मालूम है कि अगर हम अपने मकसद में कामयाब हो जाते हैं तो लाखों....।'

डैलेस बीच में ही बोल पड□ा- 'मैं सुन चुका हूं सर।'

'अगर हमने तीन महीने तक कुछ न कर दिखाया तो हो सकता है बीमा कम्पनी वाले हमारी जगह यह केस किसी और को दे दें, इसलिए हमें कुछ-न-कुछ कर दिखाना चाहिए।'

'आप तो मुझे डरा रहे हैं।'

'नहीं, मैं तुम्हें सतर्क कर रहा हूं। काम मन लगाकर करो। इसी में सबकी भलाई है। हमारे पास अब दो साल नहीं, सिर्फ तीन महीने बाकी हैं।'

'जो हुक्म।'

'काईल पर नजर रखो और ईव की गतिविधियों को वॉच करो।'

'यस सर।'

'वह बड□ी चालाक लड□की है। हो सकता है कि वह हीरों के बारे में कुछ जानती हो।'

'उसका पीछा करना कोई मुश्किल नहीं है।' डैलस ने दरवाजे की तरफ बढ□ते हुए कहा- 'उसका पीछा करना तो मुझे कॉलेज के दिनों की याद दिला देता है।'

हरमन ने उसे घूरा, मगर तब तक डैलेस कमरे से बाहर जा चुका था।

* * *

रात के साढ□े दस बजे रिको अपने कमरे से बाहर निकला। वह रेस्तरां से होता हुआ बॉर में पहुंचा। रेस्तरां में ज्यादा भीड□ नहीं थी। मुश्किल से बीस जोड□े बैठे वहां खाना खा रहे थे। उसने एक सरसरी नजर चारों तरफ डाली। अक्सर ग्यारह बजे के बाद ही लोग रेस्तरां में ज्यादा आते थे।

रिको ने देखा कि कुछेक ग्राहकों ने उसके चेहरे पर पड□ी खरोंचों को बड□े गौर से देखा। इससे उसके मन में कुछ परेशानी सी पैदा हुई। यों भी आज उसका मूड ठीक नहीं था।

थोड□ी देर पहले बेयर्ड का फोन आया था जिसे उसने बीच में ही काट दिया था, मगर उससे वह परेशान तो जरूर हुआ था। टेलीफोन पर बात करना उसे सीधा जेल की कोठरी में पहुंचा सकता था। वह मन-ही-मन बेयर्ड की मूर्खता पर बल खा रहा था।

उत्तेजना से भरा वह बॉर में पहुंचा था। वहां हल्का अंधेरा फैला था। पन्द्रह-बीस के करीब लोग बैठे वहां शराब पी रहे थे।

उसने 'बॉरमैन' को व्हिस्की के एक बड□ पैग का ऑर्डर दिया। बॉरमैन ने उसके चेहरे को गैर से देखा और फिर गिलास टेबल पर रखकर चला गया। रिको व्हिस्की पीने लगा।

एक साल पहले ही फरु-फरु क्लब को उसने खोला था, मगर इतने थोड□ समय में ही उसका बिजनेस चमक उठा था। सारे नामी लोग उसके स्थाई ग्राहक बन चुके थे। वे जानते थे कि बिना अपने-आपको जोखिम में डाले वे अपनी मनपसंद लड□की को रात के लिए वहां से हासिल कर सकते थे। कुछ काला धंधा करने वाले भी वहां आने लगे थे। इनकी देखा-देखी कुछ लोगों ने अपनी लड□कियों को वहां लाना शुरू कर दिया था। उन्हें शराब ग्राहकों से मुफ्त पीने को मिलती थी और जाती बार लड□की का पर्स नोटों से भरा होता था।

रिको ने कोने में बैठे एक आदमी को घूरा। उसका कद लम्बा था और जिस्म भरा हुआ। उसकी आंखों के नीचे काले गड्ढे पड□ गये थे। उसके चेहरे पर गंभीरता छाई थी। वह पिछले महीने से बराबर वहां आ रहा था। उस आदमी का नाम एडम गिलिस था। वह जब भी आता, उसके साथ कोई-न-कोई लड□की होती थी।

रिको मन-ही-मन सोचता था कि एडम गिलिस कैसे उन लड□कियों को फांस लेता था। उनकी उम्र कम होती थी और वे बड□ी खूबसूरत होती थीं। एडम की आर्थिक हालत का अनुमान लगाया जा सकता है कि वह हमेशा इस ताक में रहता था कि कोई लड□की उसे शराब पिलाये या खाना खिलाये।

रिको के पास से एक ग्राहक गुजरा और उसने कहा- 'हैलो, गुड ईवनिंग।'

'गुड ईवनिंग सर!'

उसके जाते ही रिको ने नफरत भरी दृष्टि से दोबारा एडम गिलिस को देखा। वहां से उसकी नजर हटकर सीधे कोने में गई।

वहां एक आदमी बैठा था। वह एक अखबार पढ□ रहा था।

रिको ने इस आदमी को पहले कभी यहां नहीं देखा था। वह मन-ही-मन चौंक पड□। वह सूरत से ऐसा नजर नहीं आता था, जो नाइट क्लब जाने वाला हो। उसका कद लम्बा, शरीर पतला और रंग भूरा था। उसकी आंखें चमकदार थीं। वह शक्ल से कोई टेनिस का खिलाड□ी नजर आता था।

रिको अपनी जगह से उठ खड□ा हुआ और सक्मिड के पास पहुंचा, जो दरवाजे के पास बैठा था। उसके पास ही एक रजिस्टर पड□ा था। अंदर आने वाले हर आदमी को उसमें नाम लिखना पड□ता था। रिको ने पूछा- 'वह आदमी कौन है?'

'कौन ?'

'वह जो कोने में बैठा है।'

'वही जो अखबार पढ□ रहा है?'

'हां।'

'उसका नाम डैलेस है।'

'लेकिन वह तो यहां पहली बार आया लगता है। तुमने उसे अंदर क्यों आने दिया?'

'उसके नाम की सिफारिश मिस्टर राइन हार्ट ने की थी, इसलिए मैंने उसको अंदर आने दिया।'

'तब ठीक है।' रिका ने सिर हिलाया।

सक्मिड ने पूछा- 'क्या कोई खतरे की बात है?'

'शक्ल से तो वह खतरनाक आदमी नहीं लगाता।'

'मेरा भी यही ख्याल है, मगर शक्ल से कोई मालदार आदमी नहीं नजर आता। खैर, मैं जानता हूं। जब मिस्टर काईल आएं तो मुझे बता देना। मैं आज रात उनसे मिलना चाहता हूं। रिको ने वहां से हटते हुए कहा।

वह वापस बॉर में आ गया। डैलेस एक लड□की से बात कर रहा था। जिसने हरे रंग का लिबास पहन रखा था। उसका नाम जूई नरैटन था। रिको के क्लब की वह खास लड□की थी। उसने रिको की तरफ घूरकर देखा। आंख के इशारे से रिको ने उसे डैलेस के साथ बैठने की इजाजत दे दी। डैलेस और जूई आमने-सामने टेबल पर बैठकर शराब पीने लगे।

उधर एडम गिलिस ने रिको के चेहरे पर देखा जिस पर खरोंचें पड□ी हुई थीं। उसे बड□ा आश्चर्य हुआ कि किसने रिको की यह हालत बनाई? एक बात तो उसे मालूम थी कि रिको बड□ी तेजी से अमीर बनता जा रहा था, मगर इसके पीछे क्या रहस्य था, एडम नहीं जानता था।

जब रिको चला गया तो गिलिस ने अपनी घड□ी देखी। दस कभी के बज चुके थे, मगर ईव अभी तक नहीं आई थी। उसने कहा था कि वह काईल को लेकर दस बजे तक वहां पहुंच जायेगी, मगर अब तो ग्यारह बजने वाले थे। वह मन-ही-मन उबलने लगा।

एक बार एडम ने सोचा भी कि वह ईव को टेलीफोन करके पूछे कि क्या बात है, मगर फिर यह समझकर इरादा बदल दिया कि हो सकता है कि उधर से काईल ही टेलीफोन न उठा ले, वह नहीं चाहता था कि काईल को किसी बात का उस पर शक हो।

गिलिस शराब पीना चाहता था, मगर उसकी जेब खाली थी। उसने सामने बॉर में सजी शराब की बोतलों को ललचाई दृष्टि से देखा। उसकी जेब में सिर्फ बीस रुपये थे। वह इनको शराब पर खर्च नहीं करना चाहता था। उसने मन-ही-मन ईव को कोसा, फिर समय गुजारने के लिए वह उंगली से मेज को थपथपाने लगा।

थोड□ी देर बाद गिलिस उठकर बाहर आ गया। अब वह क्लब की लॉबी में खड□ा था। ईव और काईल की आने की अब कोई आशा नजर नहीं आती थी।

वहां से हटकर यह टॉयलेट में घुस गया कि शीशे में देखकर अपने बाल ठीक कर सके। अंदर आकर उसने बाल ठीक किये और अपने हाथ धोने लगा। तभी अंदर डैलेस दाखिल हुआ। उसने मुस्कराकर गिलिस को देखा। गिलिस भी मुस्कराया और बोला, 'मैंने आपको जूई के साथ बॉर में

देखा था।'

'हां, आप ठीक कहते हैं। कैसी लड□की है?'

'ओह! बहुत अच्छी है।'

तभी डैलेस ने जेब में से सिगरेट केस निकाला और गिलिस को एक सिगरेट पेश किया।

'थैंक्यू। क्या आप यहां नये आए हैं?'

'हां।'

'कब तक रहने का इरादा है?'

'मैं एक बिजनेसमैन हूं। कुछ हफ्ते यहां रहना चाहता हूं। मन बहलाने के लिए आज यहां चला आया हूं।'

'यह तो अच्छी बात है।'

'मगर मैं गलत चक्कर में नहीं पड□ना चाहता हूं।'

'आप ठीक कहते हैं। आप अगर थोड□ा अच्छा समय गुजारना चाहते हैं तो यह नाइट क्लब बुरा नहीं है। यों जूई एक रात के लिए अच्छी लड□की साबित हो सकती है।'

'हूं।' डैलेस ने कहा- 'मेरा नाम एड डैलेस है।'

'मुझे एडम गिलिस कहते हैं।'

दोनों ने हाथ मिलाया

डैलेस बोला- 'मैं यहां हफ्ते में तीन-चार बार आया करूँगा। आपसे तो मुलाकात होती ही रहेगी?'

'हां-हां, क्यों नहीं। मैं तो यहां अक्सर आता हूं।'

'हम किसी दिन एक साथ बैठेंगे और शराब पियेंगे।'

'यह तो मेरे लिये इज्जत की बात होगी।' गिलिस ने कहा।

डैलेस जाने लगा तो गिलिस बोला-

'आप इस क्लब के मेम्बर होते तो मैं यह बात कभी न कहता, पर आपस क्या पर्दा।'

'बोलिए।'

'मैं गलती से अपना बटुआ घर भूल आया हूं। मेरे दोस्त अभी तक आये नहीं। क्या आप एक घंटे के लिए मुझे एक सौ का नोट उधार दे सकते हैं। मैं अपने दोस्तों के आते ही आपको लौटा दूंगा। आपकी मेहरबानी होगी।'

'अजी इसमें मेहरबानी की क्या बात हैं! यह तो मामूली बात है। आप सौ रुपया खुशी से लीजिए।' कहकर डैलेस ने अपनी जेब से बटुआ निकाला और सौ का नोट निकालकर गिलिस को देते हुए बोला- 'जल्दी की कोई बात नहीं। जब हम दोबारा मिलेंगे तो आप मुझे वापस कर दीजियेगा।

गिलिस ने झपटकर नोट पकड□ा और अपनी पॉकेट में रख लिया और बोला - 'मैं किस मुंह से आपका शुक्रिया अदा करूं। आप बहुत अच्छे हैं। मैं अपने दोस्तों के आते ही ये रुपये वापस कर दूंगा। थैंक्यू।'

'अरे साहब! इसकी क्या जरूरत है।' कहकर डैलेस दरवाजे की तरफ बढ□ गया। मैं खुद कई बार बटुआ घर भूल आने की गलती कर चुका हूं। ऐसी मुश्किल हालत को मैं समझ सकता हूं।'

दोनों बॉर में आ गये।

गिलिस ने कहा- 'आप जूई के साथ बैठें। मैं काउंटर से जाकर अपना ड्रिंक खुद ले आता हूं। मैं नहीं चाहता कि आप लोगों के साथ बैठकर आपका मजा किरकिरा करूं।'

'ओ० के०।'

तभी डैलेस ने ईव को काईल के साथ बॉर में एक तरफ खड□ी देखा। उसने काले रंग की खूबसूरत मैक्सी पहनी हुई थी। उसकी छातियों का उभार बेहद जानलेवा था।

डैलेस ने गिलिस का ध्यान उस ओर आकर्षित किया- 'लो, एक और खूबसूरत चेहरा।'

'यह क्लब औरतों के लिए प्रसिद्ध है।' कहकर गिलिस ने ईव की तरफ देखा। दोनों की नजरें मिलीं, मगर किसी ने भी एक दूसरे का अभिवादन नहीं किया। दोनों ने यों जाहिर किया मानो वे एक दूसरे को जानते भी न हों।

गिलिस ने दोस्ताना अंदाज में डैलेस के कंधे को थपथथपाकर कहा- 'जूई भी अच्छी लड□की है। यों अंधेरे में हर औरत एक सी होती है।'

कहकर वह काउंटर पर ड्रिंक लेने चला गया।

उसके जाते ही डैलेस ने भी उधर का रुख किया, जिधर जूई बैठी थी। टेबल पर पहुंचकर वह बोला-

'सॉरी, तुम्हें बहुत इंतजार करना पड□ा, मगर मैं एक खूबसूरत आदमी के चक्कर में फंस गया था।'

'एडम गिलिस?'

'हां।'

'उसने तुम्हें जरूर चूना लगाया होगा।'

'जरूरत से ज्यादा नहीं।'

'कितना ?'

'सिर्फ सौ रुपये।'

'वो शैतान अपनी खूबसूरती का फायदा उठा रहा है? पर कब तक? हर लड□की के पास सोने को तैयार हो जाता है, अगर उसे शराब और अच्छा खाना मिल जाए।'

'तुम्हें मेरा उसको रुपये देना अच्छा नहीं लगा?'

'देखो, तुम्हारे पैसों से वह व्हिस्की खरीद रहा है। तुम्हें उसको रुपये नहीं देने चाहिए थे। तुम्हारा उससे कोई मतलब सिद्ध होने वाला नहीं है।'

'मुझे उस पर रहम आ गया था। उसे शराब की सख्त जरूरत थी। बस, मैं इंकार नहीं कर सका।' डैलेस ने एक पल रुककर कहा- 'जानती हो, उसने तुम्हारी भी तारीफ की थी।'

'क्या वाकई? एक बार उसने मुझे चार सौ रुपये का चूना लगा दिया था।'

डैलेस ईव की तरफ देखने लगा और फिर बोला, 'क्या खूबसूरत चेहरा है। मैक्सी भी खूब पहनी हुई है।'

जूई ने ईव की तरफ ईर्ष्या से देखा। उसके होंठों पर व्यंग्य भरी मुस्कान थी। वह बोली- 'जानते हो, वह कौन है?'

'नहीं।'

'वह गिलिस की बहन है।'

'ओह!'

'दोनों परले दर्जे के मक्कार हैं। पहले वह फोलीज के साथ थी। अब उसने महसूस किया है कि वह अपनी खूबसूरती का सौदा महंगे दामों में करके जिन्दगी गुजार सकती है तो वहां से चली आई।'

'तुमने क्या कहा, उसकी बहन?'

'हां।'

'मगर उन दोनों ने एक दूसरे को देखा और अजनबियों की तरह व्यवहार किया।'

'हो सकता है कि वह अपने भाई को काईल से मिलवाना चाहती हो। वह काईल की रखैल है। खैर, क्या एक बोतल शैम्पेयन और मंगवाए? मेरी प्यास तो अभी बुझी नहीं है।'

'हां-हां क्यों नहीं। जरूर मंगवाओ।' उसने कह तो दिया और फिर सोचा कि जब इन सारे खर्चों का बिल हरमन के सामने आयेगा तो वह जल-भुन जाएगा, मगर उसने ऊपरी मन से कहा, 'जो मेरे पास इस वक्त जेब में है, उसे तुम जैसे चाहो, खर्च करो।'

जूई ने उसे संदिग्ध दृष्टि से देखा, उसे लगा डैलेस के पास रकम नहीं है, फिर भी उसने पूछा- 'क्या शैम्पेन के साथ डिनर भी चल सकता है? देखूं, तुम्हारी दरियादिली?'

'डिनर? आज नहीं, कल। वायदा रहा।'

'मगर मुझे भूख लगी है।'

'कुछ और खाने को मंगवा लो।'

'ठीक है।'

फिर जूई ने पूछा- 'क्या आज की रात तुम मेरे साथ गुजारना चाहते हो?'

जूई की बात को स्वीकारने का मतलब था, कई सौ का और खर्चा। उसकी कल्पना में हरमन का

चेहरा उभरा। उसने अपनी इच्छा को दबाकर कहा- 'नहीं, फिर किसी दिन सही। उसके लिए मुझे बैंक का एक चक्कर लगाना पड□गा।'

जूई हंसी।

'तुम जान गये होंगे कि मैं तुम्हें पसन्द करती हूं।' उसने टेबल के नीचे से हाथ डालकर डैलेस ही टांग को दबाया, 'तुम्हें आज की रात किसी बैंक का चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है।'

डैलेस उसकी बातें सुन नहीं रहा था। वह दूसरी तरफ देख रहा था। वहां पर अचानक उसने रिको को बॉर में दाखिल होते देखा। वह चलता हुआ वहां गया, जहां पर ईव और काईल खड□ थे। वहां पहुंचकर रिको ने धीरे से काईल से कुछ कहा।

उसकी बात सुनकर काईल का चेहरा गुलाबी हो गया। उसने तब घूमकर ईव से कुछ कहा। उसने सिर हिला दिया। तब ईव को अकेला छोड□कर काईल और रिको बॉर से बाहर चले गये। डैलेस ने देखा। ईव को अकेला पाकर गिलिस ने सिर के इशारे से उसे दरवाजे के पास चलने को कहा।

उसे ऐसा करते देखकर डैलेस अपनी जगह से उठा और जूई से बोला, 'भई, मैं तो चला। मुझे एक जरूरी काम याद आ गया है।'

'क्या? क्या कहते हो?'

मगर डैलेस ने अनसुना कर दिया। उसने सौ-सौ के दो नोट निकालकर जूई की गोद में डाले और बोला।

'अचानक कोई बहुत जरूरी काम याद आ गया है। कल मुलाकात होगी। बॉय।'

'तुमने तो मेरा बीच में ही कबाड□ा कर डाला।'

'सॉरी! मुझे एक जरूरी काम से जाना पड□ रहा है। बॉय! आज रात को सपनों में मुलाकात होगी।'

कहकर वह बॉर से निकल आया।

चंद मिनट के बाद ईव भी लॉबी में नजर आई। उसने अपना कोट रिसेप्शन पर से उठाया और बाहर निकल गई। बाहर आकर वह एक कार में बैठ गई, जो वहां खड□ी थी।

डैलेस दूसरी ओर पार्क की गई कारों की आड□ में छिप गया था। वह सांस रोके आने वाली घटना का इंतजार करने लगा।

पांच मिनट के बाद अंदर बैठे-बैठे ईव ने सिगरेट सुलगाया। लाइटर की रोशनी में डैलेस ने देखा मानो वह संसार की सबसे सुन्दर औरत है। उसने अपने आपसे मुस्कराकर कहा, 'डैलेस, ऐसी कल्पनाएं मत करो। अगर यही सब कुछ चाहते हो तो जूई ही ठीक है। ईव को पाना तुम्हारे बस की बात नहीं है।'

तभी उसने दूर से गिलिस को आते देखा। वह इधर-उधर देख रहा था, तब अचानक उसने ईव को कार में बैठे देखा। वह उधर को बढ□ा। पास आया और कार का दरवाजा खोलकर भीतर चला गया।

अब डैलेस भी अपनी जगह से खिसका और छिपकर उनकी कार के पास आ गया, ताकि दोनों की बातें सुन सके।

* * *

दो साल में पहली बार प्रिस्टन काईल का आत्मविश्वास जागा और उसको अपना भविष्य उज्वल नजर आया। ईव ने उसे विश्वास दिला दिया था कि महाराजा के हीरों को ढूंढ निकालने की उनकी योजना बेमिसाल है और वे निश्चित रूप से कामयाब होंगे। काईल को भी उसकी योजना सार्थक लगी।

उसकी योजना काफी समझदारी से भरी थी। खतरनाक जरूर थी मगर ऐसी नहीं कि वे उस पर अमल ही न करते। अगर दस साल पहले यही योजना उसके सामने होती तो वह खुशी से कूद पड□ता, तब जमाना कुछ और ही था। योजना मुश्किल थी, खतरों से भी भरी थी, पर कामयाबी की शक्ल में पैसा भी बेशुमार था।

'वाह! इस ईव का जवाब नहीं है? काईल ने यह वाक्य अपने मन में तब दोहराया था, जब ईव हीरों तक पहुंचने की योजना उसे बता रही थी। काईल को लगने लगा था मानो राजा का चालीस लाख रुपया उसकी जेब की तरफ बढ□ा आ रहा है। उसे यकीन होने लगा कि व्यापार की दुनिया में वह एक बार फिर चमक सकता है और अपने विरोधियों का माल लेकर, अपनी खोई हुई साख पुनः प्राप्त कर सकता है।

योजना का सारा आधार उसको ठीक से संचालन करने में था। एक सही आदमी की तलाश थी, जो उसके कहने के अनुसार चल सकता और काम कर सकने की हिम्मत रखता होता। उसने जो जाल फैलाया था, रिको भी उसमें सहायक सिद्ध हो सकता था। रिको को साथ मिलाकर चलना आसान बात नहीं थी, मगर उसका साथ बेहद जरूरी था।

यही नहीं, जो भी खर्चा होना था, वह काफी था। उसको तो महाराजा ने ही बर्दाश्त करना था। उससे मिलने वाली बड□ी रकम को भी काईल रिको से छिपाये रखना चाहता था।

जब दोनों बॉर से बाहर निकले तो काईल ने रिको के चेहरे की खरोंचों की ओर देखकर कहा- 'आपका चेहरा तो खरोंचों से भरा पड□ा है, कैसे लगी?'

'एक्सीडेंट हो गया था। मामूली बात है। ये इतनी दर्द नहीं करतीं जितनी बुरी नजर आती हैं। खैर आपको आज रात जल्दी तो नहीं है? मैं आपसे काफी समय से मिलना चाहता था।'

'ऐसी क्या चीज है?'

'बड□ी जबर्दस्त है। आजकल उसको लेकर मामला कुछ गर्म है, मगर एक-आध साल ठहरकर यही चीज आपको अच्छा मुनाफा देकर जायेगी।'

काईल का इशारा चेन की तरफ था।

'जरा देखने तो दो।'

रिको उसे लेकर अपने दफ्तरनुमा कमरे में चला गया। उसने दीवार में बनी सेफ को खोला और

सेफ से चेन बाहर निकाली। चेन को उसने काईल के सामने मेज पर रख दिया।

काईल ने उसे छुआ नहीं। दूर से ही देखकर पूछा, 'कितनी खतरनाक है यह?'

'जिसकी थी, उसका कत्ल हो चुका है।'

'तुम्हारा मतलब जीन ब्रूस से है?'

'यस।'

'मुझे बड़ी हैरत हो रही है। यह आप तक कैसे पहुंची?'

रिको ने अपने चेहरे की खरोंचों पर उंगली फेरते हुए कहा- 'अचानक आ ही गई। इत्तफाक कहिये। बाद में पता चला कि जिसकी थी, उसकी हत्या कर दी गई है।'

'कैसे पता चला?'

'शाम के अखबार से।'

'अगर पकड़े गये तो क्या पुलिस आपकी बात का विश्वास कर लेगी?'

'मैं पहले ही कह चुका हूं कि यह खतरनाक है, तभी तो आपको बुलाया है। मैंने सोचा कि हो सकता है कि आपके किसी अमीर दोस्त को पसंद आ जाए। शक नहीं कि इसे दिखाने से पहले इसकी सैटिंग को थोड़ा बदलना पड़ेगा, मगर एक बात तो आप भी मानेंगे कि चीज बड़ी जोरदार है।'

काईल ने चेन को हाथों में उठाकर उल्टा-पल्टा तथा बोला, 'हां, चीज तो जोरदार है। आप क्या चाहते हैं?'

'पच्चीस हजार।'

'क्या?'

'आप हैरत में पड गये। जानते हैं, इसकी कीमत क्या होगी।'

'कितनी।'

'कम-से-कम पचास-साठ हजार भी हो सकती है।'

'जब होगी, तब देखा जाएगा। इस वक्त तो इसकी कीमत एक पैसा भी नहीं है। इस वक्त तो इसे पास रखना भी खतरे से खाली नहीं है। खैर, मैं इसके ज्यादा-से-ज्यादा दस हजार दे सकता हूं।

'बस?'

'बस! एक नया पैसा भी ज्यादा नहीं।'

रिको ने बेयर्ड को पांच हजार दिये थे। वह सौदेबाजी करता हुआ बोला- 'चलिए, बीस दे दीजिए।'

'नहीं।'

उसने चेन को वापस देना चाहा तो रिको जल्दी से बोला- 'रखिये-रखिये, वापस मत कीजिए। मैं

इस सौदे में नुकसान ही उठा लूंगा, पर इसे अपने से दूर ही रखना चाहता हूं। चलिये, दस ही मंजूर है।'

काईल ने हाथ वापस खींच लिया।

कुछ पल बाद बोला- 'रुपयों के लिए कुछ दिन ठहरना पड□ंगा। शायद एक हफ्ते तक।'

'ओ० के०। मुझे आप पर विश्वास है। आप दो हफ्ते के बाद दे दीजिएगा।'

काईल ने सिर हिलाया और चेन को अपने कोट की जेब में डाल लिया।

इसके बाद काईल सोचने लगा कि वह अपनी योजना के बारे में कितना रिको को बताए, तब तक दफ्तर में वेटर ड्रिंक ले आया था। काईल ने शराब का गिलास उठाकर कहा- 'हो सकता है कि जल्दी ही हमें एक बड□ा काम करना पड□। काफी फायदा होगा।

'अच्छा!'

'हां।'

'मुझे क्या मिलेगा ?'

'एक लाख ।'

'सच।'

रिको खुशी से उछल पड□ा।

'मगर दो-तीन आदमियों की सहायता चाहिए होगी।'

'कैसे आदमी ?'

'निडर और साहसी।'

'हूं। मैं आपके साथ हूं, मिस्टर काईल।'

'थैंक्यू।'

'बताइए मुझे क्या करना होगा ?'

'अभी तक तो मैंने पूरी तरह योजना पर गौर नहीं किया है। मुझे सारे मामले पर अच्छी तरह सोच-विचार कर काम करना चाहिए।' फिर एक पल रुककर बोला- 'मैं आप पर किस हद तक यकीन कर सकता हूं ?'

रिको भी बड□ा घाघ था। बिना जाने वायदा करना उसकी आदत नहीं थी, सो उसने पूछा, 'कुछ तो पता चले कि योजना क्या है ?'

'....।'

'क्या यह खतरनाक है ?'

'हो भी सकती है, मगर शुरू से आखिर तक आपको कहीं आंच नहीं आयेगी।'

'मगर योजना का तो पता चले। मैं कोई ऐसा काम नहीं करना चाहता कि सीधा दस-पन्द्रह साल के लिए जेल चला जाऊं।'

'बिना खतरे के पैसा कहां मिलता है।'

'यह तो आप ठीक कहते हैं।'

काईल ने कहा- 'उस योजना की सफलता का दारोमदार उस आदमी पर है, जो बाहर रहकर काम करेगा। अगर वह समझदार और चालक है तो कामयाबी निश्चित है अगर वह जरा-सा भी डगमगाया तो हम सब भी डूब जाएंगे।

रिको ने उसकी बात का समर्थन किया।

फिर पूछा- 'मिस्टर काईल, पार्टी कौन सी है?'

'आपको वह भी पता चल जाएगा, पर क्या कोई ऐसा आदमी है, जो इस कसौटी पर पूरा उतरे और जिसे मैं जानता भी हूं।'

रिको चुप रहा।

'काम सख्त और खतरनाक है। मैंने सोचा शायद आप किसी ऐसे आदमी को जानते हो?'

'हूं।'

'समझदार, चालाक और अगर खूनी हो तो बात ही क्या है।'

काईल ने देखा कि जब उसने 'खूनी' शब्द का प्रयोग किया तो रिको चौंका।

काईल ने कहा- 'आप मुझे गलत मत समझे। मैं खुद मारकाट, खून-खराबे से आपकी ही तरह नफरत करता हूं, पर अगर जरूरत पड□ तो उससे पीछे भी नहीं हटना चाहिए।'

रिको की जान-में-जान आई। वह बोला- 'मैं एक आदमी को जानता हूं।'

'कौन है?'

'बड□ा खतरनाक है।'

'क्या नाम है उसका?'

'बेयर्ड। कुछ महीनों से इस शहर में आया हुआ है।'

'कभी परखा है उसे?'

'हां, मैं उसके साथ धंधा कर चुका हूं। वह आपकी धारणा पर पूरा उतरता है। विश्वसनीय और समझदार भी है।'

'ऐसा ही आदमी चाहिए मुझे।'

'मैं यकीन से तो नहीं कह सकता, पर मेरा ख्याल है कि जीन ब्रूस को भी उसी ने ठिकाने लगाया है।'

काईल ने अपने होंठों पर हाथ फेरा।

'आपको उस पर भरोसा है?'

'पूरा-पूरा भरोसा है।'

'मिस्टर रिको, मैं पहले कह चुका हूं कि अगर आदमी ढंग का न हुआ तो हमें भी जेल की हवा खानी पड़ेगी। समझे आप?'

'समझ गया। मेरा विश्वास है कि वह आपका काम कर देगा, पर उसे करना क्या होगा?'

'यह मैं बाद में बताऊंगा। पहले मैं उससे मिलना चाहता हूं। क्या कल रात को आप उस यहां बुला सकते हैं?'

रिको ने इंकार में सिर हिलाया।

'मगर क्यों?' काईल ने पूछा।

'पुलिस उसकी तलाश में है। मेरा ख्याल है कि वह शहर छोड़ चुका है।'

'कुछ पता है कि वह कहां होगा?'

'अभी तो नहीं, मगर एक-दो दिन में वह मुझसे सम्पर्क करेगा'

'कैसे मालूम हुआ?'

'उसने कहा था।'

'....।'

'मिस्टर काईल, जैसे ही बेयर्ड से मेरा सम्पर्क हुआ, मैं आपको बात दूंगा और मुलाकात का इंतजाम भी कर दूंगा।'

'मगर जल्दी ही।'

'आप बेफिक्र रहें।'

'आदमी भरोसे का है न?'

'मैं आदमी को देखते ही पहचान जाता हूं। दुनिया में कोई ऐसा नहीं, जो उसका मुकाबला कर सके।'

'गुड! मैं अब अपनी योजना को आखिरी शक्ल देने में लग सकता हूं। जितनी जल्दी बेयर्ड से मुलाकात हो जाए, उतना ही अच्छा है।'

'आप फिक्र न करें। यह काम मुझ पर छोड़ दें। मैं जल्दी-से-जल्दी उसको आपसे मिलवाने का इंतजाम करूँगा।'

फिर एक पल रुककर पूछा- 'अगर उसने पूछा कि काम क्या है? कुछ तो उसे बताना होगा।' रिको ने घूरकर उसे देखा।

काईल ने सिगरेट की राख को ऐश-ट्रे में झाड़ा और बोला- 'अगर उसने काम कर दिया तो मैं एक लाख दूंगा।'

‘अगर न कर सका तो?’

‘तो सौ का एक पत्ता- जहर खाने के लिए।’

रिको ने उसको चकित दृष्टि से देखा।

काईल ने कहा- ‘एक लाख क्या कम है?’

‘नहीं, मिस्टर काईल।’

और वह दरवाजे की तरफ देखने लगा।

* * *

जैसे ही एडम गिलिस कार में बैठा, उसने ईव से गुस्से भरी आवाज में कहा- ‘जानती हो, मुझे कितना इंतजार करना पड□ा? पूरा एक घंटा। कभी तो वक्त की पाबंदी का ख्याल करो।’

‘सॉरी गिलिस।’ उसने अपना हाथ उसके हाथ पर रखा और बोली- मैं मजबूर थी। काईल का मूड कुछ बिगड□ा हुआ था। मुझे तो यकीन ही नहीं था कि वह आज आने के लिए राजी भी होगा। मैं तो अब इस खेल से तंग आ चुकी हूं। पता नहीं यह सिलसिला कब तक चलेगा? तुम अनुमान नहीं लगा सकते कि काईल के साथ रहना कितना मुश्किल है। काश! मैंने कभी वायदा न किया होता?’

‘किस बात का?’

‘तुम्हारी मदद करने का।’

गिलिस ने चौंककर उसकी तरफ देखा। वह संयत स्वर में बोला- ‘इतनी कठोर मत बनो। मैं जानता हूं कि तुम्हें कितनी मुश्किलों का सामना करना पड□ रहा है, पर उसको पूरा करने के लिए काईल का हमारे साथ होना बेहद जरूरी है।’

‘मगर मुझे तो सारी योजना ही खतरनाक और मूर्खता से भरी नजर आती है। मुझे सफलता की कोई उम्मीद नजर नहीं आती।’

‘मुझे आती है।’

‘तुम्हें विश्वास है?’

‘हां, यह मामला साहस और हिम्मत का है। मेरी समझ में नहीं आता कि तुम क्यों परेशान हो? सारी जिम्मेदारी मेरी है। मैं रातों को जागकर सारी योजना बनाऊंगा। तुम्हें सिर्फ वही करना है, जो मैं कहूं।’

‘तुम्हारा मतलब क्या है?’ क्या तुम समझते हो कि उस बूढ□े काईल की रखैल बनकर रहना मुझे सुख देता है?’ ईव न गुस्से से कहा।

‘ईव!’ गिलिस बोला-‘छोटी-छोटी बातों को भूल जाना ही अच्छा रहता है। अपने को बड□े कामों के लिए तैयार करो। यह चालीस लाख का मामला है। इतने पैसों के लिए कोई भी लड□की काईल के साथ सो सकती है- उसकी रखैल बन सकती है।’

'मैं नहीं मानती।'

'क्यों?'

'क्या हमने कभी पैसा देखा ही नहीं है? मुझे यकीन है कि यह चालीस लाख मात्र एक सपना है। यह कभी हमारे पास नहीं आयेगा।'

'डोंट बी सिली।'

'मैं ठीक कहती हूं। तुम सिर्फ सपना देख रहे हो।'

'हर छोटा आदमी बड□ा बनने के सपने देखता है। क्या मैं मूर्ख हूं?'

'यह मैंने कब कहा?'

गिलिस ने कुढ□कर कहा, 'ठीक है। अगर तुम्हारा यही सलूक है तो ठीक है, फिर एक साथ काम करने में क्या रखा है, दुनिया में क्या लड□कियों की कमी है? बहुत सी लड□कियां मेरी मदद करने को तैयार हो जाएंगी। अब तुम चाहो तो काईल से कह दो।'

'क्या?'

'कि तुम उसके साथ नहीं रहना चाहती।'

अचानक ईव के सारे शरीर में झुरझुरी सी व्याप्त हो गई। वह जल्दी से बोली, 'अरे, तुम तो नाराज हो गये।'

'तुम बात ही ऐसी करती हो?'

'सॉरी।'

'देखो मैं फिर कहे देता हूं, अगर तुम साथ नहीं देना चाहती हो तो अभी से इंकार करके पीछे हट जाओ।'

'एक बात बताओ?'

'क्या है?'

'अगर मैं फोलीज थियेटर वापस चली जाऊं तो क्या तुम मेरे साथ जाओगे?'

'....।'

'बोलो, क्या मेरे साथ रहोगे?'

गिलिस ने गुस्से से कहा- 'अगर तुम वापस फोलीज थियेटर गई तो मैं जिन्दगी भर तुम्हारी शक्ल नहीं देखूंगा।'

'क्या?'

'मैं सच कहता हूं। तुम अगर मुझे बीच में छोड□कर चली गई तो मैं जिन्दगी भर तुम्हारी शक्ल नहीं देखूंगा।'

उसने देखा कि ईव की आंखों में भय उभर आया था। एक लम्बे अनुभव ने उसे सिखा दिया था

कि ईव से झगड□ा करके, धमकी देकर, झूठ का नाटक रचकर वह उसे दबा सकता है। दोनों में एक गहरा रिश्ता था, जो मां के पेट से चला आ रहा था। कहने को दोनों सगे भाई-बहन थे, मगर जिन्दगी दोस्तों की तरह जीते थे।

'प्लीज एडम! ऐसी बातें मत करो।'

'क्यों न करूं? तुम्हारा रवैया ही ऐसा है?'

'अच्छा, मैं वायदा करती हूं अब पूरे मन से तुम्हारा साथ दूंगी। जो कुछ मैंने कहा है, उसे तुम भूल जाओ। मैं आज रात कुछ निराश सी हूं।'

अबकी बार गिलिस हमदर्दी से बोला, 'मैं तुम्हारी परेशानी को समझता हूं। बस, एक महीने की तो बात है। उसके बाद तुम्हें परेशानी नहीं होगी, तब तुम काईल को ठोकर मारकर वापस आ सकती हो।'

ईव ने अपनी पराजय स्वीकारते हुए कहा- 'तुम जैसा चाहो करो, मैं तुम्हारे साथ हूं।'

गिलिस उत्साह से बोला- 'सब काम ठीक से हो रहा है। वह दिन दूर नहीं, जब हमारे पास लाखों होंगे। कल्पना करो, तब हमारी स्थिति क्या होगी? मैं तुम्हारे लिए ढेर सारी चीजें खरीदकर लाया करूँगा।'

ईव जानती थी कि जब से उसने होश संभाला था गिलिस यों ही उसे धोखा देता आया था। वह जानती-बूझती भी धोखा खा जाती थी। वह जो कहता, थोड□े बहुत तर्क और झगड□े के बाद ईव उसे मना लेती थी। वह चाहकर भी उसके मोहपाश से मुक्त नहीं हो सकती थी।

गिलिस ने उसका हाथ अपने हाथ में लेकर पूछा, 'तुमने काईल से बात की?'

'हां।'

'उसकी प्रतिक्रिया क्या थी?'

'काफी अच्छी।'

'मतलब ?'

'उसने योजना में बड□ा उत्साह दिखाया।'

तभी ईव ने देखा कि गिलिस ने पुराना सूट पहना हुआ है। उसने स्नेह से पूछा- 'तुमने नया सूट खरीदा था। उसे क्यों नहीं पहना?'

'मैं आने की जल्दी में था, सो बदल नहीं सका।'

ईव तुरन्त समझ गई कि गिलिस झूठ बोल रहा है। उसने जो रुपये सूट खरीदने के लिए दिये थे, गिलिस ने सूट पर खर्च नहीं किए थे। पुराने अनुभव के आधार पर वह समझ गई कि गिलिस ने वे रुपये जरूर किसी औरत पर खर्च कर दिए होंगे।'

गिलिस ने बात पलटकर कहा- 'तुम सूट का चक्कर छोड□ो। क्या काईल रिको से बात करेगा, आज ही?'

‘हां, मैंने उससे कह दिया था कि इस बारे में रिको से जरूर मशवरा करे। तुम यही तो चाहते थे।

‘हां, रिको बेयर्ड को जानता है। इस योजना को अगर कोई सफल बना सकता है तो वही एक आदमी है। मैं उसके अमल को कई हफ्तों से देख रहा हूं। कमाल का आदमी है। जिस बात को करने की सोच लेता है, करके रहता है। काश! यही बात मैं रिको को बता सकता। पता नहीं काईल उसे सब कुछ बता भी पायेगा या नहीं।

काईल तो उससे सिर्फ यह पूछेगा कि क्या वह बेयर्ड को जानता है। बाकी बातें बाद में होंगी।’

‘काईल को जब तुमने सुनहरी बाग दिखाया तो क्या उसने कुछ कहा था?’

‘मतलब ?’

‘तुम्हारा क्या हिस्सा होगा, अगर योजना सफल रही।’ ईव हंस पड□ी।

‘यह बात उसके दिमाग में आ ही नहीं सकती थी। वह सारे रुपयों को खुद ही हड□प करना चाहता है।’

गिलिस ने दांत पीसते हुए कहा- ‘घबराओ नहीं, वक्त आने पर उसका सारा नशा उतर जाएगा।’

‘ऐसी बात है?’

‘हां खैर, अब तुम वापस जाओ। कभी काईल को मेरे बारे में कुछ बताने की जरूरत नहीं है। मैं रात को तुम्हें मिलूंगा।’

‘कितने बजे?

‘साढ□ बारह।’

‘आना जरूर।’

‘अगर वह वहां हुआ?’

‘वह वहां नहीं होगा। वह कल कहीं डिनर पर जाएगा। क्या तुम थोड□ा जल्दी नहीं आ सकते ?’

‘क्यों?’

‘मैं आठ बजे के बाद अकेली होऊंगी।’

‘कह नहीं सकता, फिर भी जल्दी आने की कोशिश करूँगा।’

‘कितनी जल्दी।’

‘नौ बजे तक।’

ईव समझ गई कि गिलिस झूठ बोल रहा है। जब वह झूठ बोलता था तो साफ पता चल जाता था। उसके झूठ में एक गंध थी जिसे सूंघकर वह तुरन्त गिलिस को पकड□ लेती थी। वह चाहकर भी उसे अपने साथ धोखा-फरेब करने से रोक नहीं सकी थी, शायद वह उसकी आदत का एक हिस्सा बन चुका था।

'अच्छा।' ईव ने धीमे से मुस्कराकर कहा- 'अगर नौ बजे न आओ तो साढ़े बारह बजे जरूर आना समझे?'

देख लेना, मैं ठीक नौ बजे पहुंच जाऊंगा।'

मगर वह भी समझता था कि अगर वह जल्दी चला गया तो ईव बिना वजह बातें करके उकताहट पैदा करेगी। इस वक्त वह कोई झंझट नहीं खड़ा करना चाहता था, इसलिए उसने स्वीकृति में सिर हिला दिया।

वह जाने के लिए उठा।

उसने दरवाजा खोल दिया।

'ओह, ईव ...।'

वह समझ गई कि गिलिस अब कोई-न-कोई बहाना बनाकर उससे पैसे मांगेगा। यह उसकी पुरानी आदत थी। इससे पहले कि वह कुछ कहता, ईव ने पूछा- 'कितने चाहिए?'

'तुम्हें तकलीफ दे रहा हूं। अगले महीने तुम्हारे सारे रुपये वापस कर दूंगा। मैंने एक-एक पैसा अपनी नोटबुक में लिखा हुआ है।'

'तुम्हें कितने चाहिए?'

'मैंने तीन सौ एक आदमी से उधार ले रखे हैं, आज उसे वापस करने होंगे।

'तुम ...।'

'क्या तुम्हारे पास पांच सौ होंगे।'

ईव ने अपना पर्स खोलकर नोट गिने और बोली मेरे पास तो इस वक्त सिर्फ चार सौ हैं।'

'काम चल जाएगा। मैं कल नौ बजे आऊंगा।' फिर एक पल रुककर बोला- 'तुम काईल से दो-चार हजार एक साथ हथिया लो। मेरे सारे महीने की परेशानी दूर हो जाएगी। तुम उसके पास रहती हो। क्या वह इतना भी तुम्हारे लिए नहीं कर सकता?'

'अब मैं ज्यादा गिरने के लिए तैयार नहीं हूं। जो मिलता है, मैं तुम्हें दे देती हूं।'

'मैं गिरने की बात नहीं करता। तुम आने निजी खर्चे के लिए तो उससे पैसे मांग सकती हो।'

'क्या तुम्हें मालूम नहीं कि वह खुद की दिवालिया हो चुका है। यह बात तुम्हीं ने बताई थी कि उसने लोगों का हजारों रुपया कर्ज देना है।'

'मगर काईल जैसे असरी-रसूख वाले आदमी के लिए वक्त पड़ने पर रुपया इकट्ठा करना मुश्किल नहीं है। लोग अब भी उसका विश्वास करते हैं, इसीलिए मैंने उसे चुना है। क्या उसने राजा से रुपया नहीं ऐंठ लिया है? उसकी शक्लो-सूरत को देखकर कोई मना नहीं कर सकता।'

ईव चुप रही।

उसने चार सौ रुपये उसके हवाले कर दिए। वह बोली, 'तुम इसमें गुजर करो। मैं जल्दी ही उसे पैसों के लिए नहीं कह पाऊंगी। मैं खुद नहीं जानती कि अब क्या करूंगी। मेरी जेब भी तो खाली हो

गई है।'

उसने ईव की कलाई पर बंधी सोने की चेन को छुआ तथा बोला- 'मैं एक गिरवीघर को जानता हूं। कुछ चीजें वहां गिरवी रख देते हैं। पैसा आते ही वापस छुड़ा लेंगे।'

'मैं तुम्हें सोचकर बताऊंगी।' उसके स्वर में यातना का भाव था। वह दर्द भरे स्वर में बोली- 'तुम्हें नहीं मालूम कि यह मम्मी की आखिरी निशानी है?'

'इस हालत में अगर मैं मम्मी से कहता तो वह भी इंकार न करती। खैर, मैं चलता हूं।'

'गुड नाइट, एडम।'

'मैं कल रात को तुम्हें मिलूंगा। जो भी आलतू-फालतू चीजें हों, उन्हें इकट्ठा कर लेना। जैसे फर का बना वो कोट, जो उसने तुम्हें दिया...।'

ईव ने दोबारा अपना वाक्य दोहराया, 'गुड नाइट, एडम।'

दोनों बाहर निकलकर आमने-सामने खड़े हो गए। गिलिस ने आंखें झुका रखी थीं। उसने स्नेह से ईव के गाल को चूमा।

ईव बोली, 'जल्दी आने की कोशिश करना। मुझे तुमसे बातें करनी हैं।'

'नौ बजे आऊंगा।'

ईव को वह क्लब की तरफ जाते देखता रहा। उसकी जेब में चार सौ रुपये थे। आज की रात उसके लिए रंगीन बन चुकी थी। उसकी कल्पना में लुइस का सुन्दर चेहरा उभरा। पिछली बार जब वह लुइस से मिला था तो उसने रात गुजारने के चार सौ मांगे थे।

उसने सोचा, अगर आज लुइस दो सौ में मान जाये तो वह उसे अपने कमरे में ले जाएगा। लुइस शराब पीने के बाद जो नाच करती थी, वह बड़ा ही मनमोहक होता था।

ईव क्लब में दाखिल होकर नजरों से गायब हो चुकी थी। यह भी अजीब लड़की है। वह उससे एक भाई का नहीं, बल्कि ऐसा व्यवहार करती थी, जैसे कोई प्रेमिका अपने प्रेमी को चाहती हो।

थोड़ी देर बाद गिलिस वहां से चला गया। उसके जाते ही डैलेस भी अपनी जगह से निकलकर बाहर आ गया। रात काफी भीग चुकी थी और क्लब में लोगों को आना-जाना जारी था।

कुछ पल तक वह खड़ा रहा और सोचता रहा कि उसका आज वहां आना काफी लाभदायक साबित हुआ था। उसने कुछ पैसे खर्च किये थे, मगर उसका फल भी निकट भविष्य में मिलने वाला था।

वह एक तरफ को चल दिया।

* * *

हरमन का बंगला बुलवर्ड में बना था। लॉन में सुन्दर आंखों को लुभाने वाले फूल लगे थे। इस वक्त वहां गहरी खामोशी थी।

रात का वक्त था।

ऊपर के कमरे में रोशनी थी। उसमें से हल्के संगीत का स्वर फूटकर बाहर आ रहा था। फिजां में संगीत रच-बस गया था।

अचानक एक कार बंगले के सामने आकर रुकी। उसमें से डैलेस उतरा। उसने कार का दरवाजा बंद किया और गेट की तरफ बढ़ गया। उसने फाटक खोला और सीधा अंदर चला गया। रात खामोशी और कुछ गर्म थी। चारों तरफ फूलों की खुशबू थी।

उसने कॉलबैल का बटन दबाया।

हरमन ने दरवाजा खोला। उसने गाउन पहना हुआ था। उसने डैलेस को तीखी नजर से घूरकर कहा- 'तुमने बहुत देर कर दी। मैं सोने जा रहा था।

'आप खुशकिस्मत हैं कि आपको सोने का समय तो मिल जाता है।'

कहकर वह अंदर दाखिल हो गया। बड़ा कमरा पुस्तकों से भरा पड़ा था। हरमन ने शादी नहीं की थी। घर का काम करने के लिए उसने एक नौकर रखा हुआ था। डैलेस ने कहा, 'हमें तो आराम का एक पल भी नसीब नहीं है।'

हरमन ने उसकी बात की तरफ ध्यान न देकर कहा- 'रेडियोग्राम सुनो। कितना अच्छा संगीत है।'

'मुझे इस वक्त संगीत के बजाय व्हिस्की के एक पैग की सख्त जरूरत है।'

'घर में तो एक बूंद भी नहीं है। तुम जानते हो कि मैं तो शराब को छूता भी नहीं हूं। यह अक्ल को भ्रष्ट करती है और जिगर को तबाह।'

डैलेस ने एक लम्बी सांस ली। उसने एक सिगरेट जलाया। हरमन ने उसे घूरा और पूछा।

'तुम आज फरु-फरु क्लब गये थे?'

'वहीं से आ रहा हूं।'

'क्या देखा? तुम्हारी रिपोर्ट?

'काईल ने चोरी के हीरों को हासिल करने के लिए कमर कस ली है।'

'यह राय तुम्हारी कैसे बनी?'

'आज रात को काईल क्लब में रिको से मिला और उसके बाद....।'

'शुरू से सविस्तार सुनाओ।'

डैलेस ने उत्साह में भरकर उसे सब बताया- 'गिलिस की भेंट, काईल और ईव का आना, दोनों बहन-भाई की बातें। सुनकर हरमन का चेहरा खुशी से खिल उठा।

'बहुत खूब!' हरमन बोला।

'इसे कहते हैं सुनहरी मौका।'

'हां, अब खुद चिडि□या जाल की तरफ बढ□ रही है। अब बच नहीं सकती।'

'जाल हमने फैला दिया है, बचना अब चिडि□या का काम है।'

'क्या बात है? जो काम मैं पन्द्रह वर्षों में न कर सका, वह अचानक हो गया। जो गुत्थी मैं आज तक न सुलझा सका, उसका हल घर बैठे मिल गया।'

'अब आपका क्या ख्याल है?'

'राजा बीमा कम्पनी वालों को धोखा देना चाहता है, काईला राजा को उल्लू बनाकर सारे हीरे ले उड□ना चाहता है और गिलिस इन सबकी आंखों में धूल झोंकने की कोशिश करेगा।'

'मतलब?'

'बदमाश लड□ेंगे और शरीफ आदमियों की चांदी होगी। मतलब यह यह कि हम जीतेंगे।

कुछ पल रुककर वह बोला, 'सारी योजना गिलिस की है। काईल को वह मोहरे के तौर पर इस्तेमाल करना चाहता है, मगर काईल कैसे हीरो को हासिल करेगा? क्या उसे मालूम है कि हीरे कहां है?'

'मैं क्या जानूं? उसको कुछ तो पता होगा, वरना वह राजा से क्यों मिलता?'

'एक बात बताओ।

'पूछो।'

'यह बेयर्ड कौन है? काईल उससे क्यों मिलना चाहता है?'

'जीन ब्रूस का हत्यारा। एक नम्बर का बदमाश और खतरनाक आदमी है।'

'क्या वह वही बेयर्ड है जिसकी जॉर्ज ओलिन को तलाश है?'

हरमन ने स्वीकृति में सिर हिलाया।

'जॉर्ज के कहने के मुताबिक तो बेयर्ड बेहद चालाक और खतरनाक आदमी है। मैं जॉर्ज से आती बार मिला था। उसका आज रात को एक ड्रग स्टोर के पास बेयर्ड से भयंकर टकराव हुआ। सुना जाता है कि उसे गोली भी लगी, मगर वह बच निकला।'

'बच निकला?' हरमन ने चकित होकर पूछा।

'पुलिस ने सारे इलाके को घेर लिया है। वह हर एक घर की तलाशी ले रही है, मगर अभी तक बेयर्ड का कुछ पता नहीं चला। न जाने गोली लगते ही कहां चला गया। जमीन खा गई या आसमान निगल गया। कुछ पता नहीं चला।'

'क्या वह सचमुच बेयर्ड ही था?'

'जॉर्ज का तो यही कहना है।'

'क्या किसी ने उसे देखा था?'

'जिस सिपाही ने उसे गोली मारी थी, उसका तो शक बेयर्ड पर ही जाता है, उसकी शक्ल उससे

मिलती-जुलती थी। जॉर्ज का कहना है कि वह बेयर्ड ही था। जब उसने देखा कि सेल्जगर्ल ने उसको देख लिया है तो शिनाख्त के डर से उसे भी मार डाला। सिपाही पर गोली चलाई। ऐसी हिम्मत का काम सिर्फ बेयर्ड ही कर सकता है। मैं इस बारे में खुद भी जॉर्ज से सहमत हूं। इतना संगदिल बेयर्ड के अलावा और कौन हो सकता है?'

'हूं, अगर वह वाकई बेयर्ड है तो उसकी गिरफ्तारी से गिलिस की सारी योजना खाक में मिल जाएगी।'

हरमन चुप रहा। वह सोच में डूबा था। एक हाथ से उसने अपना चेहरा छिपा रखा था। एक लम्बी खामोशी के बाद वह बोला। 'मेरे पास जो आदमी है, उसे मैं इस केस में लगाने जा रहा हूं। वक्ती तौर पर हमें राजा का ख्याल ज्यादा नहीं करना है। अब इस नाटक के मुख्य पात्र काईल, ईव, गिलिस, रिको और बेयर्ड होंगे।

'मतलब?'

'यही लोग हैं, जो हमें हीरों तक ले जाएंगे।'

'इनमें सबसे महत्वपूर्ण कौन है?'

'जिसको भी समझो, उसी पर नजर रखो। आज से यही तुम्हारी जिम्मेदारी है।'

'मेरी नजर में तो गिलिस है।'

'मैं तुमसे सहमत हूं। उस पर नजर रखो और उसे अपना दोस्त बनाओ।'

'हूं।'

'उसको नजर से ओझल मत होने दो। अगर हो सके तो उसका विश्वासपात्र बनने की कोशिश करो।'

'गिलिस बड़ा तेज-तर्रार है। पैसे के मामले में एक जोक है, जिस तरह उसने अपनी बहन से बात की, उससे तो मुझे उसके नाम से ही घिन आने लगी है। खैर, देखेंगे उसे भी।'

हरमन ने पूछा, 'रिको पर नजर रखने के लिए किसको नियुक्त किया जाए? बर्नज तो काईल पर नजर रखेगा। ऐंसवर्थ को बेयर्ड के पीछे लगा देते हैं, मगर रिको का क्या करें?'

'क्लब में एक लड़की है। उसका नाम जूई नरैटन है। न जाने किस कारण से वह मेरे प्रति आकर्षित है। मेरा ख्याल है कि मैं उसे राजी कर सकता हूं कि वह हमारे लिए काम करे। उससे अच्छी तो मुझे कोई नजर नहीं आती, जो रिको पर नजर रख सकें। इस मौके पर हमें एक ऐसे ही व्यक्ति की जरूरत है, जो रिको के नजदीक हो और उसके भेद हम तक पहुंचाता रहे। क्या ख्याल है आपका?'

'तुम ठीक कहते हो।' उसने फिर पूछा।' 'मगर तुम उसे मनोआगे कैसे?'

'अपनी बात करने की कला और आपका पैसा... दोनों से उसको कब्जे में लाऊगा।'

'मेरा पैसा ?'

‘मुश्किल से तीन-चार हजार की बात है। मैं उसको शीशे में उतार लूंगा।’

‘अगर इतना ही गरुर है तो अपनी कला का ज्यादा इस्तेमाल करो और मेरे पैसे का कम। रुपया लुटाने के लिए मेरे पास नहीं है।’

‘तीन हजार से कम में बात नहीं बनेगी।’

‘ओ० के०, तुम उससे बात कर सकते हो। कम-से-कम पैसे पर सौदा करना।

डैलेस ने स्वीकृति में सिर हिलाया और बोला, ‘मैं पूरी कोशिश करूँगा।

वह जाने लगा तो हरमन बोला, ‘हमें अब थोड□ा सतर्कता से काम लेना चाहिए। जो भी रहस्य हाथ लगे, उसे अपने आदमियों तक ही सीमित रखो। पुलिस विभाग को मत बताओ। यों पुलिस से सहयोग हमारे गुप्तचर को करना चाहिए, मगर इस मामले में थोड□ी चालाकी की जरूरत है।’

‘मतलब?’

‘अगर तुम बेयर्ड को कहीं देखो तो जॉर्ज को सूचित मत करना। अगर वह जेल की कोठरी में बंद हो गया तो हमको हीरो तक कौन ले जाएगा?’

‘बात तो आपकी ठीक है।’

‘हमें जो लाखों मिलेगा, उसका कुछ भाग मैं स्टाफ में बांट दूंगा।’

‘हूं।’

‘पचास हजार सबसे पहले मैं उसे दूंगा, जो सबसे पहले मुझे यह आकर बताएगा कि हीरे कहां छिपे हैं।’

‘बहुत खूब! इससे काम करने का उत्साह लोगों में बढ□ेगा, यह आपने ठीक फैसला किया है। अब हर आदमी कुछ अपनी हिम्मत और अक्ल से बढ□कर ही काम करने का प्रयास करेगा।’

कहकर डैलेस उठ खड□ा हुआ और जाते हुए बोला-

‘गुड नाइट।’

‘गुड नाइट।’

* * *

चारों तरफ गहरा अंधेरा था। दर्द से बेयर्ड की जान निकली जा रही थी। थकन हरेक पल बढ□ती जा रही थी और उसकी पलकें भारी होती जा रही थीं। उसका शरीर अब हल्की सर्दी के कारण कांपने लगा था।

दूर से आने वाली पुलिस सायरन की आवाज से बेयर्ड का दिमाग फटा जा रहा था। हर पल सायरन की आवाज तेज होती जा रही थी। उसी तेजी से बेयर्ड के दिमाग की नसें भी तनती जा रही थीं।

वह जिस अंधेरे कमरे में पड□ा था, उसमें एक खिड□की थी जिससे वह तारों भरा आकाश देख सकता था। गली में लो लैम्पपोस्ट लगा था, उसकी धीमी रोशनी कमरे में पड□ रही थी।

नीचे एक धचके के साथ एक कार आकर रुकी। पुलिस सायरन की आवाज भी उसी के साथ डूब गई। कार का दरवाजा खुला और बंद हो गया। उसी के साथ किसी के कदमों की आहट गली में उभर पड□ी।

अचानक बेयर्ड को लगा कि एक औरत दीवार से चिपकी खड□ी है। वह बड□ी सतर्कता से खिड□की के रास्ते बाहर गली में झांक रही थी। कमरे में गहरा अंधेरा था। इसके आगे बेयर्ड उसे नहीं देख सकता था।

उस औरत का कद छोटा था। खुले बाल उसके कंधों पर बिखरे थे। उसने अपने दोनों हाथ छाती पर रखे हुए थे। वह अंधेरे कमरे में बिल्कुल उदास खड□ी थी।

तभी कहीं दूर पुलिस सायरन की आवाज फिजां में गूंज उठी।

बेयर्ड ने अपना सिर उठाया। उसने अंधेरे में अपनी पिस्तौल को देखा, वह वहां नहीं मिली। वह बेहद थक चुका था, मगर पुलिस सायरन की आवाज ने उसके शरीर में एक झुरझुरी पैदा कर दी। उसने उठने की कोशिश की।

मगर तभी उस औरत का स्वर अंधेरे में उभरा- 'अपनी जगह से मत उठो। बहुत से पुलिस वाले नीचे मौजूद हैं। उन्हें तुम्हारी तलाश है।'

बेयर्ड बिस्तर से उठ बैठा। दर्द उसके सारे शरीर में उभर आया था। उसने दर्द को सहन करने की कोशिश की, मगर वह उसकी जान लेने पर तुला हुआ था। वह दोबारा बिस्तर पर गिर पड□ा। गुस्से और निराशा से उसका सारा शरीर तन रहा था।

उसे याद आया कि पिछली बार जब उसको गोली लगी थी तो उसकी इतनी बुरी हालत नहीं हुई थी। इस बार तो खून इतना निकला था कि उसकी सारी ताकत ही जवाब दे गई थी। जिस शारीरिक शक्ति पर उसे हमेशा भरोसा रहा था, वही उसे आज धोखा दे गई थी।

तभी नीचे पुलिस की कई और जीपें आकर रुकी। दरवाजे खुले और बंद हो गए। बेयर्ड ने पूछा।

'क्या हो रहा है?'

'वे लोग नीचे मकानों की तालाशी ले रहे हैं।'

'तलाशी?'

‘हां, वे पांच-पांच के दलों में बंट गए हैं।’

बेयर्ड की गुस्से से भरी आवाज कमरे में गूंजी।

‘मेरी पिस्तौल और बन्दूक कहां हैं? तुमने उन्हें कहां रख दिया है?’

‘वे तुम्हारे बायें तरफ बिस्तर पर पड़ी हैं।’ कहकर उसने नीचे गली में झांका।

बेयर्ड ने बन्दूक उठानी चाही, मगर नाकाम रहा। उसका सांस फूल चुका था। वह कराहते हुए बोला।

‘तुम चाहो तो उनसे जाकर कह दो कि मैं यहां हूं। जब तक वे यहां आएंगे, मैं अपने को खत्म कर चुका होऊंगा। वे मुझे जिन्दा कभी न पकड़ पाएंगे।

‘वे यहां नहीं आ सकते। अगर पुलिस वाले यहां आये भी तो मैं कह दूंगी कि मैंने तुम्हें देखा नहीं है। यह मेरा मकान है। वे जबरदस्ती यहां नहीं घुस सकते।’

एक पल को बेयर्ड ने जो सुना, उस पर उसे यकीन नहीं आया, वह बोला।

‘वे तुम्हारी बात का विश्वास क्यों करने लगे? वे अंदर आकर तलाशी जरूर लेंगे। इसके अलावा मैं कॉरिडोर में से गुजरा था तो वहां पर खून के छींटे पड़ें होंगे। उन्हें देखकर पुलिस को विश्वास हो जाएगा कि मैं यहीं पर छिपा हूं।’

उसने अंधेरे को भेदकर औरत की भाव-भांगिमा को परखने का प्रयास किया।

वह बोली- ‘मैंने खून के छींटे साफ कर दिए थे।’

‘क्या?’ बेयर्ड को आश्चर्य हुआ।

‘हां, ऐसा करते ज्यादा देर नहीं लगी।’ वह बोली।

‘तुमने साफ कर दिए थे? तुम क्या चाहती हो? मैं समझ ... मैं समझ नहीं सका। ऐसा करने में तुम्हारा क्या स्वार्थ है। बताओ?’

‘दुनिया में क्या हर काम स्वार्थ के लिए किया जाता है।’

‘हूं! क्या तुम्हें मालूम नहीं कि अगर उन्होंने मुझे यहां ढूंढ लिया तो तुम भी मुसीबत में फंस जाओगी।’

‘मैं जानती हूं, मगर मुझे तुम पर रहम आ गया।’

इससे पहले कभी ‘रहम’ शब्द का प्रयोग किसी ने नहीं किया था। उसे रहम, दया और स्नेह आदि शब्दों से सदा चिढ़ रही थी।

‘मुनासिब यही है कि तुम बाहर चली जाओ। मेरे और उनके बीच कभी भी गोलियां चल सकती हैं। तुम अपनी जान खतरे में क्यों डालती हो?’

‘शायद ऐसा अवसर न आये।’

‘मतलब?’

'शायद वे यहां न आयें।'

तभी उसे लगा कि उस औरत ने उसका कोट और कमीज तब उतार डाले थे, जब वह बेहोश हुआ था। अब उसके घाव से खून भी नहीं निकल रहा था। वहां पर रुई का पैड लगा था।

'यह पैड तुमने लगाया है?'

'हां।'

'मगर ....।'

'तुम खामोश रहो।'

'लेकिन... ।'

उस औरत ने डांटा- 'दीवारें बहुत झीनी हैं। तुम्हारी आवाज बाहर सुनाई दे सकती है। क्या तुम चुप नहीं रह सकते?'

बेयर्ड एक पल चुप रहकर बोला, 'खून रुक गया है।'

'तुम चुप रहो। हिलो मत, वरना खून बहना दोबारा शुरू हो सकता है।' कहकर उसने खिड़की से बाहर झांका।

बेयर्ड ने पूछा।

'वे लोग नीचे क्या कर रहे हैं?'

'वे इधर-उधर खड़े हैं। शायद किसी का इंतजार कर रहे हैं। उनमें से कुछ सिपाहियों के हाथों में मशीनगनें हैं।'

बेयर्ड ने गुस्से से दांत पीसे। उसे कई घटनाएं याद आईं, जो उसने सुनी और देखी थीं, जब उसकी तरह कोई आदमियों चारों तरफ से घिर गया था और अंत में पुलिस की गोलियों का शिकार होकर मारा गया था।

बेयर्ड कांप उठा।

उसकी कल्पना में खून और आग उभरे।

उसने थके स्वर में कहा- 'तुम यहां से बाहर चली जाओ।'

'मगर क्यों?'

'वे यहां आ जाएंगे और इस कमरे की ईंट से ईंट बजा देंगे। तुम यहां से बाहर निकल जाओ।'

तभी बाहर किसी के कदमों की आहट गूंजी।

बेयर्ड ने पूछा।

'यह बाहर किसके कदमों की आवाज है?'

'शायद वे आ रहे हैं।'

बाजू के सहारे बेयर्ड ने एक बार पुन: उठने की कोशिश की, मगर फिर नीचे लुढ□क गया। बड□ी मुश्किल से वह उठकर बिस्तर पर बैठा और बोला- 'मुझे पकड□कर दीवार के सहारे खड□ा कर दो। मैं दरवाजे की आड□ में खड□ा हो जाता हूं।'

'फिर क्या होगा?'

'तुम बाहर चली जाना।'

'तब ?'

'जब उनमें से कोई आएगा तो मैं गोली चला दूंगा।'

'क्या इस तरह तुम बच सकते हो?'

'नहीं, मगर मैं दो-चार को मारकर मरना चाहता हूं।'

किसी ने दरवाजा फिर खटखटाया।

अबकी बार जैसा बेयर्ड ने कहा था, उस औरत ने वैसा ही किया।

बेयर्ड किवाड□ की आड□ में खड□ा हो गया।

उस औरत ने दरवाजा खोल दिया।

बाहर की रोशनी अंदर आई।

पहली बार बेयर्ड ने उसको देखा। उस लड□की की उम्र ज्यादा-से-ज्यादा तेईस-चौबीस थी। चेहरा आकर्षक था। रंग गोरा और आंखें नीली थीं। उसका नाम अनिता था।

'हैलो, अनिता।'

आने वाला टोनी था, जो उसी इमारत में रहता था। वह अनिता से अक्सर छेड□छाड□ किया करता था, मगर अनिता को उससे बेहद नफरत थी।

अनिता ने टोनी को देखा। वह इस वक्त दरवाजे के बीचो-बीच खड□ी थी। बाहर की रोशनी उसके चेहरे पर पड□ रही थी।

वह चौंककर बोली- 'टोनी तुम? क्या बात है?'

'एक खूनी।'

'कहां है?'

'इसी इमारत में छिपा है। हो सकता है कि वह बिस्तर के नीचे छिपा हो।

अनिता खिलखिलाकर हंसी।

'तुम हंस रही हो। नीचे कोहराम मचा है। वे लोग अभी ऊपर आ जाएंगे। एक-एक कमरे की तलाशी लेंगे।'

'लेने दो, मगर तुम यहां क्यों आए हो?'

'तुमसे प्यार करने।'

'पुलिस का तुम्हें डर नहीं है?'

'मैं क्यों डरने लगा? क्या किसी खूबसूरत लड़की से प्यार करना जुर्म है?'

'तुम बातें बहुत बनाते हो, मगर तुममें हिम्मत नहीं है।'

'क्या?'

अनिता ने मुस्कराकर कहा- 'जो कहा, क्या तुमने नहीं सुना?'

टोनी झपटकर अंदर आ गया और उसने अनिता को बाजू से पकड़ लिया।

'छोड़ो, क्या करते हो?'

'हिम्मत का सबूत दे रहा हूं।' कहकर टोनी उसको खींचता हुआ बिस्तर पर ले गया। कमरे में गहरा अंधेरा था। केवल बाहर की कुछ रोशनी दरवाजे के आसपास बिखरी थी।

टोनी को हैरत हुई। आज अनिता ने कोई खींचातानी नहीं की थी।

उसने अनिता को बिस्तर पर गिराया और उसके ऊपर गिर गया।

'बेवकूफ।'

'कौन ?'

'तुम! पुलिस आ गई तो क्या करोगे?'

'पुलिस की ऐसी की तैसी।'

'मान लो ऐसी हालत में कोई आ जाए तो क्या होगा?'

इस बार एक तो क्या-एक हजार सिपाही भी मुझे अपना इरादा बदलने के लिए मजबूर नहीं कर सकते।'

'इतना मत इतराओ।'

'यह हकीकत है।'

'दरवाजा खुला है।'

'रहने दो।'

'बंद नहीं करोगे?'

'चारों तरफ लोग डर से दुबके पड़े हैं। इस वक्त यहां कौन आएगा।'

कहकर जैसे ही टोनी अनिता को चूमने के लिए नीचे को झुका कि दो कांस्टेबल दरवाजे पर आकर खड़े हो गए। एक ने टॉर्च की रोशनी अंदर फेंकी। टोनी और अनिता को प्यार की मुद्रा में देखकर दोनों हंसे।

टोनी चिल्लाया- 'ओफ्फोह! क्या मुसीबत है? क्या शराफत है? यों किसी की प्राइवेट लाइफ में

दखल देना कहां का कानून है?'

एक सिपाही बोला- 'सॉरी, सर! हमें मालूम नहीं था कि यहां यह सब हो रहा होगा। हम एक खूनी की तलाश में हैं।'

'भाग जाओ यहां से।'

दोनों सिपाही हंसते हुए आगे बढ□ गए।

उनके जाते ही बिस्तर पर चुपचाप पड□ी अनिता शेरनी की तरह बिफर उठी। वह बोली- 'छोड□ी मुझे।'

'हर्गिज नहीं।'

'हरामी।'

'आज तुम मेरे हाथों से नहीं बच सकती।'

इस संघर्ष में टोनी ने उसकी कमीज फाड□ डाली। अब अनिता आधी नंगी हो चुकी थी। वह हर पल टोनी के सामने कमजोर पड□ती जा रही थी। बेयर्ड को बचाने के लिए जो नाटक अनिता ने खेला था, वह सफल हुआ था, मगर एक खतरा टल गया, पर दूसरा खतरा टोनी की शक्ल में उसको बरबाद करने के लिए आ धमका था।

अनिता ने चिल्ला पड□ने के अंदाज में कहा

'बदमाश! छोड□ी मुझे।'

'नहीं।'

बेयर्ड ने यों अनिता को झुकते देखा तो धीरे से अंधेरे में आगे बढ□ा और अपने बंदूक का हत्था टोनी के मुंह पर दे मारा। वह हल्की सी चीख मारकर पीछे हट गया। उसकी नाक से खून बहने लगा।

उसने बेयर्ड को नहीं देखा। वह समझा कि किसी भारी चीज से अनिता ने उसको मारा है। वह दर्द से सिसकते हुए बोला- 'हरामजादी, कुतिया। तूने तो मुझे अंधा ही कर दिया।'

'निकल जाओ यहां से।' अनिता चीखी।

वह बाहर जाते हुए बोला- 'मैं तुम्हें इसका मजा चखाऊंगा, बेहया।'

बाहर निकलते हुए बेयर्ड ने टोनी को देखा। उसके चेहरे पर गहरा घाव आया था और उसका हुलिया बिगड□ गया था।

उसके जाते ही झपटकर अनिता ने दरवाजा बंद कर दिया और बिस्तर पर गिर पड□ी।

बेयर्ड ने कहा-'क्या हुआ? तुम ठीक तो हो?'

'मैं ठीक हूं।'

'थैंक्स गॉड।'

उसने पूछा- 'क्या तुम्हारे जख्म से खून फिर बहने लगा है?'

‘नहीं।’

कुछ देर तक अंधेरे में दोनों चुप रहे, फिर अनिता ने कहा-‘लाओ मैं तुम्हारे जख्म पर पट्टी बांध दूं। क्या बहुत दर्द हो रहा है?’

‘पहले से कुछ कम है। अब खून बंद है।’

अनिता ने घाव को देखा। खून बंद था। वहां पर रक्त प्रवाह का कोई निशान नहीं था। हां, अब ठीक है।’ वह बोली, ‘अब तुम आराम करो।’

‘तुमने एक खूनी को पनाह दी है।’

‘........।’

‘जानती हो इसकी सजा?’

अनिता चुप रही।

‘तुम्हें जेल में डाल सकते हैं।’

‘मुझे पुलिस के नाम से ही नफरत है। वे अब तुम्हें कभी न ढूंढ पाएंगे।’

‘मैं तुम्हारे अहसान को कभी नहीं भूल सकता। तुम न होती तो मैं अब तक कभी का मर चुका होता।’

अनिता के होंठों पर स्मित रेखा उभरी। वह बोली-

मैंने कुछ नहीं किया। वह तो तुम्हारी किस्मत थी कि तुम बच गए, इसलिए तुम्हें मेरा अहसानमंद होने की जरूरत नहीं है।’

बेयर्ड ने पूछा, ‘तुम्हारा नाम क्या है?’

‘अनिता जैक्शन।’ फिर बोली- ‘तुम कुछ देर के लिए सो क्यों नहीं जाते?’

‘मेरा नाम बेयर्ड है। उनका ख्याल है कि मैंने उनके एक सिपाही को मार डाला है।’

उसने बेयर्ड को देखा, मगर कुछ बोली नहीं।

‘तुम कुछ देर के लिए सो जाओ।’ उसने अपना वाक्य पुनः दोहराया।

‘एक बात बताओगी?’

‘पूछो।’

‘तुम पुलिस से नफरत क्यों करती हो?’

‘तुम्हें इससे क्या लेना-देना है?’ अनिता ने तीखेपन से कहा।

‘शायद तुम ठीक कहती हो। मैं एक अजनबी हूं। मुझे इससे क्या लेना-देना है। खैर, जान बचाने के लिए शुक्रिया।’

‘इसकी जरूरत नहीं।’

'मैं एक घंटे बाद यहां से चला जाऊंगा।'

'नहीं, तुम्हें यहीं ठहरना होगा।'

'मतलब ?'

'तुम्हारा घाव काफी गहरा है। तुम ज्यादा दूर नहीं चल पाओगे। जब तक तुम पूरी तरह ठीक नहीं हो जाते, यहीं रहो।'

'कुछ अपने बारे में भी सोचा है? मेरे यहां रहते तुम्हारे लिए खतरा लगातार बना रहेगा।'

'कैसे?'

'हो सकता है, वह मोटा टोनी फिर दोबारा वापस आ जाए?'

'नहीं, अब वह नहीं आएगा। मैं सारा दिन बाहर रहती हूं। सिर्फ रात को लौटती हूं। मैं उसकी परवाह नहीं करती हूं।'

'खैर, कमरे में एक ही बिस्तर है। तुम कहां सोओगी? मैं फर्श पर सो जाता हूं।'

'ओह, शटअप! ज्यादा बातें मत करो।' उसने दो कुर्सियों को एक साथ मिलाया और लेटती हुई बोली- 'मैं यहीं पर आराम से लेटी हूं।'

'जैसी तुम्हारी मर्जी। मैं कल सुबह तक ठीक हो जाऊंगा।'

अनिता ने खिड□की बंद कर दी। कमरे में जो हल्की रोशनी थी।, वह अंधेरे में बदल गई।

'गुड नाइट।'

'गुड नाइट, मिस।'

बेयर्ड अंधेरे में पड□ा छत को घूर रहा था। नीचे तथा इमारत के दूसरे भागों में पुलिस उसे तलाश करने का काम करने में व्यस्त थी। धीरे-धीरे रात ढलने लगी। धीरे-धीरे पुलिस के लोग निराश होने लगे और धीरे-धीरे उनके कदमों की आवाजें रात की स्याही में गुम होने लगीं।

बेयर्ड सोचने लगा।

यह लड□की कौन है? इसने उसे क्यों बचाया है? वह तो उसका एहसान भी स्वीकारना नहीं चाहती। उसके कठोर मन में अपनत्व की एक धारा जीवन में पहली बार बहने लगी। जो दिल कभी मौत को सामने देखकर भी नहीं पसीजता था, वह अनिता के प्यार भरे व्यवहार से द्रवित हो गया था।

बेयर्ड चाहकर भी न सो पाया और न अनिता की कल्पना से अपने को मुक्त कर पा रहा था। उसे लगा मानो इस एक मासूम-सी लड□की ने उसको किसी एक ऐसे सूत्र से बांध दिया है कि वह चाहकर भी उससे मुक्त नहीं हो पाएगा।

बेयर्ड के दिए पांच हजार रुपये उसकी जेब में अभी तक पड□ थे। उसने सोचा, वह कुछ रुपये उस लड□की को दे देगा, पर क्या वह उन्हें स्वीकार करेगी? उसने उसकी जान बचाई है। क्या रुपये उसका बदला चुका सकते हैं?

कमरे में अंधेरा फैल था। अनिता की तेज-तेज चलती सांसों से वह समझ गया कि वह गहरी नींद

में सो गई है। उसने सोचा, अनिता निडर भी है और चालाक भी।

कुछ देर सोचने के बाद उसकी खुद की आंखें भी नींद से बोझिल होने लगीं। थोड□ी देर बाद उसको गहरी नींद ने आ दबोचा।

उसने सपने में उस लड□की को देखा, जो उसे स्टोर में मिली थी, सेल्जगर्ल। उसके सफेद कोट पर खून के धब्बे थे। वह उसके बिस्तर के किनारे पर बैठी थी। वह घूर-घूरकर उसे देख रही थी। उसके मन में कहीं उस लड□की के प्रति डर की भावना नहीं थी।

* * *

रिको ने पेन को मेज पर पटका और कुर्सी से टेक लगा दी। उसके चेहरे से बेजारी टपक रही थी। उसने सारे महीने का हिसाब-किताब लगाया तो आमदनी काफी होने के बावजूद बचत बहुत कम थी। उसी अनुपात से मुनाफा भी घटा था।

दिन-ब-दिन उसका जीवन स्तर ऊंचा होता जा रहा था और उसी के साथ खर्चे भी बढ□ते जा रहे थे। उसने तीन कमरों का फ्लैट छोड□कर छः कमरों का एक नया फ्लैट ले लिया था। पुरानी कार बेच दी थी और नई खरीद ली थी। अनेक खूबसूरत लड□कियां क्लब में काम करती थीं जिनसे उसका शारीरिक संबंध था। इन सब पर उसे नकद पैसा खर्च करना पड□ता था। क्या करे ? कैसे ज्यादा-से-ज्यादा रुपया बनाये ? यही बात उसको परेशान कर रही थी।

जबसे बेयर्ड ने जीन ब्रूस की हत्या की थी, उसने चोरी की ज्यूलरी का धंधा बंद कर दिया था। न भी करता तो क्या करता! जॉर्ज ओलिन की उस पर कड□ी नजर थी। जब तक जीन की हत्या का मामला ठंडा न पड□ जाता, उसे चौकस रहना था। वह जान-बूझकर अपने लिए कोई परेशानी खड□ी नहीं करना चाहता था। आजकल प्रायः ऊपर की आमदनी बंद हो चुकी थी, इसीलिए रिको कुछ परेशान था।

रिको ने व्हिस्की का एक नया पैग तैयार किया और पीने लगा। काईल को मिले तीन सप्ताह बीत चुके थे। इस बीच उसने और उसके आदमियों ने बेयर्ड को तलाश करने की भयंकर कोशिश की थी, मगर उसका कुछ पता ही नहीं चला था। आसमान उसे खा गया था या जमीन उसे निगल गई थी ?

बेयर्ड के न मिलने से भी रिको परेशान था। जो रुपया काईल से हीरों को लेकर मिलने वाला था- उसे रिको हाथ से निकलता देख रहा था।

उधर काईल ने भी जल्दी मचा रखी थी। कल रात को ही वह क्लब आया था और उसने साफ-साफ कह दिया दिया था कि अगर तीन दिन के अंदर रिको कहीं से बेयर्ड को तलाश करके नहीं लाता तो उसका वायदा खत्म हो जाएगा। इसका मतलब था कि काईल किसी और आदमी को तलाश कर लेगा।

'न जाने साला कहां मर गया है।' रिको ने मन-ही-मन बेयर्ड को गाली दी।

उसने सोचा- कहीं ड्रग स्टोर की घटना में बेयर्ड का ही तो हाथ नहीं था ? पुलिस का कहना था कि खूनी भागते समय जख्मी हो गया था। हो सकता है कि वह बेयर्ड ही हो, उसे गोली लगी हो और

वह कहीं जाकर मर गया हो।

तेईस दिन!

हां, बेयर्ड को गये तेईस दिन बीत गये थे। उसके माथे पर पसीने के बूंदें उभर आई थीं। उसने सोचा कि अगर बेयर्ड मारा गया है तो काईल से मिलने वाला एक लाख रुपया खाक में मिल जाएगा।

उसने गिलास में दूसरा पैग भरा।

वह उठ खड़ा हुआ और चलने लगा। अचानक मानो उसकी आंखों के सामने बिजली कौंध गई हो। उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं आया।

उसके सामने बेयर्ड खड़ा था।

उसने आगे बढ़कर बेयर्ड का हाथ दबाया और खुशी से चहककर बोला- 'एक मिनट पहले मैं तुम्हारे बारे में ही सोच रहा था। आओ, आओ तुम कहां जा छिपे थे? मैं तो तुम्हारी तलाश में बहुत भटका।'

बेयर्ड ने दरवाजा बंद किया और अंदर आ गया। वह कुर्सी पर बैठते हुए बोला- 'मेरे लिए एक पैग तो बनाओ।'

रिको ने देखा कि बेयर्ड पहले से कुछ कमजोर लग रहा था। उसकी आंखों से लगता था, जैसे वह एक लम्बे अर्से तक सोता रहा हो।

'मैंने तो सारा शहर छान मारा। तुम थे कहां?'

'शहर से बाहर।'

'जॉर्ज अब भी तुम्हारे पीछे लगा है।'

'फिर ?'

'अच्छा होता तुम शहर में वापस न आते।'

'तुम क्यों घबरा रहे हो? मैं जानता हूं कि जॉर्ज कितने पानी में है। मैं उससे मिल चुका हूं।'

'तुम जॉर्ज से मिले हो? कब?'

'आज दोपहर को।'

'आज दोपहर को।'

'फिर क्या हुआ?'

'मैंने ऐसा बहाना बनाया कि मजबूर होकर जॉर्ज को मानना पड़ा कि मेरा किसी घटना से कोई रिश्ता नहीं है। बस।'

'तुम जॉर्ज से कहां मिले थे?'

'पुलिस हैडक्वाट्र्स में।'

'उसका कैसा रवैया था?'

'जैसा एक पुलिस अफसर का होना चाहिए था। जब मेरे खिलाफ कोई सबूत ही नहीं तो वह मुझे कैसे गिरफ्तार कर सकता था।'

'मतलब यह कि तुम अब आजाद हो?'

'हां।'

'मगर यह सब हुआ कैसे?'

'पुलिस मुझ पर हमेशा से शक करती आई है, मगर उसके पास कभी कोई सबूत तो हुआ नहीं। जीन ब्रूस की हत्या के मामले को लेकर उनका मेरे पर शक था, कोई प्रमाण तो उनके पास था नहीं।'

'तुम ठीक कहते हो।'

'बस, मैं सीधा न्यूयॉर्क चला गया। वहां मेरे कई दोस्त हैं। छः आदमियों ने हलफिया बयान दिया कि जिस रात जीन ब्रूस की हत्या हुई, मैं उन लोगों के साथ न्यूयॉर्क में था। उन लोगों के हलफिया बयान लेकर मेरा वकील जॉर्ज के पास पहुंचा और मामला खत्म।'

'खत्म?'

'जॉर्ज को उनके हलफिया बयान पर यकीन करना पड□ा। अब मैं आजाद हूं।'

रिको ने शांति की एक गहरी सांस ली।

वह बोला- 'यह तो बहुत ही अच्छा हुआ। अब तुम आजादी से घूम-फिर सकते हो?'

'बिल्कुल।' फिर बेयर्ड ने पूछा- 'तुमने उस चेन को ठिकाने लगाया या नहीं ?'

रिको ने स्वीकृति में सिर हिलाया-

'हां, एक खरीददार मिल ही गया था, मगर पैसा कुछ ज्यादा नहीं मिला।'

'बको मत। माल अच्छा हो तो खरीदने वालों की क्या कमी है।

'खैर, तुम अपने बारे में बताओ- क्या हुआ था। सुना था कि तुम्हें गोली लगी है?'

बेयर्ड ने सिगरेट का एक लम्बा कश लगाकर कहा- 'तुमने ठीक सुना था। मैं तो मौत के मुंह से बचकर निकला।'

'सच ?'

'हां, कई हफ्ते तक बिस्तर में पड□ा रहा।'

'मगर तुमने पुलिस को चकमा कैसे दिया? रिको की आंखें आश्चर्य से फटी-फटी सी थीं।

'मुझे एक लड□की ने बचाया था, वह न होती तो मेरी मौत शर्तिया थी।'

'तुम उसी लड□की के पास रहे?'

'हूं।'

'कौन थी वह? उसके बारे में कुछ और बताओ। क्या वो खूबसूरत थी?'

बेयर्ड ने उसे तीर की नजर से घूरकर कहा- 'तुम अपनी चालाकी का जाल फैलाने से बाज नहीं आओगे। वैसे वह जितनी निडर थी, तुम उतने ही कायर हो। खैर, छोड□ा उसका किस्सा।'

'तुम ठीक कहते हो। मुझे उससे क्या लेना-देना है। तुम अपनी सुनाओ, कैसे चल रही है?'

'मैं आजकल बेहद परेशान हूं।'

'क्यों ?'

'जेब खाली है।'

'हूं।'

'मेरे लिए कोई काम हो बताओ। माल फौरन चाहिए।' बेयर्ड ने कहा।

रिको बोला- 'काम है, लेकिन बड□ा है।'

'मतलब ?'

'काम कर दो तो एक लाख मिलेगा।

'सच?'

'मैं कभी झूठ बोलता हूं?'

रिको ने कहना शुरू किया- 'काम क्या है, यह मैं नहीं जानता। प्रिस्टन काईल तुमसे पहले मिलना चाहता है, बहुत बड□ा आदमी है।'

'तुम उसे अच्छी तरह जानते हो?'

'बहुत अच्छी तरह। तुम उस पर भरोसा कर सकते हो।'

बेयर्ड उसकी बात से प्रभावित नहीं हुआ।

'तुम्हें विश्वास है कि वह एक लाख दे देगा?'

'अगर काम होगा तो एक लाख, वरना एक सौ। काईल खुद भी बड□ा है, उसके काम भी बड□े ही होते हैं।'

बेयर्ड कुछ कहना ही चाहता था कि बात उसके मुंह में ही रह गई, तभी एक लड□की ने भीतर प्रवेश किया। रिको बोला-

'जूई, मैं अभी व्यस्त हूं। तुम फिर आना।'

'वह आदमी है न डैलेस।'

'हूं।'

'वह एक चैक को कैश करवाना चाहता है। चैक सिर्फ तीन सौ का है। वह मेरे लिए शैम्पेन खरीदना चाहता है।'

चैक जूई के हाथ में था। रिको ने गुस्से से ले लिया। उलट-पलटकर देखा, ड्राज खोला और नोटों

का बंडल निकालकर गिनने लगा।

रिको बोला- 'अब वह यहां पर हर रोज आने लगा है। क्या बात है?'

'लगता है, मुझ पर मर मिटा है।' कहकर जूई मुस्कराई। बेयर्ड की तरफ देखकर उसने आंख मारी जो उसे देख रहा था। वह बोली- 'वह आता है तो कुछ खर्च करके ही जाता है। तुम क्यों घबराते हो?'

रिको ने आंखें तरेरकर कहा- 'मुझे क्या, चाहे सुबह से शाम तक यहां बैठा रहे। मैं क्यों घबराने लगा?'

वह जाने लगी तो रिको बोला- 'आइन्दा आओ तो दरवाजा खटखटा लिया करो।'

जूई ने उसकी ताकीद को अनसुना करते हुए बेयर्ड की ओर देखकर कहा- 'अपने दोस्त से नहीं मिलवाओगे?'

'अब तुम जाओ, मैं कुछ जरूरी बातें कर रहा हूं।'

जूई ने बेयर्ड की तरफ एक अदा से देखा और कूल्हे मटकाती हुई कमरे से निकल गई।

उसके जाते ही बेयर्ड ने पूछा- 'यह कौन थी?'

'जूई नरैटन। यहीं क्लब में रहती है।' फिर रिको बात बदलकर बोला- 'आज रात को ही काईल से तुम्हारी मुलाकात का इंतजाम कर दूं? ठीक है ना?'

बेयर्ड ने स्वीकृति में सिर हिलाया।

रिको ने उसका टेलीफोन नम्बर मिलाया। उधर से ईव बोल रही थी - 'कौन?'

'मैं रिको बोल रहा हूं। मिस्टर काईल से बात करना चाहता हूं।'

'प्लीज, इंतजार करें।'

दूसरे ही पल फोन पर काईल की आवाज उभरी- 'क्या बात है ?'

'आप जिससे मिलना चाहते थे, वह इस वक्त मेरे पास बैठा हुआ है।'

'उसे अभी यहां ला सकते हो?'

'ठीक है, ले आता हूं।'

'मगर जल्दी आना।'

'ओ० के०।'

'पता मालूम है?'

'मालूम है।' बॉय कहकर रिको ने फोन बंद कर दिया और बेयर्ड की तरफ देखकर बोला, 'आओ अब चलें। संभलकर और शालीनता से बातें करना। वह बहुत चालाक आदमी है।'

बेयर्ड के होंठों पर व्यंग्य भरी मुस्कान उभरी। दोनों बाहर निकल गए। उन दोनों को मालूम नहीं था कि जूई उनका पीछा कर रही है। उनके जाते ही उसने डैलेस को अपने पास बुलाकर कुछ कहा

और सुनकर डैलेस पब्लिक बूथ पर पहुंचा और हरमन का फोन नम्बर मिलाने लगा।

* * *

काईल और ईव बड़ी बेसब्री से बेयर्ड का इंतजार कर रहे थे। जहां वे कुर्सियों पर बैठे थे, वह फ्लैट बड़ा सुन्दर ढंग से सजा हुआ था। चूंकि गर्मियों का मौसम था, इसलिए कमरे की सारी खिड़कियां खुली हुई थीं।

चूंकि दिन काफी गुजर चुके थे, इसलिए काईल का प्रारम्भिक उत्साह प्राय: समाप्त हो चुका था। वह तो ईव ही थी, जो उसकी हिम्मत और दिलचस्पी को योजनाओं में कायम रखे थे।

काईल सिगरेट का धुआं हवा में उड़ाता हुआ बोला, 'मुझे अब यह योजना एक तमाशा नजर आ रही है। पता नहीं कि बेयर्ड नाम का यह आदमी इस काम को कर भी पाएगा या नहीं।'

'मिलकर देख लो।'

'अगर उसने इंकार कर दिया?'

'तो हम ख्याल छोड़ देंगे। अगर वह काम करने का वायदा करके उसे कर देता है तो लाखों हमारी जेब में होंगे।'

'यह तो बहुत बाद की बात है।'

ईव ने कहा, 'तुम्हारी बातों से लगता है कि तुम्हें रुपयों की ज्यादा जरूरत नहीं है।'

'रुपये-पैसे की किसे जरूरत नहीं होगी, मगर यह योजना इतनी मुश्किल और खतरनाक है कि ....।'

'तुम क्यों डरते हो? सारी जिम्मेदारी तो बेयर्ड की होगी।'

'वह इतना बेवकूफ नहीं, जो सारी जिम्मेदारी खुद अपने कंधों पर लेनी पसंद करेगा।'

तभी दरवाजे पर दस्तक हुई।

नौकर ने अंदर आकर कहा- 'मिस्टर रिको आये हैं।'

'उन्हें अंदर ले आओ।' काईल ने कहा।

पहले रिको अंदर आया, उसके पीछे बेयर्ड था। बेयर्ड ने पहले एक नजर ईव को देखा और फिर सारे कमरे का जायजा लेती हुई उसकी नजर काईल पर जाकर ठहर गई।

काईल ने लम्बे कद के बेयर्ड और उसकी नीली आंखों को देखा, उसके कपड़ों का जायजा लिया और दोनों की आंखें टकराईं।

रिको ने दोनों का परिचय करवाया- 'यह बेयर्ड है। यह मिस्टर काईल जो तुमसे मिलना चाहते थे।'

काईल ने दोनों को कुर्सियों पर बैठने का इशारा किया।

'फिलिप, व्हिस्की लाओ।' काईल ने नौकर को आदेश दिया।

नौकर ने गिलास और बोतल ट्रे में सजाये और मेज पर लाकर रख दिये। रिको शराब को गिलासों में मिलाने लगा।

इस बीच बेयर्ड ने एक सिगरेट सुलगाया और धुआं उड़ाने लगा।

काईल ने कहा- 'इस योजना में मिस गिलिस की ज्यादा दिलचस्पी है।'

गिलिस खिड़की के पास खड़ी थी। काईल ने कहा, 'ईव तुम भी हमारे पास आकर बैठो।'

दूसरे ही पल वह भी उनके पास आकर बैठ गई। बेयर्ड के कठोर चेहरे को देखते ही डर की एक हल्की सी लहर उसके सारे शरीर में व्याप्त हो गई थी।

रिको ने ईव से कहा- 'मिस गिलिस, क्या हाल है आपका?' बड़े दिनों से आपको क्लब में नहीं देखा है।'

'अगर आप मुनासिब समझें तो काम की बात शुरू की जाए। मुझे आधे घंटे बाद किसी से मिलना है।' बेयर्ड ने गंभीर स्वर में कहा।

काईल ने उसे घूरकर देखा। वह बोला- 'एक काम है, जो करना है, मगर उसके बारे में अभी कुछ विश्वास के साथ नहीं कहा जा सकता है कि हो सकेगा या नहीं।'

तभी रिको ने बीच में कुछ बोलने की कोशिश की तो बेयर्ड ने उसे झिड़कते हुए कहा- 'तुम चुप रहो।'

बेयर्ड आगे को झुका और बोला- 'रिको का कहना है कि अगर मैं आपका काम कर दूं तो आप एक लाख रुपये देंगे। काम क्या है?'

उसकी आवाज और बात करने के अंदाज से काईल को बड़ी कोफ्त हुई। मगर यह समय गुस्सा करने का नहीं था। वह बोला।

'एक आदमी जेल में है। उसे छुड़ाना है।'

रिको कांप उठा, मगर बेयर्ड शांत स्वर में में बोला- 'आगे चलिये।'

'मैं उसे एक लाख दूंगा। जो उस आदमी को जेल से छुड़ाकर मेरे पास ले आयेगा। मैं नहीं जानता कि यह काम कैसे करना होगा, पर जब वह आदमी मेरे पास पहुंच जाएगा, मैं रुपया अदा कर दूंगा।'

बेयर्ड ने सिगरेट की राख ऐश-ट्रे में झाड़ते हुए कहा- 'इस काम के लिए एक लाख! यह काम तो बहुत कम में भी हो सकता है। आखिर माजरा क्या है?'

अपने माथे को छूकर काईल बोला- 'यह काम इतना आसान नहीं है।'

'कैसे ?'

'हो सकता है कि जिसे मैं छुड़ाना चाहता हूं, वह खुद बाहर न आना चाहे। इससे यह काम और भी मुश्किल बन जाता है।

रिको खामोशी से सुन रहा था।। उसका ख्याल था कि काईल ने शायद हीरों की डकैती का कोई

प्लान बना रखा था। काईल की बात ने उसे कुछ परेशान कर दिया।

बेयर्ड बोला- 'आप चाहते हैं कि उस आदमी को जेल से अपहृत कर लिया जाये?'

'यह मेरा अपना मामला है। मैं इस सवाल का जवाब नहीं देना चाहता।' काईल ने रूखेपन से कहा, 'यह काम आसान नहीं है, पर अगर मुझे अहसास हो गया कि आपने कोशिश की, मगर सफल न हो सके तो मैं पचास हजार दूंगा।'

'वह किस जेल में है?'

'बलमोर स्टेट की जेल में। यह रेड रिवर से तीन मील दूरी पर बनी है। जेल के आसपास पानी और दलदल है।'

'आदमी कौन है ?'

'यह मैं तब बताऊंगा जब मुझे यकीन हो जाएगा कि आप यह काम कर सकते हैं, तब मैं जेल का नक्शा व उस आदमी का फोटो आपको दे दूंगा। इस वक्त वह दूसरे कैदियों के साथ रेड रिवर के पास एक ऐसी जगह काम कर रहा है, जो जेल से एक मील की दूरी पर है। वह सुबह आठ बजे ट्रक में आता है और शाम को छः बजे वापस चला जाता है। जहां काम करता है, वहां चार पहरेदार मौजूद रहते हैं।'

'चार नहीं, पांच।' ईव बीच में ही बोल पड़ी।

काईल ने जरा गुस्से से कहा- 'चार हो पांच- इससे क्या फर्क पड़ता है। पहरेदारों के साथ कुछ शिकारी कुत्ते भी हैं।'

'मैं जरा सारे इलाके पर एक नजर डालना चाहूंगा। आपकी बात सुनने के बाद जो मेरी राय बनी है, मैं यकीन से कह सकता हूं कि यह काम किया जा सकता है।'

'यह मत भूलो कि वह आदमी छुड़ाने की हमारी कोशिशों का विरोध भी कर सकता है।'

'तो क्या हुआ? आपका काम हो जाएगा।'

'तो मैं अपना वायदा पूरा कर दूंगा, मगर यह देख लो कि इसमें खतरा कितना है।'

'आपको इसकी फिक्र करने की जरूरत नहीं। आपका यह काम मैं कर सकता हूं। यह कैसे हो सकता है, ठीक मैं एक हफ्ते बाद इसी वक्त आपको बता दूंगा। शुरू के खर्च के लिए कुछ रुपया चाहिए होगा- एक हजार।'

रिको ने देखा कि रुपये की बात सुनकर काईल कुछ हिचकिचा रहा है। तो वह झट से बोला, 'चूंकि मैं बेयर्ड को जानता हूं, इसलिए यह काम आप मुझ पर छोड़ दे। रुपये मैं इसे दे दूंगा।'

काईल ने स्वीकृति में सिर हिलाया।

'ठीक है।' कहकर बेयर्ड उठ खड़ा हुआ।

काईल ने कहा- 'इन्हें शायद जल्दी कहीं जाना है।' उसका इशारा बेयर्ड की तरफ था। आपको जल्दी न हो तो बैठिये।' उसने रिको से कहा।

बेयर्ड जाने के लिए तैयार हुआ और बोला- इस बात की क्या गारंटी है कि काम होते ही एक लाख फौरन मिल जाएगा?'

'तुम फिक्र न करो, बेयर्ड। मैं मिस्टर काईल की तरफ से जिम्मेदारी लेता हूं।'

'ओ० के०!' कहकर बेयर्ड कमरे से निकल गया।

उसके जाते ही काईल बोला- 'आपका दोस्त बड़ा अजीबो-गरीब है।'

रिको ने कहा, 'मगर आदमी बड़े काम का है। अगर किसी काम को करने का वायदा कर लेता है तो उसे पूरा करके छोड़ता है।'

फिर एक पल रुककर बोला- 'इस सारे खेल में मेरा क्या हिस्सा होगा?'

'काम हो जाने पर एक लाख बेयर्ड का और डेढ़ लाख आपका। खुश हैं आप?'

'थैंक्यू। मुझे बेयर्ड पर बड़ा भरोसा है। यह उस आदमी को जरूर वहां से छुड़ा लाएगा। वैसे आपको बेयर्ड कैसा लगा?'

'काफी सख्त आदमी है। ऐसे आदमी मुझे कभी अच्छे नहीं लगते। खैर, एक बार मामला तय हो जाए तो आप ही इससे वास्ता रखना। मैं इससे कम-से-कम मिलना चाहूंगा।'

'ठीक है, आप फिक्र न करें। मैं बेयर्ड को संभाल लूंगा, मगर काम शुरू करने से पहले उसने कुछ पेशगी मांगा तो इंतजाम हो जाएगा?'

'कितना?'

'बीस-तीस हजार के बीच।'

'वो मैं कर दूंगा।' उसे मालूम था कि यह उसे अपनी जेब से नहीं देना पड़ेगा। महाराजा उसे पहले ही पचास हजार दे चुका था, इसलिए उसने कहा- 'मैं आपको चालीस हजार दे देता हूं। आप जैसा मुनासिब समझें, खर्च करें।'

रिको का चेहरा खुशी से खिल उठा। मैं जब जिस वक्त बेयर्ड को पैसे की जरूरत होगी, देता रहूंगा। आपको बाद में मैं सारा हिसाब दे दूंगा।'

'एक हफ्ते बाद यहीं...इसी वक्त आपको रुपया मिल जाएगा।'

कहकर काईल उठ खड़ा हुआ।

उसके जाते ही काईल ने ईव के हाथ को छूकर कहा- 'यह सब कुछ मैं तुम्हारी खुशी के लिए कर रहा हूं। अब तो खुश हो?'

ईव चुप रही।

काईल को अब इस भागा-दौड़ी के जीवन से नफरत-सी हो चली थी। वह आराम से जिन्दगी के दिन गुजारना चाहता था, मगर ईव ने उसे एक ऐसे तूफान में ला फंसाया था कि न वह तैर सकता था और न ही उसका मुकाबला कर सकता था। उसे बेहद शारीरिक थकन का अहसास हो रहा था। वह बोला- 'अच्छा, अब मैं वापस अपने फ्लैट पर जा रहा हूं। मैं बेहद थक गया हूं। खैर, तुम्हारा क्या

ख्याल है, बेयर्ड यह काम कर सकता है?'

'हां, वह इस काम को कर देगा। ऐसा आदमी कोई भी काम कर सकता है।'

उसकी आवाज शांत और गंभीर थी।

* * *

जब बेयर्ड एक हफ्ते के लिए न्यूयॉर्क गया था तो अक्सर अनिता जैक्शन के बारे में सोचता रहता था। आज तक किसी भी लड□की ने उसे आकर्षित नहीं किया था। वह उसे आज तक वक्ती जरूरत की चीज समझता आया था। उसके नजदीक स्त्री मात्र वासना पूर्ति का एक साधन ही थी।

मगर अनिता की बात दूसरी थी। वह दूसरी लड□कियों से जुदा थी। वह तेरह दिन उसके कमरे में छिपा रहा था। वह सुबह साढ□ सात बजे जाती और रात देर से लौटती। जब तक वह कमरे में रहती तो उसके कपड□ धोती, खाना बनाती और उसके कपड□ों को सीती रहती। वह हर पल-छिन उसकी जरूरत का अहसास रखती थी। उसके इसी अपनत्व से भरे व्यवहार ने बेयर्ड को औरत के प्रति अपना दृष्टिकोण बदलने के लिए मजबूर कर दिया था।

अनिता ने न सिर्फ उसकी जान बचाई थी, बल्कि दिन-रात दवा-दारु करके उसके घाव को भी अच्छा कर दिया था। पूछने पर भी अनिता ने नहीं बताया था कि उसने क्यों उसकी जान बचाई और क्यों अपने यहां पनाह दी थी।

एक दिन इस विषय को लेकर जब बेयर्ड ने जिद की तो वह भड□ककर बोली- 'मैंने जो कुछ किया है, सिर्फ अपनी खुशी के लिए। इस बारे में मुझसे फिर कभी मत पूछना।'

यही नहीं, एक दिन जब उसने अनिता को एक हजार रुपये देने चाहे तो उसने लेने से साफ इंकार कर दिया था। बेयर्ड को इस बात से घोर आश्चर्य हुआ था। बाद में उसे अपनी भूल का अहसास हुआ था। अनिता ने कहा था- 'हमदर्दी पैसे से नहीं खरीदी जा सकती।'

एक दिन जब वह काम पर गई तो उसे बिना बताये बेयर्ड ने कमरा छोड□ दिया और न्यूयॉर्क चला गया, मगर वहां जाकर भी वह उसको एक पल के लिए भूल नहीं सका था। अगरचे वह तेरह दिन तक उसके साथ रहा था, मगर कुछ ज्यादा न जान सका था। बस इतना ही मालूम हुआ कि वह एक होटल में वेटरस का काम करती है। वह कहां पैदा हुई थी, उसके मां-बाप कौन थे, वह अकेली क्यों रहती थी? अनेक सवाल थे, जो बेयर्ड जानना चाहता था, मगर ऐसे सवाल पूछने की उसकी हिम्मत कभी न हुई थी।

अनिता दूसरी लड□कियों की तरह नहीं थी। वह बेहद गरीब थी। सिनेमा देखना, नाचघरों में जाना या दोस्त बनाना उसे अच्छा नहीं लगता था। वह बिल्कुल उसी की तरह अकेली थी। एक दिन जब बेयर्ड ने उससे पूछा था, तो वह बोली थी- 'मुझे यह सब कुछ अच्छा नहीं लगता। मैं अपने आप में ही ठीक हूं। पुरुषों में मुझे कोई दिलचस्पी नहीं है। वो जो चीज एक लड□की से चाहते हैं, मैं वो उन्हें नहीं दे सकती।'

काईल से मिलने के बाद वह अनिता के मकान की तरफ चल दिया। उसके दिमाग में काईल को

लेकर अनेक प्रश्न मंडरा रहे थे। वह यह तो समझ गया था कि काईल के पीछे भी कोई आदमी है, जो उसे इस्तेमाल कर रहा है, पर वह उस आदमी को क्यों छुड़ाना चाहता है? अगर वह एक लाख उसको देने के लिए तैयार है तो वह आदमी काईल के लिए कई लाख की चीज होगा, फिर ईव कौन है? वह क्यों इस मामले में दिलचस्पी ले रही है?

बलमोर स्टेट की जेल के बारे में उसने सुन रखा था कि बड़ी सख्त है। एक गोदीम नाम के आदमी को वह जानता था, जो वहां रह चुका था। उसने बताया था कि वह जेल तेरह मील लम्बी और दस मील चौड़ी है। चारों तरफ अधिकांश पानी और दलदल है। वहां से भागना मौत को बुलावा देना है। दरिया के रास्ते से जब-जब किसी ने भागने की कोशिश की थी तो बड़े-बड़े मगरमच्छों ने उसे अपना शिकार बना लिया था।

मगर बेयर्ड इससे घबराया नहीं था। वह नामुमकिन कामों को करने का आदी था। उसने फैसला कर लिया था कि वह जरूर इस मामले में अपनी किस्मत आजमाएगा।

जब वह अनिता के कमरे की तरफ जा रहा था तो रास्ते में उसे टोनी मिला। बेयर्ड ने उसे खा जाने वाली नजरों देखा। वह एक तरफ को हो गया।

उसने अनिता के कमरे पर पहुंचकर दरवाजा खटखटाया। अंदर से आवाज आई- 'कौन है?'

'बेयर्ड! मैं तुमसे मिलने आया हूं।'

अनिता ने दरवाजा खोला। उसकी आंखों में नींद थी। वह बोली- 'क्या बात है? मैं सो रही थी।'

अनिता के स्वर में कोई खुशी नहीं थी। बेयर्ड के मन को धक्का लगा। वह बोला- 'मैं अभी-अभी न्यूयॉर्क से आ रहा हूं। सोचा, तुमसे मिल लूं।'

'मैं इस वक्त तुमसे नहीं मिल सकती। देर बहुत हो चुकी है।'

'क्यों, क्या तुम्हें मुझसे डर लगता है?'

'मैं क्यों डरने लगी, मगर तुम इतनी रात गए क्यों आए हो?'

वह कमरे के अंदर जाकर बैठ गया और बोला- 'तुम्हारा ज्यादा वक्त नहीं लूंगा। थोड़ी देर बाद चला जाऊंगा। ओ० के०।'

अनिता ने अपने बालों में उंगलियां फेरते हुए कहा- 'अच्छा हो कि तुम अभी यहां से चले जाओ।'

बेयर्ड के दिल-दिमाग में गुस्से की लहरें उठने लगीं, मगर उसने अपने पर काबू पाकर कहा- 'सॉरी! मुझे यों बिन बताए नहीं आना चाहिए था। यहां से जाने के बाद मैं तुम्हें एक पल के लिए भी नहीं भूल सका था।'

अनिता उसको एक पल तक फटी-फटी नजरों से देखती रही और फिर मुस्करा दी। बेयर्ड को उसका मुस्कराना बड़ा प्यारा लगा।

'हूं, अब यहां क्यों आए हो?'

'मैंने सोचा, शायद तुम्हें कुछ पैसों की जरूरत हो।'

‘मुझे नहीं चाहिए।’

‘उधार ले लो, बाद में वापस कर देना।’

‘थैंक्यू। मुझे जरूरत हो, तब भी मैं उधार नहीं लेती। इंसान को अपने पांव पर खड□ा होने की कोशिश करनी चाहिए।’

‘जिद्दी हो।’

‘चलो, मैं जिद्दी ही सही। बस या और कुछ?’

‘तुमने जो कुछ मेरे लिए किया है, मैं उसे भूल नहीं सकता, मुझे भी कुछ करने दो।’

‘कुछ बातों को भूल जाना ही अच्छा होता है।’

‘मैंने तुम जैसी लड□की आज तक नहीं देखी।’ कहकर बेयर्ड ने अनिता को चूम लिया। उसने प्रतिरोध नहीं किया।

बेयर्ड बोला- ‘हो सकता है कि हम जल्दी ही न मिलें, पर अगर तुम्हें कभी किसी चीज की जरूरत हो, मुझे भूलना मत। मेरा पता है- 223 एंड ट्वेंटी फिफ्थ स्ट्रीट। अच्छा, मैं अब चलता हूं। किसी भी परेशानी के वक्त मुझे याद रखना।’ कहकर बेयर्ड कमरे से बाहर निकल गया। जब वह जा रहा था तो टोनी और उसके दोस्त रास्ते में खड□े थे।

नीचे उसकी पुरानी फोर्ड कार खड□ी थी। वह उसमें जा बैठा और कार चला दी।

थोड□े ही फासले पर जैक बर्नज खड□ा था। वह उसका काफी देर से पीछा कर रहा था। उसके जाते ही वह पास में बने ड्रग स्टोर पर गया और उसने हरमन को टेलीफोन मिलाया।

‘मैं बर्नज बोल रहा हूं। काईल से मिलने के बाद रिको वहीं रह गया था। बेयर्ड अकेला बाहर निकला था। उसके बाद वह अनिता जैक्शन से मिलने चला गया, जो रोक्सबर्ग हाउस में रहती है। मेरा ख्याल है कि यह वही लड□की है जिसके कमरे में बेयर्ड जख्मी होने के बाद छिपा रहा था।’

‘वह वहां काम करती है?’

‘वेस्टर्न स्ट्रीट में वेटरस है। पड□ोसियों की उसके चरित्र के बारे में कोई खास अच्छी राय नहीं है। आप क्या चाहते हैं कि मैं अनिता से कुछ बातचीत करूं?’

‘अभी नहीं। अगर बेयर्ड उससे दोबारा मिले तो मुझे बताना। हम फिर उसके बारे में सोचेंगे, मगर बेयर्ड को नजरों से ओझल मत होने दो। दो-तीन दिन में अच्छे परिणाम निकलने की संभावना है।’

‘ओ० के० बॉस। मैं बेयर्ड की तरफ जा रहा हूं। ऐंसवर्थ के कहिए कि वहां पहुंच जाए। मैं कुछ देर के लिए सोना चाहता हूं।’

‘सोने की बात छोड□ो। वह तुम सुबह भी कर सकते हो। जो जरूरी चीजें हैं, पहले उनकी तरफ ध्यान दो।’ हरमन ने बड□ी बेदर्दी से कहा।

‘अगर मैं ड्यूटी पर रहूंगा तो क्या आप सो सकेंगे?’ कहकर उसने फोन बंद कर दिया।

* * *

एडम गिलिस खिड□की के पास गया और उसने बाहर झांककर नीचे देखा। उस वक्त कमरे में एक लड□की अपने कपड□ उतारे पड□ी थी। जब वह उसे मिली थी तो अच्छी लगती थी। शायद इसलिए कि उस समय उस पर शराब का नशा चढ□ा हुआ था। बाद में उसे उस लड□की से घिन आने लगी थी। उसने अपने बदबू भरे शरीर को इत्र और कपड□ों से ढांप रखा था। गिलिस उसे लाकर पछता रहा था।

अचानक नीचे एक टैक्सी आकर रुकी। उसमें से ईव उतरी, उसे देखते ही गिलिस के औसान उड□ गए।

वह अधनंगी लड□की के पास दौड□कर पहुंचा और उसे झिंझोड□कर बोला- ‘मारे गए, जल्दी करो। जल्दी से कपड□ पहनकर यहां से भाग जाओ।’

लड□की ने हड□बड□ाकर पूछा- ‘क्या हुआ?’

‘मेरी बहन आ गई है। जल्दी से तुम कपड□ पहनो और भाग जाओ।’

लड□की ने हड□बड□ाकर कपड□ पहने। गिलिस ने बीस का एक नोट उसे दिया और उसे कमरे से बाहर निकाल दिया। उसने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर दिया।

सारे कमरे में सिगरेट के टुकड□ बिखरे पड□ थे। कमरे की फिजां में इत्र की खुशबू रच-बस गई थी। उसने सारी खिड□कियां खोल दीं। पंखा चला दिया। सिगरेट के टुकड□ इकट्ठे करके बाहर फेंकने लगा।

तभी दरवाजे पर दस्तक हुई। उसने अपने कपड□ों को देखा, उस पर लिपस्टिक के दाग लगे थे। उसने भागकर बाथरूम में नाइट सूट पहना और मुंह पर छींटे मारे, तभी उसकी नजर बिस्तर पर गई जो अस्त-व्यस्त हो चुका था। उसने जल्दी से चादर ठीक की।

दरवाजा लगातार थपथपाया जा रहा था।

उसने भागकर दरवाजा खोला और ईव को सामने पाकर बनावटी आश्चर्य से बोला- ‘अरे तुम! इस वक्त? आओ।’

‘क्या बात है? कब से दरवाजा खटखटा रही हूं। तुम क्या ...?’

‘सॉरी, मैं सो रहा था।’

‘कमरे में इतनी खुशबू क्यों फैली है?’

‘मैं तुम्हारे लिए परफ्यूम की एक शीशी लाया था। वह नीचे गिर गई। यह उसी की खुशबू है।’ गिलिस ने झूठ बोला।

सारा कमरा गंदा हो रहा था। चीजें इधर-उधर बिखरी पड□ी थीं। सामने एक ग्रुप फोटो रखा था जिसमें गिलिस अपने दोस्तों के साथ खड□ा था। यह कॉलेज के जमाने का फोटो था। उस फोटो में गिलिस कितना मासूम और भोला नजर आ रहा था, मगर अब उसके बाल रूखे होने लगे थे और चेहरे का सौन्दर्य कुछ मंद पड□ने लगा था। ईव के मन को एक धक्का लगा।

कमरे की व्यवस्था को देखकर वह समझ गई थी कि थोड□ी देर पहले कोई लड□की वहां आ

चुकी है। जब उसने गिलिस से पूछा तो उसने साफ झूठ बोल दिया।

ईव बैठ गई और बोली- 'रिको अपने साथ बेयर्ड को लाया था।'

'तुम उससे मिली?'

'हां।'

'क्या वह काम करने को तैयार है ?'

'हां, पर काम करने से पहले वह उस इलाके का मुआयना करना चाहता है।'

'जो बातें हुई हैं, उन्हें खोलकर बताओ।

ईव ने उसे सविस्तार बताया। सुनकर गिलिस बोला- 'मैं तो पहले ही जनता था कि बेयर्ड यह काम कर सकता है। खैर, तुम तो उसे मिली हो। तुम्हारी उसके बारे में क्या राय है?'

'मैं तो उसे देखते ही डर गई थी। वह किसी जंगली शेर की तरह नजर आता है। बेहद भयंकर और सख्त। ऐसा है वह।'

'चूंकि वह खूनी है, इसलिए हमारे काम का है। ऐसा आदमी ही हमारा काम कर सकता है।'

'गिलिस, मुझे यह सारा मामला बड□ा खतरनाक नजर आता है। माना लो बेयर्ड बेलमोर जेल से बाहर हेटर को ले आता है तो क्या वह तुम्हें बता देगा कि हीरे कहां छिपे हैं?'

'क्यों नहीं, जब, उसे पता चलेगा कि हमने उसे बाहर निकाला है तो वह क्या हमारा अहसानमंद नहीं होगा? जब उसे पता चलेगा कि राजा हमारे जरिए उससे हीरों का सौदा करना चाहता है तो सब कुछ बता देगा।'

'तुम हेटर को क्या बेवकूफ समझते हो? तुम उसे छुड□ाने नहीं बल्कि उसका अपहरण करने जा रहे हो। वह इसका विरोध करेगा, क्योंकि उसकी सजा खत्म होने में सिर्फ दो साल बाकी है। अगर वह अब जेल से भगाया गया तो पुलिस उसको भगोड□ा समझकर उसका पीछा करेगी। वह क्यों यह खतरा मोल लेने लगा? दो साल की और सजा भुगतने के बाद वह एक आजाद इंसान के तौर पर रिहा होना पसन्द करेगा।'

'मगर मैं दो साल तक इंतजार नहीं कर सकता। हो सकता है, दो साल के बाद महाराजा न रहे या वह अन्य किसी दूसरे आदमी से सम्पर्क कर ले। रिहा होने पर हेटर किसी और के धंधे में भी फंस सकता है। तब मेरी सारी मेहनत बेकार हो जाएगी। अगर ऐसा हुआ तो मैं चालीस लाख से हाथ धो बैठूंगा। सोचो, ऐसा मौका जीवन में बार-बार नहीं आता। हम इन रुपयों से एक नई जिन्दगी शुरू कर सकते हैं।'

'हेटर क्या यों ही चुपचाप रहेगा? क्या वह चालीस लाख में अपना हिस्सा नहीं मांगेगा?'

'इसका फैसला हेटर के बाहर आने पर करेंगे। वह हीरों के बारे में सूचना देगा तो उसे भी कई लाख देना होगा।

'और काईल को? उसने महाराजा से सीधा सौदा किया है।'

‘इसके लिए तुम कोशिश करो।’

‘मतलब ?’ ईव ने आश्चर्य से पूछा।

‘तुम काईल का कोई ऐसा रहस्य जानने की कोशिश करो कि उसकी गर्दन हमेशा हमारी मुट्ठी में रहे। जब वह तीन-पांच करने लगे तो हम उसकी गर्दन दबा देंगे।’

ईव ने कहा- ‘बेयर्ड की नीयत भी तो बदल सकती है। हो सकता है कि सारा रुपया वह खुद ही हजम करना चाहे ?’

गिलिस खिलखिलाकर हंसा- ‘तुम क्यों अपने को व्यर्थ में परेशान करती हो। मैं बेयर्ड को संभाल लूंगा। तुम उसे काम तो स्टार्ट करने दो।’

‘तुमने मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया।’

‘कौन सा सवाल ?’

‘काईल के बारे में।’

‘तुम उसका कोई-न-कोई रहस्य जानने की कोशिश करो। बाकी मैं देख लूंगा।’

‘मैं यह नहीं कर सकती।’

‘क्यों ?’

‘वह ब्लैकमेल करना होगा।’

‘बाजी जीतने के लिए कोई भी चाल चली जा सकती है। मकसद तो दुश्मन को मात देना है।’

ईव ने गिलिस का हाथ पकड़कर कहा- ‘प्लीज गिलिस, मैं तुम्हारे सामने हाथ जोड़ती हूं। तुम इस आग में अपने को मत धकेलो। मुझे डर लगता है। मैं जानती हूं कि बेयर्ड जेल से हेटर को निकालने में सफल हो जाएगा। पर उसके बाद जो तूफान उठेगा, उसमें हम सब फंस जांएगे।’

गिलिस ने उसका हाथ थपथपाकर कहा- ‘तुम डरो मत। मैं भी थक चुका हूं। अब सोना चाहता हूं। तुम भी जाकर आराम करो। तुम अपना काम करो और मुझे अपना काम करने दो।’

ईव ने बेबस दृष्टि से उसकी तरफ देखा- ‘जैसी तुम्हारी मर्जी। मैं तो तुम्हें आने वाले खतरे से आगाह करने आई थी। आगे तुम जानो। अभी भी वक्त है कि तुम संभल जाओ।’

गिलिस ने दरवाजे की तरफ बढ़ते हुए कहा- ‘तुम्हारे पास सौ रुपये है। वापस कर दूंगा।’

ईव ने बिना कुछ कहे हैंड बैग खोला और सौ-सौ के दो नोट निकालकर उसकी तरफ बढ़ा दिए।

‘नहीं, सौ ही काफी है।’

‘रख लो।’ कहकर वह आगे बढ़ गई। गिलिस उसको नीचे तक छोड़ आया और वापस आकर बिस्तर पर लेट गया।

* * *

जैक बर्नज अपनी कार में बैठा था। उसके होंठों में सिगरेट दबा था। उसके चेहरे पर बेजारी थी। वह बार-बार कलाई पर बंधी घड□ी को देख रहा था। एक बजने वाला था, मगर ऐंसबर्थ का कहीं पता नहीं था।

उसने सोचा अगर बेयर्ड सो जाए तो उसकी कुछ समय के लिए जान छूटे और वह घर जाकर सो जाए। चूंकि अभी तक उसके कमरे में रोशनी जल रही थी और उसका प्रकाश शीशों से छनकर बाहर आ रहा था...इसका मतलब था कि बेयर्ड अभी तक जाग रहा था।

तभी वहां पर रात को गश्त करने वाला एक कांस्टेबल आ गया। वह बर्नज को जानता था। दोनों आपस में बातें करने लगे। कांस्टेबल भी बेयर्ड को जानता था।

अचानक बेयर्ड की कमरे की बत्ती बुझ गई। चंद मिनट बाद वह नीचे उतरा। उसके हाथ में एक सफारी बैग था। जाहिर था कि वह कहीं सफर पर जा रहा था। कांस्टेबल बोला- 'लगता है कि यह किसी का हुलिया बिगाड□ने जा रहा है।'

बर्नज ने कहा- 'प्लीज भाईजान, मेरा एक काम करोगे?'

'बोलो?'

'मेरा एक साथी अभी यहां आने वाला है। उससे कहना कि बेयर्ड सफारी बैग लेकर कहीं चला गया है। मैं उसके पीछे जा रहा हूं।'

'जरूर जाओ, मैं कह दूंगा।'

बर्नज जाने लगा तो कांस्टेबल बोला - 'एक दस का पत्ता हो तो देना, कल लौटा दूंगा।'

बर्नज ने उसे मन-ही-मन एक गाली दी। जेब से दस का एक नोट निकाला और उसके हाथ में थमा दिया।

बेयर्ड बड□ी तेजी से जा रहा था। रात गहरी काली थी। वह पैदल ही जा रहा था। उसने कोई टैक्सी नहीं ली थी। चूंकि स्टेशन पास में ही था और गाड□ी का वक्त हो रहा था, इसलिए वह पैदल ही जा रहा था।

सहसा उसे अहसास हुआ कि कोई आदमी उसका पीछा कर रहा है। वह मुड□कर नहीं देखना चाहता था, इसलिए सड□क के बराबर जाती एक अंधेरी गली में जाकर खड□ा हो गया। वहां से सड□क पर आने-जाने वालों को स्पष्ट देखा जा सकता था।

बेयर्ड ने देखा एक मोटा और छोटे कद का आदमी उसका पीछा कर रहा था। शक्ल से वह सिपाही तो नजर नहीं आता था। उसने सोचा, वह कौन हो सकता है?

मौका ऐसा था कि वह किसी से उलझना नहीं चाहता था, लेकिन वह यह भी नहीं चाहता था कि कोई उसका पीछा करे। वह गली में आगे बढ□ा, ताकि चकमा देकर दूसरी तरफ से निकल जाए मगर गली आगे जाकर बंद हो गई थी। वह वापस मुड□ा।

बर्नज गली के मोड□ पर खड□ा हो गया। वह समझ गया कि बेयर्ड को जरूर अहसास हो गया होगा कि वह उसका पीछा कर रहा है।

वह गली के मोड□ पर जाकर खड□ा हो गया।

उसे गली के मोड□ पर खड□े अंधेरे में छिपे बेयर्ड ने देख लिया था। उसके पास समय नहीं था कि वह सड□कों या गलियों में इधर-उधर भागकर उसे चकमा देता। गाड□ी आने में बहुत कम समय बाकी था।

वह धीरे से आगे बढ□ा। जैसे ही एक पल को गली से नजर हटाकर बर्नज ने सड□क की तरफ देखा कि एक जंगली शेर की तरह बेयर्ड झपटा और उसने बर्नज के कोट का कॉलर पकड□कर जमीन पर दे मारा। इससे पहले कि बर्नज उसे अचानक हमले की ताव खाकर संभले कोई हथौड□े की तरह भारी चीज उसके सिर पर जाकर पड□ी और वह बेहोश होकर लुढ□क गया।

बेयर्ड उसे खींचकर अंधेरी गली में ले गया। उसने दियासलाई जलाकर उसकी तलाशी ली तो अंदर से बर्नज का शिनाख्ती कार्ड निकला जिस पर लिखा था- 'इंटरनेशनल डिटेक्टिव एजेंसी।'

उसने बूट से एक जोर की ठोकर बर्नज के सिर पर मारी। वह अब समझ गया था कि मामला क्या है, पर उसके पास समय नहीं था। गाड□ी चलने में सिर्फ दस मिनट बाकी थे।

बेयर्ड ने बर्नज को वहीं छोड□ा और स्टेशन की तरफ तेजी से भागने लगा।

ठीक चालीस मिनट बाद।

हरमन गहरी नींद में सोया था कि अचानक टेलीफोन की घंटी बज उठी। उसने रिसीवर उठाने से पहले पास में रखी घड□ी को देखा। रात के पौने तीन बज रहे थे।

उसने रिसीवर उठाकर कहा - 'कौन?'

आवाज आई- 'मैं डैलेस हूं। बेयर्ड हमें चकमा दे गया है। बर्नज जख्मी हालत में अस्पताल में पड□ा है। उसके सिर पर चोट आई है।'

'कुछ पता चला कि यह कैसे हुआ?' हरमन ने पूछा।

डैलेस ने जवाब दिया, 'पहले ईव अपने भाई गिलिस से मिली। वह रात को साढ□े ग्यारह बजे उससे जुदा हुई। मैं उसके बाद तब तक वहां रहा, जब तक कि गिलिस के कमरे की बत्ती बुझ न गई। जब वह सो गया तो मैं वहां से ऐंसबर्थ के पास पहुंचा। हम दोनों बर्नज की तरफ चल दिए ताकि उसे ड्यूटी से मुक्त किया जा सके।'

'फिर क्या हुआ?'

'जब हम दोनों बेयर्ड के मकान के पास पहुंचे तो सड□क पर उसकी खाली कार मिली। वह वहां नहीं था। वहां पर घूमते एक कांस्टेबिल ने बताया कि बेयर्ड पांच मिनट पहले सफारी बैग लेकर चला गया है और बर्नज उसका पीछा कर रहा है। हम फौरन समझ गए कि वे जरूर रेलवे स्टेशन की तरफ गए होंगे। जब हम जा रहे थे तो एक अंधेरी गली के बाहर हमें किसी कुत्ते के भौंकने की आवाज आई। मैंने टॉर्च की रोशनी फेंकी तो वहां पर बर्नज बहोश पड□ा था। बेयर्ड जा चुका था।'

हरमन ने पूछा- 'क्या बर्नज की हालत काफी गंभीर है?'

‘यस, मगर डॉक्टर का कहना है कि वह बच जाएगा।’

‘तुम उसके बाद स्टेशन गए?’

‘मैं बर्नज को लेकर अस्पताल चला गया और ऐंसबर्थ स्टेशन गया था। उसे टिकट क्लर्क से पता चला कि बेयर्ड ने शरीबी पोर्ट का टिकट खरीदा था।’

‘शरीबी पोर्ट! क्या उसने वाकई वहां का टिकट खरीदा था?’

‘हां, मगर इसमें चौंकने की क्या बात है?’

हरमन ने कहा- ‘तुम दोनों टैक्सी पकड□कर जल्दी यहां आओ।’

‘रात काफी गुजर चुकी है। हमें कुछ आराम भी करना होगा।’

‘क्या मैं तुम्हें तनख्वाह आराम करने के लिए देता हूं? बेलमोर जेल का जो फार्म है, वह शरीबी पोर्ट से सिर्फ पन्द्रह मील दूर है। वहीं पर हेटर सजा काट रहा है। अब तुम्हारी कुछ समझ में आया?

डैलेस ने हैरत से सीटी बजाई।

‘मैं अभी आ रहा हूं।’ डैलेस ने कहा और रिसीवर क्रेडिल पर रख दिया।

* * *

बेयर्ड ने फरु-फरु के पीछे का दरवाजा खोला और अंदर दाखिल हो गया। जब उसे यकीन हो गया कि उसे किसी ने देखा नहीं तो वह कॉरीडोर में आगे बढ□ा। वह चुपचाप रिको के दफ्तरनुमा कमरे की तरफ चल दिया।

अचानक उसकी नजर दूर एक अधखुले दरवाजे पर गई। कोई उसे चुपके से देख रहा था। वह जूई नरैटन थी। बेयर्ड ने उसे देख लिया था। वह वापस मुड□ा। उसने चुपके से कमरे में प्रवेश किया।

वह जूई का ड्रेसिंग रूम था।

वह शीशे के सामने बैठी मेकअप कर रही थी। बेयर्ड को सामने खड□ा पाकर वह बोली- ‘क्या बात है? तुम बिना दरवाजा खटखटाए अंदर क्यों आ गए?’

‘हैलो! क्या बात है, तुम छिपकर क्या देख रही थी? क्या परेशानी है तुम्हें?’

‘क्या बक-बक कर रहे हो। मुझे क्या जरूरत है कि मैं तुम्हें छिपकर देखूं। मुनासिब यही है कि तुम अब यहां से चलते बनो।’

बेयर्ड ने उसके ड्रेसिंग टेबल के पास ही टेलीफोन पर एक नजर डाली और बोला- ‘संभलकर चलो। कहीं मुझे तुम्हारी चाल न दुरुस्त करनी पड□े।’

बेयर्ड ने जूई को आतंकित कर देने वाली नजरों से घूरा और बाहर चला गया।

जब वह रिको के कमरे में पहुंचा तो वह डैक्स पर झुका हुआ था।

‘आओ-आओ! दरवाजा बंद कर दो। तुम्हारे लिए एक अच्छी खबर है।’

बेयर्ड ने दरवाजा अंदर से बंद किया और रिको के सामने कुर्सी पर जाकर बैठ गया। वह बोला, 'धीरे बात करो। कोई सुन भी सकता है। मैं ठीक कह रहा हूं।'

रिको ने उसे हैरत से देखा।

'क्या मतलब? यहां कौन सुन सकता है?'

'खैर छोड़ो, धीमी आवाज में बात करो। क्या खबर है बताओ।'

रिको ने चेहरे के भावों को गंभीर बनाकर कहा- 'यह जगह सेफ है। तुम घबराओ मत। यहां कोई हमारी बातों पर कान धरने वाला नहीं है।'

'खबर क्या है? बेयर्ड ने अपना वाक्य दोहराया।

'मैं काईल से मिला था। मैंने उसे बता दिया है कि तुम सारे इलाके का मुआयना कर चुके हो। तुम हेटर को छुड़ा सकते हो। खर्चे का इंचार्ज उसने मुझे बना दिया है। मेरे पास चालीस हजार है। आधा-आधा कर लें?'

'काम कौन कर रहा है- तुम या मैं?'

'काम दोनों। खैर, तुम नाराज मत हो। तीस तुम ले लो, दस मैं लेता हूं।'

बेयर्ड ने स्वीकृति में सिर हिलाया।

'तुमने पता किया कि वह आदमी कौन है, जिसे छुड़ाना है?'

'हां।' कहकर रिको ने दराज खोलकर एक लिफाफा बाहर निकाला तो बेयर्ड बोला- 'तुम इसमें ताला लगाकर क्यों नहीं रखते?'

'मैं कह चुका हूं कि यहां डरने की कोई बात नहीं है। मेरे न होने पर भी यहां कोई नहीं आता, मगर तुम्हें भीतर से क्या चीज परेशान कर रही है?'

'कुछ नहीं। खैर, कौन है वो?'

'पाल हेटर। यह उसका फोटो है, जो पुलिस ने लिया था। इसे वहां पहचान लेना मुश्किल नहीं होगा।'

उसने फोटो उसके सामने उछाल दिया।

बेयर्ड ने फोटो को गौर से देखा-रिको ने ठीक कहा था। उसे पहचान लेना मुश्किल नहीं था। वह पतला-सा और छोटे कद का था। उसके सिर के बाल उड़ चुके थे, मगर भौहें बड़ी मोटी थीं। उसकी दायीं आंख के नीचे एक लम्बा निशान था। वह सूरत से कोई जन्मजात अपराधी नजर आ रहा था। उसकी छोटी आंखों से जिद और कट्टरता टपकती थी।

बेयर्ड बोला- 'शक्ल से तो ऐसा मालूम होता है, जैसे उसके दिमाग की चूलें ढीली हों।' उसने फोटो वापस रिको को देते हुए कहा- 'इसे पहचान पाना मुश्किल नहीं होगा। बोलो, कब से काम शुरू करें? बेयर्ड ने पूछा।

'जितनी जल्दी हो सके, उतना ही बेहतर है।'

'और माल?'

'वो सब मिलेगा?'

'तुम्हें कैसे मालूम?'

'तुम कैसी बहकी-बहकी बातें कर रहे हो? काईल बड़ा आदमी है। दौलत में खेलता है।

'तुम्हें यकीन है।'

'सौ फीसदी।'

'मगर मुझे तो पता चला है कि वह कंगाल हो चुका है। उसने लोगों का बहुत पैसा उधार देना है। जो बंगला उसने रुजवेल्ट से खरीदा है, उसकी पेमेंट भी अभी तक नहीं की है। चंद महीनों की बात और है.... फिर गलियों में उसे भीख मांगनी पड़ेगी।'

'ओह! यह बात है।'

'बिल्कुल।'

रिको के माथे पर पसीने की बूंदें आ गईं। उसने पूछा- 'अगर यह बात है तो उसने चालीस हजार झट से कैसे निकालकर दे दिए?'

'यह काईल नहीं जो हेटर को चाहता है। कोई और आदमी है, जो उसे छुड़ाना चाहता है। उसी ने हो सकता है ये रुपये दिए हों।'

रिको ने कहा- 'कोई भी हो, हमें तो माल से मतलब है... वह मिल रहा है।'

बेयर्ड ने पूछ- 'जानते हो, हेटर कौन है?'

'नहीं।' रिको ने परेशानी के अंदाज में पहलू बदला।

बेयर्ड ने कहा- 'बीस साल पहले वह हीरों का एक जबर्दस्त पारखी था और ज्यूलरी का धंधा करता था।'

'क्या बिजनेस करता था?'

'हेराफेरी। उसने पन्द्रह साल पहले किसी के कीमती हीरों पर हाथ मारा था। चोरी की चीजों का धंधा करने वाले एक आदमी का उसमें हाथ था।'

'पन्द्रह साल पहले?'

'हां। उनकी कीमत उस वक्त तीन करोड़ से कुछ ज्यादा थी।'

'तीन करोड़।'

'यस! मगर वे हीरे कहां गए... इसका कुछ पता न चल सका। कहा जाता है कि हेटर ने उन्हें कहीं गायब कर दिया, मगर हेटर आखिरी वक्त तक इंकार करता रहा।'

रिकी की आंखें आश्चर्य से फट गई थीं।

बेयर्ड बोला- 'काईल या कोई और आदमी वक्त से पहले ही हेटर को कब्जे में लेकर उन हीरों

तक पहुंचना चाहता है। समझे अब तुम?'

'हां, समझा। मैं इस बारे में काईल से बात करूँगा। वह हमें कौडि□यों में नहीं टरका सकता।' कहकर रिको ने शराब के दो गिलास बनाए।

बेयर्ड बोला- 'यह हिमाकत मत करना। अपनी हर चाल को एक रहस्य ही रखो। वक्त आने पर हम उसे चकमा देकर सारा माल खुद ही ले उड□ेंगे।'

रिको ने चौंककर कहा- 'तुम होश में तो हो? करोड□ों के माल को हम किसके हाथ बेचेंगे? सारे मुल्क में चोरी के इतने बड□े माल को खरीदने वाला तुम्हें एक भी नहीं मिलेगा।'

बेयर्ड ने बेबसी और गुस्से के मिले-जुले स्वर में कहा- 'मैं अक्सर सोचता हूं कि तुमसे माथापच्ची करने से मुझे क्या मिलता है? तुम्हारे दिमाग में भूसा भरा है।'

'तुम बताओ, तुम क्या सोचते हो?'

काईल हीरों के मिलते ही हेटर को रास्ते से हटा देगा। जब हीरे उसके या किसी और के पास होंगे तो हम उसका सफाया कर देंगे। उसके बाद सोचेंगे कि उनको कहां पर ठिकाने लगाया जाए।'

'मतलब यह है कि तुम एक लाख भी वसूल करोगे और हीरे भी हड□प कर जाओगे।'

'हां, यह काम दोनों मिलकर करेंगे। हीरों को करोड□ों में बेचना मेरी जिम्मेदारी है।'

रिको ने अपने सूखे होंठों पर जुबान फेरी। वह बोला, 'तुम्हारी बात तो ठीक है। अब हमें क्या करना चाहिए?

बेयर्ड बोला- 'तुम काईल पर नजर रखो और देखो कि कौन आदमी उसको अपने इशारों पर नचा रहा है। इसके अलावा यह भी हमें मालूम कना है कि बर्नज को किसने हमारे पीछे लगाया था।'

'मैं समझा नहीं।'

उसने सविस्तार उस रात की घटना के बारे में रिको को बताया। रिको शराब का घूंट भरकर बोला- 'हो सकता है, वह काईल ही हो।'

'मैं कह नहीं सकता। हमें इसका जल्दी ही पता लगाना चाहिए। एक बात और। यह जूई नरैटन कब से तुम्हारे क्लब में काम कर रही है?'

'तुम उसको बीच में कैसे ले आए?'

'मैं जब भी यहां आता हूं, वह मेरे पीछे साये की तरह लगी रहती है।'

'मैं उसको पिछले तीन चार साल से जानता हूं। वह इस शो बिजनेस में काफी दिनों से है। जब मैंने क्लब खोला तो वह यहां आ गई। वह तुममें दिलचस्पी लेती है। उसे तुम जैसे आदमी ही पसन्द है। वह तुम्हारे बारे में पूछ भी रही थी।'

बेयर्ड ने कहा- 'तुम अहमक हो। वह मुझसे नहीं, बल्कि हेटर के मामले में दिलचस्पी रखती है। मैं इसे साबित कर सकता हूं। तुम इस फोटो को दराज में रखकर ताला लगा दो। और यों करो कि ....।'

जब बेयर्ड चला गया तो जूई ने चैन की सांस ली थी। जिस ढंग से बेयर्ड ने उसे धमकी दी थी, उससे तो उसका रंग ही पीला पड□ गया था। उसने अपने आपसे कहा- 'जूई, जरा संभलकर चलो। डैलेस से मिलो और उसकी राय लो कि आगे किस तरह काम किया जाए।'

उसने अंदर से दरवाजा बंद करके डैलेस को फोन किया। घंटी बजती रही। उसने फोन बंद कर दिया। वह समझ गई कि हो सकता है, वह क्लब के लिए चल पड□ा हो।

जूई अपनी जगह से उठी और उसने बाहर झांका.. रिको के कमरे को जाने वाला रास्ता खाली था। चूंकि बेयर्ड पलटा नहीं था, इसलिए वह समझ गई थी कि वह रिको के पास ही बैठा होगा।

वह न सिर्फ डैलेस से प्यार करने लगी थी, बल्कि रिको की जासूसी करने के काम का उसे काफी पैसा भी मिल रहा था। वह जानना चाहती थी कि रिको और बेयर्ड बैठे क्या बातें कर रहे हैं, मगर वह आगे कदम बढ□ाती हुई डरती थी। उसने जूई को धमकी जो दी थी।

आधे घंटे बाद उसे क्लब से रेस्तरां में जाना था। जहां पर उसे रात के तीन बजे तक रहना था। उसने जल्दी से मेकअप करके अपनी ड्रेस पहन ली।

तभी रिको के कमरे को दरवाजा खुला। वह बेयर्ड के साथ बाहर निकला। दोनों में बातें होने लगीं। वह गौर से दरवाजे से कान लगाकर सुनने लगी।

बेयर्ड बोला।

'अरे यार रिको, चलो भी। एक घंटे में हम वापस आ जाएंगे। क्यों हर वक्त क्लब से चिपके रहते हो?'

'जाना तो नहीं चाहता, पर तुम मजबूर करते हो तो चलता हूं।'

'जो लिफाफा तुम्हें काईल ने दिया था, वह तुमने ड्राज में रखकर ताला लगा दिया है न?'

'ड्राज मे रख दिया है, मगर ताला तो नहीं लगाया। घबराने की कोई बात नहीं है। मेरे दफ्तर में कोई नहीं आता। आओ अब चलें।' कहकर दोनों बाहर निकल गये।

जूई को याद आया कि डैलेस ने काईल का जिक्र किया था। वह उत्सुकता से भर उठी कि देखा जाये कि उस लिफाफे में क्या है, जो रिको के ड्राज में पड□ा है।

उसने भागकर डैलेस का नम्बर मिलाया, मगर इस बार भी फोन किसी ने नहीं उठाया।

जूई ने सोचा, वे तो एक घंटे से पहले नहीं आएंगे। क्यों न वह थोड□ा सा साहस बटोरकर रिको के दफ्तर में जाये और खुद ही देखे कि उस लिफाफे में क्या है। मुश्किल से इस काम में उसे पांच मिनट लगेंगे।

वह धड□कते दिल से अपने कमरे से निकली और रिको के दफ्तर के सामने आकर खड□ी हो गई। उसने हाथ रखा था कि दरवाजा खुल गया।

अंदर अंधेरा था। वह कांपती आवाज में बोली- 'अंदर कोई है?'

जब कोई जवाब नहीं मिला तो वह कमरे में दाखिल हो गई। उसने दरवाजा बंद कर दिया। कमरे में स्विच को तलाश किया। हल्की रोशनी सिर्फ रिको की टेबल पर बिखर गई।

जूई ने जल्दी से ड्राज खोला। एक लिफाफा सामने ही पड□ा था। उस पर रिको का नाम लिखा था। जैसे ही उसने लिफाफे को उठाना चाहा, एक साया आगे बढ□ा।

यह बेयर्ड था।

जूई मारे डर के थरथर कांपने लगी, तभी उसने दरवाजे की तरफ देखा। वहां पर रिको खड□ा था। वह उसको लाल-लाल खा जाने वाली आंखों से देख रहा था।

'हैलो, मैना।' बेयर्ड ने नरमी से कहा- 'क्या ताक-झांक रही हो ?'

इसी के साथ एक घूंसा जूई की कनपटी पर पड□ा और वह चीख मारकर जमीन पर गिरी और बेहोश हो गई।

* * *

एडम गिलिस एलीट सिनेमा के बाहर खड़ा आने-जाने वाले लोगों को बड़ी गौर से देख रहा था। पचास कदम की दूरी पर डैलेस अपनी कार में बैठा था।

गिलिस बार-बार अपनी घड़ी को देख रहा था। डैलेस समझ गया कि उसे किसी का इंतजार है। कुछ देर बाद एक छोटी सी कार आकर उसके सामने रुकी। दरवाजा खुला और गिलिस अंदर बैठ गया।

उस कार में ईव थी। गिलिस बोला, 'हमेशा की तरह फिर लेट? कभी तो वक्त पर आया करो?'

'सॉरी, काईल छोड़ ही नहीं रहा था। पांच मिनट पहले ही तो मैं चली थी।'

'काईल रिको से मिला था?'

'हां, कल रात बेयर्ड वापस आ गया था। उसका कहना है कि काम मुश्किल है, मगर नामुमकिन नहीं। वह और रिको इसी हफ्ते हेटर को छुड़ा लायेंगे।'

'क्या रिको ने बताया था कि बेयर्ड हेटर को किस तरह छुड़ायेगा?'

'काईल को इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है। उसने चालीस हजार रुपये रिको को दिए हैं, ताकि काम शुरू किया जा सके। बेयर्ड हेटर को लेकर 'शूटिंग लाउंज' पर जाएगा। बाकी रकम उसे वहीं पर दे दी जाएगी।'

'मैंने तो पहले ही कहा था कि अगर इस काम को कोई कर सकता है तो वह बेयर्ड ही है।'

इस वक्त जब वे दोनों बातें कर रहे थे, डैलेस उनका पीछा कर रहा था।

ईव बोली- 'काम शुरू होने जा रहा है, मगर उधर काईल घबराने लगा है।'

'घबराने दो। तुम उस पर एक नजर रखो। जैसे ही वह राजा से रुपया वसूलता है, मैं उससे झपट लूंगा।'

'तुम क्या समझते हो कि वह चुपचाप रुपया तुम्हारे हवाले कर देगा?'

'उसका बाप भी करेगा। उसकी जान अब मेरी मुट्ठी में है।'

'मतलब ?'

'अगर वह सीधी तरह रुपया नहीं देगा तो सीधे दस साल के लिए जेल में जाएगा।'

'कैसे?'

'जीन ब्रूस की हत्या के आरोप में।'

'क्या।' ईव चौंकी।

'मैंने तुमसे कहा था कि तुम काईल के किसी रहस्य को जानने की कोशिश करो, मगर तुमने कुछ नहीं किया। कल जब वह तुम्हारे फ्लैट में था तो मैं उसके बंगले में चुपके से घुस गया। मैंने उसकी सेफ को खोला तो वहां जीन ब्रूस की चेन पड़ी थी।

'तुम्हें कैसे मालूम कि वह जीन ब्रूस की चेन थी।'

'जीन ब्रूस को मैं बहुत अच्छी तरह से जानता था। मैंने उस चेन को उसे दसियों बार पहने देखा था।'

'मगर वह तो चोरी हो गई थी। उसके पास कैसे पहुंची?'

'हमें इससे क्या लेना-देना। यह काम तो पुलिस का है।'

'तुम पुलिस को सूचित करोगे?'

'अगर उसने पैसे के मामले में तीन-पांच की तो जरूर करूँगा।'

ईव ने थर-थर कांपते हुए कहा- 'गिलिस, मेरा दिल कांप रहा था। भगवान के लिए तुम इन चक्करों से बाज आओ। मैं फोलीज वापस चली जाती हूं। वहां मैं इतना जरूर कमा सकती हूं कि हम दोनों की गुजर-बसर हो सके।'

'बको मत।' गिलिस ने उसे झिड□क दिया।

अब ईव ने कार का रुख फरु-फरु क्लब की तरफ कर दिया था।

गिलिस टॉयलेट से बाहर निकला ही था कि सामने कॉरीडोर से गुजरते हुए डैलेस पर उसकी दृष्टि पड□ी। दोनों ने एक दूसरे से हाथ मिलाया।

गिलिस ने पूछा- 'क्या बात है? बड□े दिनों से आपको देखा नहीं?'

'मैं शहर से बाहर गया हुआ था। अभी थोड□ी फुर्सत थी तो सोचा जूई से ही मिल लूं।'

'कैसे निभ रही है उससे?'

'अच्छी लड□की है।'

'ओह! याद आया, मुझे आपके कुछ रुपये देने थे- कितने थे, पचास?'

'नहीं सौ, मगर मुझे कोई जल्दी नहीं है। आप बाद में दे देना।'

'उधार जितनी जल्दी चुका दिया जाए, अच्छा रहता है।' कहकर उसने सौ का एक नोट निकालकर डैलेस के हवाले कर दिया।

'अरे सौ रुपये दोस्तों में क्या चीज होते हैं। आओ, आज मेरे साथ पीओ।'

'थैंक्यू! आज नहीं, फिर कभी। आज मुझे एक लड□की से मिलना है। वह मेरा बॉर में इंतजार कर रही होगी।'

कहकर गिलिस बॉर की तरफ चला गया। डैलेस टॉयलेट में घुस गया। थोड□ी देर बाद वह बाहर निकला और जूई के ड्रेसिंग रुम की तरफ चल दिया।

जूई कमरे में नहीं थी। ऐश-ट्रे में आधा सिगरेट पड□ा हुआ जल रहा था। दीवान पर उसका हरा स्कार्फ पड□ा था। कमरे में बत्ती जल रही थी।

वहां से हटकर डैलेस रेस्तरां में आ गया। वहां उसे लुई जो मिली। वह सब लड□कियों की इंचार्ज थी। उसने कहा, 'आपको जूई की तलाश है?'

'हां।'

'वह साढ़े ग्यारह बजे से पहले यहां नहीं आयेगी। क्या मैं जाकर कहूं कि आप आये हैं?'

'यस! तब तक मैं बॉर में बैठा हूं।'

कहकर जब वह बॉर कर तरफ चला तो रास्ते में सक्मिड मिला। वह बोला- 'क्या आपने मिस नरैटन को देखा है?'

'यस सर। वह क्लब में है। अपने ड्रेसिंग रुम में होगी।'

'वहां तो नहीं है। आप उसे तलाश करके कहें कि मैं बॉर में उसका इंतजार कर रहा हूं।'

बॉर में गिलिस एक लड़की के साथ बैठा था। उसकी उम्र मुश्किल से सत्रह वर्ष होगी। उसने डैलेस को देखा और मुस्कराया।

डैलेस शराब का आर्डर देकर बॉरमैन से बात करने लगा। थोड़ी देर बाद उसने देखा कि गिलिस लड़की के साथ उठकर रेस्तरां में चला गया है। शराब का गिलास खाली करके डैलेस उठ खड़ा हुआ। वह एक बार जूई को फिर उसके ड्रेसिंग रुम में देखना चाहता था।

लूई जो तभी सामने से आती हुई दिखाई दी। वह पास आकर डैलेस से बोली- 'जूई तो क्लब में नहीं है।'

'कुछ पता है कि कहां गई है?'

'सॉरी, मुझे पता नहीं।'

'ओ० के०!' कहकर डैलेस लॉबी में आ गया। उसने सक्मिड से कहा- 'जूई तो क्लब में नहीं है। आपने उसे बाहर जाते हुए देखा है?'

'मेनगेट से तो वह बाहर निकली नहीं। हो सकता है, पिछले दरवाजे से बाहर गई हो।'

'थैंक्स!' कहकर वह जूई के कमरे की तरफ चल दिया। वह चिन्तित हो उठा। न जाने उसे क्या हुआ हो? वह उसके कमरे में पहुंचा। उसने जूई के कपड़ों की अलमारी खोली। उसकी हैट वहां पड़ी थी। उसने सोचा, अगर वह बाहर गई होती तो जरूर अपना हैट ले जाती। उसका कोट भी वहां मौजूद था। बाहर हल्की-हल्की बारिश हो रही थी। बिना कोट के बाहर वह कैसे चली गई?'

उसका मन किसी दुर्घटना की आशंका से भर उठा।

उसने हरमन को फोन करके कहा, 'जूई कहीं रहस्मय ढंग से गायब हो गई है। क्या आप ऐंसबर्थ को यहां भेज सकते हैं, ताकि वह गिलिस पर नजर रख सके। मैं जरा जूई का पता लगाना चाहता हूं।'

'सोचो, कहीं किसी मुसीबत में तो वह नहीं फंस गई है?'

'राय तो मेरी भी यही है। क्या आज मेकादम ने बेयर्ड की गतिविधियों के बारे में कुछ रिपोर्ट दी है?'

'बीस मिनट पहले मेकादम का फोन आया था। उसने बेयर्ड को क्लब में जाते देखा था, मगर

अभी तक वह मेनगेट से बाहर नहीं निकला है।’

‘क्या उस बेवकूफ को मालूम नहीं कि एक रास्ता पीछे से भी जाता है?’ डैलेस ने गुस्से से कहा, ‘खैर, मैं मेकादम को कहता हूं कि वह गिलिस पर नजर रखे। मैं उसे कहे देता हूं कि बेयर्ड क्लब में नहीं है। हो सकता है, वह रिको के दफ्तर में हो। मैं देखकर बताता हूं।’

हरमन ने जवाब दिया, ‘मैं ऐंसबर्थ को जाने के लिए तैयार रखता हूं। जरूरत पड□ी तो भेज दूंगा।’

‘यस! मैं आपको थोड□ी देर बाद फोन करूँगा।’

कहकर वह रिको के दफ्तर की तरफ चल दिया। दरवाजे पर पहुंचकर उसने देखा, वहां कोई नहीं था। वह अंदर दाखिल हो गया। कमरे में अंधेरा था। उसने स्विच जलाकर रोशनी की। कमरा खाली था। सहसा उसकी नाक में ‘मस्त इत्र’ की खुशबू आई। यह तो उसे मालूम था कि जूई उसे लगाती थी। वह शंकित हो उठा। वह आगे बढ□ा। टेबल पर साटिंग पेपर बिछा था। वहां यह खुशबू और भी तेज थी।

उसने सोचा। निश्चय ही जुई यहां आई होगी। वह वापस मुड□ने लगा ही था कि अचानक उसकी नजर टेबल के नीचे गई। वहां पर एक छोटा सा पर्स पड□ा था। उसने झपटकर उठा लिया। यह पर्स जूई का था और डैलेस ने ही उसे दिया था।

पर्स उसके हाथ में था और उसका गला खुश्क होने लगा था।

* * *

कार रात के अंधेरे में आगे बढ□ रही थी।

उसमें रिको और बेयर्ड बैठे थे। रिको चुप था और बेयर्ड अंधेरे में ड्राइव करके गाड□ी को ले जा रहा था। अब गाड□ी दरिया के किनारे आगे बढ□ने लगी थी। बारिश होकर रुक चुकी थी। रास्ता कीचड□ से भरा था। बेयर्ड लगातार बीस मिनट से गाड□ी चला रहा था।

चारों तरफ अंधेरा और गहरी खामोशी थी।

पिछली सीट पर जूई बेसहारा और मजबूर पड□ी थी। उसके हाथ-पांवों को रस्सियों से बांधकर मुंह में कपड□ा ठूंस दिया गया था।

जीन ब्रूस की तरह बेयर्ड ने जूई की गर्दन को भी तोड□ डाला था। रिको ने भयभीत नजरों से पिछली सीट की तरफ देखा। वह चुप आंखें बंद किए पड□ी थी। रिको ने सोचा कि शायद वह मर गई है। मगर सांसों की घर्र-घर्र से वह समझ गया कि वह अभी जिन्दा है।

रिको जिन्दगी में खून करने से बेहद डरता था, खूनी के सामने पड□ते ही उसका रंग पीला पड□ जाता था, मगर यह भी कैसी विडम्बना थी कि आज स्वयं उसे जूई की हत्या में भागीदार बनना पड□ रहा था।

रिको ने कहा- ‘इसे मारो मत! इसका कुछ और उपाय सोचो।’

बेयर्ड ने रिको की ओर देखकर कहा- 'तुम क्या चाहते हो कि इसे जासूसी करने के लिए खुला छोड़ दूं?'

'मगर हमारी यह हरकत हमें फांसी पर लटका सकती है।'

रिको ने साहस करके कह तो दिया पर उसका सारा शरीर पसीने से भीग गया। उसे लगा जैसे उसके गले में कांटे चुभ रहे हों।

कार दरिया के किनारे एक सुनसान और अंधेरे स्थान पर जाकर रुक गई। बेयर्ड ने हैडलाइट्स को बुझा दिया। अंधेरा और ज्यादा गहरा हो गया था।

बेयर्ड ने कहा- 'बाहर आओ।'

रिको कार से बाहर निकला। उसकी टांगें कांप रही थीं। बेयर्ड ने टॉर्च उसके हाथ में पकड़ा दी, फिर पीछे का दरवाजा खोलकर जूई को बाहर खींचा और कंधे पर लाद लिया। उसके जिस्म में हल्की सी कसमसाहट हुई और उसके बाद वह निढाल हो गई।

दोनों दरिया के किनारे चलने लगे। थोड़ी दूर जाने पर उन्हें लकड़ी की बनी एक केबिन मिली। वहां आसपास कोई नहीं था। वे अंदर चले गये।

बेयर्ड ने जूई को नीचे पटक दिया और बोला- 'यह जगह काफी सुरक्षित है। यह चीखे भी, तब इसकी आवाज कोई न सुन सकेगा।' रिको चुप रहा। टॉर्च की रोशनी उसके चेहरे पर डालकर बेयर्ड बोला- 'तुम्हारी जान क्यों निकल रही है, डरपोक?

रिको ने कहा- 'तुम अब इसका क्या करोगे?'

'इससे उगलवाऊंगा कि इसको हमारी जासूसी करने के लिए किसने नियुक्त किया है।'

'क्या यह बता देगी?'

'इसका बाप भी बताएगा।'

कहकर बेयर्ड झुका और जूई के मुंह पर बांधी पट्टी को खोल दिया। वह बोला-

'मैंने तुम्हें सचेत किया था, मगर तुम नहीं मानी। देखा अपनी हरकत का नतीजा। खैर, अब बताओ, कौन है जिसने तुम्हें हमारा रहस्य जानने के लिए कहा है?'

'मुझे छोड़ दो।' जूई बोली, 'रिको, इसे कहो कि यह मुझे छोड़ दे। अगर मुझे तुम लोगों ने न छोड़ा तो तुम्हें पछताना पड़ेगा।'

बेयर्ड ने कसकर एक थप्पड़ उसके मुंह पर मारा- 'शैतान की बच्ची, बकवास करती है। बोलो, कौन है जिसने तुम्हें हमारे पीछे लगाया है?'

किसी ने भी नहीं। मुझे छोड़ दो।'

उसने दूसरा थप्पड़ मारा, 'अब बताओ।'

'मैं किसी को नहीं जानती।'

'तुम सीधी तरह नहीं मानोगी।' बेयर्ड गुर्राया।

रिको कांप उठा।

वह बोला- 'मैं यह सब कुछ नहीं देख सकता। मैं बाहर कार मैं बैठता हूं।'

'जाओ, मरो, बैठो बाहर कायर की औलाद! मगर भाग मत जाना।'

वह बाहर जाने लगा तो बेयर्ड ने उसको कॉलर से पकड□कर झिंझोड□ा और बोला- 'अगर भागने की कोशिश की तो टुकड□े-टुकड□े कर दूंगा।'

रिको जाने लगा तो जूई चिल्लाई- 'रिको! तुम मत जाओ। मुझे इसके पास अकेला मत छोड□ो। वापस लौट आओ।'

मगर थर-थर कांपते हुए उस अपने हाथ कानों पर रखे और बाहर को भाग गया।

बाहर आकर वह एक पेड□ की आड□ में खड□ा हो गया। कार काफी दूर खड□ी थी। वह चाहकर भी उधर की ओर न जा सका। बारिश शुरू हो गई थी और अंधेरा पहले से ज्यादा भयानक हो गया था।

अंदर केबिन में जूई के चीखने की आवाजें आ रही थीं। बेयर्ड न जाने उससे क्या कर रहा था। वह कांपकर वहीं पेड□ के नीचे बैठ गया। उसे लगा मानो वह बेहोश हो जाएगा।

अचानक जूई की आवाज आई- 'नहीं, ऐसा मत करो।'

उसी के साथ एक भयंकर चीख हवा में गूंजी गई। रिको ने अपने कानों पर दोनों हाथ रख लिए।

थोड□ी देर बाद बेयर्ड वहां पर आ गया। रिको ने कांपते हुए पूछा- 'क्या वह मर गई?'

'हां, मैंने उसे दरिया में फेंक दिया है। महीनों तक उसकी लाश तक नहीं मिलेगी। चलो उठो, अब चलो।'

कांपता हुआ रिको उठ खड□ा हुआ।

चलते हुए बेयर्ड बोला- 'तुम्हारे लिए एक खबर है।'

'क्या?'

'डैलेस इंटरनेशनल डिटेक्टिव एजेंसी का एजेंट है। उसे बीमा कम्पनी वालों ने हमारे पीछे लगाया है। बीमा कम्पनी उन हीरों का पता लगाना चाहती है, जो हेटर ने कहीं छिपा रखे हैं।'

'हूं।'

'इन सबका सरदार गिलिस है, जो तुम्हारे क्लब में आता है। तुम्हारी हर हरकत की रिपोर्ट जूई डैलेस को दिया करती थी।'

रिको ने उलटी आ गई।

बेयर्ड ने कार का दरवाजा खोला। दोनों अंदर जा बैठे। उसने कार स्टार्ट की और बोला- 'अब यहां से चलते हैं।'

* * *

डैलेस ने क्लब के बाहर मेकादम को खड□े देखा। उसकी नजरें मेनगेट पर जमी हुई थीं।

मेकादम काले रंग का एक लम्बा-तगड□ा आदमी था। उसका जिस्म काफी मजबूत था। डैलेस ने पीछे से जाकर उसके कंधे पर हाथ रखा। वह चौंककर बोला- 'अरे तुम! मैंने कुछ देर पहले गिलिस को अंदर आते देखा है।'

'बेयर्ड कहां है?' डैलेस ने कठोर स्वर में पूछा।

'क्या बात है? तुम बड□े परेशान लग रहे हो?'

'मैं पूछता हूं कि बेयर्ड कहां है?'

'वह क्लब में नहीं है। तुम्हें मालूम है कि एक रास्ता क्लब के पीछे से भी निकलता है?'

'फिर मैं क्या करूं? क्या मैं अपने को काटकर दो हिस्सों में बांट लूं?'

'तुम अगर सड□क पर नजर रखते तो तुम्हें पता चल सकता था कि कोई पीछे से निकलकर इधर से गया है। खैर, अब तुम्हारा काम भी खत्म हुआ समझो।'

'क्यों?'

'क्योंकि जूई गायब हो गई है। क्लब में न रिको है और न ही बेयर्ड।'

मेकादम ने चिन्तित स्वर में पूछा- 'तुम्हारा क्या ख्याल है?' जूई कहां जा सकती है?'

'कहीं भी। अब तुम गिलिस पर नजर रखो। ऐसा न हो कि वह भी तुम्हें चकमा दे जाए। जूई को बचाना हमारा फर्ज था।'

'हूं।'

'रिको के पास रोड मास्टर कार है। वह यहां नहीं खड□ी है। जाहिर है कि वे उसी में जूई को कहीं ले गए हैं। तुम गिलिस पर नजर रखो। मैं जूई का पता लगाता हूं।'

कहकर डैलेस अपनी कार में आ बैठा। कारों की रखवाली करने वाला लड□का पास आया। डैलेस ने उसे पांच का एक नोट देकर कहा- 'मैं रिको से मिलने आया था। वह तो यहां नहीं है। क्या कहीं गया है?'

'हां।'

'कब?'

'बीस मिनट पहले।'

'किस तरफ गया है?'

'अपने घर की तरफ।'

'क्या उसके साथ कार में बेयर्ड भी था?'

'वह भी था?'

'और कोई भी था?'

लड□के ने इंकार से सिर हिलाया।

डैलेस ने कार स्टार्ट कर दी। वह जानता था कि रिको अपने फ्लैट पर नहीं गया होगा। थोड□ी दूर जाने पर उसने अखबार बेचते एक आदमी को देखा। उसका नाम जू था। डैलेस उसको जानता था। डैलेस उसके पास जाकर बोला- 'हैलो जू, तुमने क्या कोई उधर से रोड मास्टर कार गुजरते देखी है?'

'आपका मतलब रिको की कार से है?'

'हां।'

'मैंने नहीं देखी। चौराहे पर ट्रैफिक का सिपाही खड□ा है। शायद उसने देखी हो।'

'थैंक्यू।' कहकर उसने अपनी कार आगे बढ□ा दी। ट्रैफिक के सिपाही के पास पहुंचकर उसने अपना शिनाख्ती कार्ड दिखाया और पूछा- 'क्या आपने रिको की रोड मास्टर कार को बीस मिनट पहले गुजरते देखा है?'

'यस, मैंने देखा था।'

'वह किधर को गया है?'

'दरिया की तरफ।'

'थैंक्यू।'

कहकर उसने कार को हवा ही तरह दौड□ाना शुरू कर दिया, दरिया वहां से कुछ मील पर था। वह जल्दी ही वहां पहुंच गया। दरिया के किनारे टिम्बर के एक ठेकेदार के पास काम करने वाले एक मजदूर ने पूछने पर बताया- 'जिधर लकड□ी के केबिन बने हुए हैं, कार उसी तरफ को गई थी।' फिर बोला, 'उसमें तो रिको था।'

'हां-हां, तुम उसको कैसे जानते हो?'

'मैं उसके क्लब में चपरासी का काम कर चुका हूं।'

उसने जिधर को बताया था, डैलेस उसी तरफ को कार ले चला। थोड□ी दूर जाने पर रास्ता तंग होने लगा था। बारिश भी हो रही थी। कार चलाना मुश्किल हो गया था। वह कार से बाहर निकल आया और पैदल चलने लगा।

तभी उसने थोड□ी दूरी पर ही लकड□ी के बने पुराने केबिन देखे। उसी के साथ गोली चलने और किसी के चीखने की आवाज आई।

डैलेस समझ गया कि उसे पहुंचने में देर हो गई। जूई को खत्म कर दिया गया था।

तभी उसने देखा कि रिको की रोड मास्टर स्टार्ट हो चुकी है।

डैलेस ने पॉइंट थ्री एट पुलिस स्पेशल बंदूक निकालकर कार को निशाना बनाया और गोली चला दी। गोली कार के शीशे को चीरती हुई निकल गई। वह दूसरी गोली चलाने वाला ही था कि कार बड□ी तेजी से आगे बढ□ी और मोड□ काटकर गोली को चकमा दे गई।

एक मिनट तक डैलेस ने कुछ सोचा और फिर तेजी से अपनी कार की तरफ भागा। जूई को तलाश करना निरर्थक था, मगर वह चाहता था कि जितनी जल्दी हो उसकी लाश को बाहर निकाल लिया जाए।

वह जल्दी से कार को लेकर पास की खुली सड़क पर आ गया। उसने पब्लिक टेलीफोन बूथ में आकर जॉर्ज ओलिन का नम्बर मिलाया। रिसीवर जॉर्ज ने ही उठाया।

'हैलो, मै जॉर्ज बोल रहा हूं।'

'हैलो, मैं डैलेस बोल रहा हूं।'

'कहो, क्या बात है?'

'बहुत बुरी। सुनो...।

डैलेस की बात सुनकर जॉर्ज ने कहा, 'तुम वहीं ठहरो, मैं आ रहा हूं।'

'मैं वेस्ट एंड पर खड़ा हूं।'

'ओ० के०।'

डैलेस बूथ से बाहर निकल आया।

चार-पांच मिनटों के बाद जॉर्ज वहां पहुंच गया। उसी के साथ दरिया को वेस्ट एंड इलाका पुलिस गाड़ियों, सायरनों और सिपाहियों से भर गया था।

उनके आते ही सभी सर्च लाइटों की सहायता से चारों तरफ बिखर गए तथा जूई की लाश को तलाश करने लगे। डैलेस भी उनको बता रहा था कि उसने किस जगह गोली चलने की आवाज सुनी है।

थोड़ी देर बाद उन्हें वह केबिन मिल गई, जहां पर जूई को लाया गया था। केबिन में जले सिगरेटों के टुकड़े, खून के छींटे और बारूद की बदबू फैली थी। सामने एक खिड़की थी, जो बंद थी।

डैलेस ने उसे खोला। सामने दरिया बह रहा था। वह बोला- 'यही से लगता है कि जूई को दरिया में फेंका गया है।'

जॉर्ज ने उसकी बात का समर्थन किया, तभी उसने रिवर पुलिस और गोताखोरों को बुलाया और हाथ के इशारे से बताकर कहा- 'वहां लाश को तलाश करो।'

गोताखोरों ने अपना काम शुरू कर दिया। तेज रोशनी फेंकती सर्च लाइटों को वहां पर लाया गया। आधे घंटे के बाद एक गोताखोर ऊपर आकर चिल्लाया- 'लाश मिल गई।'

कांटा डालकर जूई की आधी नंगी लाश को ऊपर खींचा गया।

एक सार्जेंट ने आगे आकर कहा- 'क्या आपको इसी की तलाश थी?'

जॉर्ज ने डैलेस की तरफ देखा।

वह आह भरकर बोला- 'हां, यही जूई की लाश है।'

जूई के सिर में गोली मारकर हत्या की गई थी।

उसका चेहरा बड़ा भयानक हो गया था। डैलेस उसको फटी-फटी नजरों से देखता रहा। उसका मन भर आया था। उसने सोचा, काश! वह जूई को ऐसे खतरनाक काम में शामिल न करता।

जूई की लाश को देखकर जॉर्ज ओलिन बोला- 'लगता है, जैसा कोई इसे आग पर भूनता रहा हो। मारने से पहले इसे काफी यातना दी गई है। उफ! कितनी शक्ल बिगड गई है।'

सार्जेंट ने आगे बढ़कर एक चादर जूई की नंगी लाश पर डाल दी।

अचानक डैलेस के चेहरे पर गुस्सा और प्रतिशोध की ज्वाला भभकने लगी। वह बोला- 'अब हम यहां क्यों खड़े हैं? किसका हमें इंतजार है। आओ चले और उन दोनों हत्यारों का पीछा करके उनको सबक सिखाएं।'

* * *

बेयर्ड ने ड्राइविंग शीशे में से आग का एक गोला निकलते देखा। इसके साथ ही एक गोली कार में लगे पिछले शीशे को चीरती हुई आई और उसको लगा जैसे कान के किनारे को जख्मी करती हुई निकल गई हो। गोली ने जरूर शीशे को तोड़ा था, मगर उसका कान टूटकर उड़े शीशे के एक टुकड़े ने जख्मी किया था।

रिको डर के मारे सीट पर नीचे को दुबक गया था। बेयर्ड ने खतरे का अहसास करते हुए कार की गति तुरन्त तेज कर दी थी। कान से निकली खून की एक धार बहकर उसकी गर्दन तक आ गई थी।

रिको ने कांपते स्वर में कहा- 'यह क्या है? हम पर किसने गोली चलाई?'

'मुझे क्या मालूम कि यह किस शैतान का काम है?' बेयर्ड ने गुर्राकर कहा।

मगर बेयर्ड को इतना समझते देर न लगी कि जब उसने जूई की गोली मारकर हत्या की थी तो जरूर कोई आसपास उनकी जासूसी कर रहा होगा। रिको की कार ऐसे रंग और मॉडल की थी कि उसे कोई भी आसानी से पहचान सकता था।

बेयर्ड ने सोचा, अगर जूई की लाश को जल्दी न निकाला जाए तो पानी उसको बहाकर दूर ले जाएगा। ऐसी सूरत में जूई की हत्या का आरोप उन पर फौरन नहीं लगाया जा सकता था। उसको रिको से खतरा था कि वह पकड़ा गया तो खून का इल्जाम वह उसी के सिर मंढ़ने की कोशिश करेंगे।

बेयर्ड ने गुस्से से रिको की पसली में एक ठोकर लगाई और कहा, 'अरे उठकर देख, गाड़ी का कितना नुकसान हुआ है?'

'जरूर उन्हीं शैतानों में से कोई एक होगा, जो आजकल हमारे पीछे लगे हैं।' बेयर्ड एक पल रुककर बोला- 'कुछ अपने दिमाग का भी इस्तेमाल करो। उसने हमारी कार को देख लिया है। कैसे उसको धोखा दें?'

'......।'

‘अगर लाश जल्दी नहीं मिली तो हम कुछ-न-कुछ बहाना कर सकते हैं।’

‘अगर मिल गई तब ?’

‘तब हमारी खैर नहीं।’

‘तुमने मुझे इस चक्कर में फंसाकर मार डाला। मैंने पहले ही कहा था कि जूई की हत्या मत करो। मुझे यहीं उतार दो। मैं तुम्हारे साथ नहीं पकड□ा जाना चाहता।’

बेयर्ड ने एक मुक्का रिको की नाक पर मारा और बोला- ‘बकवास बंद करो। गद्दार कहीं के। हम दोनों इसके हिस्सेदार हैं। अगर तुमने मुझे आंखें दिखाने की कोशिश की तो मैं तुम्हारा भुर्ता बना दूंगा।

रिको ने डर के मारे अपने चेहरे को दोनों हाथों में छिपा लिया। एक पल को रुककर बोला- ‘हम कह देंगे कि हमारी कार चोरी हो गई थी।’

‘अगर कोई बहाना काम न आ सके तो ...।’

‘उस शैतान ने हमें देख भी लिया था। मैं मारा गया। तुमने मुझे बर्बाद कर दिया। जॉर्ज किसी ऐसे ही मौके की तलाश में था।’

‘हिम्मत से काम लो। हो सकता है कि जूई की लाश उनको जल्दी ही न मिले। अब हमें क्लब चलकर देखना चाहिए कि वहां का क्या हाल है।’ बेयर्ड बोला।

तभी उन्होंने पुलिस सायरन की आवाज सुनी जो अभी काफी दूर थी, पर वह किसी भी पल उन तक आ सकती थी। बेयर्ड ने फौरन रास्ता बदल दिया और कार की गति पहले से भी ज्यादा तेज कर दी।

जल्दी ही वे क्लब पहुंच गए।

जैसे ही वे कार से बाहर निकले, स्टैंड पर काम करने वाला लड□का आया। उसने बेयर्ड के कॉलर पर खून के छींटे देखे और बेयर्ड के मुक्के से सूजी रिको की नाक को घूरा।

रिको बोला- ‘चलती कार पर किसी शराबी ने बोतल फेंककर दे मारी थी।’

बेयर्ड ने कहा- ‘इससे कार का पिछला शीशा भी टूट गया।’

‘ही...ही।’ लड□का हंसा- ‘उसने ऐसा क्यों किया ?’

लड□के का नाम टिम था। रिको बोला, ‘क्या किसी ने मेरे बारे में पूछा था, टिम ?’

‘डैलेस पूछा रहा था। मैंने कह दिया कि आप घर गए हैं।’

बेयर्ड ने जल्दी से पूछा- ‘रिको, तुम्हारे पास दूसरी कार है ? शायद जल्दी ही हमें फिर जाना पड□े ?’

‘एक है-पैकार्ड।’

‘उसे क्लब के पिछले दरवाजे पर तैयार रहने के लिए कह दो। शायद हमें जल्दी ही जाना पड□े।’

टिम को रिको ने पैकार्ड तैयार रखने के लिए कहा।

बेयर्ड ने रिको का हाथ पकड़ा और क्लब के पिछले दरवाजे की तरफ बढ़ते हुए पूछा- 'क्या टिम पर यकीन किया जा सकता है?'

'हां, वह मेरे लिए कुछ भी कर सकता है।'

'गुड!' फिर बोला- 'हम पर गोली चलाने वाला डैलेस ही था। वह यहां आया होगा। जब उसे जूई यहां नहीं मिली तो वह दरिया के किनारे जा पहुंचा।'

'मगर उसे पता कैसे चला?'

'तुम्हारी कार को तो अंधा भी पहचान सकता है। ट्रैफिक पुलिस के सिपाही ने बता दिया होगा। मैंने गलती की। मुझे तुम्हारी कार नहीं ले जानी चाहिए थी।'

दोनों रिको के दफ्तर में आ गए। रिको ने जल्दी से दो गिलास शराब के भरे। अपना गिलास गटगट पी गया।

रिको बोला, 'तुम्हीं ने मुझे इस झंझट में डाला है, तुम्हीं अब बाहर निकालो।'

'क्या तुम पता लगा सकते हो कि दरिया के किनारे क्या हो रहा है?'

'लगा सकता हूं। वहां से थोड़ी ही दूरी पर एक शराबखाना है, जहां पर मजदूर आकर शराब पीते हैं। मैं उसके मालिक को जानता हूं।'

'तो उसे फोन करो।'

रिको ने फोन नम्बर मिलाकर कहा, 'पिंडर, मैं रिको बोल रहा हूं। रिवर के वेस्ट एंड के किनारे कुछ पुलिस वाले खड़े हैं। जरा पता करो कि वे क्या कर रहे हैं?'

उधर से पिंडर ने जवाब दिया, 'मैं अभी पता करके फोन करता हूं।'

रिको ने फोन बंद कर दिया और बेयर्ड को उसका जवाब बताया।

बेयर्ड बोला- 'वो चालीस हजार कहां है? उसके अलावा जो माल-भत्ता तुम्हारे पास है, उसे एक जगह बांध लो। हो सकता है कि हमें यहां से भागना पड़े।'

रिको ने अपने सूखे होंठों पर जुबान फेरकर कहा- 'क्या कहते हो? मैं अपना सब कुछ छोड़-छाड़कर एक चोर की तरह कैसे भाग सकता हूं?'

अगर उसकी लाश मिल गई तो मैं यहां एक पल नहीं ठहरूंगा। तुम चाहो तो बेशक ठहरो यहां।'

रिको पागलों की तरह सिर के बाल नोचने लगा। उसने बेयर्ड के कोट को पकड़कर कहा- 'मैं कहां जाऊं? मैं बरबाद हो गया। मेरे क्लब का क्या होगा? मैं मुफ्त में मारा गया।'

बेयर्ड ने उसे धक्का मारकर परे हटाया और बोला- 'तुम मेरे साथ रेड रिवर चलो। जॉर्ज हमारा वहां कुछ न बिगाड़ सकेगा। इस साले घटिया क्लब में क्या रखा है। जब करोड़ों के हीरे हमारे पास होंगे तो हम ऐसे बीसियों क्लब खोल लेंगे।'

'कड़ाही से निकलो और आग में गिरो- मेरी यही हालत है न तुम्हारे साथ जाकर।'

‘यहां पर भी पुलिस तुम्हें भूनकर खा जाएगी।’

रिको कमरे से निकलता हुआ बोला- ‘मैं अभी आता हूं। मैं लूई जो से मिल लूं।’

वह चला गया। बेयर्ड को शहर छोड□ने का एक गम था कि वह अब जल्दी ही अनिता से न मिल सकेगा और न ही उसे छिप-छिपकर देख सकेगा। अक्सर जब वह उदास होता तो कार में बैठकर उस होटल के बाहर चला जाता जिसमें अनीत जैक्सन काम करती थी। उसे छिप-छिपकर देखना कितना भला लगता था।

चंद मिनट के बाद रिको आ गया। उसके हाथ में एक सूटकेस था। वह बोला- ‘चालीस हजार और जो दस-बीस हजार यहां मिला है- वह सब मैंने इसमें बंद कर दिया है। मेरे पीछे से लुई जो क्लब की देखभाल करेगी।’

तभी टेलीफोन की घंटी बजी। यह पिंडर का फोन था। उसकी बात सुनते ही रिको का रंग पीला पड□ गया। उसने ‘थैंक्यू’ कहकर फोन बंद कर दिया।

‘क्या हुआ ?’

‘तीन मिनट पहले उन्होंने जूई की लाश दरिया से निकल ली है।’

‘चलो, अब जल्दी से यहां से भागो। हमारा पहला स्टाप रेड रिवर होगा।’

‘मैं लुट गया।’ कहकर रिको बेयर्ड के पीछे-पीछे भागा, जो कमरे से निकल गया था। वहां पर पैकार्ड तैयार खड□ी थी।

टिम बोला- ‘पेट्रोल की टंकी पूरी भरी हुई है। डुप्लीकेट नम्बर प्लेटें भी डिक्की में रखी हैं और कुछ ?’

‘रोड मास्टर को कहीं दूर जाकर पटक दो।’

‘वह मैं पहले ही यहां से एक मील दूर खड□ी कर आया हूं।’

‘और अगर कोई हमारे बारे में पूछे तो कहना कि तुमने हमें नहीं देखा है।’

‘ओ० के० सर!’

‘शाबाश!’ बेयर्ड ने उसकी पीठ थपथपाई।

‘थैंक्यू, टिम! मैं जल्दी ही वापस आ जाऊंगा।’

इसी के साथ बेयर्ड ने कार स्टार्ट कर दी।

मेकादम ने बेयर्ड ने पहचान लिया था। उसने दोनों को कार में जाते देखा तो संभलकर अपनी कार में जा बैठा और उनका पीछा करने लगा।

पैगी नशे में धुत थी। गिलिस चाहता था कि वह वहां से उठ जाए, सो प्यार से बोला, ‘पैगी डार्लिंग! आज रात को मेरे साथ मेरे कमरे में चलो। खूब मजा आयेगा।’

‘कैसा मजा ?’

‘आमने-सामने बैठकर बातें करेंगे।’

‘वह तो हम यहां भी कर रहे है’

गिलिस अपनी गर्लफ्रेंड के साथ क्लब में बैठा बतिया रहा था। आसपास के कुछ लोग उनको मुस्कराती निगाहों से देख रहे थे। पैगी की उम्र मुश्किल से सत्रह वर्ष होगी।

पैगी ने शायद काफी पी ली थी। इसलिए उसकी आवाज बोलते समय काफी ऊंची हो जाती थी। गिलिस ने कहा, ‘डार्लिंग, तुम काफी पी चुकी हो। आओ अब चलें।’

‘नहीं, मैं अभी और पीऊंगी। मैं और शैम्पेन पीऊंगी। मैंने कब तुमसे कहा कि बिल तुम अदा करो? मेरे पास बहुत पैसे हैं।’

गिलिस को अगर जिन्दगी में किसी चीज से नफरत थी तो वह था सार्वजनिक स्थान पर लोगों की आंखों का केन्द्र बनना। पैगी को ऊंचा बोलते देखकर गिलिस बोला- ‘धीरे से बोलो। क्यों तमाशा बना रही हो?’

‘मैं किसी की परवाह नहीं करती।’ वह चीखी।

तभी एक वेटरस ने पास आकर कहा- ‘मैडम, क्या आपको कुछ चाहिए?’

‘यस। मेरा ब्वॉय फ्रेंड पीना चाहता है। इसके लिए शैम्पेन लाओ।’

गिलिस पीछे कुर्सी पर झुक गया। उसके माथे पर पसीना आ गया था। असने उठते हुए कहा, ‘मैं अभी एक मिनट में आया।’

पैगी बोली, ‘डार्लिंग! तुम मुझे यों छोड□कर नहीं भाग सकते।’

लेकिन तब तक गिलिस वहां से जा चुका था। वह टॉयलेट में घुस गया। उसने अपने मुंह पर छीटें मारे और

मन-ही-मन पैगी को कोसने लगा कि वह उसे क्लब में न लाता तो बेहतर था। उसने उसका ऐसा मजाक बनाया था कि अब निकट भविष्य में वह कभी क्लब न आ सकता था।

गिलिस ने मेनगेट से निकलने के बजाय पिछले दरवाजे से निकल जाने का फैसला किया। उसने सोचा, हो सकता है कि पैगी वहां खड□ी हो और एक नया तमाशा बना दे।

वह पिछले दरवाजे से जाने के लिए कॉरीडोर में दाखिल हुआ तो उसने रिको के दफ्तर में बेयर्ड के बोलने की आवाज सुनी। रिको के दफ्तर के बराबर ही एक कमरा था, जो कभी ड्रेसिंग रूम रहा होगा। गिलिस उसमें घुस गया और दीवार से कान लगाकर सुनने लगा।

बेयर्ड कह रहा था, ‘तुम इस साले घटिया क्लब के पीछे क्यों मरते हो। मेरे साथ रेड रिवर चलो। करोड□ों के हीरे हमारे पास होंगे तो ऐसी बीसियों क्लब खोल लेंगे।

गिलिस समझ नहीं सका कि ऐसी कौन सी बात हो गई है जिसने रिको को फौरन क्लब छोड□ने के लिए मजबूर कर दिया है। एक बात और साफ हो गई थी कि बेयर्ड काईल को धोखा देकर सारा माल खुद हड□प जाना चाहता था।

तभी गिलिस ने बेयर्ड और रिको के कमरे से बाहर निकलने का स्वर सुना। वे दोनों जल्दी-जल्दी पिछले दरवाजे से कहीं जा रहे थे।

उसने धीरे से दरवाजा खोला और उनके पीछे-पीछे जाने लगा। उसने मन-ही-मन सोचा कि अगर पैगी ने तमाशा न बनाया होता तो एक अजीब रहस्य से पर्दा न उठता। वह एक जगह छिपकर खड□ा हो गया।

उसने देखा कि बेयर्ड ने एक सूटकेस उठा रखा था। रिको उसके पीछे चलता हुआ कह रहा था- 'सब कुछ छोड□कर जा रहा हूं। मैं बरबाद हो गया।'

टिम की नजर गिलिस पर पड□ी। उसने पूछा- 'सर, आपको कुछ चाहिए।'

मगर गिलिस ने उसके सवाल की तरफ ध्यान नहीं दिया, तभी उसने मेकादम को भी पैकार्ड का पीछा करते देखा। वह चौंक पड□ा। वह मेकादम को नहीं जानता था, पर यह वह जरूर समझ गया कि वह जरूर गुप्तचर विभाग का कोई आदमी होगा। मेकादम लिंकन कार में उनका पीछा कर रहा था।

गिलिस वापस आ रहा था कि उसे बॉरमैन मिल गया। वह उसे जानता था। गिलिस ने पूछा- 'क्या तुमने कभी किसी एक मोटे-से आदमी को यहां देखा है? वह थोड□ी देर पहले भी यहां था? उसने हरे रंग की जॉकेट पहन रखी थी?'

'वह कई दिनों से क्लब की निगरानी बाहर कार में बैठकर करता है। उसका नाम मेकादम है। वह जासूस है। उसके साथ एक और आदमी भी है। वह क्लब में बैठता है। उसका नाम डैलेस है।'

'क्या कहा तुमने!' डैलेस।' गिलिस चौंका।

'यस सर।'

'थैक्स, जैक।' कहकर गिलिस वहां से उठ खड□ा हुआ तो डैलेस उसकी निगरानी कर रहा है। वह उसके बारे में कितना जानता है? उसने अपने-आपसे प्रश्न किया।

एक पल तक सोचने के बाद वह बाहर निकल गया। सामने पब्लिक टेलीफोन बूथ था। वह उसमें घुस गया और दरवाजा बंद कर लिया।

* * *

रिको पैकार्ड कार में दुबककर बैठ गया। उसने क्लब पर एक बेबस नजर डालकर सोचा- शायद वह आखिरी बार क्लब को देख रहा है। बेयर्ड के लिए शहर छोड□कर जाना मामूली बात थी, पर वह तो पूरी तरह तबाह हो चुका था। बिजनेस, कोठी, कार और धन-दौलत वह सब छोड□कर भाग रहा था। उसने मन-ही-मन अपने को कोसा कि क्यों वह बेयर्ड के चक्कर में पड□ा?

बेयर्ड बोला- 'बस पन्द्रह मील के बाद हम दूसरी स्टेट में होंगे। लिकन से हम हवाई जहाज से शराबी पोर्ट पहुंचेंगे और वहां से रेड रिवर।'

'कब तक?'

'कल शाम तक।'

रिको ने आगे कुछ नहीं पूछा। बारिश तेज थी, मगर सड़क सुनसान थी। कार पूरी रफ्तार से भाग रही थी।

बेयर्ड बोला- 'हेटर को बाहर निकालना कोई आसान काम नहीं था, मगर यह नामुमकिन भी नहीं है। मैंने एक नाव का इंतजाम किया है। खैर, जैसे ही हम स्टेट की सीमा को पार करें तो तुम काईल से टेलीफोन पर बात करके उसे बता दो कि हमने अपना काम शुरू कर दिया है।'

'अगर हम सफल न हुए?'

'हम जरूर सफल होंगे।'

'अगर हम हेटर को छुड़ाकर काईल के हवाले कर भी देते हैं तो जो चालीस लाख काईल को मिलेगा, वह तो अपने घर में ही वसूल करेगा। हम कैसे उसको हड़प सकेंगे? अब हम शहर में तो जा नहीं सकते।'

'यह तुमने कैसे सोचा कि हम वापस नहीं जा सकते?'

'जॉर्ज वहां हमें पकड़ने के लिए तैयार होगा।'

'मैं उस पिल्ले की परवाह नहीं करता।'

'अगर हम वापस गये तो फंदे में फंस जाएंगे।'

बेयर्ड ने माथे का पसीना पोंछते हुए कहा- 'अगर माल चाहते हो तो तुम्हें वापस जाना होगा। दूसरा और कोई रास्ता नहीं है। जब हम हेटर को काईल के हवाले करेंगे तो उसके बाद एक पल के लिए भी उसको नजर से ओझल नहीं होने दिया जा सकता।'

रिको ने एक ठंडी सांस भरकर कहा- 'काश! मैं इस चक्कर में न फंसा होता! इसने मुझे बरबाद कर दिया।'

'अगर तुम साथ नहीं देना चाहते तो अलग हो जाओ। मैं सब काम खुद कर लूंगा।'

ड्राइविंग शीशे में से बेयर्ड ने देखा कि एक कार लगातार उसका पीछा कर रही थी। दोनों में सौ गज का फासला लगातार बना हुआ था। अगर पुलिस की कार होती तो उसे ओवरटेक करके कभी का रुकने के लिए मजबूर कर देती। हो-न-हो यह जरूर कोई एजेंसी का एजेंट होगा।

बेयर्ड बोला- 'हमारे पीछे एक कार आ रही है। तुम जरा उस पर नजर रखो। मैं उसे ठिकाने लगाता हूं।'

कहकर बेयर्ड ने साठ से सत्तर मील की रफ्तार पर कार को भगाना शुरू कर दिया।

'वह अभी भी उसी रफ्तार से आ रहा है।'

सड़क गीली थी। बेयर्ड ज्यादा रफ्तार से गाड़ी नहीं चलाना चाहता था।

'ओ० के०!' बेयर्ड बोला, 'हम कार खड़ी करके देखते हैं कि वह क्या करता है।'

उसने कार की गति धीमी कर दी।

मेकादम ने भी कार की गति धीमी कर दी तो रिको बोला, 'अब वह भी धीरे चलने लगा है।'

अचानक सड□क के किनारे बेयर्ड ने कार को रोक दिया। पीछे से आती कार एक फर्राटे के साथ आगे निकल गई।

बेयर्ड ने एक सिगरेट सुलगाकर कहा- 'हो सकता है, यह मेरा वहम हो। शायद वह अपनी राह जा रहा होगा।'

उसने कार का मॉडल देख लिया था। वह मेकादम की लिंकन थी।

बेयर्ड ने कार पुन: स्टार्ट कर दी और चालीस मील की रफ्तार से ले चला। दाएं तरफ को एक सड□क मुड□ गई थी। मेकादम ने चकमा देने के लिए कार उधर मोड□कर अंधेरे में खड□ी कर दी। जब बेयर्ड की कार निकल गई तो वह फिर उनका पीछा करने लगा।

रिको ने कहा- 'पीछे से एक कार आ रही है।'

'पहले वाली?'

'पता नहीं।'

बेयर्ड ने कार की रफ्तार तेज कर दी। थोड□ी देर बाद वे वरेंटवुड शहर में पहुंच गये, जो रात के अंधेरे में डूबा हुआ था।

इस वक्त रात के दो बजे थे।

सड□क के एक मोड□ पर एक रेस्तरां खुला था।

'हो सकता है यहां फोन हो।'

'चलो देखें।' रिको ने कहा।

बेयर्ड बोला-

'काईल से कहना कि तीन दिन के अंदर-अंदर हेटर जेल से बाहर होगा। रुपया लेकर वह शूटिंग लाउंज पर आ जाए।'

दोनों कार से उतरकर रेस्तरां में चले गये। मेकादम की कार का कहीं पता नहीं था। बेयर्ड को अब भी शक था कि उसका पीछा किया जा सकता है। वह हर पल चौकन्ना रहने का आदी था। वह बोला-

'तुम काईल से कहो कि वह संभलकर रहे। उसे डैलेस के बारे में बता देना। कहना कि जब वह हेटर को लेने आये तो किसी को अपना पीछा न करने दे।'

'तुम कहां जा रहे हो?'

'अगर वह शैतान एजेंट यहां तक भी आ गया तो मैं उसे ठिकाने लगा दूंगा। उसने पिस्तौल पर हाथ रखा।

रिको अंदर चला गया। बेयर्ड बाहर अंधेरे में छिपकर खड□ा हो गया। मेकादम ने कार शायद कहीं खड□ी कर दी थी।वह चलता हुआ पैकार्ड के पास आया। वह खाली थी।

उसने रेस्तरां में अंदर झांका। वह खाली था। उसका मालिक एक आदमी से बातें कर रहा था। रिको बूथ में था। बेयर्ड उसको कहीं नजर नहीं आया। मेकादम बड□ा चौकन्ना था। वह जानता था कि बेयर्ड ने बर्नज की क्या दशा बनाई थी।

वह खड□ा सोच ही रहा था कि पिस्तौल को हाथ में लेकर बेयर्ड ने उसके पीछे आकर कहा-'हाथ ऊपर करो।'

मेकादम ने हाथ ऊपर उठा दिये।

वह बोला- 'तुम्हें क्या तकलीफ है? मैं तो अपने रास्ते था...।'

'बको मत! तुम कब से मेरा पीछा कर रहे हो?'

'मगर मैं तो ...।'

'मेरी कार के पास चलो। अपनी पिस्तौल को हाथ मत लगाना, वरना खोपड□ी के टुकड□े-टुकड□े कर दूंगा।'

तभी रिको बाहर निकल आया। कार के पास मेकादम घुटनों पर हाथ रखे खड□ा था।

बेयर्ड चिल्लाया, 'जल्दी आओ। इसके पास जो हथियार है, वह झपट लो।'

रिको ने मेकदाम की मशीनगन और पिस्तौल को यों छुआ, जैसे वह किसी सांप को हाथ लगा रहा हो। उसने दोनो हथियार झपटने के बाद मेकदाम की तलाशी ली। उसकी जेब से शिनाख्ती कार्ड निकाला।

बेयर्ड बोला- 'खूब! तो तुम भी उन्हीं में एक हो। जो मैं कहता हूं, वही करो, वरना फिर उड□ा दूंगा।'

मेकादम खामोश रहा।

बेयर्ड बोला।

'तुम्हारी कार कहां है?'

'उस मोड□ के पास।'

'चलो।'

रिको को वहीं छोड□कर वह मेकादम को उसकी कार के पास ले आया। उसने मेकादम के सिर पर अपनी मशीनगन के मुट्ठे से एक हल्का सा वार किया। उसका सिर चकराने लगा। दूसरे ही पल वह बेहोश होकर नीचे गिर पड□ा।

बेयर्ड ने कार का 'हुड' खोला और अंदर से रोटर हथियार भी निकाल लिए। उसने बूट की एक ठोकर मेकादम के सिर पर मारी और वापस चल पड□ा।

रिको के पास आकर वह बोला- 'मैंने उस एजेंट को ठिकाने लगा दिया है। उसे ठीक होने में अभी हफ्ता लगेगा।'

'.....।' रिको स्तब्ध था।

'क्या तुमने काईल से बात की है?'

'हां, उसका कहना है कि तीन दिन बाद वह शूटिंग लाज ठीक समय पर पहुंच जाएगा।'

'उसे कह दिया है कि अगर उसने शरारत करने की कोशिश की तो मैं उसकी हड्डियों का चूरा बना दूंगा।'

रिको चुप रहा।

'कह दिया न कि किसी को पीछे न लगने दे?'

'हां, उसे यह अच्छा नहीं लगता कि तुम उसको धमकी दो और हुक्म चलाओ।'

बेयर्ड ने कार चला दी। रिको को अपना भविष्य मिट्टी में मिलता नजर आया। बेयर्ड बेफिक्र था, जैसे कुछ हुआ ही नहीं हो। वह सिगरेट का धुआं उड□ाता हुआ बोला- 'जब हेटर हमारे हाथ आ जाएगा तो इतनी मोटी रकम हमारी पॉकेट में होगी कि तुम सोच भी नहीं सकते।'

'घबराओ मत, हम अपने मकसद में हर्गिज नाकाम नहीं हो सकते।'

बेयर्ड भविष्य का सुनहरी सपना देखता हुआ बोल रहा था, मगर रिको कार की सीट पर कपड□ों की गठरी बना बैठा था, जैसे कोई बेजान चीज हो। वह नहीं सोच सकता था कि आगे क्या होने वाला है।

* * *

डैलेस सीढि□यां चढ□ता हुआ हरमन के कमरे के सामने जाकर खड□ा हो गया। इससे पहले कि वह दस्तक दे, हरमन ने दरवाजा खोलकर कहा- 'मुझे उम्मीद थी कि तुम आओगे।'

वह कमरे में आकर बोला, 'लड□की मिली?'

डैलेस ने उसके सवाल का जवाब देने के बजाय सवाल किया।

'शराब तो होगी नहीं? मैं थकान से मरा जा रहा हूं।'

'ब्रांडी है।'

'चलेगी।'

हरमन ने अलमारी से निकालकर ब्रांडी की एक बोतल उसके सामने रख दी और फिर पूछा- 'जूई मिली?'

'बेयर्ड और रिको ने उसको पकड□कर मार डाला और पुलिस की सहायता से चालीस मिनट पहले उसकी लाश बाहर निकाली गई है।'

इसके बाद उसने रिको ओर बेयर्ड की कार पर गोली चलाने की घटना भी बताई और बोला- 'अगर हम जॉर्ज से पहले ही कह देते तो वह बेयर्ड को खुला कभी न छोड□ता। बेचारी जूई की भी जान चली गई।'

'मगर बेयर्ड के खिलाफ जॉर्ज के पास कोई सबूत नहीं था। वह उसे कैसे पकड□ सकता था?

तुम जूई की मौत से लगता है, काफी सकपका गए हो।'

हरमन ने पूछा- 'ऐंसबर्थ क्या कर रहा है?'

'काईल की निगरानी।' फिर सिगरेट जलाकर बोला- 'इस वक्त हम बेयर्ड, रिको और गिलिस तीनों से अपने को जुदा कर चुके हैं।'

'तुम क्लब गये थे तो वहां क्या हुआ?'

'वहां तीनों नहीं थे।'

'मेकादम?'

'वह भी नहीं था। वह जरूर गिलिस के पीछे गया होगा। पहले तो पता नहीं चल सका, मगर जब बेयर्ड ने चीफ वेटर्स लुई जो से सख्ती का व्यवहार किया तो उसने बता दिया कि बेयर्ड और रिको का जिस माल-भत्ते पर हाथ पड□ा, वे लेकर रफूचक्कर हो गए हैं। वे दोनों काले रंग की पैकार्ड में गये थे। जॉर्ज ने अपने आदमी उनके पीछे दौड□ाये, मगर अभी तक तो कुछ पता चल नहीं सका है।'

हरमन ने कहा- 'मेरा ख्याल है कि दोनों शरीबी पोर्ट गये हैं। वहां से वे रेड रिवर जाएंगे।'

'हमें जॉर्ज से कहना चाहिये कि यह बेयर्ड के लिए जाल बिछाये।'

'मगर रेड रिवर तो उसका इलाका नहीं है। मुझे लगता है कि हम अपने मकसद में नाकाम हो रहे हैं। हमें हर हालत में बेयर्ड को गिरफ्तार करना चाहिए, ताकि वह हमें हीरों तक ले जाये, मगर हम तो वहीं है, जहां से चले थे।

'इधर हमारी शिकस्तें बढ□ती जा रही हैं। पहले बर्नज उनका निशाना बना, फिर जूई उनका शिकार हुई। न जाने अब किसकी बारी है?'

बाहर बारिश हो चुकी थी, तभी बाहर किसी कार के आने की आवाज आई। दोनों उठकर खिड□की में आ गए। कार आगे बढ□ गई। अचानक टेलीफोन की घंटी बज उठी। हरमन ने झपटकर रिसीवर उठाया।

'हां, मैं बोल रहा हूं। ओह थैंक्स! मगर वहां पहुंचा कैसे जाए? ठीक है.... मैं सुबह तक वरेंटवुड अस्पताल में पहुंच जाऊंगा।'

'अब कौन मरा?' डैलेस ने पूछा।

'मेकादम सड□क पर बेहोश पड□ा मिला है। उसके सिर पर गहरी चोट आई है।'

'वह कहां मिला?'

'वरेंटवुड की एक सुनसान सड□क पर।'

'वह वहां कैसे पहुंचा?'

'शायद बेयर्ड का पीछा करते हुए।'

'अब उसका क्या हाल है?'

‘वह खतरे से बाहर है।’ हरमन ने कहा।

‘और टेलीफोन पर उसने क्या बताया?’

‘वरेंटवुड के एक रेस्तरां में रिको की शक्ल से मिलते-जुलते किसी आदमी ने टेलीफोन इस्तेमाल किया। उस वक्त रात के दो बजे थे। उसके थोड़ी देर बाद रेस्तरां से कुछ फासले पर मेकादम बेहोश पड़ा मिला। मेरा ख्याल है कि वे वहां से लिंकन जाएंगे और उसके बाद शरीबी पार्ट के लिए हवाई जहाज पकडेंगे।’

डैलेस खड़ा हो गया। वह बोला।

‘मुझे काईल की तरफ जाना चाहिए। अगर वह भी हमें चकमा दे गया तो हम सारे मारे जाएंगे।’

‘हो सकता है कि रिको ने काईल को फोन किया हो।’ हरमन बोला- ‘अब वे हेटर को छुड़ाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं।’

डैलेस ने कहा, ‘हर खतरा बढ़ रहा है।’

‘तुम घबराते क्यों हो? पीछे कौन से तुम्हारे बीवी-बच्चे बैठे हैं।’ हरमन ने मुस्कराकर कहा- ‘हिम्मत मत हारो! तुम तो बहादुर हो।’

कहकर हरमन ने डैलेस को विदा किया। वह उसके जाने के बाद किसी गहरी सोच में डूब गया।

* * *

रेड रिवर आहिस्ता-आहिस्ता बह रहा था। उसका पानी मटमैला था। जगह-जगह सरकंडे, झाड़ियां और काई-घास ने उगकर उसे और भी ज्यादा बीहड़ बना दिया था। उमस का वातावरण था। दूर कही इंजन के चलने की आवाज आ रही थी।

रिको ने माथे का पसीना पोंछा। वह एक छोटी सी नाव में बैठा था। वह इतनी कमजोर और सख्त नजर आती थी मानो उलटते ही टुकड़े-टुकड़े हो जाएगी। बेयर्ड उसको चला रहा था। उसके पास में ही भरी हुई एक मशीनगन रखी थी। वे किनारे-किनारे जा रहे थे।

बेयर्ड ने कहा- 'तुम आवाज सुन रहे हो? वह वहीं से आ रही है, जहां हेटर काम कर रहा है ?'

'वहां इस वक्त क्या हो रहा है?'

'मशीनों के जरिये बीवर के नीचे जमी मिट्टी को निकाला जा रहा है।'

'क्यों?'

'ताकि पानी का बहाव ठीक रहे- उस जगह को ड्रेज कहते हैं।'

मच्छरों का हमला बराबर रिको के मुंह पर हो रहा था। वह जरा-सा हाथ हिलाता तो नाव डगमगाने लगती थी।

रिको ने कहा- 'चारों तरफ पानी में घास-फूंस उगी है। नावों को आगे बढ़ाना भी मुश्किल हो रहा है। हम हेटर को लेकर कैसे आगे बढ़ेंगे?'

'जब वह वक्त आएगा, तब सोचेंगे।' उसने चेतावनी दी- 'अपनी आवाज को धीमी रखो। हवा में आवाज जल्दी फैल जाती है।'

नाव जैसे-जैसे रेड रिवर के ऊपरी भाग की तरफ आगे बढ़ रही थी, रास्ता ज्यादा भयानक होता जा रहा था। रिको मन-ही-मन अपने को कोस रहा था कि उसने क्यों ऐसे खतरनाक काम में अपने को उलझाया।

तभी कटे पेड़ का तना-सा पानी में बहता बेयर्ड को नजर आया। बेयर्ड ने नाव को उससे बचाया और नाव खेने की रफ्तार तेज कर दी।

पानी की सतह पर तैरते पेड़ को देखकर रिको बोला-'इस कटे पेड़ से बचना।'

'यह पेड़ नहीं, मगरमच्छ है।'

'क्या?' रिको चौंका।

'हां, वह सो रहा है। उसे जगाना मत। यह रेड रिवर ऐसे मगरमच्छों से भरा पड़ा है। इनसे बचना पड़ता है। ये साले देखते ही हमला करते हैं।'

थोड़ी दूर जाने पर बेयर्ड ने नाव को किनारे लगा दिया। किनारे की जमीन गीली और चिपचिपी थी। पहले रिको उतरा तो टखनों तक कीचड़ में जा घुसा। बेयर्ड ने सूटकेस किनारे पर फेंक दिया और उसके बाद वह खुद भी उतर पड़ा।

अब वे दोनों झाड़-झंखाड़ से भरी दलदली जमीन पर आगे बढ़ने लगे। वे तब तक

चलते रहे, जब तक कि कुछ ऊंचे स्थान पर न पहुंच गए। बेयर्ड तो हर चीज से बेनियाज था, मगर रिको का सांस फूल गया था।

बेयर्ड ने कहा-'अब हमें पेड़ों, झाड़ियों और घास-फूंस से होकर गुजरना है। मच्छरों से बचने के लिए कोट से अपना चेहरा ढक लो।'

रिको ने वैसा ही किया। कुछ समय चलने के बाद वे लकड़ी की एक केबिन में पहुंचे, जो चारों तरफ से पेड़ों से घिरी थी।

बेयर्ड ने कहा- 'यही हमारी मंजिल है। आओ, अंदर चलें।

'तुम यहां पहले आ चुके हो?'

'हां, जब मैं इस इलाके का मुआयना करने आया था तो इसे साफ करके खाने-पीने की चीजें रख गया था।'

'तुमने ये सब चीजें कहां से लीं?'

'नौडी से।'

'वह कौन है?'

'वह कैदियों को ड्रेज पर खाने-पीने की चीजें सप्लाई करता है। मैंने उसे अपने साथ मिला लिया है। वह वेटर को छुड़ाने में हमारी मदद करेगा।'

'क्या उसका भी हिस्सा होगा?'

'चालीस हजार।'

'क्या?'

'मुफ्त में कौन काम करेगा। एक भेदिया तो चाहिए, जो हमारा साथ दे सके। आधा पैसा पहले और आधा पैसा काम होने पर उसे देना होगा।'

'क्या हम उस पर यकीन पर सकते हैं?'

'मेरे साथ धोखा करके जीना नामुमकिन है?'

रिको ने केबिन में घुसकर देखा। कुछ कम्बल और खाने का सामान वहां पड़ा था। बेयर्ड एक कम्बल बिछाकर वहां बैठ गया और टिन में बंद बियर को मुंह लगाकर पीने लगा। गर्मी से रिको की बुरी हालत हो गई थी। वह जगह कुछ ठंडी थी।

रिको ने कहा- 'यहां कोई आ भी सकता है, तब हम क्या करेंगे?'

'अब काम रेड रिवर के ऊपरी हिस्से पर हो रहा है। पहले यहां ओवरसीयर रहता था। अब वह ऊपर चला गया है। यह केबिन काफी समय से खाली पड़ी है, अब यहां कोई नहीं आएगा।'

इतना कहकर बेयर्ड खाना बनाने लगा। उसके पास एक छोटा सा स्टोव था। उसने उसी को जला लिया था। रिको अपने पर लानत भेजने लगा। कितनी अच्छी और खूबसूरत जिन्दगी छोड़कर वह इस जंगल में भटकने के लिए आ गया है। वह अभी सोच में ही डूबा था कि बेयर्ड ने खाना बना

लिया। रिको को हैरत हुई कि उसने इतनी जल्दी सब कुछ कैसे तैयार कर लिया।

रिको और बेयर्ड ने खाना खाया, व्हिस्की पी और केबिन से बाहर आ बैठे। बेयर्ड बड□ी बेफिक्री से सिगरेट पीने लगा।

अब अंधेरा फैलने लगा था।

बेयर्ड ने मिट्टी के तेल का एक छोटा-सा दीया जलाया और केबिन की खिड□की पर रख दिया।

जब अंधेरा फैल गया तो नौडी आया। वह काले रंग का एक लम्बा-चौड□ा आदमी था। शक्ल से मक्कार और बातों से अविश्वनीय लगता था।

वह आते ही बोला

'तो तुम आ गए। मैं पहले भी दो-तीन बार तुम्हें यहां देख गया था।'

बेयर्ड ने रिको का परिचय करवाया- 'यह राल्फ रिको है, मेरा साथी।'

इसके बाद तीनों व्हिस्की पीने लगे। बेयर्ड ने पूछा- 'हेटर का क्या हाल है?'

'मजे में है। दूसरे कैदी उससे नफरत करते हैं, मगर वह बहुत सीधा-सादा है। बहुत कम बोलता है।'

'हूं।'

नौडी ने पूछा- 'तुमने यह तो बताया नहीं कि तुम उसका क्या करोगे? या मैं न पूछूं और अपने काम से काम रखूं।'

'तुम अपने काम से काम रखो।' बेयर्ड ने कहा।

नौडी ने पूछा- 'काम कब शुरू करें?'

कल बारह बजे। सबको अपनी-अपनी जिम्मेदारी समझ लेनी चाहिए। मैं पहरेदारों से निपटूंगा। रिको खलबली पैदा करेगा और तुम नौडी हेटर को पकड□कर यहां ले आना।'

'पहले भी यही प्लान बना था।'

रिको ने पूछा-'खलबली से तुम्हारा मतलब?'

'तुम ड्रेज पर धुएं के बम फेंकोगे जब चारों तरफ धुआं फैल जाएगा तो नौडी हेटर को पकडकर यहां घसीट लाएगा। मैं ड्रेज के पास बने बरगद के ऊपर चढकर पहरेदारों पर नजर रखूंगा।'

'बम फेंकने के बाद मैं कहां जाऊं?'

'तुम यहां केबिन में आ जाना। मैं तुम्हें यही मिलूंगा। नौडी हेटर को मेरे हवाले करके, अपना पैसा लेकर वापस चला जाएगा। उसके बाद मैं, तुम और हेटर तीनों यहां से वहां पहुंचेंगे जहां नाव बंधी है।'

रिको का मन शंका से भरा उठा। वह सोचने लगा कि हो सकता है बेयर्ड और नौडी यहां न आएं और उसे धोखा देकर सीधे नाव पर जा पहुंचे तो वह क्या करेगा? मान ले हेटर ने हो हल्ला किया तो

वह उस नाव पर कैसे काबू कर सकेगा?

रिको ने पूछा- 'मान लो पहरेदार हमारे पीछे आते हैं तो हम उनका मुकाबला कैसे करेंगे?'

'मुझे यकीन है कि वे हमारे पीछे नहीं आएंगे, इसीलिए हम वापस इधर आ रहे हैं।'

'क्यों?'

'इसलिए कि अफरा-तफरी का फायदा उठाकर कैदी भागेंगे तो दलदल से बाहर निकलने के तीन ही रास्ते हैं। जिस रास्ते से हम जाएंगे, वह सिर्फ नाव के लिए बना है। कैदी इस रास्ते को नहीं बल्कि दूसरे रास्तों से भागेंगे। पहरेदार इधर का रुख करने के बजाय उनके पीछे जाएंगे।'

रिको कुछ बेचैन सा लग रहा था। वह बोला-

'अगर हेटर ने उछल-कूद मचायी तो क्या करोगे? नाव भी उलट सकती है।'

'तुम यह काम मुझ पर छोड□ो। मैं अपने आप उसे संभाल लूंगा।'

फिर उसने नौडी से कहा- 'अगर हेटर तीन-पांच करे तो घूंसा मारकर उसे बेहोश कर देना और पीठ पर लादकर ले आना।'

'मुझे मालूम है कि मैंने क्या करना है।'

बेयर्ड ने रिको से कहा- 'इसे बीस हजार दे दो। बाकी कल काम होने पर।'

रिको ने सूटकेस खोलकर नौडी को रुपये दिए तो नौडी बोला- 'अहा! इतने रुपये एक साथ मैंने कभी नहीं देखे।'

बेयर्ड बोला- 'इतने ही कल मिलेंगे। और हां, याद रखो ... मेरे साथ कोई चाल मत चलना, वरना मैं आदमी को उल्टा लटकाकर भून देता हूं।'

नौडी ने हंसकर कहा- 'तुम मुझ पर यकीन कर सकते हो। कल सुबह हेटर तुम्हारे कदमों में होगा।'

जब वह चला गया तो रिको बोला- 'मुझे तो यह चालबाज नजर आता है।'

'मुझे मालूम है कि तुम ऐसा क्यों कह रहे हों।'

कहकर बेयर्ड ने कम्बल से मुंह ढांप लिया।

* * *

ड्रेज के सत्तर कमद की दूरी पर बने बरगद के पेड□ पर पत्तों में बेयर्ड छिपा बैठा था। वहां से वह ड्रेज का दृश्य (जहां खुदाई का काम हो रहा था) साफ देख सकता था। पचास कैदी काम कर रहे थे। पांच पहरेदार खड□ थे जिनके पास आटोमैटिक मशीनगनें थीं। कुछ शिकारी कुत्ते भी थे जिनके गलों में जंजीरें बंधी हुई थीं।

मशीनें और बुलडोजर चल रहे थे। एक मशीन रेड रिवर के नीचे से मिट्टी निकालकर उसके मुहाने को चौड□ा कर रही थी।

उसी बरगद के पेड□ की निचली टहनी पर रिको बैठा था। उसके पास एक दर्जन स्मोक बम थे। पीसने से उसका बुरा हाल हो रहा था।

बेयर्ड ने एक बार फिर दूरबीन से सारे इलाके का जायजा लिया। तीन पहरेदार एक जगह बैठे थे और चौथा लकड□ी के बने एक कमरे के साथ टेक लगाए खड□ा था। इसी मकान में शिकारी कुत्ते बंधे हुए थे।

उसके बाद बेयर्ड ने देखा कि एक ट्रक पर नौडी खड□ा सिगरेट पी रहा है। उसी के पास हेटर खड□ा काम कर रहा है। वह मिट्टी की टोकरी भरता और ट्रक में फेंक देता था। वह बेहद थका हुआ था।

बेयर्ड ने पूछा- 'क्या वक्त हुआ है?'

'बारह बजने में पांच मिनट है।'

'अब तुम नीचे उतरकर अपना मोर्चा संभालो। याद रहे कि तुम्हारा हर बम ड्रेज पर गिरे। अगर वह गीली जमीन पर गिरा तो चलेगा नहीं।'

रिको के डर के मारे पसीने छूटने लगे।

बेयर्ड ने कहा- 'अगर तुम बम को ऊंचा हवा में उछालोगे तो पता नहीं चलेगा कि वह किधर से आया है। अब तुम शुरू करो।'

रिको पेड□ से नीचे उतरने लगा तो उसका रंग पीला था और सारा जिस्म कांप रहा था। बेयर्ड ने उसे झिड□का, 'तुम्हारी जान क्यों निकल रही है? जाओ, तुम्हें कुछ नहीं होगा।'

पेड□ से उतरकर कंधों तक खड□ी जंगली घास के अंदर घुटनों के बल रिको चलने लगा। जैसे-जैसे वह आगे बढ□ता जाता था, जमीन गीली होती जा रही थी। ड्रेज के पास पुल था। उसी पर उसने बम फेंकना था।

ठीक बारह बजे अपनी मशीनगन से बेयर्ड ने फायर किया। निशाना चूका नहीं। जो गार्ड लकड□ी के केबिन से टेक लगाए खड□ा था, गोली उसको चीरती हुई गुजर गई। वह खून से लथपथ नीचे जा गिरा।

उसी के साथ रिको ने पहला बम फेंका जो पुल पर गिरने के बजाय दरिया में जा गिरा। धुएं की बजाय पानी में कुछ बुलबुले पैदा हुए।

उसके बाद उसने दो बम और फेंके जो पुल पर जाकर गिरे, धुएं का एक तूफान उठ खड□ा हुआ। चारों तरफ खलबली मच गई। इसी के साथ पहरेदारों ने हवा में फायर करने शुरू किए। रिको डर से थर-थर कांपने लगा। वह आगे बम ने फेंक सका।

बेयर्ड पेड□ से नीचे उतरा और भागता हुआ रिको के पास आया। उसने आते ही एक ठोकर रिको को मारकर कहा, 'चूहे का बच्चा, लाओ मुझे दो बम। मैं फेंकता हूं।'

कहकर उसने बमों का थैला उससे छीन लिया और निशाना लगाकर कई बम फेंके। बजरे पर एक पहरेदार खड□ा था और ताककर रिको के बाहर निकले सिर को निशाना बनाना चाहता था।

उस पर बेयर्ड की नजर गई। उसने अपनी मशीनगन उठाई और गोली चला दी। पहरेदार चीख मारकर नीचे दरिया में लुढ□क गया।

अब चारों तरफ सायरनों की आवाजें गूंजने लगी थीं। बेयर्ड ने रिको से कहा- 'अब तुम वापस जाओ।'

'कहां?'

'केबिन में।'

'और तुम?'

'मेरी फिक्र मत करो। अगर मैं पैंतालीस मिनट तक न आया तो तुम चले जाना।'

'नाव?'

'उसकी तुम चिन्ता मत करो....उसे ले जाना।' कहकर उसने रिको को एक जोर का धक्का दिया और वह लुढ□कता हुआ दूर जा गिरा।

अब बेयर्ड वापस बरगद के पेड□ के पास आ गया था। उसकी आड□ लेकर उसने दो बम फेंके। अचानक दो गोलियां एक साथ आकर पेड□ के तने से टकराईं। अगर उसकी आड□ में बेयर्ड न होता तो उसकी लाश वहां तड□प रही होती।

वह जमीन पर लेट गया। कानों को फाड□ती हुई सायरन की आवाज जंगल में गूंज रही थी। उसकी आवाज तीन मील पर बनी जेल में भी जा रही थी। बेयर्ड ने सोचा, अगर नौडी जल्दी यहां न आ गया तो कुमक आ जाएगी और उसका काम और ज्यादा मुश्किल हो जाएगा।

'नौडी न जाने साला कहां मर गया!'

बेयर्ड ने गाली दी।

तभी धुएं के बादल को चीरता हुआ नौडी बाहर निकला। उसकी आंखें लाल हो रही थीं। उसने हेटर को पकड□ रखा था, जो बेहद घबराया हुआ था।

हेटर ने जैसे ही बेयर्ड को देखा तो उसमें न जाने कहां से इतनी ताकत आ गई कि उसने नौडी को एक जोर का धक्का मारा और वापस भागा। बेयर्ड चिल्लाया- 'पकड□ो! भागने न पाए।'

इससे पहले कि वह धुएं की चादर में दोबारा लिपट जाता, बेयर्ड ने उसको गर्दन से पकड□ लिया।

हेटर एक पागल आदमी की तरह उछल-कूद मचा रहा था। वह इतनी जोर से चीखा कि नौडी डरकर दूर जा खड□ा हुआ। फिर उसने अपने लम्बे नाखूनों से बेयर्ड का मुंह नोंच लिया। बड□ी मुश्किल से बेयर्ड ने अपने चेहरे को उससे मुक्त करवाया और जोर का घूंसा हेटर को मारा। मुक्के की मार ने हेटर का दम तोड□ दिया, मगर वह बराबर चीख रहा था।

नौडी चीखा- 'मारो...मारो इसे। इसकी आवाज बंद करवाओ।'

उधर बेयर्ड का मन किया कि गन की सारी गोलियां हेटर के सीने में उतार दे, क्योंकि वह काबू

में नहीं आ रहा था और दोबारा हाथ छुड□ाकर भागने लगा था।

भागकर बेयर्ड ने फिर उसे पकड□ा। इस बार बेयर्ड ने मशीनगन का मुट्ठा घुमाकर हेटर के सिर पर मारा। वह चीख मारकर बेयर्ड के कदमों में जा गिरा और खून की धारा उसके सिर से बह निकली।

बेयर्ड ने नौडी से कहा- 'जल्दी से उठाकर इसे केबिन में ले चलो। मैं तुम्हारे पीछे आ रहा हूं।'

'साला पागल है।' नौडी ने कहा- 'मैंने पहले ही कह दिया था कि सीधे ढंग से मानने वाला नहीं है।'

'तुम इसे संभालो।' कहकर बेयर्ड ने रुमाल से अपना चेहरा साफ किया। हेटर के नाखूनों से लगी गहरी खरोंचों से उसका चेहरा लहूलुहान हो गया था।

आधे रास्ते तो नौडी ने बेहोश हेटर को उठाकर रखा। उसके बाद उसे जमीन पर रखकर हांफता हुआ बोला- 'मैं थक गया। अब इसे नहीं उठा सकता हूं।'

'जल्दी करो। उठाओ इसे। तुम चाहते हो कि पहरेदार यहां आ जाएं और हम सबको दबोच लें?'

मगर नौडी का दम फूल चुका था। बेबस होकर बेयर्ड ने हेटर को पीठ पर लादा और हांफता हुआ केबिन तक आया।

हेटर को उसने केबिन के बाहर जमीन पर लिटा दिया और रिको की तरफ देखा, जो बाहर आ गया था। बेयर्ड उससे बोला- 'नौडी को बाकी रुपये दो-हमें जल्दी ही नाव तक पहुंचना है।'

रिको ने कहा-

'मगर तुमने कुछ वक्त यहां ठहरने के लिए कहा था। क्या रुकोगे नहीं?'

बेयर्ड ने गुस्से से कहा-

'तुम्हारी वजह से बड□ा वक्त बरबाद हो गया है। उन्हें पता चल गया है कि हम इस रास्ते से आये हैं। अब हम यहां एक मिनट भी नहीं ठहर सकते।'

'मगर...।'

'शटअप! नौडी को रुपये दो।'

रिको सूटकेस में से रुपये निकालने लगा।

तभी नौडी ने कहा- 'सूटकेस वहीं रहने दो।' उसके हाथ में पिस्तौल था। तुम दोनों हेटर को लेकर यहां से दफा हो जाओ। अगर तुम लोगों ने कुछ भी हरकत की तो मैं तुम दोनों को भूनकर रख दूंगा।'

नौडी का चेहरा सख्त हो गया था।

* * *

नौडी की हरकत पर रिको कांप उठा। वह पत्थर की मूर्ति बन गया था। सूटकेस में सात हजार

डॉलर थे। अब सूटकेस पर रखा उसका हाथ थरथरा रहा था। उसने बेयर्ड को चेतावनी भी दी थी कि नौडी पर विश्वास नहीं किया जा सकता है, मगर वह नहीं माना। परिणाम उसके सामने था।

बेयर्ड चुपचाप खड़ा था। उसकी नजरें नौडी की पिस्तौल पर थी। नौडी चिल्लाया- 'वापस मुड़ों।' सुटकेस को जमीन पर गिरा दो और दोनों यहां से हेटर को लेकर फूट जाओ। अगर जरा भी चालाकी करने की कोशिश की तो भूनकर रख दूंगा।'

बेयर्ड घूमा और रिको ने देखा कि उसी के साथ बिजली की तेजी से उसने कोट में छिपाए कोल्ट (गन) को निकाल लिया। उसने तेजी से घूमकर नौडी को निशाना बनाना चाहा, मगर उससे पहले ही नौडी ने पिस्तौल चला दी।

उसका निशाना चूक गया।

उधर बेयर्ड ने एक के बाद एक तीन लगातार फायर किए। तीनों गोलियां नौडी के पेट में लगीं। वह जमीन पर गिरकर तड़पने लगा।

'साला बदमाश! मुझसे लोहा लेने चला था। धोखेबाज!' बेयर्ड बोला।

'मैंने तो इसके बारे में पहले ही सचेत कर दिया था।'

'उसका इनाम इसे मिल गया। अब तुम हेटर को उठाने में मेरा साथ दो।'

उसके बाद दोनों ने मिलकर हेटर के हाथ-पांव बांधे और एक कपड़े से उसका मुंह भी बंद कर दिया ताकि वह चीख न सके। इससे कुछ फर्क नहीं पड़ा, क्योंकि वह अभी तक बेहोश पड़ा था।

सूटकेस और मशीनगन रिको ने उठा रखे थे। हेटर को बेयर्ड ने अपनी पीठ पर लादा हुआ था। वे तेजी से उधर चलने लगे, जहां नाव को छिपाकर आए थे। रास्ते के जंगली घास-फूस और गीली जमीन ने तो बेयर्ड की तेजी को खत्म नहीं किया था, पर जो भारी बोझ उसने हेटर का उठा रखा था, उसने उसकी चलने की गति को धीमी बना दिया था।

उधर शिकारी कुत्तों की आवाजें हर पल नजदीक आ रही थीं।

नाव से एक सौ कदम की दूरी पर बेयर्ड ने हेटर को उतारकर नीचे रख दिया और बोला।

'उन्हें पता चल गया है कि हम इस रास्ते से जा रहे हैं।'

रिको ने कहा- 'अब तो हम पहुंच गए है। सामने ही नाव है।'

'नहीं, पहले इन कुत्तों का सफाया कर दें। अगर उनको पता चल गया कि हमारे पास नाव भी है तो वे इसे तबाह करके हमारा वापस जाने का रास्ता बंद कर देंगे।'

बेयर्ड ने इतना कहकर विंचेस्टर निकाला जो बड़ा ही खतरनाक हथियार था, और बिन आवाज किए गोली चलाता था।

'यह तो अच्छा हुआ कि मैं इसे ले आया। मैं अभी उनको भूने देता हूं।'

तभी उसने पास ही जेल के एक पहरेदार को देखा। उसके एक हाथ में पिस्तौल थी और दूसरे

हाथ में जंजीर से बंधा एक कुत्ता था। वह अलसेशियन डॉग था। वह एक खूनी भेडि□ए की तरह नजर आ रहा था।

तभी पहरेदार ने बेयर्ड को देख लिया। वह पिस्तौल का फायर करने ही वाला था कि बेयर्ड ने कोल्ट से दो फायर किए वह जमीन पर गिरकर तड□पने लगा। मरते हुए पहरेदार का हाथ ढीला पड□ गया और कुत्ते ने जंजीर छुड□ाकर एक भूखे शेर की तरह बेयर्ड पर हमला कर किया।

बेयर्ड ने एक फायर किया जो कुत्ते को नहीं लगा। वह शोले की तरह उस पर लपका था। दूसरा फायर वह करना ही चाहता था कि कुत्ता उस पर झपट पड□ा। कोल्ट के हत्थे से बेयर्ड ने उसके हमले को रोका और उसी के साथ गन छूटकर दूर जा पड□ी। कुत्ते ने दोबारा झपटना चाहा। अब बेयर्ड के हाथ खाली थे। ज्योंही कुत्ता उस पर पुन: झपटा कि उसके खूनी पंजों से अपने को बचाने के लिए बेयर्ड ने उसे गले से पकड□ लिया। कुत्ता पहले से ही ज्यादा जोरदार ढंग से पंजों को हवा में हिलाकर अपने को छुड□ाने लगा। उसका निशाना बेयर्ड की छाती थी।

इंसान और कुत्ते में भयंकर संघर्ष हो रहा था। बेयर्ड जानता था कि अगर उसने कुत्ते की गर्दन पर अपने दोनों हाथों की पकड□ को जरा सा भी हल्का किया तो वह छूटते ही उसकी बोटी-बोटी नोंच डालेगा।

रिको सहमा-सहमा दूर खड□ा यह तमाशा देख रहा था। वह चाहता तो पीछे से आकर कुत्ते पर हमला करके बेयर्ड की सहायता कर सकता था, मगर वह भयभीत चुपचाप एक तरफ खड□ा हुआ था।

बेयर्ड ने अपनी पूरी ताकत से कुत्ते को मारना चाहा, मगर उसके गले पर मोटा-मोटा मांस था। वह शेर की तरह ताकतवर था। दोनों लड□ते हुए अब किनारे पर आ गये और उसी के साथ बेयर्ड ने जैसे ही कुत्ते को पानी में डुबोकर मारना चाहा कि वह उसके हाथ से छूट गया।

कुत्ता पानी से बाहर निकलने लगा, मगर बेयर्ड ने उसे फिर गर्दन से पकड□ लिया। दोनों पानी में ऊपर-नीचे होने लगे। बेयर्ड ने कुत्ते की गर्दन को पानी में डुबो दिया ताकि वह दम घुटकर मर जाये। अब कुत्ते की शक्ति क्षीण होने लगी थी। अचानक एक पल को बेयर्ड की पकड□ कुत्ते पर ढीली पड□ी ही थी कि उसने उछलकर बेयर्ड की मजबूत कलाई को अपने दांतों में दबा लिया। बेयर्ड ने खाली हाथ से चाकू निकाला और उसके पेट में भोंक दिया, लेकिन जब तक वह मरकर पानी में गिरता, उसके नुकीले दांत बेयर्ड की कलाई को लहूलुहान कर गये थे।

दूसरे ही पल सुबकता कुत्ता रेड रिवर के मटमैले पानी में डूब गया। बेयर्ड बाहर निकलकर बोला- 'दरख्तों के जिस झुंड में हमने नाव को छिपा रखा है, हम भी वहीं कहीं जाकर छिप जाते हैं। अंधेरा होने पर हम चलेंगे।'

'अगर वे देर तक यहां ठहरे ?'

'उन्हें हमारे बजाय उन पचास कैदियों का ज्यादा ख्याल है, जो दूसरे रास्तों से भाग रहे हैं।'

बेयर्ड ने हेटर को उठाया और तीनों नाव में जाकर छिप गये। सूटकेस खोलकर बेयर्ड ने फर्स्ट एड का बाक्स निकाला। कलाई में सख्त दर्द हो रहा था। उसने जख्म को धोया और आयोडीन लगाकर पट्टी बांध दी। उसके बाद कमीज और पेंट उतारकर पानी में साफ किए और नाव के तख्ते

पर सूखने के लिए डाल दिये।

उसके पास व्हिस्की की एक बोतल थी। वह और रिको दोनों पीने लगे।

तभी कहीं दूर कुत्तों के भौंकने की आवाजें आईं।

रिको बोला- 'वे कुत्ते हमें तलाश कर लेंगे।'

'बकवास बंद करो।' उसकी कलाई में तेज दर्द होने लगा था- 'पानी में खड□े आदमी की गंध कुत्ते तक नहीं जा सकती। वे एक चक्कर काटकर वापस चले जाएंगे।'

थोड□ी देर बाद दो पहरेदार दो कुत्तों को लेकर बातें करते हुए वहां से गुजर गये।

एक बोला- 'लगता है, वे इसी रास्ते से गये हैं।'

'हां।'

'उन्होंने सैम को गोली मार दी है।'

'उसकी लाश को उठाकर ले चलें।'

'हां, मगर उसका कुत्ता कहां गया?'

'शायद उसे भी मार डाला हो।'

'बास्टर्ड।'

उन्होंने गाली दी और वापस लौट गये।

उनके जाते ही बेयर्ड बोला- 'अंधेरा हो जाए तो यहां से निकलेंगे।'

'अगर इस बीच हेटर को होश आ गया तो।'

'अब वह ऊधम नहीं मचायेगा।'

तभी रिको ने देखा कि अपनी बुझी-बुझी काली आंखों से हेटर उन दोनों को घूर रहा है।

रिको बोला- 'होश में आ गया है।'

हेटर को होश में आया देखकर बेयर्ड मुस्कराया और बोला- 'घबराओ नहीं, हम तुम्हारे दोस्त हैं।'

'व्हिस्की पियोगे?'

'तुम मुझे कहां लिये जा रहे हो?'

'हमने तुम्हें छुड□ाया है। तुम्हारे कुछ दोस्त हैं, जो तुम्हें आजाद देखना चाहते हैं।'

'मेरा कोई दोस्त नहीं है।'

'अब तुम्हें घबराने की जरूरत नहीं।'

'मैं जानता हूं कि तुमने मुझे क्यों छुड□ाया है?'

'हमें गलत मत समझो।'

‘मैं जानता हूं कि तुम क्या....चाहते हो। वह किसी को नहीं मिल सकते।’

बेयर्ड ने उसे तसल्ली दी-

‘हमें कुछ नहीं चाहिए। अपने को इतना परेशान मत करो।’

हेटर ने आंखें बंद कर लीं। लगा कि वह फिर बेहोशी में जा डूबा है।

रिको ने पूछा- ‘जब पुलिस की हर यातना इसे मुंह खोलने पर राजी न कर सकी तो काईल को यह सब कुछ कैसे बता देगा?’

‘यह मेरा सिरदर्द नहीं है।’

‘अगर इसने काईल को भी न बताया तो महाराजा चालीस लाख कैसे देगा? ऐसी हालत में हमारे पल्ले क्या पड□गा?’

बेयर्ड ने कहा- ‘मैं इसे बोलने के लिए मजबूर कर दूंगा।’

‘तुम अभी इससे सब कुछ क्यों नहीं उगलवा लेते।’

‘मतलब?’

‘अगल यह सब कुछ बता दे तो हम इसे काईल के हवाले नहीं करेंगे।’

‘मगर मैं सोचता हूं कि अगर हमारे पास करोड□ों के हीरे आ भी गये तो हम उनको बेचेंगे कैसे?’

‘काईल कैसे बचेगा?

‘वह बड□ा आदमी है। इसके लिए करोड□ों का हेर-फेर मामूली बात है।

बेयर्ड नाव में लेट गया और बोला, ‘रिको, मैं चंद घंटे सोना चाहता हूं। तुम मुझे दो-तीन घंटे बाद उठा देना। उसके बाद तुम आराम करना। मेरी कलाई में सख्त दर्द हो रहा है। रात को नाव के चप्पू शायद तुम्हें ही चलाने पड□।’

कहकर उसने आंखें बंद कर लीं। थोड□ी ही देर में वे खर्राटे लेने लगे। रिको को हैरत हुई कि इतनी मुश्किल स्थिति में भी कोई सो सकता है।

उसने नजर उठाकर हेटर को देखा। कभी सारे देश में उसका दबदबा था। वह दुनिया भर में हीरों की चोरी, जालसाजी और स्मगलिंग का सम्राट माना जाता था, लेकिन वक्त ने उसे बेहद बदसूरत, सनकी और बेबस बना दिया था। उसने सोचा कि अगर उसे भी हेटर की तरह एक लम्बे अर्से तक जेल में रहना पड□ तो उसकी क्या हालत होगी? इस विचार के आते ही वह डर से कांप उठा।

* * *

लगातार पांच घंटे तक वे तीनों नाव में छिपे रहे थे। पहरेदारों ने उन्हें बहुत खोजा था, मगर वे बहते पानी के अंदर बने पेड□ों के एक ऐसे झुंड में छिपे थे कि किसी की भी उन पर नजर न पड□ी थी।

एक दो बार हेटर ने आंखें खोली थीं और फिर बंद कर ली थीं। सब कुछ लुट जाने पर भी रिको निराश नहीं हुआ था। अब उसकी नजर हेटर पर थी, उसने सोचा कि अगर हेटर मर गया तो वह कहीं का न रहेगा। उसकी मेहनत बेकार जाएगी।

उधर बेयर्ड की कलाई कुत्ते के काटने से भयंकर लाल हो गई थी। रिको को उसका कम, पर हेटर का ज्यादा ख्याल था। वह चाहता था कि जल्दी से दरिया का सफर खत्म हो तो उसे किसी डॉक्टर के पास ले जाएगा। वेटर की मौत उसके लिए तबाही का संदेश थी।

वह बार-बार बेयर्ड से कहता-

'चलो, अब रास्ता साफ है।'

'अभी नहीं।'

'हमें जल्दी चलना चाहिए।'

'अंधेरा होने दो।'

'हेटर को किसी डाक्टर को दिखाना जरूरी है। यह मर गया तो मैं बरबाद हो जाऊंगा।'

'बको मत।'

बेयर्ड ने उसे झिड□का। उसे मन-ही-मन गुस्सा आ रहा था कि रिको को उसके बजाय हेटर का ज्यादा ख्याल है।

जब अंधेरा फैल गया तो उन्होंने नाव खोल दी। सारी रात का सफर था। वेयर्ड ने कहा -

'मेरी कलाई में सख्त दर्द है। नाव के चप्पू तुम्हें ही चलाने होंगे।'

रिको ने पानी में कुछ देर तक उल्टे-सीधे चप्पू चलाये, लेकिन थोड□ी देर के बाद वह नाव को संभालकर चलाने लगा। वह अक्सर नाव को दरिया के बीच में ले जाता तो बेयर्ड कहता- 'किनारे-किनारे चलाओ। अगर कोई खतरा हुआ तो किनारे पर उगे पत्तों में छिप सकते हैं।

बेयर्ड अपनी कलाई के बारे में बेहद चिन्तित था। कुत्ते के काटने से उसकी कलाई विषाक्त हो गई थी। उसका सिर दर्द से फटने लगा था और जिस्म टूट रहा था। उसे संकट की ऐसी घड□ी में अपने हाथ के बेकार हो जाने का बेहद अफसोस था। वह रिको को भी नहीं बता सकता था कि उसका हाल बुरा हो रहा है। उसे दु:ख हुआ कि उसने रिको जैसे बेहूदा आदमी पर विश्वास किया।

चूंकि पानी का बहाव नीचे को था, इसलिए नाव के चप्पू चलाने में ज्यादा मेहनत न करनी पड□ रही थी, फिर भी वह अब हांफने लगा था।

'तेज! रिको, तेज चलाओ।'

रिको के हाथ थक चुके थे। उसका सांस फूल गया था। आकाश में चांद निकल आया था। सामने का रास्ता साफ नजर आ रहा था, मगर गर्मी और मच्छरों ने रिको को बेहाल कर दिया था।

उधर बेयर्ड सोच रहा था कि दरिया के सफर के बाद उसे शूटिंग लाउंज कार से पहुंचना होगा। वहां तक जाने के लिए पांच घंटे चाहिए थे। क्या वह वहां तक पहुंच पाएगा।

तभी आकाश में शोर हुआ। रिको ने बेयर्ड को हिलाकर पूछा- 'सुनो-सुनो, यह कैसा शोर है?'

आकाश पर एक एयरक्राफ्ट घूम रहा था। थोड़ी देर बाद वह उनकी नाव पर से गुजर गया। बेयर्ड ने कहा- 'शायद वे एयरक्राफ्ट से हमारी तलाश कर रहे हैं, मगर इतने अंधेरे में वे हमें नहीं देख सकते।'

'हूं।'

'तुम तेज चलाओ।'

'मेरे हाथों में चप्पू चलाते-चलाते छाले पड़ गये हैं।'

'रिको, हिम्मत मत हारो। सारे रास्ते नाव तुम्हें ही चलानी पड़ेगी। मेरा बाजू बेकार हो चुका है।'

रिको फिर जोर-जोर से चप्पू चलाने की कोशिश करने लगा, तभी फिर कहीं हल्का सा शोर हुआ।

बेयर्ड बोला- 'अगर जहाज वापस आये तो नाव को किनारे लगाकर पेड़ों की पानी में झुकी टहनियों में छिपा देना।'

मगर आवाज अब आकाश में नहीं, बल्कि पानी में से आ रही थी।

बेयर्ड ने कान लगाकर सुना।

वह बोला-

'मोटरबोट।'

'क्या!' रिको चौंका।

'हां, जहाज में सवार लोगों ने लगता है, हमें नाव में जाते देख लिया है।'

'अब क्या करें?'

'नाव को किनारे लगा दो।'

उसने नाव को किनारे लगा दिया।

रिको ने पूछा- 'क्या हम भी नीचे उतरे?'

'हां!' बेयर्ड किनारे पर कूदा तो उसे लगा मानो उसकी टांगें जवाब दे चुकी हैं।'

'रिको!' बेयर्ड ने धीमे से पुकारा।

'क्या है?'

'हेटर को भी उठाकर किनारे पर ले आओ। लगता है उनके पास मशीनगनें हैं।'

बड़ी मुश्किल से रिको ने हेटर को नाव से निकाला और किनारे पर लाया। नाव उलटते हुए बची।

अब तीनों ऊंची उगी घास में छिप गये थे। थामसन राइफल, विचेस्टर पिस्तौल तथा मशीनगन को सामने रखकर बेयर्ड ने कहा- 'तुम राइफल को लेकर थोड□ी दूर पर बैठ जाओ। उन पर दो तरफ से हमला करेंगे।

मोटरवोट का रंग सफेद था। एक सर्चलाइट को उस पर फिट कर दिया गया था। उस पर तीन आदमी थे। दो मशीनगनें लिए थे, तीसरा मोटरबोट में लगी सर्चलाइट के पास खड□ा था।

उन्होंने सर्चलाइट को उन पर फेंका और मोटरबोट को आगे ले गये। एक पल के बाद उन्होंने चक्कर काटा और फिर आ गये। इस वक्त वे बिल्कुल किनारे के पास थे। अचानक उनमें से एक चीखा- 'वह रही नाव।'

अब मोटरबोट किनारे के पास था तथा सर्चलाइट को नाव पर फेंक रहा था। इससे पहले कि उनकी तरफ से शुरुआत होती, बेयर्ड ने पहला फायर किया। गोली डेक के तख्ते को चीरती हुई निकल गई और उसी के साथ दोनों गनमैन भी दरिया में जा गिरे।

बेयर्ड ने दूसरी गोली मारी और सर्चलाइट को बुझा दिया। मोटरबोट तेजी से आगे बढ□ गया। रिको ने कोई गोली नहीं चलाई। वह राइफल को सिर के नीचे रखकर औंधा लेट गया था और कांप रहा था।

बेयर्ड ने खड□े होकर देखा-मोटरबोट फिर वापस आ रहा था। दोनों गनमैनें, जो दरिया में गिर गये थे, तैरते हुए किनारे-किनारे पहुंच गये थे। मोटरवोट उनको लेने लगा था। बेयर्ड उठ खड□ा हुआ। वह एक पेड□ की आड□ लेकर खड□ा हो गया था। रिको बंदर की तरह घुटनों के बल उठकर बैठ गया था और अंधेरे में घूर रहा था।

मोटरबोट वापस मुड□ा। उन्होंने मशीनगन को डेक के ऊपर फिट कर रखा था। जैसे ही वे नाव के पास आए कि उन्होंने गोलियां चलानी शुरू कर दीं। गोलियों से पेड□ फट गया, किनारा हट गया और नाव के टुकड□े-टुकड□े होकर हवा में उड□ गये।

बेयर्ड पेड□ की जड□ में लेटा था। मोटरबोट आगे बढ□ा गोलियां बराबर चल रही थीं। जैसे ही गोली चलती तो घास-फूस पर गीली मिट्टी सरसराकर उड□ती। मोटरबोट ने जब उस हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया, जहां रिको था तो वह घबरा गया। अगर वह पहले की तरह जमीन पर लेटा रहता तो कुछ न होता, मगर वह डर के मारे उठा ताकि कहीं दूर जाकर छिप जाए।

अचानक अंधेरे में एक गोली आकर उसकी टांग में लगी और चीरती हुई गुजर गई। रिको चीख मारकर नीचे लुढ□क गया।

बेयर्ड ने सोचा- आखिर कमबख्त मर ही गया। जब उसकी सख्त जरूरत थी, तभी उसने साथ छोड□ दिया।

अगरचे उसकी कलाई में दर्द था, मगर जैसे ही मोटरबोट फिर लौटा तो बेयर्ड ने देखा कि उस वक्त मशीनगन गोलियां नहीं फेंक रही थी। उसने थामसन और विचेस्टर दोनों को बारी-बारी इस्तेमाल करते हुए मोटरबोट पर आग बरसानी शुरू कर दी। उसी के साथ उसने कई जिस्मों को चीखें मारते हुए दरिया में गिरते देखा।

अब मोटरबोट बेकाबू हो गया था। उस पर कोई भी जीवित नहीं बचा था। वह चलता हुआ किनारे से आ टकराया। उसका अगला हिस्सा गीली मिट्टी में फंसकर घर्र-घर्र करने लगा। उसकी मशीनरी अभी तक चल रही थी।

आगे बढ़कर वह मोटरबोट पर जा चढ़ा। एक गार्ड जख्मी हालत में पड़ा था। उसने बेयर्ड को देखा और पास पड़ी मशीनगन उठाने लगा, मगर बेयर्ड ने कोल्ट निकालकर गोली उसके सिर में दे मारी। उसने चीखकर दम तोड़ दिया।

इसके साथ ही बेयर्ड ने मशीन को रिवर्स गियर में डालकर मोटरबोट को पीछे किया और ठीक से चलाता हुआ किनारे के साथ पीछे ले आया।

नाव टूटकर टुकड़े-टुकड़े हो चुकी थी। अब यही मोटरबोट थी, जो उसको अपनी मंजिल तक ले जा सकती थी। बेयर्ड का सारा शरीर दर्द से भारी हो चुका था। एक अज्ञात शक्ति मानो उसे सहारा दे रही थी। अगर किसी तरह वह हेटर को मोटरबोट में सवार करवाने में सफल हो जाता है तो उसकी ज्यादातर परेशानियां खत्म हो जाएंगी- उसने सोचा।

उसने अंधेरे में हेटर को तलाश करना शुरू किया। वह बेजान सा खामोश वहीं पड़ा था, जहां बेयर्ड ने उसे पटका था। बड़ी जानमारी के बाद बेयर्ड उसे मोटरबोट पर लादने में सफल हुआ। उसने सूटकेस और हथियार भी तलाश करके उसमें रख लिये।

'बेयर्ड! बेयर्ड!'

उसने सुना- यह रिको की आवाज थी। उसे हैरत हुई कि वह अभी तक जीवित है। वह झाड़ियों के बीच रिको को ढूंढ़ने के लिए आगे बढ़ा। जरा-सा चलने पर उसे रिको औंधा पड़ा मिल गया। दर्द से उसका रंग सफेद हो गया था।

रिको सिसकता हुआ बोला- 'मैंने समझा कि तुम मुझे भूल गये हो। मैंने सोचा कि तुम मुझे यहां मरने को छोड़ जा रहे हो।'

'उठो-उठो! चूहे के बच्चे। तुम यहां लेटे क्या कर रहे थे?'

'मेरी टांग में गोली लगी है।'

'टांग में।'

'मेरी टांग टूट गई है। खून बह रहा है।'

'......।'

'बेयर्ड मेरी मदद करो।'

'जब गोलियां चल रही थी तो तुम उठकर क्यों भागे?'

'बेयर्ड, मेरी मदद करो। मुझे मरने के लिए यहां छोड़कर मत जाओ।'

एक पल को बेयर्ड के दिमाग में विचारों की एक नई तरंग उभरी। उसने सोचा- वह इसे क्यों न छोड़ जाये? शुरू से आखिर तक रिको उसके लिए निरर्थक साबित हुआ है। अब उसकी टांग टूट चुकी है। अब तो वह और भी ज्यादा परेशान करेगा। वह कहां उसे कंधे पर उठाये घूमेगा।

'अच्छा-अच्छा! चिल्लाओ मत। मैं अभी वापस आता हूं। मुझे हेटर को तो तलाश करने दो।'

रिको समझ गया कि बेयर्ड झूठ बोल रहा है।

वह चीखा- 'नहीं-नहीं, मुझे इस तरह छोड□कर मत जाओ। मैं मर जाऊंगा।'

'शटअप।'

वह वापस मुड□ा।

रिको उसको आवाजें देता रहा, मगर वह रुका नहीं। टूटी टांग के साथ वह उसके पीछे घिसटने लगा। उसका शरीर दर्द ने तोड□ डाला था। अपने पंजों को गीली मिट्टी में गड□ाकर वह घिसटता रहा।

'बेयर्ड मैं आ गया।'

'.....।'

'बेयर्ड, मेरा इंतजार करो।'

सहसा चलते चलते बेयर्ड के पांव रुक गये। उसने सोचा, क्यों न एक गोली मारकर वह रिको को इस यातना से हमेशा के लिए मुक्ति दिला दे, मगर यह सोचकर कि हो सकता है कि कोई गार्ड आसपास हो और उसके गोली चलाने से चौकन्ना हो जाए। उसने पिस्तौल जेब में डाल लिया।

रिको अब तक घिसटकर किनारे तक आ गया था।

उधर मोटरबोट पर सब सामान रखकर हेटर मशीन शुरू करने जा ही रहा था कि उसके कानों में रिको के चिल्लाने का स्वर पुन: गूंजा।

'वापस आओ। वापस आओ।

'.....।'

'रुको-रुको। मैं आ गया हूं।'

वह एक पागल कुत्ते की तरह घिसटता हुआ किनारे पर आ गया था।

उधर मोटरबोट धीरे-धीरे हरकत में आ चुका था और किनारे से दूर होने लगा था।

रिको ने राइफल उठा ली। वह चीखा, बेयर्ड लौट आओ। मैं कहता हूं लौट आओ, वरना मैं तुम्हें गोली मार दूंगा।

बेयर्ड ने मोटरबोट की गति तेज कर दी थी। वह रिको की चीखे और धमकियों की सीमा से बाहर निकल चुका था। अब वह पूरी तरह उससे बेखबर हो चुका था। उसके लिए रिको अब एक कीड□-मकोड□ की तरह था जो कभी भी दम तोड□ सकता था।

रिको ने राइफल उठा ली। उसने घोड□ा दबाया, मगर कुछ भी न हुआ। उसने अंगूठे से सेफ्टी कैच को पीछे करना चाहा कि एक धच्के के साथ राइफल पानी में जा गिरी। उसने गिरती राइफल को पकड□ना चाहा तो अपना संतुलन भी खो बैठा। उसी के साथ वह भी कमर तक पानी में जा गिरा।

बेयर्ड मोटबोट के साथ नजरों से ओझल हो चुका था।

रिको की टूटी टांग नीचे से मुड□ी और वह पानी में डूबने लगा। उस पर बेहोश छाने लगी थी। पानी उसके मुंह तक आया तो कुछ हद तक उसकी बेहोशी कम हुई। वह छपाके मारता हुआ किनारे की तरफ बढ□ा।

उसकी सांस फूल चुकी थी। टांग में मानो किसी ने दर्द का पैबंद लगा दिया था। वह आधा जमीन पर और आधा पानी में पड□ा था। उसने डर और आतंक से दूर अंधेरे में मोटरबोट को गायब होते देखा।

खून बड□ी तेजी से बहकर पानी में मिल रहा था। उसने चांद की रोशनी में देखा कि खून के आसपास का पानी लाल हो गया था।

इस पर भी उसे विश्वास था कि वह मरेगा नहीं। उसने अपने को समझाया कि रिवर पुलिस यहां उनको तलाश करती आयेगी और उसे बचा लेगी।

उसने अपनी आंखें बंद कर लीं और ईश्वर से जान की भीख मांगने लगा। अटपटे शब्द उसके मुंह से निकल रहे थे और वह सुबक रहा था।

थोड□े फासले पर ही एक भयंकर मगरमच्छ का सिर बाहर निकला। पानी में खून उसके मुंह को जा लगा था और धीरे-धीरे वह अपने शिकार पर झपटने के लिए आगे बढ□ने लगा।

रिको इस खतरे से बेखबर था।

मगरमच्छ ने नजदीक आकर पानी की सतह पर एक जोर की पूंछ मारी। पानी के छींटे उड□कर रिको के मुंह पर पड□े। उसने अपनी आंखें खोलीं। चंद गज दूर उसने पानी में हलचल देखी।

कोई चीज उसकी तरफ बढ□ रही थी।

उसने हैरत से उसकी तरफ देखा और सोचा। वह क्या हो सकता है? दर्द ने उसके डर को कुछ कम कर दिया था। पानी में उठते बुलबुलों ने उसे भयभीत नहीं किया था। वह दुविधा और हैरत से उस तरफ देखने लगा।

अचानक मगरमच्छ ने उस पर हमला किया और अपने जबड□ों में उसे दबोच लिया। जब तक उसे पता चलता कि वह मगरमच्छ का शिकार हो चुका है, उस वक्त तक बहुत देर हो चुकी थी।

मगरमच्छ उसको घसीटता हुआ गहरे पानी में ले जा रहा था।

* * *

एडम गिलिस एक पेड□ के नीचे खड□ा था। बारिश हो रही थी। पत्तों से गिरता पानी उसे भिगो रहा था। सड□के धीमी रोशनी में गोली होकर चमकने लगी थी। कभी-कभार कोई कार आती और सरसराती हुई सरपट गुजर जाती थी।

वह रुजवेल्ट गुलबर्ग का इलाका था जहां काईल का बंगला बना हुआ था। गिलिस थोड□ी ही

फासले पर खड़ा था। उसकी नजर कभी-कभार काईल के बंगले पर उठ जाती थी।

बारिश तेज होने लगी थी। गिलिस अपने मैले-से कोट की जेब में हाथ डाले खड़ा था। उसे इस बात की परवाह नहीं थी कि बारिश ने उसे सिर से पांव तक भिगो दिया था।

वह खुश था।

जो वह चाहता था, वह होने वाला था।

थोड़ी देर पहले उसने एक पब्लिक टेलीफोन बूथ से जॉर्ज को एक गुमनाम टेलीफोन करके बता दिया था कि जीन ब्रूस की चेन प्रिस्टन काईल की सेफ में पड़ी है।

इससे पहले कि जॉर्ज वहां पहुंचता, वह काईल का तमाशा देखने के लिए वहां आ खड़ा हुआ था। जॉर्ज को पहुंचने में बीस मिनट लग गये थे। गिलिस को हैरत हो रही थी। कि जॉर्ज ने क्यों आने में देर लगा दी थी, पर उसे मालूम नहीं था कि तलाशी के वारंट पर एक जज से दस्तखत करवाने में उसे समय लग गया था।

अचानक एक कार रुकी। उसमें से गुप्तचर विभाग के दो जासूस और जॉर्ज उतरा। वे सीढ़ियां चढ़ते हुए काईल के बंगले में गये और दरवाजा बंद हो गया।

बाहर सड़क पर एक पुलिस जीप खड़ी थी जिसमें पुलिस के कई सिपाही बैठे थे। गिलिस काईल के बंगले के नजदीक जाकर खिड़की से देखना चाहता था कि अंदर क्या हो रहा है, मगर पुलिस ने उसे आगे बढ़ने से रोक दिया था, इसलिये वह पेड़ के नीचे खड़ा काईल के बाहर निकलने की प्रतीक्षा कर रहा था।

गिलिस को ज्यादा देर तक इंतजार नहीं करना पड़ा। आधे घंटे बाद ही काईल सिर झुकाये जॉर्ज के साथ बाहर निकला। उसके साथ गुप्तचर विभाग के दोनों अफसर भी थे।

काईल की चाल में संतुलन नहीं था। वह शक्ल से बहुत थका और बूढ़ा नजर आ रहा था। वह पुलिस कार में जाकर जॉर्ज के साथ बैठ गया। दोनों अफसर वापस अंदर चले गए।

कार चल पड़ी।

काईल को पुलिस के साथ कार में जाते देखकर उसको बेहद खुशी हुई। एक का तो उसने पत्ता काट दिया था।

टेलीफोन करने और टैक्सी पर आने पर गिलिस ने अंतिम डॉलर भी खर्च कर दिया था, मगर उसे इसकी परवाह नहीं थी। उसने काईल की इज्जत का जनाजा अपनी आंखों से निकलते देख लिया था।

वह जानता था कि ईव अपने फ्लैट में होगी और इसके पास रुपये होंगे। वह रोक्स बोरो एवेन्यू में रहती थी, जो वहां से काफी दूर था। मगर वह खुशी के मूड में था, सो वह पैदल ही चल पड़ा था। उसने सोचा, शायद आज की रात के बाद उसे कभी पैदल नहीं चलना पड़ेगा। उसकी अपनी कार होगी। उसने भविष्य के बारे में जो योजना बनाई थी, उसको लेकर वह काफी आशावादी जान पड़ता था।

ईव के फ्लैट पर पहुंचकर उसने दरवाजा खटखटाया। ईव ने दरवाजा खोला और हैरत से बोली।

'ओह, एडम! तुम इस वक्त यहां? तुम तो सिर से पांव तक भीग गये हो। तुम अंदर आ जाओ।

'मैं भी यही सोच रहा था।'

'तुम पैदल ही आये लगते हो, तभी सारे भीग गये हो।'

'रास्ते में कोई टैक्सी मिली ही नहीं।'

गिलिस कमरे में आ गया। उसके कपड□ों से पानी रिस रहा था और जूते कीचड□ से भरे थे। वह बोला- 'मैं बाथरूम में जाकर इन्हें उतारता हूं, वरना सारा ड्राइंगरूम खराब हो जाएगा।

'शाम को प्रिस्टन का फोन आया था। वह आने वाला होगा। जब तुमने दरवाजा खटखटाया तो मैं समझी कि शायद वह आ गया है। तुम यहां से...।'

'तुम्हें घबराने की जरूरत नहीं है।'

'क्यों?'

'काईल नहीं आएगा।'

'तुम्हें कैसे मालूम?'

'यहां आने की बजाय उसे कुछ और जरूरी बातों पर ध्यान देना पड□ रहा है।'

'मतलब?'

'मैं पहले अंदर जाकर गर्म पानी से नहा लूं, फिर तुम्हें आकर बताऊंगा। मुझे कहीं सर्दी न लग जाये।'

कहकर वह बाथरुम में चला गया। उसने काईल के सेफ्टी रेजर से शेव बनाई, खूब साबुन मलकर नहाया, अपने कपड□ों को सूखने के लिए खूंटी पर लटका दिया और वहीं पर लटकता ईव का गाउन पहनकर बाहर निकला।

कमरे के एक कोने में हीटर रखा था। वह उसके सामने आकर बैठ गया। उसने पूछा- 'कुछ पीने के लिए है?'

'क्या?'

'व्हिस्की।'

ईव अलमारी में से उसके लिये व्हिस्की निकाल लाई। गिलिस पीने लगा।

'प्रिस्टन को क्या हुआ?'

'मुझे शक है कि वह मुसीबत में फंस गया है।'

'कैसी मुसीबत?'

'मैंने कहा न, किसी मुसीबत में फंस गया है। तुम क्यों घबराती हो? अब वह तुम्हें कभी परेशान नहीं करेगा।'

'मतलब?'

'तुम भी तो उससे उकता चुकी थी।'

'वह कैसे मुसीबत में फंसा?'

'पुलिस ने जीन ब्रूस की चेन को उसके घर से बरामद कर लिया।'

'तुमने पुलिस को खबर दी होगी?'

'नहीं, कई दफा सोचा, पर हर बार अपना इरादा बदल लिया। मैंने पुलिस को खबर नहीं दी थी।' गिलिस ने झूठ बोला।

'पुलिस अब उसके साथ कैसा सलूक करेगी?'

'मेरा ख्याल है कि वह दस साल के लिये जेल की हवा खायेगा। खैर, तुम फिक्र क्यों कर रही हो? वह अब तुम्हारे रास्ते से हट चुका है। तुम भी तो यही चाहती थी।'

उसने शराब के गिलास दोबारा भरे।

'ईव, यही जिन्दगी है। मैं कई बार सोचता हूं काश! मैं भी लड□की होता तो किसी बूढ□े करोड□पति को बेवकूफ बनाकर आराम ही जिन्दगी गुजारता।'

ईव उसकी बात सुनकर कांप उठी, मगर कुछ कहा नहीं।

एडम ने कहा- 'खैर, क्या तुम्हें काईल ने बताया था कि शूटिंग लाउंज पर क्या हुआ?'

'उसने कुछ खास तो बताया नहीं। बस इतना कहा कि उसे सफलता नहीं मिली।'

'लगता है कि तुम्हें उसकी नाकामी से कोई खास सदमा नहीं पहुंचा।'

'मुझे क्यों पहुंचता ?'

'तुमको भी तो उसके माल में हिस्सा मिलता।'

'मुझे क्यों मिलता? मैं शुरू से ही इस योजना के खिलाफ थी, पर लगता है तुम्हें उसकी नाकामी से बेहद खुशी हुई है।'

'मैं तुम्हें बताता हूं कि शूटिंग लाउंज पर क्या हुआ था?' काईल वहां ठीक समय पर पहुंच गया था। वह ऊपर नीचे बड□ी परेशानी में घूम रहा था। मुझे बुखार था, फिर भी मैं एक झाड□ी में छिपा देख रहा था। वक्त गुजर गया, मगर वह नहीं आया, तब उसने रेडियो खोला, खबर आई कि बेयर्ड पुलिस की मोटरबोट को लेकर भाग निकला है। हमने बहुत देर तक इंतजार किया, मगर बेयर्ड नहीं आया।

ईव उठ खड□ी हुई और कमरे में इधर-उधर घूमने लगी। उसकी खामोशी से चिढकर गिलिस बाला- 'लगता है तुम्हें जैसे इस मामले से कोई सरोकार ही न हो। यह क्यों भूलती हो कि हम इस मामले को लेकर एक साथ काम कर रहे थे।'

'यह गलत है। मैं कभी भी इस मामले में तुम्हारे साथ नहीं थी। तुमने जो मुझे कुछ करने के लिए मजबूर किया, वह मैंने कर दिया। मैं तो शुरू से इस योजना को एक हिमाकत मानती थी।'

‘तुम भी अजीब लड़की हो।’ गिलिस ने सिगरेट का धुआं हवा में उड़ाते हुए कहा।

‘लाखों हाथ में आते-आते फिसल गए हैं। तुम्हें कुछ फर्क ही नहीं पड़ा। उन रुपयों से जिन्दगी बदल सकती थी।’

‘मुझे मालूम है कि मैंने क्या खोया और क्या पाया है।’

‘खैर, जो कुछ मैंने बेयर्ड के बारे में सोचा था, ठीक निकला।’

‘तुम उसकी बहादुरी की तारीफ कर रहे हो?’

‘इसमें बुराई क्या है?’

‘उसकी वजह से आठ आदमियों की जानें जा चुकी हैं। तुम्हारे लिए इसका कोई अर्थ ही नहीं।’

‘जो आदमी जेल का पहरेदार बनता है, उसे मौत के लिए भी तैयार रहना चाहिए। जिन्दगी बिना खतरों के बेमानी नजर आती है।’

ईव ने पूछा- ‘तुम क्या सोचते हो, हेटर का क्या हुआ होगा?’

‘वह बेयर्ड के साथ होगा। हो सकता है कि बेयर्ड महाराजा से सीधा सौदा करे। अगर उसने ऐसा किया तो पुलिस उसको छोड़ेगी नहीं। नरैटन के खून के इल्जाम में जॉर्ज उसको पकड़ लेगा।’

‘तुम्हारा क्या ख्याल है, राजा उससे बात करेगा।’

‘तुम्हारा मतलब है- बेयर्ड से?’

‘हां।’

‘जरूर करेगा।’

‘वैसे तुम्हें कब अहसास हुआ कि बेयर्ड तुम्हें चकमा दे गया है और काईल अब तुम्हारे मतलब का नहीं रहा है?’

‘तुम्हें जानकर खुशी नहीं होगी?’

‘फिर भी मैं जानना चाहती हूं।’

‘तुम अगर प्रिस्टन के बारे में जानना चाहती हो तो सुनो। जब तुमने कहा कि तुम उससे तंग आ चुकी हो तो मैंने जॉर्ज को फोन कर दिया कि जीन ब्रूस की चेन काईल की सेफ में पड़ी है।’

‘इसके लिए तुम मुझे ही दोषी ठहरा रहे हो।’

‘अगर तुम काईल से तंग न आ गई होती तो मैं शायद पुलिस को फोन न करता।’

ईव चुप हो गई। वह जानती थी कि बेयर्ड ने उसे धोखा दिया था और काईल से उसे कुछ मिलने वाला नहीं था, इसलिए उसने पुलिस को फोन कर दिया था। पर गिलिस के दिमाग में कुछ और ही था। वह अपने किसी और स्वार्थ के लिए काईल को राह से हटाना चाहता था। मगर उस समय चुप था।

ईव ने कहा मैं सोने जा रही हूं। तुम चाहो तो रात को यहीं ठहर जाओ।

'मैं भी यही कहने वाला था, मगर इतनी जल्दी मत भागो। मैंने तुमसे एक जरूरी बात करनी है।'

वह समझी कि शायद वह कुछ रुपये मांगना चाहता है, सो बोली, 'कितने चाहिए?'

'तुम्हारे पास कितने हैं मुझे देने के लिए नहीं बल्कि अपना गुजर-बसर करने के लिए। अब काईल तो रहा नहीं। कब तक इस फ्लैट में रह सकोगी?'

ईव ने कुछ सोचकर कहा- 'मैं वापस फोलीज थियेटर में चली जाऊंगी।'

'अगर उन्होंने तुम्हें वापस न लिया तो? मेरी राय में वापस जाने में कोई तुक तो है नहीं। वैसे मैं तुम्हें एक बात कहना चाहता था।'

'क्या?'

'महाराज तुमको पसंद करने लगा है।'

ईव चौंककर खड□ी हो गई। यह बोली- 'क्या कहा तुमने?'

'राजा तुम्हें चाहने लगा है। वह तुम्हें अपनी रियासत चित्तौड□ में ले जाना चाहता है। मैंने उनसे वायदा किया था कि मैं तुमसे इस मामले में बात करूँगा।'

'मैं समझी नहीं? क्या तुम राजा को जानते हो? तुम उससे कैसे मिले?'

'तुम्हें हैरत क्यों हुई? मैं उसे जानता हूं। पहली बार मैं उसे भारत में मिला था। वहां उसके लिए कुछ किया था, तभी से वह मुझसे प्रभावित है।'

'मतलब यह है कि तुमने राजा को कुछ औरतों से मिलवाया था, जो उसकी बात मान गई थीं?'

गिलिस ने गंभीर होकर कहा- 'ताना देने की क्या जरूरत है? मुझे तो यह भी पता नहीं कि मैंने उसके लिए क्या किया था, तभी राजा से बात हुई थी।'

'किसके बारे में?'

'हीरों के बारे में। तभी हमने योजना बनाई थी कि बेयर्ड की सहायता से हेटर को छुड□ाया जायें।'

'ओह, यह बात थी। अगर ऐसा था तो तुमने मुझे और काईल को क्यों बीच में उलझाया था?'

'मैंने यह सोचकर काईल को पकड□ा था कि अगर पासा हमारे खिलाफ पड□ा तो उसे ही बलि का बकरा बनाया जा सकता है।'

'क्या उस बलि के बकरे में मैं भी शामिल थी?'

'क्या बक रही हो? पुलिस को तुमसे क्या लेना-देना था?'

'अगर काईल पुलिस को बता देता कि यह मेरी योजना थी तो क्या होता?'

'मैं जानता हूं कि काईल इतना बुरा नहीं, जो तुम्हें इस मामले में फंसाता। काम तो ठीक से चला था, पर बदकिस्मती से ऐन वक्त पर चौपट हो गया। खैर, इस बात के बारे में अब क्या सोचना। अगर तुम चाहो तो राजा तुम्हारी जिन्दगी बना सकता है।'

ईव ने कोई जवाब नहीं दिया।

गिलिस ने कहा- 'तुमने सुना नहीं, मैंने क्या कहा ?' उसका स्वर गुस्से से भरा था।

ईव बोली, 'सुन लिया।'

'मैंने राजा से बात की है। वह काफी कुछ करने को तैयार है। यह सही है कि भारत में औरतों को इतनी आजादी नहीं है, फिर भी और दूसरे ऐशो-आराम हैं। राजा के पास महल है, हीरे-जवाहरात है। सब तुम्हें पहनने को मिलेंगे।

ईव ने कहा-

मेरा ख्याल था कि उसकी शादी हो चुकी है।'

गिलिस हंसा- 'तुम तो इन राजाओं से वाकिफ ही हो। इनके लिए क्या शादी और क्या प्यार। उसकी कोई पत्नी हो भी तो तुम्हें क्या फर्क पड□ता है ? उसकी वर्तमान पत्नी से तुम्हें घबराने की जरूरत नहीं है।'

ईव चुप रही।

'वह एक हफ्ता यहां और ठहरेगा। इस उम्मीद में कि शायद बेयर्ड उससे सम्पर्क करे। वह यहां से तीस को जाएगा। हम भी उसके साथ चलेंगे। वह तुम्हें एक बड□ी मोटी रकम दे देगा, ताकि तुम अच्छे-अच्छे कपड□ खरीद सको। वह जिसे पसन्द करता है, उस पर दौलत पानी की तरह लुटाता है।'

'क्या वह तुम्हें भी कोई सर्विस देगा।'

'मैं उसका प्राइवेट सैक्रेटरी होऊंगा। खूब पैसा मिलेगा। यह मामला ज्यादा लम्बा चलने वाला नहीं हैं। जिस ढंग से वह पैसा खर्च कर रहा है, उस हिसाब से पांच-छः साल ही चल पाएगा, तब तक हम खूब माल उससे ऐंठ लेंगे।

'मुझे खुशी है, एडम। तुम्हें एक अच्छी जगह मिल गई है। तुम खुश रहोगे और खूब कमाओगे।'

'अबकी बार मैं यह मौका हाथ से नहीं जाने दूंगा। खैर, छोड□ो इसे। मैंने राजा से कहा था कि तुम कल उसे होटल में मिलोगी और उसी के साथ लंच लेगी। वह जल्दी-से-जल्दी तुम्हारी राय जानना चाहता है।

'सॉरी, मैं नहीं जा सकूंगी।'

'क्यों, तुम्हें क्या ऐसा जरूरी काम है, जो तुम वहां नहीं जा सकती ? तुम्हें हर हालत में जाना होगा।'

'तुम्हें मालूम है कि तुम क्या कह रहे हो ? तुम्हें मालूम है कि राजा 'कलर्ड' है, एक गोरी लड□की एक काले एशियाई से कैसे शादी कर सकती है ?'

गिलिस ने गुस्से से कहा- 'क्या बकती हो। राजा ऊंचे वंश के लोग होते हैं। वह राजा ऐटन और कैम्ब्रिज में पढ□ा है।'

'मुझे इससे कुछ फर्क नहीं पड़ता। अगर वह कलर्ड न भी होता तो भी मेरा जवाब इंकार में था। मैं वापस फोलीज जा रही हूं। मैं इस तरह से जिन्दगी को काफी देख चुकी हूं।'

'जब फोलीज को पता चलेगा कि काईल जेल में है तो क्या वह उसकी प्रेमिका को अपने थियेटर में जगह देना पसंद करेंगे? इस स्कैंडल में मत फंसो, वरना तुम्हें पछताना पड़ेगा।'

ईव ने दांतों के नीचे अपना होंठ दबाया।

गिलिस बोला- 'अक्ल से काम लो। कल राजा से मिल लो। हम जहाज से जाएंगे। शिप जर्नी बड़ी अच्छी रहेगी। शिप पर तो तुम्हें उसकी बात माननी ही होगी।'

ईव ने गुस्से से कहा- 'मुनासिब यही है कि तुम यहां से चले जाओ।'

'तुम चाहती क्या हो?'

'अब कभी मेरे पास न आना। मैं तुमसे मिलना भी नहीं चाहती। मैं काफी दिनों से सोच रही थी कि तुमसे कहूं कि मैं अब तुमसे कोई रिश्ता रखना नहीं चाहती, पर साहस न बटोर पाई थी। आज वह समय आ गया है, जब मैं तुमसे कह दूं कि मैं तुम्हारी हरकतों से तंग आ चुकी हूं। मुझे खुशी है कि तुम्हें सर्विस मिल गई है और तुम भारत जा रहे हो।'

'डोंट बी सिली। हिमाकत का सबूत मत दो। ऐसा मौका जीवन में बार-बार नहीं आता। अगर हमने इसका लाभ उठाया तो हमारी जिन्दगी बन जाएगी।'

'मैं कहती हूं, यहां से तुम चले जाओ।'

अगरचे इर्वे की आवाज कांप रही थी, मगर उसमें दृढ़ता थी, इसका गिलिस को तुरन्त आभास हो गया। उसका मन एक अकथनीय कड़वाहट से भर आया था।

वह गंभीर स्वर में बोला- 'तुम मेरे प्रति एकाएक ऐसी क्रूर हो गई? राजा मुझे सर्विस सिर्फ तुम्हारी वजह से दे रहा है। अगर तुमने इंकार कर दिया तो मुझे भी कुछ नहीं मिलेगा। उसने मेरे कहने से ही हीरों को वापस लेने की योजना बनाई थी। उसका ख्याल है कि मैंने ही बेयर्ड को धोखा देने के लिए प्रेरित किया था। मैंने उसकी चैक बुक में से दो-तीन चेक फाड़कर उसके हस्ताक्षर करके कुछ रुपया बैंक से निकलवा लिया था। उसे पता चल गया है। अगर तुमने इंकार कर दिया तो वह मुझे जेल भिजवा देगा। उसने इसी शर्त पर कोई कानूनी कार्यवाही न करने का वायदा किया है कि तुम मान जाओगी।'

'दफा हो जाओ यहां से।' ईव ने गुस्से से कहा- 'मैं कभी तुम्हारी शक्ल तक नहीं देखना चाहती।'

'ओह, नहीं। तुम मुझसे इतनी बदतमीज़ी की बात मत करो। मैं जब चाहूंगा, तब जाऊंगा। अगर तुमने मेरी बात न मानी तो तुम्हें पछताना पड़ेगा।'

'अगर तुम चुपके से नहीं चले गए तो मैं बिल्डिंग में रहने वाले चपरासी को बुला लूंगी। वह तुम्हें यहां से धक्के मारकर निकाल देगा।'

'तुम यह हरकत करोगी तो मैं तुम्हारी चमड़ी उधेड़ दूंगा।' फिर जरा नर्मी से बोला- 'जरा

सोचो तो सही कि तुम्हारी वजह से मेरी कितनी अच्छी सर्विस हाथ से निकली जा रही है। तुम आदमी के रंग को लेकर यों ही झगड□ा कर रही हो। यह सिर्फ एक बहाना है।'

'अगर तुम मेरे भाई न होते तो मैं तुम्हें एक गाली देती, पर अब मजबूर हूं। तुम जाओगे या मैं टेलीफोन करके नीचे से चपरासी को बुलाऊं। वह नीचे रिसेप्शन पर से एक मिनट में आ जाएगा।'

'नहीं, मैं नहीं जाऊंगा। रिसीवर वापस रख दो, वरना तुम्हें पछताना पड□ेगा।' गिलिस चीखा।

ईव ने जैसे ही जल्दी से नीचे रिसेप्शन का नम्बर मिलाना चाहा कि गिलिस झपटकर उसके पास पहुंचा और रिसीवर उसके हाथ से छीन लिया। उसके ऐसा करते ही ईव ने कसकर एक चांटा गिलिस के मुंह पर दे मारा।

उसका मुंह लाल हो उठा। वह गुस्से से थर-थर कांपने लगा, उसकी मुट्ठियां भिंच गईं। उसने खा जाने वाली नजरों से ईव को देखा। अचानक उसकी नजर मेज पर पड□ी शराब की बोतल पर गई। उसने वह उठाकर पूरी ताकत से ईव के सिर पर दे मारी।

फिजां में एक दर्दनाक चीख गूंज उठी।

* * *

काली पैकार्ड कार तेजी से भाग रही थी।

बेयर्ड कार को एक हाथ से ड्राइव कर रहा था। उसका बायां बाजू नाकाम हो चुका था। वह सूजकर बहुत मोटा हो गया था। कलाई का अगला हिस्सा नीला पड□ गया था।

कार खुली सड□क पर भाग रही थी। एक हाथ से कार चलाना आसान नहीं था। उसका सारा जिस्म पसीने से तर हो रहा था। एक अज्ञात शक्ति उसे खींचे लिए जा रही थी।

रात के तीन बजे थे। सड□क पर आवागमन न के बराबर था। वह कार को चौथे गेयर में डाले आसानी से लिए जा रहा था।

उसके सारे बाजू में जहर फैल गया था। फिर भी वह आगे ही बढ□ रहा था। वह चाहता तो रुककर कहीं से मेडिकल सहायता हासिल कर सकता था, मगर उसे फैसला कर लिया था कि रुकने से मरना बेहतर है।

हेटर पिछली सीट पर पड□ा था। वह दरिया के बाहर हेटर को उस जगह लाने में सफल हो गया था, जहां पर रिको ने पैकार्ड को छिपा रखा था। बड□ी मुश्किल से उसने हेटर को कार में पिछली सीट पर पटका था। अब वह वहां गुमसुम पड□ा था। उस पर बेयर्ड ने एक कम्बल डाल दिया था।

हाईवे पर कार को चलाते हुए उसे बुखार ने आ दबोचा था। सारा शरीर सर्दी से कांपने लगा था। हाईवे से जो दायें सड□क लूसीनिया से मुड□ती थी, वह सीधी शूटिंग लाउंज सी जाती थी। एकाएक उसने शूटिंग लाउंज जाने का इरादा छोड□ दिया क्योंकि रास्ता बेहद ऊबड□-खाबड□ था। उस पर कार को चलाना उसके वश से बाहर था।

अचानक उसे अहसास हुआ कि मौत नजदीक है। वह मरने से पहले अनिता जैक्सन को देखना चाहता था। उसकी आंखें बुखार से धुंधली पड□ने लगी थीं और उसकी कल्पना में अनिता की

तस्वीर उभर आई थी।

एक के बाद दूसरा घंटा बीतता गया। वह कार को सिर्फ पेट्रोल पम्प पर पेट्रोल के लिए रोकता और आगे बढ□ जाता था। पम्प पर उसको गहरी दृष्टि से देखा जाता था मगर अब वह उन सब खतरों से अपने दिमाग को मुक्त करवा चुका था।

अब बेयर्ड के बाजू से बदबू आने लगी थी। एक-दो पेट्रोल पम्प के आदमियों ने सोचा भी कि वह पुलिस को उसके बारे में सूचित करें, मगर फिर यह सोचकर चुप कर गए कि उनको इससे क्या लेना-देना है।

लगातार सत्रह घंटे कार चलाने के बाद वह शहर की सीमा पर पहुंचा। उसका बुखार पहले से भी ज्यादा तेज हो गया था। अब उस पर मौत की तन्द्रा छाने लगी थी। वह यह भी भूल गया था कि पिछली सीट पर हेटर पड□ा है। उसे यह भी याद नहीं रहा था कि उसका बाजू कैसे जख्मी हुआ था? उसकी आंखें के सामने सिर्फ एक ही तस्वीर थी ...वह थी अनिता जैक्सन की।

बारिश होने लगी थी और गीली सड□क पर जाते हुए उसे ऐसा लगता था मानो वह कहीं समुद्र में तैरने लगा हो। कई बार तो सड□क पर दुर्घटना होते-होते बची थी, फिर भी वह एक मशीन की तरह कार को चला रहा था।

अब उसने कार की गति धीमी कर दी थी। उसके बाजू से बदबू ऐसी आ रही थी, जैसे सड□ी-गली लाश से आती है। अगरचे कार सिर्फ पन्द्रह मील प्रति घंटा की रफ्तार से चल रही थी, फिर भी उसको सीधा ड्राइव करना बेयर्ड के लिए कठिन हो गया था।

अचानक उसने अपनी कार के पीछे पुलिस जीपे का सायरन सुना तो तन्द्रा में डूबा उसका दिमाग सचेत हो गया। उस पर छाई बेहोशी अचानक दूर हो गई थी। उसने ड्राइविंग शीशे में देखा कि मोटर साइकिल पर कोई उसका पीछा कर रहा है।

उस पर एक कांस्टेबल था।

जल्दी ही वह कार के बराबर आ गया और बेयर्ड को कार रोकने के लिए कहा। बेयर्ड ने एक झटके के साथ कार को सड□क के किनारे रोक दिया।

कांस्टेबल ने पास आकर पूछा- 'क्या हुआ तुम्हें? क्या शराब पी रखी है? कैसे गाड□ी चला रहे हो?'

इसी बीच बेयर्ड का हाथ कोल्ट पर चला गया था।

कांस्टेबल ने टॉर्च की रोशनी बेयर्ड के मुंह पर डालकर पूछा- 'क्या हुआ तुम्हें? तुम तो बीमार नजर आते हो?'

'हां, मेरी तबियत ठीक नहीं है। मैं अपनी एक दोस्त के पास जा रहा हूं।

'तुम इस हालत में गाड□ी क्यों चला रहे हो?'

'मजबूरी है। मैं अपनी दोस्त के पास जा रहा हूं। हां, वह लड□की मेरी देखभाल करेगी।'

'तुम्हें हुआ क्या है? क्या बीमारी है।'

'मेरे बाजू में चोट लगी है। तुम्हारी मेहरबानी होगी, अगर तुम मुझे जाने दो।'

'तुम इस हालत में गाड□ी नहीं चला सकते। मैं तुम्हें अस्पताल लेकर चलता हूं।' कहकर उसने कार के दरवाजे को हैंडिल खींचा।

बेयर्ड कार के दरवाजे का सहारा लेकर बैठा था। वह नीचे गिरते-गिरते बचा। मगर कांस्टेबल ने उसे सहारा देकर नीचे गिरने से बचाया। बेयर्ड ने पिस्तौल निकालकर दो बार उसका घोडा दबाया। गोलियां कांस्टेबल के पेट में उतर गई। वह पछाड□ खाकर सड□क पर गिरा। दूसरे हपल उसका शरीर बेजान हो गया था।

अचानक उसे चक्कर आ गया। वह जैसे-तैसे संभला मगर उसका पिस्तौल छिटककर दूर जा गिरा। उसने दरवाजा बंद कर लिया। उसको वह पिस्तौल (कोल्ट) बेहद पसंद था। मगर उस पर तन्द्रा छाने लगी थी। बस उसे इतना जरूर अहसास था कि उसका कुछ खो गया है।

बड□ी मुश्किल से उसने इंजन स्टार्ट किया। कार दोबारा भागने लगी। कुछ देर जाने पर वह भूल गया कि सड□क पर दुर्घटना भी हुई थी। उसके तन्द्रायुक्त दिमाग में सिर्फ अनिता की तस्वीर थी।

अव वह बेखबरी के आलम में कार चला रहा था। दो बार उसने रेड लाइट को पार किया यह अच्छा ही हुआ कि कोई दुर्घटना नहीं हुई। थोड□ी देर में वह वहां पहुंच गया, जहां अनिता का कमरा था।

गली सुनसान थी। बिल्डिंग के कुछ कमरों में रोशनी थी। जैसे ही उसने कार को बिल्डिंग के सामने खड□ा किया, मूसलाधार बारिश होने लगी।

कुछ पल तक वह कार में चुपचाप बैठा बिल्डिंग को घूरता रहा। उसके कमरे में अंधेरा था। इस वक्त नौ बजे थे। उसे आने में अभी एक घंटा या कुछ और ज्यादा था। उसने सोचा-'क्या वह एक-डेढ□ घंटा जीवित रह सकेगा?

उसने अपना जलता हुआ सिर कार के दरवाजे पर रख दिया। उसे लगा कि वह शीघ्र की कोमा (बेहोशी) में चला जाएगा, फिर वह उस कोमा से कभी नहीं जाग सकेगा। उसने फैसला किया वह ऊपर जाएगा और अनिता के कमरे के बाहर बैठकर उसके आने की प्रतीक्षा करेगा। अगर वह कार में मर गया तो शायद अनिता को देखने की उसकी आखिरी इच्छा कभी पूरी नहीं होगी।

उसने कार का दरवाजा खोला।

जैसे ही उसने जमीन पर कदम रखा तो उसको चक्कर आ गया। बड□ी मुश्किल से उसने कार का सहारा लेकर अपने को संभाला, उसको एक कदम भी चलना मुश्किल हो रहा था। बारिश तेज हो चली थी।

वह खड□ा होकर अपनी हिम्मत बटोरने लगा। उसके लिए एक कदम चलना भी मुश्किल हो रहा था। कैसे सीढि□यां चढ□ सकेगा? उसने सोचा। चाहे जान रहे या जाये-वह अनिता के कमरे तक जरूर जाएगा। दुनिया की कोई ताकत उसे नहीं रोक सकती।

जैसे ही वह कार का दरवाजा बंद करने लगा तो उसकी नजर थामसन गन पर पड□ी जो

ड्राइविंग सीट पर पड□ी हुई थी। उसने उसे उठा लिया। उसे अपने कंधे पर लटकाया और लड□खड□ाते कदमों से आगे बढ□ने लगा। उसने दरवाजा भी खुला छोड□ दिया था।

तभी एक कार उस पर रोशनी डालती हुई गुजर गई।

वह आगे बढ□ा। उसने दरवाजा खोला और अंधेरी लॉबी में चलने लगा। सामने ही सीढि□यों का सिलसिला चला गया था। रेलिंग को पकड□कर वह एक के बाद दूसरी सीढ□ी पर लड□खड□ाता हुआ चढ□ने लगा। उसका सारा शरीर आग का जलता हुआ पुतला बन गया था। उसकी आंखों के सामने अंधेरा छाने लगा था।

जब वह फर्स्ट फ्लोर पर पहुंचा तो उसका सांस फूल गयी थी। सारा शरीर थकन से चूर-चूर हो चुका था। वह रेलिंग का सहारा लेकर बैठ गया। उसे शक होने लगा कि क्या कभी वह फोर्थ फ्लोर पर पहुंच भी पाएगा।

मगर एक अज्ञात शक्ति उसे आगे बढ□ने के लिए बेबस कर रही थी। वह फिर खड□ा हुआ। वह फिर घिसट-घिसटकर सीढि□यां चढ□ने लगा।

जैसे ही वह तीसरे फ्लोर पर पहुंचा, एक दरवाजा खुला और एक औरत ने बाहर झांका।

बेयर्ड ने उसकी तरफ देखा। उसके पांव लड□खड□ाये। औरत ने उसकी गन को देखा और साथ ही उसके भयानक चेहरे को। उसने घबराकर दरवाजा बंद कर लिया।

चौथे फ्लोर पर वह कहानियों और घुटनों के बल रेंगता हुआ पहुंचा। अब उसकी सांस धौंकनी की तरह चल रही थी।

आखिर उसने अपना रास्ता तय कर ही लिया था। चन्द कदम की दूरी पर अनिता जैक्सन का कमरा था, जो बंद था। बस, उसके आने में एक घंटा बाकी रह गया था।

उससे दोबारा मिलने की उत्सुकता से बेयर्ड अपने दर्द को भूलने लगा था। हो सकता है कि उसके बारे में वह अपनी राय बदल ले। उसने एक बार पहले भी उसे मौत के मुंह से बचाया था। शायद आज भी वह उसे मरने से बचा लेगी।

वह कमरे की दीवार का सहारा लेकर बैठ गया। अनिता की स्मृति अब उसकी आंखों के सामने धुंधली पड□ने लगी थी।

* * *

जॉर्ज ओलिन किसी से ब्टेलीफोन पर बात करने में व्यस्त था, जब डैलेस ने कमरे में झांका।

वह बोला, 'मैं तो काम में लगा हूं। किसी और को जाकर परेशान करो।'

मगर डैलेस कमरे में आ गया और एक कुर्सी खींच उसके पास बैठ गया। कमरे की चमचमाती रोशनी में वह थका हुआ नजर आ रहा था, उसने एक सिगरेट डिब्बी में से निकाला और सुलगाया।

जॉर्ज ने टेलीफोन पर कहा-'ओ. के.! उंगलियों के निशान मिलाकर मुझे फोन करो।'

कहकर उसने डैलेस की तरफ देखा और गुर्राया-'मैं बेहद व्यस्त हूं। तुम क्या चाहते हो?'

'हेटर मिला?'

'मैं तो उसके बारे में सोच भी नहीं रहा। तुम क्या समझते हो कि मैं उसे कहीं तलाश कर सकता हूं?'

'मैं शर्त लगा सकता हूं।'

'किस बात की?'

'बेयर्ड ने उसको भगाने की योजना बनाई थी हेटर को उसी ने भगाया।'

'क्या? बेयर्ड!' जॉर्ज ने सिगरेट सुलगाया। उसका चेहरा हैरत से भर उठा था, 'यह तुम्हारा अनुमान है या तुम्हारे पास कोई सबूत भी है।'

'मैं इस बारे में कुछ जानता हूं।' उसने सिगरेट का धुआं फिजां में उड□ाकर कहा-'काइल ने बेयर्ड को फांसा था, ताकि वह हेटर को छुड□ा सके। हेटर से काइल जानना चाहता था कि चोरी के हीरे कहां छिपे हैं। इन हीरों के बारे में काइल को उकसाने वाला एक ही आदमी था।'

'कौन? क्या नाम है उसका?

'एडम गिलिस। वे दोनों हीरों को हासिल करके महाराजा चित्तौड□ को देना चाहते थे।'

'वह क्यों?'

'ताकि चालीस लाख रुपया हासिल कर सकें।'

'कितनी देर से तुम यह रहस्य जानते हो?' जॉर्ज की आंखें आश्चर्य से चमक उठी थीं।

'यह हरमन की राय है। उसका ख्याल है कि यह योजना हफ्तों पहले बन चुकी थी। अब से पहले उसके पास कोई प्रमाण नहीं था, पर जब उसको प्रमाण मिल गया तो उसने मुझसे कहा कि मैं तुम्हें बता दूं।'

'मतलब यह कि तुम्हारे पास इस बात का सबूत है कि हेटर को जेल से छुड□ाने वाला बेयर्ड ही है? तुम यही कहना चाहते हो न?'

'यस।'

'क्या सबूत है?'

'गिलिस को पुलिस ने थोड□ी देर पहले कत्ल के इल्जाम में गिरफ्तार कर लिया है। वह सब

कुछ बता देगा।'

'यह क्या बात हुई? तुम्हें कैसे मालूम कि गिलिस को पकड□ लिया गया है? पुलिस फोर्स को तुम चलाते हो या मैं?'

'तैश में क्यों आते हो?'

'तुम्हें पता कैसे चला?'

'जब गिलिस अपनी बहन से मिलने गया तो मैं उसका पीछा कर रहा था। अगर मैंने कमरे में पहुंचकर उसको बचाया न होता तो वह अपनी बहन ईव को खत्म कर देता। उसने शराब की बोतल से ईव का सिर फाड□ डाला है। शायद वह अपनी एक आंख से भी हाथ धो बैठे।'

जॉर्ज ने एक लम्बा सांस लिया।

'मैं इस वक्त बेहद उलझा हूं। एक कांस्टेबल की हत्या हो गई है। तुम्हें कुछ देर तक इंतजार करना पड□ेगा। क्या वाकई गिलिस पकड□ा गया है?'

डैलेस ने स्वीकृति में सिर हिलाया। फिर डैलेस बोला- 'गिलिस मेरे साथ भी हाथापाई पर उतर आया था, मगर मैंने उसको वहीं पर दुरुस्त कर दिया।'

जॉर्ज बोला- 'तुम्हें मालूम है कि हमने काइल को गिरफ्तार कर लिया है?'

'हां, मैंने तुम्हें उसे गिरफ्तार करते देखा था। गिलिस ने ही तुम्हें फोन किया था।'

'तुम्हें कैसे मालूम?'

'जब वह तुम्हें फोन कर रहा था-मैं उसके पीछे खड□ा था।'

'तुम कब से उसके पीछे लगे थे?'

'शाम से। उसकी बहन के लिए अच्छा हुआ, वरना गिलिस तो उसको खत्म कर देता।'

टेलीफोन की घंटी बजी।

जॉर्ज ने रिसीवर उठाया।

'क्या-क्या कहते हो? क्या तुम्हें यकीन है? पैकार्ड? ओ. के.? मैं अभी चलता हूं। थैंक्यू, बिल!' कहकर उसने रिसीवर पटक दिया।

'क्या हुआ?' डैलेस ने पूछा।

'जहां कांस्टेबल की हत्या हुई है, वहां पर एक पिस्तौल पड□ा मिला है। उस पर बेयर्ड की उंगलियों के निशान हैं। एक राहगीर ने पैकार्ड कार को वहां से गुजरते देखा था, जो अब शहर में दाखिल हो चुकी है।'

'हो सकता है कि हेटर भी उसके साथ हो।' कहकर डैलेस उठ खड□ा हुआ।

जॉर्ज बाहर गया और ऊंची आवाज में आदेश देने लगा। डैलेस ने उसे सुन लिया था। वह वापस आकर बोला-

‘अब हम सबको मिलकर काम करना चाहिए।’

‘मैं तो कब से यह कह रहा हूं।’

‘पैकार्ड को तो मेरे आदमी नहीं जाने देंगे। मैं जरा गिलिस से मिलना चाहता हूं।’

‘सोच लो।’

‘क्या?’

‘जब तुम गिलिस के मिलोगे तो वह तुम्हें तो देगा कि हेटर को जेल से बाहर निकालने की जो योजना बनी थी, उस पर अमल करने के लिए रुपया महाराज ने दिया था। राजा को शायद गिरफ्तार करना इतना आसान नहीं होगा। वह अपने देश में एक प्रभावशाली व्यक्ति है।’

जॉर्ज ने दांत भींचकर कहा- ‘हूं, राजा की तो बात ही क्या है। अगर गांधीजी भी होते तो मैं अपने फर्ज से पीछे न हटता।’

‘नहीं, राजा को तुम गिरफ्तार नहीं कर सकते। स्टेट डिपार्टमेंट से उसके लिए तुम्हें इजाजत लेनी होगी।’

‘.............।’

‘अगर राजा को फौरन पता चल गया तो वह अपने देश भाग जाएगा, तब तुम्हारे लिए बड□ी मुश्किल पैदा जाएगी।’

‘क्या तुम राजा के लिए काम कर रहे हो?’ डैलेस से जॉर्ज ने व्यंग्य भरे स्वर में पूछा।

‘नहीं। मगर मैं नहीं चाहता कि तुम स्टेट डिपार्टमेंट के मामले में दखल दो।’

जॉर्ज कुछ हिचकिचाया और बोला- ‘कुछ भी हो, मैं हर हालत में गिलिस से मिलना चाहता हूं।’

‘क्या मैंने तुम्हें बताया नहीं?’

‘क्या?’

‘कि मैंने घूंसा मारकर उसका जबड□ा तोड□ डाला था। उसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कर दिया गया। वह इस हालत में नहीं कि आज रात तुमसे बात कर सके। तुम्हें थोड□ा इंजतार करना पड□ेगा।’

जॉर्ज ने डैलेस को घूरकर देखा और दांत भींचकर बोला-‘मैं एक मिनट के लिए बाहर जा रहा हूं। शायद इस बीच तुम अपने दोस्त राजा से बात करना चाहोगे?’

‘यस! शायद मुझे करनी ही चाहिए।’ कहकर डैलेस टेलीफोन की तरफ बढ□ा।

जॉर्ज बाहर निकलकर कंट्रोल रूम की तरफ चला गया। वहां पहुंचते ही एक सिपाही ने जॉर्ज को देखकर कहा-

‘सर! अभी-अभी सूचना मिली है कि पैकार्ड को एक जगह खड□ा देखा गया। उसको फौरन कब्जे में ले लिया गया। उसमें से किसी की लाश मिली है।’

पैकार्ड मिली कहां से है?'

'खूनी स्ट्रीट में।'

जॉर्ज की आंखें चमक उठीं। उसने पूछा- 'उसे किसने तलाश किया?'

'ओ. बेरन ने।'

'फोन कितनी देर पहले आया था?'

'कुछ मिनट पहले। वह गश्त पर था।'

'मैं वहां जाता हूं। मौरिस से कहना कि पुलिए स्क्वॉयड लेकर मेरे पीछे आये। दस बारह वर्दी सिपाहियों की जरूरत होगी। उनको फौरन तैयार रहने के लिए कहो और मौरिस के साथ भेज दो। सब काम एक मिनट में ही हो जाना चाहिए।'

कहकर जॉर्ज सीढि□यां उतरा, जीप में बैठा और चल दिया। पुलिस सायरन जीप में लगा था। जैसे ही जीप चली, वह फिजां में गूंज उठा।

तीस मिनट के बाद एक दूसरी पुलिस कार चली। इसमें मौरिस था और उसके पीछे इमरजेंसी स्क्वॉयड का ट्रक चल रहा था।

जॉर्ज जल्दी ही खूनी स्ट्रीट पहुंच गया, जो बेहद गंदी-सी थी। आपसास लोगों की भीड□ जमा हो गई थी। उनकी आंखों में आश्चर्य था। पुलिस के आते ही उनमें हलचल मच गई।

वहीं पर तीन पुलिस की गश्ती कारें पहले ही खड□ी थी। पुलिस के सिपाही पैकार्ड से भीड□ को दूर रखने का प्रयास कर रहे थे। लैम्प पोस्ट के नीचे पैकार्ड कार खड□ी थी जिसका अगला दरवाजा खुला था।

भीड□ को एक तरफ हटाकर जॉर्ज वहां पहुंचा, जहां पैकार्ड कार खड□ी थी।

एक मोटे-ताजे आदमी ने जॉर्ज को सैल्यूट किया। उसका नाम ओ. बेरन था।,

जॉर्ज ने पूछा-'टिम! तुम्हें कार में क्या मिला?'

'अंदर एक आदमी की लाश पड□ी है।'

'कुछ पहचाना, किसकी हो सकती है?'

'मेरा अंदाजा है कि यह हेटर की है।'

'हेटर!' जॉर्ज ने आगे बढ□कर कार के अंदर झांका।

ओ. बेरन बोला- 'उसकी लाश पिछली सीट पर कम्बल में लिपटी पड□ी है।'

जॉर्ज ने कार का पिछला दरवाजा खोला। इसी के साथ फिजां में पुलिस सायरन की कई आवाजें गूंज उठीं। जॉर्ज ने हेटर के ऊपर से कम्बल उठाया। उसी के साथ ओ. बेरन ने टॉर्च की रोशनी हेटर के मुंह पर डाली।

हेटर का रंग धूप की लगातार जलन से तंबें की तरह भूरा, बाल रूखे और जिस्म मिट्टी से भरा

था। उसके मुंह को टेप लगाकर बंद कर दिया गया था, जो सूज गया था। वह बड□ा ही भयानक लग रहा था।

जॉर्ज ने एक कदम पीछे हटकर पूछा-'तुम कैसे कहते हो कि यह हेटर की लाश है, ओ. बेरन?'

'मैं कुछ समय के लिए बेलमोर जेल के फार्म पर काम कर चुका हूं। यह जो कपड□े इसने पहन रखे हैं, यही बेलमोर जेल के कैदियों की यूनिफॉर्म है।'

'हां।'

उसने पूछा- 'क्या तुमने कभी पहले हेटर को देखा था?'

'नहीं, मगर मैंने उसकी फोटा देखी थी। लगता तो वही है।'

जॉर्ज पीछे हट गया। बड□ी तीखी बदबू कार में से आ रही थी।

तभी मौरिस भागता हुआ आया।

'यह हेटर है।' जॉर्ज बोला।

'तुम्हें कैसे पता चला?' कहकर उसने कार में झांका, 'इसके तो हाथ बंधे हैं।'

'हां और यह मर भी चुका है।'

'ओह!'

'एम्बुलेंस कार अभी तक नहीं आई?'

'यहां पहुंचने वाली ही होगी।' मौरिस बोला।

इसके बाद जॉर्ज ने इधर-उधर देखकर पूछा-'क्या यह वही जगह तो नहीं है, जहां पिछली बार हमारी बेयर्ड से टक्कर हुई थी?'

'यह, यह वही जगह है।'

'हो सकता है कि बेयर्ड आसपास कहीं छिपा हो।' जॉर्ज छतों को घूरने लगा।

'चार आदमियों को वहां ऊपर ले जाओ। उसके बाद घर-घर जाकर पता करो कि किसी ने बेयर्ड को देखा तो नहीं।'

मौरिस आगे बढ□कर सिपाहियों को आदेश देने लगा, तभी सायरन की आवाज करती एक एम्बुलैंस वहां आ गई। हेटर की लाश को कार में से निकालकर फुटपाथ पर रखे स्ट्रेचर पर लिटा दिया गया। एक पुलिसमैन ने आगे बढ□कर उसके मुंह पर लगे टेप को उतार दिया।

पास खड□े डॉक्टर की तरफ देखकर जॉर्ज ने पूछा-'आप बता सकते हैं कि इसकी मौत कैसे हुई होगी?'

'मेरा ख्याल है कि हार्ट फेल होने से।'

'आपने कैसे जाना?'

'इसकी शक्ल देखकर। मेरा ख्याल है कि इसे मरे हुए भी दो-तीन घंटे हो चुके हैं।'

जॉर्ज ने पूछा-'यह कार से बदबू कैसी आ रहा है?'

'यह गैंग्रीन बीमारी की है।'

'क्या इस लाश से है?'

'नहीं।'

जॉर्ज ने नाक पर हाथ रखकर कहा-'बहुत बुरी सड□ांध है?'

'हां, जिसे भी यह है उसकी मौत नजदीक है।'

तभी एक सिपाही भागता हुआ आया और जॉर्ज से बोला-'कोई साहब आपसे बात करना चाहते हैं।'

'क्या नाम है उनका?'

'डैलेस।'

'कहां है वो?'

'भीड□ के पीछे।'

'उसे आने दो।'

डैलेस भीड□ को चीरता हुआ आया।

उसने आते ही पूछा-'कौन मिला?' और उसने स्ट्रेचर पर पड□ी हेटर की लाश को घूरा।

'हेटर।'

'सच?'

'हां, इसमें कोई शक नहीं। ओ. बेरन ने भी उसे पहचान लिया है। वह बेलमोर जेल में काम कर चुका है।'

डैलेस ने कहा-'वही सारी दुनिया में अकेला आदमी था, जो जानता था हीरे कहां छिपे हैं। वही अब खत्म हो चुका है। जॉर्ज, तुम्हारा क्या ख्याल है कि इसने बता दिया होगा कि हीरे कहां छिपे हैं?'

जॉर्ज ने इंकार में कंधे हिलाए। वह बोला- 'लगता है कि बेयर्ड बुरी तरह जख्मी हो चुका है। जो आदमी इस कार में था, उसे ग्रैंगीन हो चुकी है। वह कहीं ज्यादा दूर नहीं गया होगा। यही आसपास होगा। उसे तलाश करना चाहिए।'

डैलेस ने गली में खड□े लोगों को देखा। कुछ पल तक चुप रहकर उसने जॉर्ज का हाथ पकड□कर कहा-'मुझे मालूम है कि बेयर्ड कहां हो सकता है।'

'कहां?' उसने चकित होकर पूछा।

'उस लड□की को देख रहे हो, जो सामने खड□ी है?'

'कौन? वह जिसने स्कार्फ बांध रखा है?'

'हां, वही बेयर्ड की फ्रेंड है।'

'अच्छा।'

'हां, वह सामने वाली गली में रहती है। उस बिल्डिंग में।

उसके कमरे का नम्बर तीस है। वह चौथे फ्लोर पर रहती है। मेरा अनुमान है कि बेयर्ड इस वक्त उसके कमरे में है।'

'सत्यानाश हो तुम्हारा। जब तुम इतनी बातें जानते हो तो मुझसे आज तक क्यों छिपाकर रखी?'

'मुझे कल ही बर्नज ने बताया था।' डैलेस ने कहा-'मुझे भी कल रात पता चला, मैं तब नहीं जानता था।'

जॉर्ज ने चिढ□कर कहा-'बहुत-सी बातें तुम कल रात तक नहीं जानते थे। खैर, तुम यकीन से कह सकते हो कि वह बेयर्ड की प्रेमिका है?'

'यस।'

जॉर्ज ने ओ. बेरन की तरफ मुड□कर कहा-'वह लड□की जो स्कार्फ बांधे खड□ी है, उसे यहां ले आओ।'

'मिस जैक्सन!' बेरन ने कहा, वह चकित था, 'माफ करना, क्या वाकई मैं उसे लाऊं पकड□कर?'

'हां, मगर तुम क्यों घबरा रहे हो? क्या खतरा है?'

ओ. बेरन ने कहा, 'मैं इस इलाके में सबको जानता हूं। वह एक भली और ईमानदार लड□की है और मेहनत करके अपना पेट पालती है। वह कभी भी किसी झगड□े-झंझट में नहीं पड□ी।'

'मगर अब वह पड□ चुकी है। तुम उसे यहां ले आओ, समझे?'

हिचकिचाता हुआ ओ. बेरन अनिता के पास पहुंचा और उसे कुहनी से पकड□कर ले आया।

अनिता की काली आंखों में डर की छाया थी, मगर उसने अपने संतुलन को बनाये रखा। जॉर्ज ने उसे घूरकर पूछा- 'तुम बेयर्ड को जनती हो?

'हां, मैं उसे मिली थी।'

'ओह! तुमने क्या उसे एक महीने पहले अपने कमरे में पनाह दी थी? मेरे से झूठ बोलने की कोशिश मत करना। मेरे पास सबूत मौजूद है।'

अचानक उसकी नजरें स्ट्रेचर पर पड□ी। वह कांप उठी। उसकी आंखों में यातना की छाया थी। उसने अपने दोनों हाथ छाती पर रख लिए। उसका चेहरा पीला पड□ गया। उसने ओ. बेरन की तरफ देखकर कांपते हुए स्वर में कहा- 'यह कौन है?'

जॉर्ज चीखा-'तुमने सुना नहीं, मैंने क्या पूछा था?'

मगर उसकी बात को अनसुना करके वह ओ. बेरन की तरफ देखकर गिड□गिड□ाई, 'प्लीज, मुझे बताइए यह कौन है?'

'इसका नाम हेटर है, मगर मुनासिब है कि तुम जॉर्ज के प्रश्न का उत्तर दो।'

वह चीखी- 'हेटर! क्या यह मर चुका?'

'हां।' बेरन ने कहा, 'यह मर चुका। तुम्हें उसके बारे में चिन्ता करने की जरूरत नहीं। तुम जॉर्ज के सवाल का जवाब दो। क्या तुम बेयर्ड को जानती हो?'

वह खोयी-खोयी-सी स्ट्रेचर के पास पहुंची। उस वक्त तक हेटर के शव को कम्बल से ढक दिया गया था। वह स्ट्रेचर के पास पहुंचकर डॉक्टर से बोली-'क्या मैं एक बार इसका चेहरा देख सकती हूं?'

चकित होकर डॉक्टर ने जॉर्ज की तरफ देखा। उसने उंगली के इशारे से इजाजत दे दी। डॉक्टर ने हेटर के मुंह पर से कपड□ा उठा दिया।

अनिता ने दर्द भरी और फटी-फटी नजरों से हेटर को देखा। उसने सूजे चेहरे और धूल तथा मिट्टी से सने शरीर को निहारा। तब तक बेरन वहां पहुंच चुका था। वह सिर को झुकाये घुटनों के बल हेटर के शव के पास बैठी थी।

ओ. बेरन ने उसका हाथ पकड□ा और उठाना चाहा तो वह बोली-'इसे क्या हुआ था? सिर्फ दो साल ही तो बाकी रह गये थे इसके छूटने में।'

'यह क्या तमाशा है?' जॉर्ज ने कड□ककर कहा।

मगर तभी डैलेस जॉर्ज को एक तरफ करके अनिता से बोला- 'इसका जेल से अपहरण कर लिया गया था। वे चाहते थे कि मालूम कर सकें कि इसने चित्तौड□ के हीरे कहां छिपा रखे हैं। इसके लिए उन्होंने बेयर्ड को बेलमोर भेजा ताकि वे इसका अपहरण करके लाये। बेयर्ड ने ही इसे मार डाला है।'

'ओह! क्या बेयर्ड ने यह सब कुछ किया?' उसने सिर को झटका दिया और नफरत भरी नजरों से डैलेस की तरफ देखकर बोली- 'हां, यह मेरे पिता हैं।'

इससे पहले कि इस रहस्योद्घाटन के सदमे को डैलेस सहन कर सके, एक सिपाही एक औरत के साथ आकर बोला- 'सर! यह औरत कहती है कि इसने बेयर्ड को देखा है।'

'कहां?'

'टॉप फ्लोर पर मैंने उसको जाते देखा था।'

'कैसा था वो?'

'काफी लम्बा, मगर बीमार नजर आ रहा था। उसके पास एक गन भी थी।'

'तुम कहां रहती हो?'

'थर्ड फ्लोर पर।'

'उसके पास कैसी गन थी?'

'पता नहीं-शायद मशीनगन।'

जॉर्ज ने सिपाहियों को आवाज दी- 'आओ, सभी आओ। बेयर्ड को पकड□ो।'

'एक मिनट ठहरो।' पीछे से डैलेस ने उसे पुकारा।

'क्या है?'

डैलेस ने कहा-'तुम बेयर्ड को जिन्दा नहीं पकड□ सकते।'

'जिन्दा या मुर्दा-मुझे इसकी परवाह नहीं।'

'हो सकता है कि उसे पता चल गया हो कि हीरे कहां छिपा रखे हैं, इसलिए उसे जिन्दा ही पकड□ने की कोशिश करो।'

'जहन्नुम में जाएं हीरे-वीरे। जिन्दा या मुर्दा-मैं अब बेयर्ड को बचकर निकलने नहीं दूंगा।'

'ठहरो।'

'क्या है?'

'मैं ऊपर जाता हूं।'

'क्यों?'

'मैं उससे गन लेने की कोशिश करूँगा। बाद में तुम पकड□ लेना।' डैलेस ने कहा।

वह जाने लगा तो अनिता बोली- 'मुझे जाने दो। वह मुझे कुछ नहीं कहेगा। मैं उसकी गन ले लूंगी। बाद में आप आ जाना।'

'तुम्हें कुछ पता भी है कि तुम क्या कह रही हो? वह बड□ा खतरनाक आदमी है।'

डैलेस बोला- 'जॉर्ज, अनिता को जाने दो।'

'तुम दोनों मेरे रास्ते से हट जाओ।'

'जॉर्ज, जिद मत करो। पहले अनिता को जाने दो। उसके पीछे-पीछे तुम रहना। भूलो मत, अगर उसने मशीनगन चलाना शुरू कर दिया तो वह तुम्हारे आधे से ज्यादा आदमियों को खत्म कर देगा।'

जॉर्ज ने शंकित स्वर में कहा- 'मैं तुम्हें बता दूं कि वह इसलिए तो ऊपर नहीं जाना चाहती कि...।'

अनिता अचानक मुड□ी और तेजी से भाग निकली।

जॉर्ज चिल्लाना ही चाहता था कि डैलेस उससे जा टकराया। वह अपना संतुलन खो बैठा। जब तक जमीन से उठकर वह खड□ा होता, तब तक अनिता नजरों से ओझल हो चुकी थी।

'क्या तमाशा है! कुछ होश भी है कि तुम क्या कर रहे हो?'

जॉर्ज डैलेस पर चीखा और फिर सिपाहियों से बोला-'जल्दी आओ, उस लड□की को पकड□ो।'

* * *

दीवार का सहारा लेकर बेयर्ड टेढ□ा लेटा था। अचानक पुलिस के सायरन की आवाज सुनकर उसकी बेहोशी कुछ टूटी उसने अपना सिर उठाया और सुना। सायरन की आवाज उसके कानों में यों आ रही थी मानो मौत का फरिश्ता अपने आने की सूचना दे रहा हो।

बड□ी मुश्किल से वह बैठा और दीवार के साथ उसने टेक लगा दी। अपना दायां हाथ आगे बढ□ाकर उसने थामसन गन को अपनी तरफ खींच लिया। उसने गन के मुट्ठे को अपनी छाती से लगाया। उसका रुख सीढि□यों की तरफ था।

पुलिस यहां तक कैसे पहुंची? उसे आश्चर्य हुआ। धुंधला-सा उसे सिर्फ इतना याद था कि वह कार में आया है, मगर उसको यह याद नहीं आ रहा था कि उसने कार को कहां खड□ा किया था या उसका क्या हुआ? उसने सोचा-क्या वह पागल है कि उसने कार को बाहर की सड□क पर कहीं छोड□ दिया था?

उसने देखा, आकाश में चांद निकल आया था। उसकी हल्की रोशनी करीडोर में पड□ रही थी। उसे लगा कि वे चांद की रोशनी में उतरकर आ जाएंगे और उसे घेर लेंगे।

वह घिसटता हुआ अनिता के दरवाजे के पास पहुंचा। उसने कमरे का हैंडिल घुमाया, मगर ताला लगा था। वह खुला नहीं। वह दरवाजे का सहारा लेकर बैठ गया। हर पल बेहोशी बढ□ने लगी थी और वह समझ गया कि उसका अंत आ पहुंचा है।

तभी पुलिस का सायरन फिर बज उठा। उसकी बेहोशी फिर टूटी। उसने दरवाजा खोलने की दोबारा कोशिश की, मगर लुढ□ककर नीचे जा गिरा।

उसे याद आया कि पांच सप्ताह पहले भी उसने इस कमरे में पनाह ली थी, तब भी वह मौत के मुंह में फंसा था, तब भी उसने उसे बचा लिया था, पर तब दरवाजा खुल गया था। आज यह क्यों बंद है? अगर यह दरवाजा खुल जाए तो वह आज भी उसे बचा लेगी।

वह एक जंगली जानवर की तरह बेबस हो चुका था, जो जख्मों से निढाल हो जाता है। वह कभी छाती के बल होता और कभी करवट ले लेता था। अब प्रत्येक पल बेचैनी बढ□ने लगी थी।

काफी देर के बाद उसने किसी के कदमों की आवाज सुनी। उसने थामसन को संभाला।

सहसा उसने अनिता को देखा। उसका मैला-सा कोट बारिश में भीग गया था। उसने सिर पर लाल-नीला स्कार्फ बांध रखा था। उसकी आंखों में भय और आश्चर्य था।

'हैलो!'' उसने खोई हुई आवाज में कहा-'देखो, हम फिर वहीं मिल रहे हैं। क्या तुम्हें कुछ याद है?'

उसने कुछ नहीं कहा। वह खामोश रही। उसकी नजरें थामसन पर जमी थीं। बेयर्ड ने उसको एक तरफ कर दिया।

अनिता ने पूछा-'तुम यहां बैठे क्या कर रहे हो?'

'मेरा बाजू नाकाम हो चुका है।' अनिता को देखकर उसमें एक नया उत्साह आ गया था। उसने पूछा-'क्या पुलिस के सिपाही बाहर मौजूद हैं?'

‘बाहर एक एक्सीडेंट हो गया है। एक आदमी मर गया है।’

‘क्या वह मेरी तलाश कर रहे हैं?’

‘वे तो एक्सीडेंट की वजह से आये हैं। क्या मैं तुम्हारा हाथ देखूं?’

‘अब कुछ नहीं हो सकता। इसे तो जड□ से ही काटना पड□गा।’

‘हो सकता है, मैं कुछ कर सकूं।’ कहकर वह आगे बढ□ी। उसकी आंखें गन पर जमी थीं।

वह बोला-‘तुम्हारा दरवाजा बंद है। मैंने खोलने की कोशिश की थी, ताकि अंदर जा सकूं।’

‘मैं हमेशा बाहर जाते वक्त इसे बंद कर जाती हूं। क्या तुम अंदर बिस्तर पर लेटना चाहते हो?’

‘नहीं, मैं नहीं चाहता कि मेरी वजह से तुम पर कोई मुसीबत आए। मैं सिर्फ तुम्हारे सामने मरना चाहता हूं।’

बेयर्ड ने आंखें बंद कर लीं। उसने वैसे ही पड□-पड□ पूछा-‘तुम्हें यकीन है कि पुलिस मेरी तलाश नहीं कर रही है?’

‘सड□क पर एक एक्सीडेंट हो गया है।’

‘क्या हुआ?’

‘सड□क के किनारे एक कार खड□ी है। उसमें से एक आदमी की लाश निकली थी।’

‘लाश! तुम्हें यकीन है कि वह मर चुका है?’

‘यस।’

‘वह हेटर है। अब मुझे याद आया। मैं उसी कार में आया था। क्या वह मर चुका?’

अनिता इस बार चुप रही।

‘ओह, हां! अब याद...याद आया।’ बेयर्ड का दिमाग अतीत में रेंगने लगा-‘मैं तो उसे भूल ही गया था। हमने उसको बांधकर एक कम्बल उसके ऊपर डाल दिया था। मैं तुम्हारे अलावा सबको भूल गया। मैं पांच सौ मील का कार से सफर तय करके तुमसे मिलने आया हूं।’

इस पर भी अनिता चुप रही।

‘हेटर बहुत अच्छा आदमी था।’ बेयर्ड ने कहना शुरू किया-‘उसने करोड□ों के हीरे कहीं छिपा रखे थे। जरा इतने रुपयों के बारे में सोचो। अब वह मर चुका है। अब उन हीरों तक कोई नहीं पहुंच पाएगा।’

अनिता ने थरथरराते स्वर में कहा, ‘तुमने उसे मार डाला?’

‘नहीं, वह उसके पास जा रहा था, इसलिए मर गया। मैं उसको कार में रखकर भूल गया। यही मेरी भूल है। तुम चाहो तो इसे मारना कह सकती हो।’ उसने दरवाजे के हैंडिल पर हाथ रखकर कहा-‘अनिता, क्या तुम इसे नहीं खोलोगी।’

‘क्यों नहीं? जरूर खोलूंगी।’ कहकर वह उसके नजदीक खिसक आई। वह बोली-‘क्या मैं यह

गन उठा लूं? तुम्हें तो अब चाहिए नहीं होगी।'

बेयर्ड की उंगलियां थामसन पर कसने लगीं। वह बोला- 'शायद मुझे इसकी जरूरत पड□। मैं अब भी इसे चला सकता हूं। क्या तुम दरवाजा नहीं खोलोगी?'

चाबी सुराख में डालकर उसने दरवाजा खोला।

'तुम्हें याद है, मैं पहली बार तुमसे मिला था?' उसने अंधेरे कमरे में झांका जिसमें चांदनी का हल्का प्रकाश फैला था, हों खुली खिड□की से अंदर आ रहा था।

'यह लो।' कहकर बेयर्ड ने थामसन को अनिता के हाथों में थमा दिया।

वह बोला-'पिछली बार जब मैं नींद से जागा था तो तुमने मेरी मशीनगन को मेरे सिरहाने रख दिया था। तुम दुनिया में अकेली एक ऐसी लड□की हो जिस पर मुझे भरोसा है।'

अनिता चुप रही।

बेयर्ड ने लड□खड□ाती आवाज में कहा- 'जो कुछ तुमने मेरे लिए किया, उसका बदला न मैं चुका सका और न कभी चुका पाऊंगा। तुमने ठीक ही कहा था-दया को खरीदा नहीं जा सकता। तुम्हारा कहना कितना सच था।'

अनिता ने गन को मजबूती से पकड□कर उसकी नाल को फर्श से लगा दिया। वह बोली-'पाल हेटर मेरा बाप था।'

बेयर्ड ने दोनों हाथों को झटका दिया। उसने एक हाथ से चेहरे को मसला। वह चौंककर बोला-'क्या कहा तुमने?'

'मैंने कहा कि पाल हेटर मेरा बाप था।'

उसने मशीनगन पर नजर डालकर कहा-'अगर मैंने तुम्हें यह न दी होती, तब क्या तुम मुझसे यह कहने की हिम्मत कर सकती थीं?'

उसने सिर हिलाकर कहा-'नहीं।'

बेयर्ड ने कहा- 'लेकिन तुम्हें हेटर से क्या लगाव हो सकता है? तुमने तो उसे पिछले पन्द्रह साल से देखा तक नहीं। तुम तो मुश्किल से पांच वर्ष की रही होगी, जब वे उसे पकड□कर ले गये थे।'

'मेरी मां ने मुझे सब कुछ बताया था।' उसने शांत स्वर में कहा-'मां ने बताया था कि उसको कैसी-कैसी भयानक यातनाएं दी गई थीं। वह अगर आज तक जिन्दा था तो सिर्फ इस उम्मीद पर कि मैं उसका इंतजार कर रही थी।'

'नहीं।' बेयर्ड ने कहा-'उसे सिर्फ हीरों ने जिन्दा रखा था। वह जानता था कि वे कहां छिपे हैं। वह बाहर निकलते ही उन्हें निकाल लेता।'

'नहीं।' अनिता ने कहना शुरू किया, 'उन हीरों के बारे में यह गलतफहमी बनी रही है। जब उसको पकड□ लिया गया तो मेरी मां के पास वे हीरे थे। कोई नहीं जानता था कि उसकी शादी हो चुकी थी। मां के लिए देश से बाहर जाना आसान था। जब वह शिप में जा रही थी तो वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मां और सिर्फ पांच दूसरे मुसाफिर बच सके थे। जहाज के साथ हीरे भी डूब गये थे। पन्द्रह

साल तक मेरा बाप दुख-तकलीफें काटता रहा। इस बीच मेरी मां को किसी और आदमी से लगाव हो गया। वह उसके साथ चली गई, मगर मैंने कभी यह बात अपने बाप को नहीं बताई। जब उसकी तकलीफों का समय खत्म होने वाला था कि तुमने उसे मार डाला।'

'मैंने उसे नहीं मारा।' बेयर्ड के स्वर में कठोरता थी।

'अगर तुम उसको जबरदस्ती छुड□ाने की कोशिश न करते तो वह इस वक्त जिन्दा होता।'

'अनिता, लगता है कि उसकी मौत ने तुम्हें बेहद दुख पहुंचाया है। मुझे हेटर की मौत का बेहद अफसोस है। अगर मैं उसे जानता होता तो कभी उसे छुड□ाने की कोशिश न करता।'

'काश! मैंने पहली बार तुम्हारी मदद न की होती। मुझे अहसास था कि पुलिस वालों ने जिस तरह मेरे बाप को सताया था, वही व्यवहार वे तुमसे करेंगे। अगर मैंने उस वक्त तुम्हें पनाह देने की भूल न की होती तो आज मेरा बाप जिन्दा होता।'

'तुम ठीक कहती हो।' बेयर्ड बोला-'अब मैं सिर्फ कुछ पल का मेहमान हूं। मैं जिस भी हालत में हूं, वे आकर अपना बदला चुका सकते हैं। तुम बाहर जाओ और उन्हें बुला लाओ।' उसने तकिये पर अपना सिर रख दिया।

'वे बाहर खड□े इंतजार कर रहे हैं।'

'अगर मैं जानता कि हेटर तुम्हारा बाप है तो मैं कभी बेलमोर न जाता। क्या आखिरी वक्त में मेरा विश्वास करोगी अनिता?'

'इससे फर्क क्या पड□ेगा! वह अब मर चुका है। उसकी मौत के लिए तुम नहीं, मैं जिम्मेदार हूं।'

बेयर्ड का दर्द दोहरा होकर सारे जिस्म में सुइयां-सी चुभोने लगा। अनिता बिना उसकी तरफ देखे कमरे से निकल गई। जिन्दगी में पहली बार उसे डर लगा। मौत को सामने देखकर वह भयभीत हो उठा था।

जॉर्ज ओलिन और दो कांस्टेबल कमरे में आये उनके हाथों में बंदूकें थीं। उनके पीछे डैलेस खड□ा था।

बेयर्ड कमर के बल लेटा था। उसकी आंखें बंद थीं। उसकी सांसें भारी होने लगी थीं। उसका सारा शरीर पसीने से भीग गया था। माथे से पसीना चूकर तकिये को भिगोने लगा था।

डैलेस आगे बढ□ा।

उसने बेयर्ड को कंधे से हिलाया-'अरे, तुम उठो। जागो।'

बेयर्ड ने अपनी आंखें खोलीं। डैलेस ने पूछा-'क्या हेटर ने तुम्हें बताया कि हीरे कहां हैं?'

बेयर्ड ने कुछ नहीं कहा।

डैलेस दोबारा बोला-'तुम चुप क्यों हो? बताओ-बताओ, हीरे कहां हैं? तुम जिन्दगी और मौत के बीच झूल रहे हो। अब वे हीरे तुम्हारे किसी काम नहीं आएंगे।'

बेयर्ड ने सिर को इंकार में हिलाया-‘मैं हेटर से पूछना ही भूल गया।’ उसकी आवाज धीमी थी-‘बहुत बुरा हुआ है ना?’

बेयर्ड ने डैलेस से दृष्टि हटाकर जॉर्ज को देखा और बोला-

‘अनिता बेकसूर है। पहली बार मैं यहां आकर छिपा था तो मैंने अनिता को डराया था कि अगर उसने मुझे पनाह न दी तो उसे नुकसान उठाना पड□गा। मुझसे डरकर उसने मुझे यहां छिपाया था। वह निर्दोष है।’

जॉर्ज ने व्यंग्य से कहा-‘अनिता पर तुम्हें बड□ा रहम आ रहा है? तुम भी जानते हो कि उसने तुम्हें जान-बूझकर यहां पनाह दी थी। एक कातिल की मदद करना कानूनी जुर्म है।’

‘यह बात नहीं। वह जानती थी कि अगर उसने मुझे न छिपाया तो रिको उसे खत्म करवा देगा।’

कहकर बेयर्ड ने उठने की कोशिश की, मगर असफल रहा।

जॉर्ज ने कहा- ‘झूठ बोलना बंद करो। तुम उसको बचाना क्यों चाहते हो? वह चालाकी से तुम्हारी मशीनगन ले उड□ी। वह न चाहती तो हम तुम तक कभी नहीं पहुंच पाते-समझे।’

बेयर्ड ने डैलेस की तरफ देखा- ‘तुम यकीन मानो। उसने जो कुछ किया, दबाव के तहत किया। वह एक अच्छी लड□की है। मैंने जो कुछ कहा है, उसे मेरा हलफिया बयान माना जाए। आप उसे लिख लीजिए। मैं उस पर दस्तख्त करने को तैयार हूं।’

डैलेस ने जॉर्ज से कहा-‘सुनो जॉर्ज, उसने बेयर्ड से गन न ले ली होती तो तुम बेयर्ड को गिरफ्तार नहीं कर सकते थे। मेरी समझ में नहीं आता कि तुम अनिता के पीछे क्यों पड□ हो? क्यों उसको खून के मामले में उलझाना चाहते हो?’

जॉर्ज ने तुनककर कहा-‘अजी जहन्नुम में जाये वो। मुझे क्या उसका आचार डालना है।’

बेयर्ड ने चैन की सांस ली और आंखें बंद कर लीं।

डैलेस ने कहा-‘क्या मैं तुम्हारे कांस्टेबल से कह दूं कि वह अनिता को छोड□ दे?’

‘यस, कह दो।’

जैसे ही डैलेस बाहर निकला, जॉर्ज ने डॉक्टर को बुलाया।

‘डॉक्टर!’

‘यस प्लीज!’

‘बेयर्ड को कोई इंजेक्शन दो-मैं इसका हलफिया बयान नोट करना चाहता हूं।’

‘ओ. के.!’ कहकर वह सिरिंज तैयार करने लगा।

डैलेस भागता हुआ सीढि□यां उतरा। अनिता और एक सिपाही लॉबी में खड□ इंतजार कर रहे थे। डैलेस तेजी से चलता हुआ उनके पास से गुजर गया।

बाहर आकर वह एक पब्लिक टेलीफोन बूथ पर गया। उसने हरमन का नम्बर मिलाकर कहा-‘मैं डैलेस बोल रहा हूं।’

'मैं हरमन हूं-बोलो।'

सारी घटनाओं का संक्षेप में ब्यौरा देने के बाद वह बोला-'लगता है कि हमारी सारी मेहनत बेकार गई। हेटर मर चुका है और बेयर्ड मरने वाला है। लगता है कि उसकी मौत के साथ ही हीरों का रहस्य भी हमेशा के लिए रहस्य बनकर रह जाएगा।'

'अनिता के बारे में क्या राय है? हो सकता है कि उसे हीरों के रहस्य की जानकारी हो।'

'आप क्या चाहते हैं कि अनिता से बात करूं?'

'जरूर!' हरमन बोला-'उसे कहो मेरी तरफ से।'

'क्या!'

'कि अगर वह हमें बता दे कि हीरे कहां छिपे हैं तो मैं उसे पचास हजार डॉलर दूंगा।'

'पचास हजार।'

'वक्त मत गंवाओ। जल्दी से जाकर बात करो।'

डैलेस ने पूछा-'मान लो कि उसे पता हो और वह बताने को तैयार हो जाए तो जॉर्ज क्या उसको कानूनी शिंकजे में नहीं कस लेगा? उससे अनिता को कैसे बचाया जाएगा?'

'यह हमारा सिरदर्द नहीं है। हमारा काम बन जाए तो वह चाहे जहन्नुम में जाए। पचास हजार डॉलर क्या कम होते हैं?'

'......।'

'और सुनो।'

'कहिये?'

'यह बात अनिता के दिमाग में मत डाल देना कि उसको जॉर्ज बाद में परेशान भी कर सकता है।'

'ओ. के! आप एक मिनट इंतजार करें। अभी अनिता से पूछकर बताता हूं।'

कहकर वह अनिता के पास गया और बोला-'सार्जेंट, जॉर्ज तुम्हें ऊपर बुला रहा है।'

'और यह लड़की?'

'जॉर्ज का कहना है कि इसे छोड़ दो।'

'ओ. के.।' कहकर सार्जेंट ने अनिता से कहा-'तुम जहां चाहो जा सकती हो, मगर ऊपर नहीं।'

'क्यों?'

'वे बेयर्ड को लेकर चले जाएं तो तुम चली जाना।'

अनिता ने स्वीकृति में सिर हिलाया। सार्जेंट चला गया। डैलेस उसके पास पहुंचा और बोला-

'मिस जैक्सन! एक मिनट ठहरिये।' वह उसके पास पहुंचकर बोला। 'मैं इंटरनेशनल डिटेक्टिव

एजेंसी के लिए काम करता हूं। मेरा नाम डैलेस है। जब से चित्तौड□गढ□ के हीरों की चोरी हुई है, हम उनको ढूंढ रहे हैं। मुझसे कहा गया है कि मैं आपको पचास हजार डॉलर देने की पेशकस करूं।'

'क्यों?'

'अगर आप यह बता सकें कि हीरे कहां छिपे हैं?'

अनिता ने भावहीन चेहरे से उसकी तरफ देखा।

डैलेस बोला-'मैं एक चेतावनी आपको और देना चाहता हूं।'

'कौन-सी?'

'अगर आपने यह रहस्य पुलिस को बता दिया तो पुलिस आपको भी अपराधियों की सहायता करने के इल्जाम में पकड□ सकती है।'

'आप मुझे यह क्यों बता रहे हैं? यह बात तो आपके खिलाफ जाती है।'

'मैं नहीं चाहता कि आपको धोखे में रखूं। अगर आप पचास हजार डॉलर लेकर कानूनी कार्यवाही का खतरा मोल लेना चाहती हैं-तो जो कुछ आपको मालूम है, बता दीजिये।'

अनिता ने इंकार में सिर हिलाया- 'सॉरी, मैं उन हीरों के बारे में कुछ नहीं जानती हूं।'

'सच।'

'हां, मैं अपने बाप की लाश को सामने पड□ी देखकर झूठ नहीं बोलूंगी।'

'खैर, क्या मैं आपकी कोई मदद कर सकता हूं?'

अनिता का चेहरा सख्त हो गया, वह बोली, 'नहीं शुक्रिया।'

डैलेस ने अपना नेम कार्ड निकालकर अनिता के हाथों में थमा दिया। वह बोला-'यह मेरा कार्ड है। हो सकता है कि आपकी राय बाद में बदल जाए तो आप मुझसे मिल सकती हैं। हो सकता है कि आपको मेरी कभी जरूरत पड□े।'

'थैंक्यू! मैं हर हाल में जीना चाहती हूं।'

अनिता वहां से चली गई और थोड□े फासले पर जाकर खड□ी हो गई। डैलेस उसको तब तक देखता रहा, जब तक वह बिल्डिंग के प्रवेश द्वार के दोनों तरफ खड□ी भीड□ में गुम न हो गई। वह टेलीफोन बूथ पर आया और उसने फोन पर हरमन से कहा-'मैं डैलेस हूं।'

'उसने क्या कहा?'

'उसे तो हीरों के बारे में कुछ भी मालूम नहीं है। हेटर ने उसे कभी कुछ बताया ही नहीं था।'

'तुम कैसे यह कह सकते हो?'

'अनिता की उम्र पांच वर्ष की थी, जब पुलिस ने हेटर को पकड□ा था, तब उसे बताने का सवाल ही पैदा नहीं होता था।'

'कहीं वह झूठ तो नहीं बोल रही है?'

‘कोई लड़की झूठ बोलती है तो मैं फौरन ताड़ जाता हूं।’

‘हूं-तुम्हारी हीरों के रहस्य के बारे में क्या राय है?’

‘मेरा ख्याल है कि हीरे कभी नहीं मिल सकेंगे।’

‘खैर, तुम वापस दफ्तर आ जाओ। यहीं पर बैठकर अंतिम फैसला करेंगे।’

तभी डैलेस ने देखा कि दो आदमी बेयर्ड के शव को स्ट्रेचर पर ला रहे हैं। उन्होंने बेयर्ड का मुंह कम्बल से ढक रखा था।

डैलेस के हाथ में रिसीवर अभी तक था। वह बोला-

‘मैं यहां से देख सकता हूं कि वे बेयर्ड के शव को स्ट्रेचर पर लेकर जा रहे हैं।’

‘क्या वह मर गया है?’

‘यस। चारों तरफ भारी भीड़ है। हर आदमी उसकी शक्ल देखना चाहता है। मुझे हैरत है कि लाश के प्रति लोगों में इतनी उत्सुकता और आश्चर्य क्यों है?’

‘.....।’

‘मुझे यकीन है कि बेयर्ड अनिता को मन से प्यार करता था।’

‘अब तुम बक-बक करना बंद भी करोगे?’ हरमन ने गुस्से से कहा-‘तुम फौरन यहां आओ। मेरा ख्याल है कि मैं अंतिम फैसले पर पहुंच चुका हूं।’

‘बॉस, आप मजाक अच्छा कर लेते हैं।’ कहकर डैलेस ने फोन बंद कर दिया।

बेयर्ड और हेटर की लाशों के आसपास हर पल भीड़ बढ़ती जा रही थी, मगर अनिता का कहीं पता नहीं था।

* * *